

do 34]

मद्दै बिहली, तातिवार, अगस्त 23 1997 ( मात्रपर 1, 1919)

No. 34

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 23, 1997 (BHADRA 1, 1919)

इस माग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अश्रम संस्थान के कप में एका व्यव आके हैं। (Repeated pegling to given to this Part in order that it may be filed as a separate constitution)

# PART III—SECTION 4]

सिविधिक विकार्यो क्रारा आरी की गई विविध विधिव्यवाएं जिसमें कि आहेश, निर्देश क्षेत्र क्ष्रीय क्ष्रिक्ष कि

[Miscellageous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व वैक सरकारी भीर वैंक लेखा विभाग

केन्द्रीय कार्यालय

वंदई, विमांक 24 जुलाई 1997

भारत सरकार के राजपत में 20 धनैत 1946 को प्रकाशित तथा 29 धनैत 1954 की प्रधिसुनना सं० एक० (8)70/धी/5 धीर भारत सरकार के दिनांक 21 फरवरी 1990 के प्रसाधारण राजपत्र सं० 67 के प्रतिर्गत यथा संणाधित लोक ऋण प्रधि- नियम 1954 की धारा 28 के प्रतिर्गत भारत सरकार बारा बनाये गये नियमों के नियम 18 के प्रतुपरण में जून 1997 की समान माह के लिए निम्नलिखित सूची खो गयी धावि ऐसी प्रतिभृतियों के बारे में एतब्दारा विज्ञापित की जाती है जिसके संबंध में इक बात का विज्ञास करने के लिए प्रथम दृष्टिया ग्राधार मौजूद है कि प्रतिभृतियां खो गयी हैं और ग्रावेदकों का दाया न्याप्रोलित हैं। तीचे लिखे गये संबंधित बावेदारों से इतर सभी व्यक्ति जिनका इन प्रतिभृतियों पर किसी प्रकार का स्वत्राही तहक में मुख्य लेखाकार, भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, सरकारी और बैंक लेखा विभाग, केन्नीय ऋण प्रमान, मुंबई की जुरित करें। सूची दो भागों में विभागित की गयी हैं। भाग क में प्रभी पहली बार विज्ञापित प्रतिभृतियां ब्रामिन की गयी हैं और ग्राव-"ख में पूर्व विज्ञापित प्रतिभृतियों की सूची दी गयी हैं।

"सूची क

प्रतिभृतियों का कमाक मूल्य रु०/ग्राम

किसके नाम से भारो की गयी

जाने की तारीख

ंब्याज धारित कियें इस्लिकेट जारी करने/जारी किये <mark>गये ग्रादेश</mark> भुगतान मूल्य की की सुरु तथा तारीख

> प्रशायनी के लिए दावैदार (रों) का के नाम

प्रहमदाबाद सकिल

9 प्रतिशत राहत नोड 1987

क् 5,00,000 - श्री ई०एम० दलाल ए॰बी॰-001106

16-8-1990

और श्रीमती एम०ई०

स्री ई०एम० दलाला ् खोवा सुधा मामला सं ० एल ०एम०/एस०/

घौर श्रीमती एम०ई० दलाल

327 मुख्य महा प्रविधक के विनांक

दलाला

2-5-97 के आवेश एवं केन्द्रीय कार्यालय ुके दिनॉक 2−5−9*7* 

शायरी सं० 212

कलकत्ता सर्किल 4.75 प्रतिशत ऋण 1979

भारतीय रितर्व वैंक ती•ए•-000327 ₹0 1,000 →

न्यासी-भाटोमो बाइल 14-7-75 तक एसोसिएशन माफ को समाप्त 6वी

फाइल सं० आई०-2524 दिनाक 28-6

अर्धे वर्षेतक का इस्टर्न इंडिया एम्पलाइअ - 97 का महा प्रबंधक क्याज ग्रदा किया प्रोविडेंट पंड ट्रस्ट बोर्च का भावेश देखिए ग्या :

বিদাক 1-7-97 एल० सी० घो० सं०

1/97-98

"सूची खा"

श्तिभृतियों का कर्माक मूल्य ६०/ग्राम किसके नाम जारी की गयी

2

व्याज धारित किये जाने की तारीख ड्रप्लिकेट ज़ारी करने/ भुगतान मूख्य की

जारी किये गये ग्रादेश की र्स० तथा सारीख

श्रदायगी के लिए वायेदार

(रों) का/के नाम

5

नई दिल्ली सकिल

3

राष्ट्रीय सुरक्षा स्वर्ण बांड 1980 ''ए' सिरीज

5 ग्राम सीना जागे राम शर्मा डी •एच • - 008856

27-10-67 में जाने समामा

23-5-97 एल ०

6

एन०-58/89

भाग	III	41
		_ ,

भारत का राजपत्र अगस्त 23, 1997 (भाषपद 1, 1919)

2603

2 5 6 कानपुर सर्किल 51/2 प्रतिशत ऋण 1990 मैसर्स बी० एन० कक्कड मेसर्स बी ०एन० कक्कड़ 1-1-82 भार० के • एन – 000074 1400/-1581/63 विनास 13-5-97 . कशकता सर्किल 7.25 प्रतिशत ग्राइ० एफ० सी० बांड 1996 (द्वितीय श्रृंखला) ए० 10000/- न्यासी बांग्र ब्रदर्स 27वां अ० वा० न्यासी बागुर बदर्स फाईल सं० 2520 सी०ए० 000464 लि । की भविष्य निधि समाप्ति (3-6-9 लि० की भविष्य निधि दिनांक 25-4-97 का तक का व्याज ग्रदा महा प्रबंधक का श्रादेश किया गया। देखिए दि० 25-4-97 का डीवाइ सं० एस० सी॰मो॰ 210/96-97 3 प्रतिशक्ष कन्वर्सन लोन 1946 मेसर्स यूनाईटेड इंजि-इलाहाश्राद वैक 5 2 वीं तक का ग्र० Ho 10000 -सी०ए० 322359 फाईल सं० वाध्याज भदा नियर्स प्रोप्राइटर 2483 दिनांक किया गया श्रनिमेष चौधरी 29-4-97 का महा प्रवंधक का भावेश सं० देखिए डी० बाई० सं4 एल० सी० फ्रो०-21/ विनांक 96-97 29-4-97 मेनका राम रक्षित কৃ৹ 1000/--सी ७ ए० 301645 -वही:---**হ০** 1000/-तपेन्द्र चन्द्र घोष सी ot o. 248493 रु० 1000/-श्रशीक कन्स्ट्रवंशन सी • ए॰ 269836 एण्ड कं० प्रति से 839 विमलापति मुखर्जी सी०ए० 275929 से ए० 1000/-50 वींतक का ~-वही---ग्र० या० अधाज 930 श्रदा किया गया। युनाइदेड इन्डस्ट्रीयल 4 3 वांतक का सी०ए० 296371 **ড**০ 1000/— या**० वा**०. ब्याज म्रदाकिया गया।

> एन० ए० झाहासे इते मुख्य महा प्रबंधक

# बैंक साफ इंग्स्या

হ৹ 1000/-

सी ०ए० 298187

प्रधान कार्यालय

मुबंई-400021दिनाक 21 जुलाई 1997

मं पी०/ग्राई० आर०/एस० एच०/0518:---वैंककारी कंपनी, उपक्रमों का ग्रर्जन ग्रीर ग्रन्तरण ग्रीधनियम 1970 (1970 का 5) की धारा 12 की उप धारा (2) के साथ पठिल धारा 19 द्वारा प्रवत गिन्तयों का प्रयोग करते हुए वैंक साफ

इंण्डिया का निदेशक मण्डल, भारतीय रिजर्व वैक के परामशै से श्रीर केन्द्रीय सरकार की पूर्व मजूरी से एतव्हारा निम्न-लिखित विनियम बनाता है अर्थात :---

# 1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भः

(1) ये विनियम बैंक प्राफ इण्डिया (ग्रह्मकारी) सेवा (संगोधन) विनियम 1996 कहुलायेंगे।

- (2) इन विजियमों में ग्रन्थया स्पष्ट रूप से उपबंश्विता-नुसार ये विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाणित होने की तारीख से लागू होंगे।
- 2. बैंक म्र फ इंश्डिया (म्रधिकारी) सेवा विनियम 1979/ 1,982 (जिसे इसमें इसके पण्णात मूल विनियम कहा जागेगर) में निमयम के लिये निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाये म्रथित्:---
  - 4(1) 01-11-1987 की तथा उसके बाद प्रत्येक श्रेणी के सामने जिलिंदिष्ट जेतनमान लागुं होंगे
    - (क) शीर्ष कार्यपालक श्रेणी: वतनमान VII ए० 6400-150-7000 । वेतनमान VI ए० 5950-150-6550।
    - (ख) यरिष्ठ प्रबंधन श्रेणी : येतनमान V रु० 5350-150-5950। श्रेतनमान IV रु० 4520-130-4910-140-5050-150-5350
    - (ग) मध्य प्रबंधन श्रेणी :
       विसनमान III ६० 4020-120-4260130-4910
       विसनमान II ६० 3060-120-4260130-4390
    - (घ) कनिष्ण प्रयक्षम श्रेणी : वैदनमान I क. 2100-120-4020
- 4(2) 01-07-1993 को तथा उसके बाद प्रत्येक श्रेणी के सामने विनिधिष्ट धेतनमान लागू होंगे:
  - (क) शीर्ष अवधन श्रेणी: वेदनमान VII कः 12650-300-13250-350-13800-400-14000 वेदनमान VI कः 11450-300-12650
  - (ख) बरिष्ठ प्रवंधन श्रेणी: वैतनमान V ६० 10450-250-11450 वेतनमान IV ६० 8970-230-9200-250-10450
  - (ग) मध्य प्रबंधन श्रेणी :
     श्रेतनभान III ए० : 8050-230-9200-250
     9700
     श्रेतनभान II ए० 6210-230-8740
  - (प) कनिष्ठ प्रबंधन श्रेणी वेतनमान I रू० 4250-230-4940-350-5290 \* -230-8050
- 4(3) उए विनियम (1) ग्रीर (2) की किसी बात हाः यह ग्रर्थ नहीं लगासा अप्येमा कि बैंक के लिये हर समय इन सभी श्रेणियों में मिक्सिस्टी रखहारा अपेक्षित है।

- 3. मूल विनियमों में विनिधम 5 के लिये निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये ग्रार्थात् :----
- 5(1) विनियम 4(2) के उपबन्धों के ब्रध्यधीन विनाक 01-11-1992 को या उसके बाद से वेतनवृद्धियां निम्निसित उप खण्डों के ब्रध्यधीन दी जायेगी:
- (क) विनियम 5 के उपर्वाणित विभिन्न वेतनमानों में विनिर्दिष्ट सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के अध्यक्षीन वार्षिक भाधार पर प्रोदभूत होंगी श्रौर वे जिस महीने में देय होती है उस महीने की पहली सारीख को दी जायेंगी।
- (ख) वेतनमान I तथा I। के श्रिष्ठिकारियों को, श्रपने संबंधित वेतनमानों के श्रिष्ठिकतम पर पहुंचने के एक वर्ष के पश्चात्, श्रगले उच्च वेतनमान में श्रवरोध वेतनवृद्धि (यों) सिहत श्रागे की वेतनवृद्धियां केवल नीचे (ग) में निरिष्ट । श्राधार पर सरकार के दिशा निर्देशों के श्रनुसार दी जायेगी संशर्ते कि वे दक्षतारोध को पार कर लें।
- (ग) ऊपर (ख) में उल्लिखित ग्रधिकारियों सहित, मध्य प्रबन्धन श्रेणी घेतनमान II तथा III के ग्रधिकतम पर पहुंचने वाले ग्रधिकारियों को, यथास्थिति, वेतनमान II तथा III के ग्रिक्तिम प्रक्रम पर पहुंचने के पश्चात् प्रत्येक 3 बर्षों की सेवा पूरी होने पर अवरोध वेतनवृद्धि (यां) दी अधिकारियों के मामले में ४० 230 की ग्रधिक से ग्रधिक दो वेतन यृद्धिया वी जायोंगी तथा येतनमान III के ग्रन्तिम प्रक्रम के ग्रधिकारियों के मामले में ४० 250/— की एक : वेतनवृद्धि दो जायोगी।

परन्तु 1-11-1994 और उसके बाद से, सूत्र वेतन-भान III के प्रधिकारियों का प्रयति जा वेबनमान III में भर्ती या पद्मेशत हुए हैं, दूसरी अवरोध येतनवृद्धि पहली ग्रवरोध वेतनवृद्धि पाने के तीन वर्ष पश्चात प्रदान की जायेगी। टिप्पणी

प्रमुखे उच्चतर वेतनमान में की अई ऐसी वेतनवृद्धियों को पदोन्नति नहीं माना जायेगा, ऐसी वेतनवृद्धि पाने के पश्चात भी ब्रधिकारी को, येथा स्थिति, उसके ब्रपने भूस पद के वेतन भान II तथा III के ही विशेषाधिकार, परिलब्धियां, उयूटी उत्तरदायित्व ब्रधना पद मिलेंगे।

(2) नियम तारीख़ को या असके पम्पता भारतीय बैं.उर संस्थान की प्रमाणपितत एसोसियेट (सी० ए० आई० बी०) परीक्षा का प्रत्येक भाग उत्तीर्ण करने पर वेतन मान में एक प्रतिरिक्त वेतनवृद्धि प्रदान की जायेगी। स्पष्टीकरण

जिस प्रधिकारी ने नियम तारीख से पहले अधिकारी के क्या में भारतीय बैंकर संस्थान की प्रमाणपिक एसोसियेट (सी० ए० आई० बी०) परीक्षा का भाग 1 या भाग उत्तीर्ण कर लिशा हो, उसे नियस तारीख से, प्रथास्थिति, मतिरिक्त वेतन वृद्धि प्रभवा नेतनवृद्धियों वी जायेगी वक्ती

कि उसने उक्त परीक्षा के दोनों भाग उत्तीर्ण करने पर कोई वैतनवृद्धि त ली हो प्रथवा केवल एक वेतनकृद्धि ली हो। स्पष्टीकरा H

(क) 01-11-1997 को तथा उसके बाद से वैतनमान के प्रधिकतम पर पहुंचने वाले प्रथवा पहुंच चुके ऐसे प्रधिकारियों को जो पदोन्नति पाए बिना ग्रीर ग्रागे नहीं जा सकते, सरकारी मार्ग निर्देशों के प्रधीन यदि कोई हो, सी ए० ग्राई० श्राई० की परीक्षा उत्तीर्ण करने के फलस्यरूप अतिरिक्त वेतनश्रुवियों के स्थान पर निम्नानसार व्यावसायिक प्रहेता जायेगा :

जिन्होंने सी० ए० ग्राई० ग्राई० (i) एक वर्ष क्षी० का केवल भाग 1 उत्तीर्ण किया है।

पश्चाह् ठ० 100/- प्रतिमाह जिसमें से कि 75/- अधिवर्षिता लाभ के सिए गिने जार्येगे ।

जिन्होंने सी०ए०माई०माई० बी० के दोनो माग उत्तीर्ण कर लिए हैं।

- (i) एक वर्ष पश्चात् रु० 100/-प्रति माह जिसमें से ६०75/ धाधिवांविता लाभ के लिये गिने जाएंगे।
- (ii) दो वर्ष पश्चात क 250/- प्रतिमाह जिसमें से ६० 200/- प्रधिविष्ता लाभ के लिये एिने जाएंगे।
- (ख) 01-11-1994 को तथा उसके बाद से, अन्य बातें समान होने पर, व्यावसायिक महेता भरों की माता निम्नानुवार पुनरीक्षित रहेंगी:

जिन्होंने सी० ए० ब्राई० ब्राई० (i) वेतनमान के ब्रधिकतम पर बी० का केवल भाग 1 उसीर्ण किया है।

पहुंचने पर एक वर्ष पश्वात ए० 120/- प्रति माह

जिन्होंने सी ० ए० ग्राई० ग्राई० (i) वेतनमान के प्रधिकतम बी व के बोनों भाग उसी जंकर लिये है।

- पर पष्टचने पर एक वर्ष पश्चात् में। 120/- प्रति मास्र
- (iii) वेतनमान के प्रधिकतम परपहुंचने परक्षी वर्ष पश्चात् ए० 300/-प्रक्षिमाङ्घ

परन्तु विनियम 5(3) के अनुसार नियस वैयक्तिक भक्ता प्राप्त करने के पात श्रिधिकारी, यथास्थिति, क्रमण: भाग 1 या के लिये व्यावसायिक श्रार्हता भक्ता पाने के एक/दो वर्ष पक्ष्मात् प्राप्त कर सकोंगे।

#### टिप्पणी

 यदि किमी ऐसे अधिकारी को जिसे क्यावसायिक ्प्रहृता भत्ता मिल रहा है, अगुले उश्चतर वतनमान में पदोक्षति किया जाता है तो ऐसे उभनतश् वेंत्रवनाकः में उसका वेतन

निर्धारित एउते समय उसे बेतनमान में उनलब्ब बात बृद्धियों की सीमा तक, सीठए० ग्राई० प्राई० बीठवी गीका उनार्म करने पर मतिरिक्त वेतनवृद्धियां दी ज येंगी और यदि वेतनमान में कोई भी वेतनवृद्धियां उपलब्ध नहीं है अथवा केया एक बेतनवृद्धि जपलब्य है तो श्रिधिकारी बेतनवृद्धि(यों) के एवज में व्यावसायिक स्रहंता भना पाने का पान होगा।

- (日) 01-11-1994 की तथा उसके बाद वेगांश्योधित **य्यावसा**यिक श्रर्हता भत्ते को गहंगाई भता, सकान किराया भसा तथा प्रधिवर्षिता लाभों के लिये गिना जाएगा।
- 3(का) **जो अधिकारी** 01-11-1993 का जेक हो। स्थाई सेवा में हैं उन्हें वेतनमान में एक ग्रश्निम वेतनपृद्धि दी जायेगी, जो अधिकारी 01-11-1993 की परिश्रीक्षा पर हैं उन्हें एक अग्रिम वेतनवृद्धि स्थाईकरण के एक वर्ष पश्चात दी जायेगी।

#### टिष्मणी :

समिम वेतनपृद्धि के कारण बार्षिक येतनसृद्धि की तारीख में होई परिवर्तन नहीं होगा।

(ख) जो अधिकारी वेतनमाठ के अधिकाम पर तहुव चुका है या जो 01-11-1993 को अवरोध जेतनबुद्धि (यां) प्राप्त कर चुका है वह 01-11-1993 ले लिया वैयक्तिक भत्ता प्राप्त कर सकेगा जो अन्तिम श्राहरित वेतलकोत्र श्रीर उस पर 01-11-1993 की देव महंगाई भत्ता तथा विनिधन 22 क प्रनुसार लागु दरों पर भकान (कराय, भने की साला के **बराबर होगा।** यहां तीचे दिया गया वियत वैयक्तिक भना तथा साथ ही साथ गहंगाई शता, यदि कोई हो, राष्ट्रण सेवा श्रमधि के लिये चतुरुद्ध कर दिया जायेगा।

वेसनवृद्धि घटक 01-11-1993 जहां चैस का अत्यास को महंगाई भत्ता । उपलब्ध बारायः गया है वहाँ देश कुल रियन वंगिक्तक भर्ता

(年)	( <b>@</b> )	(ग)
230	5.79	236
250	6.30	257
300	7.56	308
400	10.08	411

#### टिप्पणी

- (i) उत्पर (सी०) में निर्पिष्ट ोयत वैप्रविकास भत्ता उन श्रधिकारी कर्मचारियों का देय होगा जिन्हें वैक का धावास उपलब्ध कराया गया है।
- (ii) मकान कियामाभले के लिपे पाव अध्यक्तियों की नियत वैयक्तिक भत्ता विमियंग 🕹 के उप किनिमय (2) में निर्विष्टानुसार संबंधित वेतनमान की ग्रन्तिम वेतनवाद प्राप्त

कर लेने पर, (क) ⊣ (ख) + संबद्ध प्रधिकारी कर्मचारियों द्वारा श्राहरित सकान किराया भला होगा।

- (iii) नियत वैयक्तिक भत्ता पान वाले वर्ष में देय व्याप-सायिक प्रहता भत्ता, यदि कोई हो, प्रगले वर्ष विया जायेगा।
- (iv) नियत वैयक्तिक भक्ते के वेतनवृद्धि घटक को अधिवर्षिता लाभों के लिये गिना जायेगा।
- (ग) जिस प्रधिकारी को यह प्रश्निम वेतनवृद्धि मिल चुकी है, उसे ऊपर (ख) में उल्लिखित नियंत वैयन्तिक भत्ते की प्रमास्ना, वेतनमाम के प्रधिकतम पर पहुंचने के एक वर्ष पण्चात् प्राप्त होगी।
- 4. मूल विनियमों में, विनियम 21 के लिये, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए, ग्रथीत् .--
- 21 (1) 01-11-1987 को तथा उसके बाद में, महंगाई भत्ता योजना इस प्रकार होगी:---
  - (i) महंगाई भना प्रखिल भारतीय श्रीसत श्रीमक वर्ग उपभोक्ता मूल्य सूचकांक सामान्य श्राधार 1960= 100 की तिमाही श्रीसत में 600 श्रंकों के उपर 4 श्रंकों की प्रत्येक वृद्धि श्रथवा गिराषट के हिमाब से सन्देय होगा।
  - (ii) महंगाई भत्ता निम्नलिखित दरों पर संदेय होगा :
    - (i) रु० 2,500/- वेतन का 0.67% धन (-|-)
    - (ii) ए० 2,500/- से ऊपर परन्तु ए० 4,000/-नक "बेनन" का 0.55% धन (+)
    - (iii) ह० 4,000/- फ्रयर परन्तु ह० 4,260/-नक ''वेतन'' का 0.33% धन (+)
    - (iv) रु॰ 4,260/- से ऊपर "वेतन" का 0.17%
- 21(2) 01-07-1993 को तथा उसके बाध से, गहुंगाई भत्ता निम्नलिखित दर्शे पर सन्देप होगा :---
- (i) महंगाई भत्ता श्रखिल भारतीय श्रीसत श्रमिक वर्ग उपभोक्ता मृत्य सूचकांक सामान्य श्राधार 1960-100 की तिमाही श्रौसत में 1148 श्रंकों के ऊपर 4 श्रंकों की प्रत्येक वृद्धि अथवा गिरावट के हिसाब में संदेय होगा।
  - (ii) सहंगाई भक्ता निम्नलिखित वरों पर संवेध होगा :
    - (क) रु० 4,800/- तक ''बेतन'' का 3.35% धन (+)।
    - (ख) रु० 4,800 से ऊपर परन्तुः 7,700/- तक "वेतन" का 0.29%, धन (+)।
    - (ग) **२०** 7,000/- से ऊपर परन्तु 8,200/- तक ''वेतन'' का 0.17%, **धन** (+)।
    - (घ) रु० 8,200/-- सं ऊपर "वेतन" का 0.9%

#### टिप्पणी :

(i) महंगाई भत्ते के प्रयोजन हेतु "वेतन से मूल वेतन तथा भवरोध नेतनवृद्धियां अभिप्रेत हैं।

- (ii) महंगाई भत्ते के लिए व्यवसायिक श्र हैता भन्ते को 01.-11. 1994 से गिना जाएगा।
- मूल विनियमों में, विनियम 22 के उप-विनियम (1) भौर (2) के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए, ग्रापति.
- 22(1) 1-11-1994 को या उसके बाद से, यदि किसी अधिकारी को बैंक द्वारा श्रावासीय सुविधा प्रदान की जाती है तो वह जिस बेतनमान में है उसके प्रथम प्रक्रम में मूल बेतन के 4% के बराबर रकम क्रथमा श्रावास हेतु मानक किराया इनमें से जो भी कम हो, वसूल किया जाएगा।
- 22(2) 1-11-192 को या उसके बाद से, यदि किसी मधिकारी को बैंक द्वारा मकान नहीं दिया गया है तो वह निम्न-निखित दरों पर मकान किराया भत्ता पाने का पात्र होगा :--

स् <b>तभ</b>	स्तंभ । ।
<u></u> कार्यस्यल निम्नलिखित	
स्थानों पर होने पर	· भसा
(i) सरकार के मार्गनिर्देशों के	वेतन का 13%
श्रनुसार <b>समय-सम</b> य पर विनि-	त्रतिमाह
विष्ट प्रमुख "ए" वर्गके नगर	
तथा समृह ''ए'' के परियोजना	
क्षेत्र केन्द्र	
$(\mathrm{ii})$ क्षेत्र $I$ में प्रान्य स्थान तथा	वेतन का 1 $2\%$
समूह ''बी'' के परियोजना	प्रतिमाह्
ं क्षेत्र केन्द्र	,
(iii) क्षेत्र II तथा उपयुक्त (i)	वेतन का 10 $rac{1}{2}\%$
ग्रीर (ii) के म्रंतर्गत न श्राने वाले	प्रतिमाह ^
राज्यों तथा संघषासित क्षेत्रों की	•
राजधानियां	-
(iv) कोला III	वेसन का $9\frac{1}{2}\%$
	प्रतिमाह

परन्तु यदि कोई अधिकारी किराये की रसीव प्रस्तुत करता है तो उसे वेय मकान किराया भला, जिसे वेतनमाम में वह है उसके प्रथम प्रक्रम के 4% से ऊपर, उसके द्वारा अपने भावास के लिए दिया गया वास्तिविक किराया या ऊपर स्तंभ II के अनुसार देय मकान किराया भले का 15% जो भी कम हो, होगा।

- टिप्पणी: (i) मकान किराया भत्ते के प्रयोजन हेतु "वेतन": से मूल वेतन तथा 1-7-1993 को परि-शोधित वेतनमान के श्रनुसार श्रवरोध वेतन-वृद्धियां ग्रभिप्रेत हैं।
  - (ii) मकान किराया भर्त के प्रयोजन हेतु व्यावसायिक महुता भर्त को 1-11-1994 से प्रभावी निता जाएगा।

- 6. मूल विनियमों में विनियम 23 के उप-विनियम (i) के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए, ध्रयति :---
- 23 (1) 1-11-1993 को भौर उसके बाद सं, बिद अधिकारी निम्नलिखित सारणों के स्तंभ 1 में उहिलाखित किसी स्थान में कार्यरत होता बधु उस स्थान के सामने स्तंभ 2 उहिलाखित दृष्पर नगर प्रतिकर भक्ता पाने का पात होगा:

स्थान	<b>द</b> र
(क) क्षेक्ष <sup>I</sup> के स्थान और गोवा राज्य	मूल बेतेन का 4½% स्रधिकतम ६० 335/- प्रतिमाह
(क) 5 लाख या उसमे ग्रधिक जनसंख्या वाले स्थान ग्रीर राज्यों की राजधानिया तथा चंडीगढ़, पांडिचेरी ग्रीरपोर्टब्लेयर जो ऊपर (क) में नहीं श्राते	मूल वेतन का 3½% श्रधिकतम ६० 230/— प्रतिसाह

- 7. मूल विनियमों में, विनियम 24 के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए, प्रथति :---
- 24(1) ग्रिक्षकारी ग्रपने परिवार के लिए किए गए वास्तिवक चिकित्सा व्यय की निम्नलिखित ग्राधार पर प्रतिपूर्ति के लिए पात होगा ग्रथातु:—

#### (क) चिकित्सा व्ययः

1-11-1994 को थाँर उसके बाव ते सिक्षकारी हारा अपने थार धपने परिवार के लिए किए गए चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति नीचे स्तम्भ 1 में विनिर्विष्ट श्रेणी तथा स्तंभ 2 में विनिर्विष्ट प्रतिपूर्ति सीमा के प्रध्यधीन की जाएगी, इसके लिए श्रिष्टिकारी को अपनी श्रीर से ही प्रमाण पत्न देना होगा कि उसने यह व्यय किया और वावा की गई राशि के समर्थन भें उसे अर्थ का विवरण बेना होगा:

#### सारणी

ं श्रेणी ं		 वार्षिक
कनिष्ठे प्रबंधन तथा मध्य प्रबंधन श्रेणी	₹0	1,500/-
वरिष्ठ प्रविधन तथा शीर्ष कार्यपालक श्रेणी	रु०	2,000/-

टिप्पणी: (1) उपयोग में न ग्राई चिकित्सा सहायता राणि को ग्रिधिकारी संचित कर सकता है परन्तु संचित राणि किसी भी समय उल्लिखित ग्रिधिकतम राणि के तीन गुने से ग्रिधिक नहीं होगी। (2) चिकित्सा सहायता भोजना के श्रधीन वर्ष 1994 के लिए चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति दो महीने, श्रथीन् नवस्वर और दिसम्बद 1994 के लिए यथानुपान बढ़ाई जाएगी।

#### स्यव्हीकरणः :

इस विनियम के प्रयोजन के लिए चर्धिकारी के ''परिकार'' में उतका पति/पन्नी, पूर्णतः माश्रित संतान धौर पूर्णतः आश्रित माता पिता ही सामिल होंगे।

### (ख) ग्रस्पताल में भर्ती खर्च

- (1) 1-11-1994 को और उसके बाद से अस्पताल में भर्ती होने पर अधिकारी के मामले में 100 प्रतिशत तक और उसके परिवार के सदस्यों के मामले में 75 प्रतिशत तक के खर्च की प्रतिपूर्ति की जाएगी। सरकार के मार्ग निर्देशों के अनुसार समय-समय पर निर्धारित उच्चतम सीमा के अध्यक्षीन बिलों, बाउचरों अभिद के आधार पर किए गए व्यव की प्रतिपूर्ति की जाएगी।
- (2) अधिकारियों या उनके पिन्तार के सदस्यों से, यथा-स्थित यह अपेक्षा की जाती है कि वे किसी सरकारी या नगर-पालिका अस्पताल में या किसी निजी अस्पताल अर्थात् किसी न्यास, अर्मार्थ संस्थान या आर्मिक मिशक के प्रबंधन के अश्वीन आने वाले अस्पतालों में भर्ती हों, किन्तु अपरिहार्य परिस्थितियों में प्रधिकारीगण या उनके परिवार के सदस्य प्रथवा दोनों किसी अनुमोदित निजी निसंग होम या बैंक द्वारा अनुमोदित निजी अस्पतालों में भर्ती हो सकते हैं किन्तु ऐसे मामलों में प्रतिपूर्ति अपर वर्णित अस्पतालों में भर्ती पर प्रतिपूर्ति योग्य राणि सक सीमित्त रहेगी।
- (3) 1-11-1994 को या उसके बाद सं, मान्यताप्राप्त प्रस्पताल के प्राधिकारियों और बैंक के चिकित्सा खर्मों की श्री अस्पताल में भर्ती खर्ब माना जाएगा और उससे संबंधित चिकित्सा खर्मों की अधिकारी के मामले में 100 प्रतिगत तक और उभके परिवार के सवस्यों के मामले में 75 प्रतिगत तक प्रतिपूर्ति की आध्री।

कैंसर, श्वेतरक्तता, थैलसामिया, तपेविक, पक्षाघात, हृदयरोग, कृष्ठ रोग, गुर्वे की खराबी, मिरगी, पाकिन्सन की बीमारिया, मनोविकार दोष और मधुमेह।

टिप्पणी: घरेलू उपचार के मामले में दवाधों भादि की लागत की प्रतिपूर्ति विशेषक के नुस्खे में उल्लिखित भ्रविध के लिए की जाएगी। यदि भ्रविध का उल्लेख नहीं किया गया है तो प्रतिपूर्ति के प्रयोजन हेनु नुस्खा 90 दिनों तक वैध होगा।

24(2) उनत उप-विनियम (1) में उल्लिखित चिकित्सा लाभ (जिसमें श्रस्पताल में भर्ती श्रादि भी ग्रामिल है) के होते हुए भी श्रोर उनका पूर्ण तथा प्रति स्थापन करते हुए, नियत तारीख को जो चिकित्सा लाभ (जिसमें श्रस्पताल में भर्ती श्रादि भी ग्रामिल है) बैंक में उपलब्ध थे, निदेशक मण्डल उनमें कोई परिवर्तन किए बिना, उन्हें बनाए रखने का विनिश्चम कर सकता है भीए यदि निदेशक भण्डल ऐसा तय करता है तो सभी अधिकारी चिकित्सा लाभ (जिसमें अस्पताल में अती श्रादि भी शामिल है) के लिए नि त तारीन्य को बैंक में लागू निबंधनों एवं शर्ती के अनुसार ही विकित्स वर्ष की प्रतिपृत्ति के पान होंगे।

भिनियम २०(2) के अनुमार, बीर्ज ने तय किया है कि दि० 30-6-79 की पन्द चिकित्स नहायका नियमों की जिना परि-वर्त । किये जारी रेजें काए बाँए ये नियम नये जिनियम के तहन नियमों के कम में प्रवृत्त रहेंगे (बीर्ज ज्ञापन वि० 28-4-80)

- 24(3) चिकित्सा सहायता भीर भस्पताल में भर्ती की सुविधाएं निलंबित स्रधिकारियों को भी दी जाएगी ।
- 8. मूल विनियमों में, विनियम 25 के लिए निम्न<mark>लिखित</mark> प्रतिस्थापित किया जाए प्रशीत :——
- 25 अधिकारी बैंक द्वारा ग्रावास उपलब्ध कराये आने कें लिए साधिकार हकदार नहीं होगा किन्तु यदि बैंक चाहे तो वह अधिकरी को आवास उपलब्ध करा सकता है जिसके लिए ग्राध-कारी 1-11-1994 को ग्रीर उसके बाद से ग्रापने वेतनमार्ग

के प्रथम प्रक्रम के 4 प्रेतिशत के बराबर राशिया प्रावास के लिए मानक किराये कां जो भी कमाहो, भ्रेगतान करेगा।

परस्तु यदि ऐसे आवास पर कर्मिकर भी उपलब्ध कराया गया हो तो भविकारी से उसके बेतनसाम के प्रवम प्रक्रम के 1 प्रक्रियम के बराबर असिरिक्स राशि बसून की जाएगी।

यदि वैंक द्वारा ऐसी आवास व्यवस्था उपलब्ध कराई जाती है तो बिजली, पानी, गैस और सफाई प्रभार अधिकारी द्वारा दिएं जाएंगे।

- 9. मूल विशिषमों में, विशियम 41 के उप-ावानयम (4) के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए अर्थात्:--
- 41(4) 1-6-1995 को और उसके बाद से, नीचे दी, गई सापणी के स्तंभ 1 में विणित श्रेणी/वेतनमान का अधिकारी स्तंभ 2 में विणित तव्नुक्षणी वरों से विराम भत्ता पाने का हकवार होगा :

दैनिक भत्ता (रुपये)

 अधिकारियों की श्रेणी/वेतनमान	ों की श्रेणी/वेतनमान - प्रमुख "ए" वर्ग			
		के नगर	e de la companya del companya de la companya del companya de la co	•
1		2	3	4
 वितनमान IV और उससे ऊपर के अधिकारी		250.00	200.00	175.00
वेतननान I/II/III प्के अधिकारी	,	200.00	175.00	150.00

परन्त्

(क) यदि अनुपस्थिति की कूल अविधि 8 घंटे से कम किन्तु 4 घंटे से अधिक है तो उत्पर मताई गई दरों की आधी दर सेविरागमत्ता देय होगा। (क) विभिन्न श्रेणियों विस्तामानों के अधिकारियों को होटल से वास्तावक वर्ष की प्रतिपूर्ति की जा सकती है जो नीचे बताई गई सीमा तक भारतीय पुर्यटन विकास निगम (आई० टी डी० सी०) के होटलों में एकल आवास कमरे के प्रभारी तक सीमित होगी:

बान-पनि खंचे (रपये)

•					
अधिकारियों की श्रेण	ी/वेतनमान	ठहरने की पालता	प्रमुख <sup>(१</sup> ए" वर्ग के तगर	भोस I	अन्य स्थान
	1	2	3	4	5
वतनमान VI और प	VII	4* होटल	250.00	200.00	175.00
वेतनमान और	v .	3₩_होटल	250.00	200.00	175.00
येननसान <sup>11</sup> और		2*होटल (अवाक्षानुम्यूलित)	200.00	175.00	150.00
वनसमान <u>I</u>		1 <b>*</b> होटल (अवातानुक्तित)	200.00	175.00	150.00

<sup>(</sup>ग) लाफाए के दिशानिर्देशों के अनुसार उक्षर परन्तुक (ख) में निर्धाणित सीमाओं से अधिक अनिरिक्त सीमा की प्रतिपूर्ति गाँउ निर्धारित कर सकता है।

<sup>(</sup>य) यवि आसास की व्यवस्था कैंक की लागत पर, बैंक दारा की गयी है तो तीन चीथाई विराम भत्ता दिया जाएगा।

- (ङ) पदि भोजन की व्यवस्था बैंक की लागत पर बैंक द्वारा निःगुत्क की गई है तो आधा विराम भना दिया जाएगा ।
- (च) यदि आवास और भोजन की व्यवस्था बैंक की लागत पर बैंक द्वारा की गई है तो चौथाई विराम भत्ता दिया जाएगा । लेकिन, यदि कोई प्रधिकारी वास्तविक रूप में हुए खर्च के सम्बन्ध में बिल प्रस्तुत किए बिना घोषणा के आधर पर आवास खर्च का दावा करता है तो उसे चौथाई विराम भक्ता गहीं दिया जाएगा ।
- (छ) सभी निरीक्षण अधिकारियों को मुख्यालय से बाहर निरीक्षण ड्यूटी पर विराम के प्रतिदिन के लिए के 10/- का अनुदृश्क दैनिक भत्ता दिया जा सकता है । स्पष्टीकरण:

विराध भत्ते की संगणना के लिए "प्रतिदिन" का अभि-प्राय है--24 बंटे की अविधा उसके बाद का कोई भी भाग, जिसकी गणना विमान यात्रा के मामले में प्रस्थान के लिए नियत समय से लेकर पहुंचने के वास्तिविक समय तक की जाएगी । यदि अनुपस्थिति की कुल अविधि 24 घंटे से कम हैं भी "प्रतिदिन" से ऐसी अविधि अभिप्रेत है जो 8 घंटे मे कम न हो ।

- 10. मूल बिनियमों में, विनियम 42 के उप-विनियम 2(i) के लिए, निम्निलिखित प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात् —
- 42.2(i) 1-7-1993 को और उसके बाद से स्थानांति रत अधिकारी को मालगाड़ी से अपने सामान के परिवहन के लिए निम्नलिखित सीमाओं के अनुसार प्रतिपूर्ति की जाएगी :--

^वेतन–सीमा	परिवार-सहित	परिक्वार-सहित
1	2	3
रु० 4,250/- से रु० 6,210/- प्रति माह	3,000 किलोग्राम	1,000 किलोग्राम
६० 6,211/− प्रतिनाह और ःससे अधिक	पूरा माल डिब्बा	2,000 किलोग्राम

- 11. मूल विनियमों में, विनियम 45 के लिए, निम्त-लिखित प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात् :---
  - 45. भविष्यनिधि और पेंगन :
- (1) प्रत्येक अधिकारी, यदि वह पहले ही भविष्य निधि का सदस्य नहीं है तो बैंक द्वारा गठित भविष्य निधि का सदस्य बनेगा तथा वह ऐसी निधि को शासित करने वाले नियमों द्वारा आबद्ध होने के लिए सहमत होगा।
- (2) भविष्य निधि नियमों में वह व्यवस्था है कि 1-11-1993 को और उसके बाद से--
- (क) पेंशन योजना द्वारा शासित अधिकारी के मामले में केवल अधिकारी द्वारा वेतन के 10 प्रतिशत की दर से 2---209 GI/97

 भविष्य निब्रिय में अंशदान, बैंक की ओर से किसी समतुख्य अंशदान के बिना, किया जाएगा।

परन्तु 1-7-1993 से 3.1-10-1993 के लिए भविष्य निधि में पहले ही किए गए छंादानों के कारण कोई समायोजन नहीं किया जाएगा ।

(ख) पेंशन योजना हारा शासित न होते वाले अधि-कारी के मामले में, अधिकारी द्वारा भविष्य निधि में अंशदान और बैंक द्वारा समतुल्य अंशदान वेतन 10 शिवश्वत की दर से किया जाएगा।

परन्तु 1-7-1993 से 31-10-1993 के लिए भविष्य निश्चि में पहले ही किए गए अंतदानों के कारण कोई समायोजन नहीं किया जाएगा।

(3) 29-9-1995 को या उसके बाद बैंक की सेवा में आने वाले अधिकारी पेंशन योजना द्वारा शासित होंगे।

तथापि, निम्नलिखित श्रेणी के अधिकारी पेंशन योजना द्वारा गासित नहीं होंगे :

- (क) जो अधिकारी 29-9-1995 से पूर्व बैंक की सेवा में था, बणर्ते कि उसने पेंशन योजना के सम्बन्ध में बैंक की नोटिस के जबाव में पेंशन योजना का सदस्य होने का विकल्प विशेष रूप से चुन शिया हो ।
- (ख) जो अधिकारी 29-9-1995 को या उसके बाद 35 वर्ष या उससे अधिक की आयु में भरती दुआ है, और जिसने पेंगन योजना के अनुमार पेंगन का अपना अधिकार छोड़ देना चुना है।

टिप्पणी: भविष्य निधि के प्रयोजन हेतु "वेतन" का अर्थे है मूत वेतन, जिसमें अवरोध नेतन वृद्धियाँ, स्थानापन्न भत्ता, व्यावसायिक अहेता भत्ता और नियत वैयक्तिक भत्ते का वेतनवृद्धि घटक शामिल है।

12 म्ल विनियमों में, विनियम 46 के लिए, निम्न-लिखित प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात्—

46. उपदान :

- (1) प्रत्येक अधिकारी, निम्नलिखित स्थिशियों में उप-दान के लिए 'पार्व होगा :
  - . (क) सेवा-निवृत्ति पर;
    - (ख) मृत्यु पर;
  - (ग) ऐसी निःशक्तता पर जिसके कारण बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी के प्रमाण-पत्न के अनुसार वह आगे सेवा के लिए अक्षम है;
  - (घ) दस वर्ष की निरंतपर सेवा पूरी करने के **बाद** त्याग-पन्न देने पर ;

(ङ) दस वर्ष की मेवा पूरी होने के बाद दण्डस्वणप सेवा-समाप्ति को छोड़कर अन्य किसी कारण से मेवा-समाप्ति पर । (2) अधिकारी को देव उपदान की राणि के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए एक माह का बेता, जो अधिक से अधिक 15 माह का बेतन हो सकता है।

परन्तु यदि किसी अधिकारी ने 30 वर्ष से अधिक की सेवा पूरीकी है तो वह उपदान के रूप में 30 वर्ष से अधिक की सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिये आधे माह के वैतन की दर से अतिरिक्त राणि का पाल होगा।

परन्तु जिस अधिकारी की सेवाएं 1-7-1993 से 31-10-1994 के दौरान समाप्त हो गई है उसके उपदान के प्रणोजन हेल बेतन से तारपर्य विनियम 4 के उप-विनियम (1) में उल्लिखा अनुसार बेलनमान से हैं।

#### टिप्पणी:

यदि सेया काल के पूर्ण अर्थों के अतिरिक्त छह महीने या उससे अधिक की कोई अवधि अवती है तो उस अवधि के लिये आनुपातिक आकार पर उपदान दिया जाएगा।

े पाद टिप्पणी:---उपर्युक्त विनियमी में पहले किये गये संशोधन निम्नानुपार बजगजट किये गये थे:---

विनियम सं०	अधिमूचना सं०	दिनांक
1	2	3 .
4	जीं० एस० आर० नं० पी०/आई० आर०/वी० एन० के०/ 1945	22-2-1990
5	वही	-वही <i>-</i>
21	न० पी०/आई० आर०/वी० एन० के०/1473	8-3-1991
22(1)	जीउ एम <b>ें आरउन्तें जीत/आई० आर</b> ०/बी०एन <b>े के०/19</b> 45	22-2-1990
22(2)	नि०पी० आई० मार०/वी० एन० के०/1473	8-3-1991
23(1)	जी० एस० आर० नं० पी०/आई० आर०/वी०एन० के०/1945	22-2-1990
25	—–वही <del>—–</del>	<del>- √वही</del>
41(4)	नं० पीः०/आई० आर०/बी० एन० कें०/37	9-4-1992
42(2) (i)	जी० एस० आर० नं० पी० आई० आर०/वी० एन० के०/1945	22-2-1990
45	—वही	बही
46	बही- <del></del>	<b>वही</b> -
(विनियम 24 अपुरिवर्तित	है)।	

जे० चक्रवर्ती उप महाप्रबंधक (कार्मिक)

#### कारपोरेशन वैक

(भारत सरकार के सम्पूर्ण स्वामित्व में)

प्रधान कार्यालय: मंगलूर

# दिनांक 21 जुलाई 1997

सं० पी० ए० छी०/आई० आर०/सी० ओ० बी० ओ० ई० (छी० ए०) आर/ 615/97—कारपोरेशन बैंक का निदेशक मण्डल, बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, 1980 (1950 का 40) की धारा 19, धारा 12 की उप धारा (2) के साथ पठित, द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कारपोरेणन बैंक अधिकारी कर्मचारी (अनुशासन और अपील) विनियम, 1982 में आगे संशोधन करने के लिये भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से तथा केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी से, निम्नानिधित विनियभ बनाता है, अर्थात :--

#### 1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भः

- (1) इन विनियमों का नाम कारपोरेशन बैंक अधिकारी कर्मचारी (अनुशासन और अपील) (संशोधन) विनियम, 1996 है।
- (2) ये शासकीय राजपन्न में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
- 2. कारपोरेशन बैंक अधिकारी कर्मचारी (अनुशासन और अपील) विनियम, 1982 (अब से मूल विनियम कहलायेंगे) क विनियम 4 में "लघु शास्तियां" शीर्प के अन्तर्गत खण्ड (घ) के बाद, निम्न खण्ड सम्मिलित किये जायेंगे, अर्थात:—
  - (क) "(ङ) वेदान के काल वेदानमान को निम्नतर प्रश्नम में, 3 वर्ष की अनिधक अविध के लिये, संचयी प्रभाव के बिना तथा अधिकारी के पेंशन पर प्रतिकृल प्रभाव वाले बिना अवनत किया जाना"।

- (खा) "बड़ी" शास्तियां" शीर्ष के अन्तर्गत खण्ड (ङ), (घ), (छ) तथा (ज) को खण्ड (छ), (ज), (झा) तथा (ङा) से पुनः अकित किया जायगा।
- (ग) पुनः अंकित खण्ड (छ) से पहले निम्नलिखित को शामिल किया जाएगा अर्थातः ——
  - "(भ) को (ङ) में किये गये प्रावधान के अनुसार एक निम्न प्रक्रम सक विनिर्विष्ट अवधि सक काल वेसनमान पर उपरोक्त भवनति की अवधि के दौरान अधिकारी वेतन की वृद्धियां प्राप्त करेगा या नहीं, उसे आगे निर्देश दिये जायेंगे और यह भी कि क्या ऐसी अवधि के अज्ञसान होने के पश्चात् इस अवनित से उसके वेतन की भावी वेतन वृद्धियों को रोकने पर प्रभाव पड़ेगा या नहीं"।
- (घ) पुन अंकित खण्ड (छ) निम्नलिखित के एवज में रखा जाए अर्थात:—
- ''(छ) निम्न ग्रेड या पद की अवनति ''।
- 3. मूल वितियम के बिनियम 6 के उप विनियम (1) में शब्दों, कोष्ठकों एवं आंकड़ों के लिए जिनियम 4 के "खण्ड (इ.) (च.), (छ.) तथा (ज.)" के शब्दों, कोष्ठकों तथा आंकड़ों का "विनियम 4 के (च.), (छ.), (ज.), (झ.) एवं (ञ.)" के प्रतिस्थापित किया जाए।
- 4. मूल विनियम के विनियम 8 के उप विनियम (1) में शब्दों, को ठिक्षों एवं आंकड़ों के लिए "विनियम 4 के खण्ड

- (क) से (घ)" के शब्दों, कोष्ठकों और आंकड़ों को "विवियस 4 के खण्ड (क) से (ड)" से प्रतिस्थापित किया जाए।
- 5. मूल विनियम के विनियम 17 के उप विनियम 2 के प्रथम परन्तुक में "विनियम 4 के खण्ड (इ), (च) (छ) तथा (ज)" से शब्दों, कोष्ठकों और आंकड़ों को प्रतिस्थापित किया जाए।
- 6. मूल विनियम के विनियम 11 के प्रथम परन्तुक में ''विनियम 4 के खण्ड (ङ), (च), (छ) या (ङा)'' शब्दों के ''कोष्ठकों और आंकड़ों को'' विनियम 4 के खम्छ (च), (छ), (ज) (ज) या (ङा)'' के शब्दों, कोष्ठकों और आंकड़ों से प्रतिस्थापित किया जाए।

टिप्पणी: कारपोरेशन बैंक अधिकारी कर्मचारी (अनुशासन् एवं अपील) विनियम के पूर्व संशोधन भारत के राजपन्न के भाग III के खण्ड 4 में निम्न विवरणानुसार प्रकाशित किए गए थे:

क्रम सं० अधिसूचना सं०	,	दिनांक
46 एच० आर डी/जी/एस	आर-37/17-10-1	988
. 005/88		

एम० पी० क्रुंड्डा, संहायक महा प्रवन्धक कार्मिक प्रशासन प्रभाग, (औद्योगिक मम्बन्ध)

भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान

नई दिल्ली, 110002, दिनांक 24 जुलाई 1997 (चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट्स)

सं० 3-एन० सी० ए० (4)/5/96-97:--वार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 18 के अनुसरण में एतव्-द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की घारा 20 उपधारा (1)(ग) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिपत्र ने अपने सदस्यता रिजस्टर में से निम्नलिखित सदस्यों का नाम 1 अक्तूबर, 1996 से निर्धारित सदस्यता गुल्क न जमा कराने के कारण हटा दिया है:

ऋम सं०	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता		
 	8 2283	श्री अनिल अग्रवाल, ए-75/2, डी० डी० ए० रेजि श्रेंशियल एरिमा, नारायना विहार, निई दिल्ली-110028		
2.	84001	श्री लखनपाल मनोज, जे—192, सरिता विहार, मधुरा रोड, नई दिल्ली—110044		

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई, 1997

सं० यू--16/55/96-नंच० 2(पश्चिम बंगाल) :---कर्मचारी राज्य बीमा निगम (माधारण) विनियम, 1950 के विनियम : 05 के तहत महर्गनदेशक की निगम की शक्तियाँ प्रदान करने के सम्बन्ध में कर्मजारी उपन्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को दुई बैठक में पास किए गए संकर्प के अनुसरण में मै इसके द्वारा छोठ एठ केठ सेनगुप्ता, अंशकालिक विकास विदेशी, श्याम नगर चिकित्सा निर्वेशी कायलिय, पश्चिम बंगारा को स्थाम सगर क्षेत्र (क्षेत्रों का आबंटन चप चिकित्सा आयुक्त) (पूर्वी क्षेत्र) द्वारा किया जाएगा) के लिय बोजाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मुल प्रमाण पत्न की सत्यता संदिग्ध होने पर आगे प्रमाण पत्न जारी करने के प्रयोजन के लिये दिनांक 15-8-97 से 14-8-98 तक एक वर्ण तक ये किसी पूर्णकाशिक चिकित्सा निर्देशी के वार्यभार ग्रहण करने तक, इनमें से जो भी पहले हो, मौजूबा रानकों के अनुदार गामिक पारिश्रमिक की अदायगी पर चिकित्सा अधिकारों क म्हा में कर्ग करने के लिए प्राधि-कृत करता है।

> मुरेन्द्र कुमार शर्मा, महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई, 1997।

सं० यू०-16/53/1/90-चि०-2:—(महाराष्ट्र) कर्मचारी पान दीक्षा निगम (साधारण) विनियम, 1950 के तहत महानिदेशक की निगम की प्रवित्यों प्रदान करने के सम्बंध में कर्मचारी राज्य दीमा निगम की दिनांक 25-4-51 की हुई बैठक में पास किये गये संकल्प के अनुसरण में मैं इसके

द्वारा नासिक की (डा०) (श्रीमती) श्रार० पी० रेगे को विद्यमान मानकों के श्रनुसार देश पारिश्मिक पर दिनांक 1-10-97 से 30-9-98 तक या किसी पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यभार ग्रहण करने की विश्व तक इसमें जो पहले हो, को उप चिकित्सा श्रायुवत (पश्चिम क्षेत्र) मुम्बई द्वारा निर्धारित नासिक केन्द्र के बीमाकृत व्यक्तित्यों की स्वास्थ्य परीक्षा कराने तथा मूल प्रमाण पत्र की सत्यता में सन्देह होने पर उन्हें श्रागे प्रमाण पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिये चिकित्सा श्रिधकारी के रूप में कार्य करने के लिये प्राधिकृत करना है।

सुरेन्द्र कुमार शर्मा, महानिदेशक

स० यू-16/53/90-चि०-2 (महा०):--कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1958 के विनियम 105 के प्रधीन निगम की शक्तियां महानिदेशक को प्रदान करने के सम्बन्ध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा 25-4-1951 की बैठक में पारित किये गये संकल्प के अनुसन्ण में, में एतदद्वारा चालीसगांव केन्द्र व क्षेत्रीय उप चिकित्सा प्रायुक्त (पिचम क्षेत्र) द्वारा नियत किये गये क्षेत्रों के लिये, बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच करने ग्रीर मूल प्रमाण पत्न की सत्याता संदिश्ध होने पर उन्हें ग्रीर प्रमाण पत्न प्रदान करने के प्रयोजन के लिये मौजूदा मानकों के अनुसार मानिक पारिश्रमिक पर चिकित्सा प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के निये डा० एस० ग्रार० करनालकर की सेवायें एक ग्रीर वर्ष के लिये 1-10-97 से 30-9-98 तक या पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देश के कार्य ग्रहण करने तक, जो भी पहले हो, बढ़ता हं।

सुरेन्द्र कुमार शर्मा, महानिदेशक,

नई दिल्ली, विनांक 1 अगस्त, 1997

सं० ए-12(11)-1/94-नि० वि० (मु०):—कर्मवारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा । 97की संघर ए 2 के खण्ड (21) और उप धारा (2क) के साथ पठित धारा 97 की उपधारा 1 और धारा 17 की उपधारा (2) धारा प्रवत्त पिक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्मचारी राज्य बीमा निगन एन्ड्झाररा कर्मचारी राज्य बीमा निगम ग्रुप "ग" और "घ" (परा विकि हा) पर पर्ती विजित्सम, 1977 में और संगोधन करने के लिये निम्नलिखित विनियम बमाता है, अर्थात:—-

- वंक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :
- (i) ये विनियम कर्नचारी राज्य वीमा नियम ग्रुप "ग" और "ब" (परा चिकित्सा) पद भर्ती (संशोधन) विनियम, 1997 कहे जायेंगे।
- (ii) ये शासकीय राजपत्न में इनके प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।
- 2 कर्मचारी राज्य दीमा निगम ग्रुप "ग" और "घ" ('परा चिकित्सा) पद भरी विनियम, 1977 के साथ संलग्न अनुसूची में:---
  - (i) कम स॰ 64 आर उसने संबंधित प्रविष्टियों के बाद निस्तालेखित कमपंख्याएं (कम सं० 65 से 71) और प्रविष्टियां अन्तः स्थापित की जाये, अर्थात्:—

		. અ	नुसूची			
इंकन गं० पदकानाम	पदों की संख्या .	वर्गीकरण	. •	वेतनमान	क्या चयन पद है व गैर-चयन	अथव
1 2	, 3	4		5	6	
65 वरिष्ठ तकनीको सहायक -(विकिरण)	(परिवर्तनीय)	कर राव बीठ ग्रुप अराजपृत्तित गैर		1640-60-26	•	
म्या केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन 1972 के नियम 30 के अधीन गोड़े गये वर्षों का लाग पद पर है।	सेवा के	शिभर्तीके लिये आयुस	ोमा -	सीधी भर्ती के व तथा अन्य योग्यर	यक्तियों के लिये अपेक्षित ए तायें	नेक्षिव
.5		8	,		9	-
नहीं या सीधी भर्ती किये जाने वाले हिसे निर्धारित आयु और गी ोग्यताये पदोन्नत व्यक्तियों पर सागू होंगी	व्यक्तियां प क्षेक	गी के सामले में नियमा		(दो वर्ष) 3 व्यवसाय में भनीं की पद्धति पदोन्नति या प्री	प्त संस्थान से डिग्री डिग इवर्ष का अनुभव क्या सीधी भर्ती द्वार तेनिमुक्तियों स्थानान्तरण तियों द्वारा भरी जाने	ा र द्वार
10	- <del></del>	11			12	, e
आयु नहीं ं । वैक्षिक योग्यता हा				00% पदोन्नति ब र्जी द्वारा	ारा जिसके न होने पर	सीध
दोश्रति/प्रतिनियुक्ति स्थानान्तर गमले में वे ग्रेड जिनसे पदोन्नति की जायगी		वे विभागीय पदोन्नति स क्या है	मिति है तो उस	,	ातियां जिनमें भर्ती करते क सेवा आयोग से परामर्श	
13		14			.15	
हिंद में 3 गर्ष की नियमित सेत्रा गुप्त संस्थान से विकिरण में जि (2 वर्ष ) वाले वरिष्ठ एक्सरे (	नोमा/(डिग्री अ चेत्रको से पदोश्वति स र र र	<sup>ष्ट्र</sup> यक्ष →-चिकित्सा अर्ध	अधोक्षक री अस्पताल/ से एक बाहरी विशेषक ऽ जा०/अल्पसंख	प्रतिनिधि प्रकवर्ग	गू नहीं	

2614		भारत ्का नाव	पन्न, अगस्त 23, 1997	( (आद्रपद 1, 1919)	[this TIT— and	
	•	अनु <u>स</u> ्ची				
पद-क्रमे संख्या	पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	क्या चयन पद है अध गैर-चयन	
1	2	3	4	5	6	
66 वरिष्ठ सहा <sup>र</sup>	यक (प्रयोगशाला	) 3 (परिवर्तनीय)	क० रा० बी० ग्रुप "ग" अ पत्तित गैर-लिपिकीय	राज- ४० 1640-60-20 य० रो० 75-2900		
	ल सेवा (पेंशन) नियम 30 के अध वर्षीका लाभप्रद	र <del>ी</del> न	लिये आयु सीमा	सीधी भर्ती के व्यक्ति तथा अन्य योखंताएं	यों के लिये अपेक्षित शैक्षिय	
7			8	9		
नहीं	and the world will find the first section with first section with the first section will be section with the first section with the first section will be section with the section will		निधिक क० रा० बी० कर्मच ोणी के मामले में नियमानुसा	अथवा मान्यता प्राप्त विक्रव विज्ञान के साथ बी० ए	विद्यालय से मानव जीव इस० सी० लाप्रौद्योगिकी में डिप्लोम	
ध्या सोधी भर्ती वि	<b>म्ये</b> जाते वाले व्य	कितयों परिवीक्तार्क	ो अवधि		ाधी भर्ती द्वारा या पदोश्नरि	
के लिये निर्धारित पोग्यतायें पदोन्नत लागू होंगी	आयु और मौक्षिक			या प्रतिनियुक्ति स्थान।	न्तरण द्वारा तथा विभिन्न जाने वाली रिक्तियों की	
10	,	11		12		
आयुनहीं भौक्षिक योग्यता-	—-हां	2 বর্ষ		100% पदोन्नति द्वार भर्ती द्वारा	रा जिसके न होने पर सीधी	
ादो प्रति प्रतिी गुर्वि भामले में वे प्रेड ी जाएगी	त स्थातात्त्ररण द्वा जिनसे पदोन्नति/प्र	ाराभर्ती के यदि। तिनियुक्तिकी क्या	ने मांगीय पत्रीसित समिति है है	तो उनका गठन परिस्थितियाँ संघ लोक से करना होगा	ोवा आयोग से प <b>रामर्श</b>	
13			14	15		
प्रेड में 5 वर्ष की विकित्सा प्रयोगशाः विकित्सा प्रयोगशाः विरुद्ध प्रयोगशाला	ता प्रीयोगिको में	डिप्लोमा के साथ	युप ''ग'' वि० प० स० अध्यक्ष— चिकित्सा अधीक्षः सदस्य उप चिकित्सा अधीक्षः (केन्द्रीय सरकारी अ विल्खी प्रशासन अस्प बाह्री प्रतिनिधि) सदस्य अ० जा० अ० ज० वर्ग से संबंधित प्र स्तर का एक अधि सदस्य जा० रा० बी० ध	क स्पताल/ ताल से एक जा०/अस्प्रसंख्यक स्प्रासन के उपयुक्त स्प्रसाहत से विकृत-		

					अनुसुची
पद ऋ०	पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	क्या भयन पद है
सं ०	*				अथवागैर-चयन
1	2	3	4 .	5	6
67	यरिष्ठ तकनीकी	1	क० रा० बी०	रु० 1640-60-	चयन
	महायक (हृदय स्पन्दं)		भ्रुप ''ग''	2600-द० रो०-75-	
	आरेख (ई०सी०जी०)	•	- <b>अराजपक्षित गैर</b> ⊷	2900/	
			लिपिकीय		·
	क्या केन्द्रीय सिविल सेवा		सीधी भर्ती के लिए	सीधी भर्ती के व्यक्तियों	
	(पेंशन) नियम, 1972		आयु सीमा	अपेक्षित गैक्षिक तथा अ	न्य योग्यताएं
	के नियम 30 के अधीन			,	
	सेबाके जोड़े गए वर्षीका				
	लाभ पद पर स्वीकार्थ है ।				
	7		8	9	
	नहीं		30 वर्ष से अनिधिक	1. मान्यता प्राप्त संर	स्थान से इलेक्ट्रोनिकी
			(क० रा० बी० कर्मचारियों	में 3 वर्षीय वि	प्लोमा पाठ्यक्रम <sub>,</sub>
			एवं विशेष श्रेणी के मामले	विद्युत संचार ब	भूभियांत्रिकी अथव
			में नियमानुसार दील)	इसके समकक्ष	
				2. हृद् देखरेख प्रयोगः	_
					ह्रव उपकरणों/अत्या
				-	ो उपकरणों के प्रयोग
				जिम्मेदार पद पर	1.0 वर्षका अनुभव
स्या सीध	त्री मर्ती किए जाने वाले		परिवीक्षा की	भाकी की एककि का	र सीधी भर्ती द्वारा य
			पारवाक्षा का	भराका पद्मात ——क्य	। सावा मता आरा प
<b>ज्यक्</b> तयं	ों के लिए निर्धारित आयु और		पारवाका का अवधि	पदोन्नति या प्रतिनियु	<mark>क्ति∕स्था</mark> नान्तरण <b>द्वा</b> र
ज्यक्तियं गैक्षिक य	ों के लिए निर्घारित आयु और गिग्यताएं पदोन्नत व्यक्तियों				<mark>क्ति/स्थानान्तरण द्वार</mark>
व्यक्तियं गैक्षिक य	ों के लिए निर्धारित आयु और			पदोन्नति या प्रतिनियु	क्ति/स्थानान्तरण द्वार डारा भरी जाने वार्ल
व्यक्तियं गैक्षिक य	ों के लिए निर्घारित आयु और गिग्यताएं पदोन्नत व्यक्तियों लागू होंगी।			ंपदोन्नति या प्रतिनियु तथा विभिन्न पद्धतियों	क्ति/स्थानान्तरण द्वार डारा भरी जाने वार्ल
व्यक्तिय गैक्षिक य पर भी	ों के लिए निर्घारित आयु और गिग्यताएं पदोन्नत व्यक्तियों लागू होंगी । 0		<b>ধৰ</b> ঘি	पदोन्नित या प्रतिनियु तथा विभिन्न पद्धतियों रिक्तियों की प्रतिशत	क्ति/स्थानान्तरण द्वार द्वारा भरी जाने वार्ल ता
व्यक्तियं शैक्षिक य पर भी 1 आयं —	ों के लिए निर्घारित आयु और गिग्यताएं पदोन्नत व्यक्तियों लागू होंगी । 0		<b>भवधि</b> 11	पदोन्नति या प्रतिनियु तथा विभिन्न पद्धतियों रिक्तियों की प्रतिशत	क्ति/स्थानान्तरण द्वार द्वारा भरी जाने वार्ल ता
क्यक्तियं शैक्षिक य पर भी 1 आयुं — गैक्षिक व	ों के लिए निर्घारित आयु और गिग्यताएं पदोन्नत व्यक्तियों लागू होंगी। 0 नहीं घोग्यता—हां		<b>भवधि</b> 11	पदोन्नित या प्रतिनियु तथा विभिन्न पद्धतियों रिक्तियों की प्रतिशत 12 100 प्रतिशंत पदीन्नित पर सीधी भर्ती द्वारा	क्ति/स्थानान्तरण द्वार द्वारा भरी जाने वाल ता
क्यक्तियं शैक्षिक य पर भीः 1 आयुं — शैक्षिकः	ों के लिए निर्घारित आयु और गिग्यताएं पदोन्नत व्यक्तियों लागू होंगी। 0		भवधि 11 2 वर्ष यदि विभागीय पदोश्रति	पदोन्नति या प्रतिनियु तथा विभिन्न पद्धतियों रिक्तियों की प्रतिशत  12  100 प्रतिशंस पद्मोन्नति पर सीधी भर्ती द्वारा परिस्थितियों जिनमें भर्ती	क्ति/स्थानान्तरण द्वार द्वारा भरी जाने वाल ता दारा जिसके न हो
व्यक्तियं गैक्षिक य पर भीः ग्रीक्षिकः गौक्षिकः पद्मोक्षति, द्वारा भर	ों के लिए निर्घारित आयु और गिग्यताएं पदोन्नत व्यक्तियों लागू होंगी। 0 तहीं योग्यता—हां /प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण तीं के मामले में वे ग्रेड जिनसे	,	भवधि  11 2 वर्ष  यदि विभागीय पदोश्रति समिति है तो उसका गठन	पदोन्नति या प्रतिनियु तथा विभिन्न पद्धतियों रिक्तियों की प्रतिशत 12 100 प्रतिशंत पदीन्नति पर सीधी भर्ती द्वारा परिस्थितियों जिनमें भर्ती समय संज्ञोक सेवा आयं	क्ति/स्थानान्तरण द्वार द्वारा भरी जाने वाल ता दारा जिसके न हो
व्यक्तियं गैक्षिक य पर भीः ग्रीक्षिकः गौक्षिकः पद्मोक्षति, द्वारा भर	ों के लिए निर्धारित आयु और रोग्यताएं पदोन्नत व्यक्तियों लागू होंगी। 0 तहीं योग्यता—हां		भवधि 11 2 वर्ष यदि विभागीय पदोश्रति	पदोन्नति या प्रतिनियु तथा विभिन्न पद्धतियों रिक्तियों की प्रतिशत 12 100 प्रतिशंत पदीन्नति पर सीघी भर्ती द्वारा परिस्थितियां जिनमें भर्ती समय संज्ञांक सेवा आयं परामर्श करना होगा।	क्ति/स्थानान्तरण द्वार द्वारा भरी जाने वाल ता दारा जिसके न हो
व्यक्तियं गैक्षिक य पर भीः भायं — गैक्षिकः पद्मेश्वति, द्वारा भर पद्मेश्वति	ों के लिए निर्घारित आयु और गेग्यताएं पदोन्नत व्यक्तियों लागू होंगी। 0 नहीं योग्यता—हां /प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण तीं के मामले में वे ग्रेड जिनसे /प्रतिनियुक्ति की जाएगी		11 2 वर्ष यदि विभागीय पदोश्रति समिति है तो उसका गठन क्या है ।	पदोन्नति या प्रतिनियु तथा विभिन्न पद्धतियों रिक्तियों की प्रतिशत 12 100 प्रतिशंत पदीन्नति पर सीधी भर्ती द्वारा परिस्थितियों जिनमें भर्ती समय संज्ञोक सेवा आयं	क्ति/स्थानान्तरण द्वार द्वारा भरी जाने वाल ता दारा जिसके न हो
व्यक्तियं गैक्षिक य पर भीः आयुं — गैक्षिक ः पवोश्रति, द्वारा भर पवोश्रति 13	ों के लिए निर्घारित आयु और गिग्यताएं पदोन्नत व्यक्तियों लागू होंगी। 0 तहीं योग्यता—हां /प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण तीं के मामले में वे ग्रेड जिनसे	`	भवधि  11 2 वर्ष  यदि विभागीय पदोश्रति समिति है तो उसका गठन क्या है ।	पदोन्नति या प्रतिनियु तथा विभिन्न पद्मतियों रिक्तियों की प्रतिशत 12 100 प्रतिशंस पदीन्नति पर सीधी भर्ती द्वारा परिस्थितियों जिनमें भर्ती समय संज्ञलोक सेवा आयं परामर्श करना होगा।	क्ति/स्थानान्तरण द्वार द्वारा भरी जाने वाल ता द्वारा जिसके न हो करते गमे
व्यक्तियं गैक्षिक य पर भी शायुं — गौक्षिक प्रवोक्षति प्रवोक्षति 13 ग्रेड में 1	ों के लिए निर्घारित आयु और  गिग्यताएं पदोन्नत व्यक्तियों लागू होंगी।  0 नहीं योग्यता—हां /प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण तीं के मामले में वे ग्रेड जिनसे /प्रतिनियुक्ति की जाएगी  10 वर्ष की नियमित सेवा था अपेक्षित शैक्षिक योग्यता		भवधि  11 2 वर्ष  यदि विभागीय पदोश्रति समिति है तो उसका गठन क्या है ।  14  ग्रुप "ग" विभा० पदो० स०	पदोन्नति या प्रतिनियु तथा विभिन्न पद्धतियों रिक्तियों की प्रतिशत 12 100 प्रतिशंत पदीन्नति पर सीघी भर्ती द्वारा परिस्थितियां जिनमें भर्ती समय संज्ञांक सेवा आयं परामर्श करना होगा।	क्ति/स्थानान्तरण द्वार द्वारा भरी जाने वाल ता द्वारा जिसके न हो करते गमे
व्यक्तियं गैक्षिक य पर भीः शायुं — गौक्षिकः पदोक्षति, द्वारा भर पदोक्षति 13 ग्रेड में 1 वाले तथ	ों के लिए निर्घारित आयु और गिग्यताएं पदोन्नत व्यक्तियों लागू होंगी। 0 नहीं घोग्यता—हां /प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण तीं के मामले में वे ग्रेड जिनसे /प्रतिनियुक्ति की जाएगी		भवधि  11 2 वर्ष  यदि विभागीय पदोश्रति समिति है तो उसका गठन क्या है ।  14  गुप "ग" विभा० पदो० स०  अध्यक्ष — चिकित्सा अधीक्षक	पदोन्नति या प्रतिनियु तथा विभिन्न पद्मतियों रिक्तियों की प्रतिशत 12 100 प्रतिशंस पदीन्नति पर सीधी भर्ती द्वारा परिस्थितियों जिनमें भर्ती समय संज्ञलोक सेवा आयं परामर्श करना होगा।	क्ति/स्थानान्तरण द्वार द्वारा भरी जाने वाल ता द्वारा जिसके न हो करते गमे
व्यक्तियं गैक्षिक य पर भीः शायुं — गौक्षिकः पदोक्षति, द्वारा भर पदोक्षति 13 ग्रेड में 1 दाले तथ	ों के लिए निर्घारित आयु और  गिग्यताएं पदोन्नत व्यक्तियों लागू होंगी।     तहीं योग्यता—हां /प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण तीं के मामले में वे ग्रेड जिनसे /प्रतिनियुक्ति की जाएगी   10 वर्ष की नियमित सेवा था अपेक्षित शैक्षिक योग्यता ले वरिष्ठ हुद स्पन्द आरेख		भवधि  11 2 वर्ष  यदि विभागीय पदोक्षति समिति है तो उसका गठन क्या है ।  14  ग्रुप "ग" विभा० पदो० स०  अध्यक्ष — चिकित्सा अधीक्षक सदस्य—उप जिकित्सा अधीक्षक	पदोन्नति या प्रतिनियु तथा विभिन्न पद्मतियों रिक्तियों की प्रतिशत 12 100 प्रतिशंस पदीन्नति पर सीधी भर्ती द्वारा परिस्थितियों जिनमें भर्ती समय संज्ञलोक सेवा आयं परामर्श करना होगा।	क्ति/स्थानान्तरण द्वार द्वारा भरी जाने वाल ता द्वारा जिसके न हो करते गमे
व्यक्तियं गैक्षिक य पर भीः शायुं — गौक्षिकः पदोक्षति, द्वारा भर पदोक्षति 13 ग्रेड में 1 दाले तथ	ों के लिए निर्घारित आयु और  गिग्यताएं पदोन्नत व्यक्तियों लागू होंगी।     तहीं योग्यता—हां /प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण तीं के मामले में वे ग्रेड जिनसे /प्रतिनियुक्ति की जाएगी   10 वर्ष की नियमित सेवा था अपेक्षित शैक्षिक योग्यता ले वरिष्ठ हुद स्पन्द आरेख		11 2 वर्ष  यदि विभागीय पदोश्रति समिति है तो उसका गठन क्या है।  14  ग्रुप "ग" विभा० पदो० स०  अध्यक्ष — विकित्सा अधीक्षक सदस्य—उप मिकित्सा अधीक्षक (केन्द्रीय सरकारा/विस्लीप्रशासन	पदोन्नति या प्रतिनियु तथा विभिन्न पद्धतियों रिक्तियों की प्रतिशत  12  100 प्रतिशंत पद्मोन्नति पर सीधी भर्ती द्वारा परिस्थितियां जिनमें भर्ती समय संज्ञलोक सेवा आयं परामर्श करना होगा।  15  लागू नह	क्ति/स्थानान्तरण द्वार द्वारा भरी जाने वाल ता द्वारा जिसके न हो करते गमे
व्यक्तियं गैक्षिक य पर भीः आयुं — गैक्षिकः पदोक्षति, द्वारा भर पदोक्षति 13 ग्रेड में 1 दाले तथ	ों के लिए निर्घारित आयु और  गिग्यताएं पदोन्नत व्यक्तियों लागू होंगी।     तहीं योग्यता—हां /प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण तीं के मामले में वे ग्रेड जिनसे /प्रतिनियुक्ति की जाएगी   10 वर्ष की नियमित सेवा था अपेक्षित शैक्षिक योग्यता ले वरिष्ठ हुद स्पन्द आरेख		भवधि  11 2 वर्ष  यदि विभागीय पदोक्षति समिति है तो उसका गठन क्या है ।  14  ग्रुप "ग" विभा० पदो० स०  अध्यक्ष — चिकित्सा अधीक्षक सदस्य—उप जिकित्सा अधीक्षक	पदोन्नति या प्रतिनियु तथा विभिन्न पद्धतियों रिक्तियों की प्रतिशत  12  100 प्रतिशंत पद्मोन्नति पर सीधी भर्ती द्वारा परिस्थितियां जिनमें भर्ती समय संज्ञलोक सेवा आयं परामर्श करना होगा।  15  लागू नह	क्ति/स्थानान्तरण द्वार द्वारा भरी जाने वाल ता द्वारा जिसके न हो करते गमे
व्यक्तियं गैक्षिक य पर भीः शायुं — गौक्षिकः पदोक्षति, द्वारा भर पदोक्षति 13 ग्रेड में 1 दाले तथ	ों के लिए निर्घारित आयु और  गिग्यताएं पदोन्नत व्यक्तियों लागू होंगी।     तहीं योग्यता—हां /प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण तीं के मामले में वे ग्रेड जिनसे /प्रतिनियुक्ति की जाएगी   10 वर्ष की नियमित सेवा था अपेक्षित शैक्षिक योग्यता ले वरिष्ठ हुद स्पन्द आरेख		11 2 वर्ष  यदि विभागीय पदोक्षति समिति है तो उसका गठन क्या है ।  14  ग्रुप "ग" विभा० पदो० स०  अध्यक्ष — चिकित्सा अधीक्षक सदस्य—उप चिकित्सा अधीक्षक (केन्द्रीय सरकारी/दिस्सीप्रशासन अस्पताल के एक बाहरी प्रतिनिधि	पदोन्नति या प्रतिनियु तथा विभिन्न पद्धतियों रिक्तियों की प्रतिशत  12  100 प्रतिशंत पद्मोन्नति पर सीधी भर्ती द्वारा परिस्थितियां जिनमें भर्ती समय संज्ञलोक सेवा आयं परामर्श करना होगा।  15  लागू नह	क्ति/स्थानान्तरण द्वार द्वारा भरी जाने वाल ता द्वारा जिसके न हो करते गमे
व्यक्तियं गैक्षिक य पर भीः शायुं — गौक्षिकः पदोक्षति, द्वारा भर पदोक्षति 13 ग्रेड में 1 वाले तथ	ों के लिए निर्घारित आयु और  गिग्यताएं पदोन्नत व्यक्तियों लागू होंगी।     तहीं योग्यता—हां /प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण तीं के मामले में वे ग्रेड जिनसे /प्रतिनियुक्ति की जाएगी   10 वर्ष की नियमित सेवा था अपेक्षित शैक्षिक योग्यता ले वरिष्ठ हुद स्पन्द आरेख		11 2 वर्ष  यदि विभागीय पदोक्षति समिति है तो उसका गठन क्या है ।  14  गुप "ग" विभा० पदो० स०  अध्यक्ष — चिकित्सा अधीक्षक सदस्य— उप चिकित्सा अधीक्षक (केन्द्रीय सरकारी/दिस्लीप्रशासन अस्पताल के एक बाहरी प्रतिनिधि सदस्य— क० रा० बी० अस्पताल से हृद विज्ञान विशेषज	पदोन्नति या प्रतिनियु तथा विभिन्न पद्धतियों रिक्तियों की प्रतिशत  12  100 प्रतिशंत पद्मिन्नति पर सीधी भर्ती द्वारा परिस्थितियो जिनमें भर्ती समय संघलोक सेवा आय परामर्श करना होगा।  15  लागू नह	क्ति/स्थानान्तरण द्वार द्वारा भरी जाने वाल ता द्वारा जिसके न हो करते गमे
व्यक्तियं गैक्षिक य पर भीः भार्युं — गौक्षिकः पदोक्षति, द्वारा भर पदोक्षति 13 ग्रेड में 1 वाले तथ	ों के लिए निर्घारित आयु और  गिग्यताएं पदोन्नत व्यक्तियों लागू होंगी।     तहीं योग्यता—हां /प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण तीं के मामले में वे ग्रेड जिनसे /प्रतिनियुक्ति की जाएगी   10 वर्ष की नियमित सेवा था अपेक्षित शैक्षिक योग्यता ले वरिष्ठ हुद स्पन्द आरेख		11 2 वर्ष  यदि विभागीय प्रदोश्रति समिति है तो उसका गठन क्या है। 14  ग्रुप "ग" विभा० पदी० स०  अध्यक्ष — चिकित्सा अधीक्षक सदस्य—उप चिकित्सा अधीक्षक (केन्द्रीय सरकारी/दिस्ली प्रशासन अस्पताल के एक बाहरी प्रतिनिधि सदस्य— क० रा० बी० अस्पताल से	पदोन्नति या प्रतिनियु तथा विभिन्न पद्धतियों रिक्तियों की प्रतिशत  12  100 प्रतिशंत पद्मिन्नति पर सीधी भर्ती द्वारा परिस्थितियो जिनमें भर्ती समय संघलोक सेवा आय परामर्श करना होगा।  15  लागू नह	क्ति/स्थानान्तरण द्वार द्वारा भरी जाने वाल ता द्वारा जिसके न हो करते गमे

-	ú	अन <u>ु</u> सूची		
· ————————————————————————————————————	<u></u>		·	
पदक्रम पदकानान प सं०	दों की सं०	यगीक रण	वेतनमान	क्या चयन पद है अथवा गैर-चयन
, 1 2	3 .	4 .	.5	6 ,
68 तकनीकी पर्यवेक्षक (नेज विज्ञान)	1	ग्रुप ''ख'' ग <b>ैर–</b> लिमिकीय	ष० 2000-60-230 द०रो०-75-3200	
	·			
क्या केन्द्रीय सिविल सेवा (पंगन) नियम, 1972 के नियम-30 के अधीन सेवा के जोड़े गए वर्षों का लाभ पद पर स्वीकार्य है।		सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा	सीबी मर्ती के व्यक्तियों वे तथा अन्य योग्यतोएं	क्षिए अपेक्षित गैक्षि
7	-	8	9	
न्तर्ग नहीं	•	लागृ नहीं	लाग् नहीं	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
	*** ***	<u>-</u>	<del></del>	<del></del>
क्यां सीधी भर्ती किए जाने वाले - ब्यक्तियों के लिए निर्धारित आयु और गैक्षिक योज्यताएं पदोन्नत ब्यक्तियों पर भी लागृ होंगी ।		।रिवीक्षा की अवधि	भर्ती की पद्धति—क्य पदोन्नित या प्रतिनिय् तथा विभिन्न पद्धतियों रिक्तियों की प्रतिसत्ति	कित/स्थानान्तरण <b>द्वा</b> र द्वारा भरी जाने वाल
10	<del></del>	11	12	<del>4-</del>
लाग नहीं		, 2 वर्ष	100 प्रतिशत पदोक्ष	ति द्वारा
पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण इारा भर्ती के मामले में वे ग्रेड जिनसे पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति की जाएगी।		यदि विभागीय पदोश्निति समिति है तो उसका गर्ठन क्या है ।	परिस्थितियां ७ संघ लोक सेवा परामेशं करना	
13	,	14.	15	
पेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा वाले तथा मार्न्यता प्राप्त संस्था से	ग् ग्	प "ख" विभा० पदी० सं०	लागू नः	<del>(</del> 1
्ष्टिमिति तथा अपयुर्तन में डिग्रौं डिप्लोमा ।		अध्यक्ष–चिकित्सा अधीक्षक, कर् अस्पताल सदस्य–नेन्न विशेषज्ञ सदस्य–उप चिकित्सा अधीक्षक, (केन्द्रीय सरकार/दिल्ली प्रशासन अस्पताल से एः बाहरी प्रतिनिधि)	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	

				अनुसूची	
पदकमसं० पदकानाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	क्या <b>चयन पद है</b> अथवा गैर-चयन	
1 2	3	4	5 ,	6	
69 धुलाईघर प्रबन्धक	1	ग्रुप ''ग'' गैर–लिपिकीय	<b>६० 2000-60-</b> 2300- <b>द० रो०-</b> 3200/-		
क्या केन्द्रीय मिविस सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम-30के अधीन सेवा के जोड़े गए वर्षों का लाभ पद परस्वीकार्य है।	सीधी भर आयुसी	र्ती के लिए मा		क्तियों के लिए - तथा अन्य योग्यताएं	
7		8	9		
साग् नहीं	ु (सरका	35 वर्ष से अनिधक (सरकारी कर्मचारियों के लिए ढील)		<ol> <li>मान्यता प्राप्त बोडं से मैट्रिक</li> <li>मान्यता प्राप्त संस्था से इलेक्ट्रीकल में प्रमाण पत्न</li> <li>किसी धुलाई घरमें कार्य का कम से कम वर्ष का अनुभव</li> </ol>	
म्या सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए निर्धारित आयु और गैक्षिक योग्यताएं ग्रेदोशत व्यक्तियों पर भी लाग्होंगी	परिवीक्षा की अवधि		भर्ती की पद्धति—क्या सीधी भर्ती द्वारा/य पदोन्नति या प्रतिनियुक्ति / स्थानान्तरण द्वार तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाल रिक्तियों की प्रतिशसता		
10	11		12		
सागू नहीं	2 বৃৎ	Ť ,	100प्रतिशत पदोन्नति कारा जिसके न होने प सीधी भर्ती द्वारा		
देवोझित /प्रतिनियुक्ति /स्थानान्तरण द्वारा भर्ती के मामले में वेग्रड जिनसे पदोझित/प्रतिनियुक्ति की जाएगी	यदि विभागीय पदोन्नति समिति है तो उसका गठन क्या है			नमें भर्ती करते समय संग मे परामर्श करना होगा	
13	14		15		
निर्मामत नियुक्ति के बाद ग्रेंड में 8 वर्ष की सेवा वाले धुलाईघर पर्यवेक्षक से पदोक्सति	2 सदर 3 प्रमा उ प्रम 4 अ००	ज ——चिकित्सा अधीक्षक, क रा० बी० अस्पताल, बसईदारापुर स्य—उप चिकित्सा अधीक्षक (केन्द्रीय सरकार/दिल्ली प्रशासन अस्पताल से एक बाहरी प्रतिनिधि) सन अधिकारी (चि०)/ प मुख्य लेखा अधिकारी (चि० सासन अधिकारी (मु०) जा०/अ० ज० जा०/अल्पसंख्यक आति के उपयुक्त स्तर का	लाग् नही		

618 भारत व		3 , 1997 (भविषय 1	/ 1010/	[মাণ III—-सण्ड
				अनुसूची
पदकानाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण —	वेतनमान	क्या चयन पद है अथवा गैर–चयन
1 2	3	4	5	6
70 प्रधान धुलाईचिर प्रचालक	3	ग्रुप ''ग्'' गैर–लिपिकीय	ह ० 950-20- 1150-द० रो०- 25-1400/-	गैर-चयन
क्या केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम-30 के अधीन सेवा के जोड़े गए वर्षों का लाभ पद पर स्वीकार्य है	सीधी भर्ती हे आयु सीमा	5 लिए	सीध्री भर्ती के व्यक्ति अपेक्षित, शैक्षिक तथ	
	. 8	}	9	
लाग् नहीं	20 से 25	वर्षकेबीच .	किसी बड़े अस्प्रताल विभाग में 5 वर्ष के मान्यता प्राप्त बोर्ड	अनुभय सहित
क्या सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए निर्धारित आयु और गैक्षिक योग्यताएं पदोन्नति व्यक्तियों पर भी लागू होंगी	परिवीक्षा की	अवधि	भर्ती की पद्धति-क्य द्वारा/या पदोक्षति या स्थानान्तरण द्वारा पद्धतियों द्वारा भरी रिक्ष्तियों की प्रतिष	प्रतिनियुक्ति/ तथा विभिन्न । जाने वाली
10	11		12	——————————————————————————————————————
आयु — नहीं जैक्षिक योग्यताएं —हां	2 वर्ष	*	100प्रतिणत पदोन्न कार्यालय के माध्यम द्वारा	ति द्वारा अथवा रोजग मे सीधी भर्ती
पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वाराभर्ती के मामले में वे ग्रेड जिनसे पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति की जाएगी		ोय पदोन्नति उसका गठन	परिस्थितियां जिनमें समय संघ लोक सेवा परामर्ण करना होगा	
13	14	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	1 5	······································
8 वर्षं के अनुभव वाले धुलाईघर प्रचालक से पदोन्नति	अध्यक्ष—— क ० सदस्य——उ सदस्य——उ (के	वभा । पदो । स । चिकित्सा अधीक्षक, रा । बी । , अस्पताल प प्रशासन अधिकारी प चिकित्सा अधीक्षक न्द्र सरकार के अस्पताल हिरी प्रतिनिधि )	लागृ मही	

		•					अनुसूची
पद कम संख्या	पदकानाम	पदों की	संख्या	वर्गकरण	वेतनमा	<del></del> न	क्या भयन पद है अथवा गैर-भयम
1	2	-	3	4		5	6
71. चिकित्स अधिका			1 म्	प ''ग'' गैंर-लिपिकीय	ह <sub>े 1640-66</sub> 75-2900/-	0−2600 <b>–</b> ≖० रो०-	- ्लाग् नहीं
1।972 के निय	ाविल सेवा (पेंग ाम 30 के अधी गभ पद पर स्वी	न सेवाके ज		ति के लियें आयु-सीम		ोधी भर्ती के व्यक्तिय तथा अन्य योग्यताएं	में के लिय अपेक्षित, शैक्षिक
7				8	,	9	
लाग	ृ नही			से अनधिक (क० रा० ।रियो एवं सरकारी का		मान्यता प्राप्त विश समकक्ष	विद्यालय से डिग्री अथवा
1			मामले में •	ं 35 वर्ष की आयु सक		लेख रखने का एक कम	थान से चिकित्सा अभि ह वर्षीय प्रशिक्षण पाठ्य ताल रिकार्ड कोपिंग तथा भव
के लिये निर्धा	िकये जाने बार्व रेत आयु और पं यक्तियों पर भी	ौक्षिक योग्य		नाकी अवधि	<b>न्न</b> चि	र्ती की पद्धति—क्या ति या प्रतिनियुक्ति	सीधी भर्ती बोरा/या पदो- स्थानान्तरण द्वारा तथा
के लिये निर्धा	रेत आयु और ग	ौक्षिक योग्य		ता की अवधि 11	<b>न्न</b> चि	र्नीकी पद्धति—क्या तिया प्रतिनियुक्ति क्षिप्र पद्धतियों द्वारा	सीधी भर्ती द्वोरा/या पदो- स्थानान्तरण द्वारा तथा भरी जाने वाली रिक्तिये
के लिये निर्धा ताये पदोस्रत व	रेत आयु और ग	ौक्षिक योग्य			ন f	र्ती की पद्धति — क्या तिया प्रतिनियुक्ति विभन्न पद्धतियों द्वारा की प्रतिशतता	सीधी भर्ती द्वोरा/या पदी- स्थानान्तरण द्वारा तथा भरी जाने वाली रिक्तिये
के लिये निर्धातिये पत्रोक्षत व 10 लागू नहीं पेबोझित/प्रतिविक के मामले में वे	रेत आयु और प्र यक्तियों पर भी प्रमुक्ति/स्थानान्त ग्रेड जिनसे पदो	क्षिक योग्य लागृहोगी		11 2 वर्ष भागीय पदोन्नति समिति	ন f	र्ती की पद्धति—क्या ति या प्रतिनियुक्ति विभिन्न पद्धतियों द्वारा की प्रतिशतता 12 100% पदोन्नति द्व सीधी भर्ती द्वारा	सीधी भर्ती ब्रोरा/या पदो- स्थानान्तरण द्वारा तथा भरी जाने वाली रिक्तिये परा जिसके न होने पर
के लिये निर्धा ताये पत्रोक्षत व 10 लागू नहीं पत्रोक्षत/प्रतिवि के मामले में वे नियुक्ति की उ	रेत आयु और प्र यक्तियों पर भी प्रमुक्ति/स्थानान्त ग्रेड जिनसे पदो	क्षिक योग्य लागृहोगी		11 2 वर्ष भागीय पदोन्नति समिति	ন f	तीं की पद्धति— क्या ति या प्रतिनियुक्ति विभन्न पद्धतियों द्वारा की प्रतिशतता 12 100% पदोन्नति द्व सीधी भर्ती द्वारा परिस्थितियां जिल्लोक सेवा आ	सीधी भर्ती बोरा/या पदो- स्थानान्तरण द्वारा तथा

टिप्पणी:----

मूल विनियम भारत के राजपन्न संख्या 27, दिनांक 2-7-1977 के भाग-3, खण्ड-4 में अधिसूचना संख्या 1(1)-3/72-स्था (संग्रह-2) दिनांक 15-6-1977 हारा प्रकाणित किये गये थे और निम्नलिखित अधिपूचनाओं द्वारा इनमें पहले संगोधन किया जा चुका है:--

- 1. भारत के राजपल दिनाक 19-8-78 के भाग-3 खण्ड-4 में प्रकाशित अधिसूचना संख्या ए-12(11)-3/76-स्था 1 दिनाक 29-7-78।
- 2. भारत के राजपत्न दिनांक 4-4-87 के भाग-3 खण्ड-4 में प्रकाशित अधिसूचना संख्या ए-12(11)-6/82-स्था० 1 (क) दिनांक 11-3-1987।
- 3. राजपत्र संख्या 33 दिनांक 16-8-87 के भाग-3 खण्ड-4 में प्रकाशित अधिसूचना संख्या 1(1)-3/72-स्था० 1(क) संग्रह -6 दिनांक 17-7-1987।
- 4. भारत के राजपन्न दिनांक 10-9-1988 के भाग-3 खण्ड-4 में प्रकाशित अधिसूचना संख्या ए-12/11/3/78-स्था॰ 1 (संग्रह-2) दिनांक 22-8-1988।
- 5. भारत के राजपव दिनांक 22-5-1991 के भाग-3 खण्ड-4 में प्रकाशित अधिसूचना संख्या ए-12/11/3/78-स्था॰ 1 (संग्रह-2) दिनांक 3-6-1991।
- 6. भारत के राजपत्न दिनांक 22-5-1993 के भाग-3 खण्ड-4 में प्रकाशित अधिसूचना संख्या ए-12/11 3/92-नि० चि० (मु०) दिनांक 27-3-1993।
- 7. भारत के राजपत्न दिनांक 10--7-1993 के भाग-3 खण्ड-4 में प्रकाशित अधिसूचना संख्या ए-12(11)/1/91-नि विव (मु०)।
- 8. भारत के राजपत दिनांक 22-7-95 के माग-3 खण्ड-4 में प्रकाशित अधिसूचना संक्षा ए-12(11)/1/91-नि० विच० (सु०) दिनांक 20-6-1995।

सुरेला कुमार शर्मा, महानिदेशक

# कर्मचारी राज्य बीमा निगम नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1997

संख्या वी-33/(·13)-3/94-स्था०-4-कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम 1950 के विनियम 10 के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 की 34) की धारा-2 के अनुसरण में तथा निगम की अधिसूचना संख्या : वी-35 (13)-3/91-विनाक 6-2-91 के अतिक्रमण में अध्यक्ष, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, एतव् द्वारा बिहार क्षेत्र के लिए केन्नीय बोर्ड का 'पूर्नेगठन करते हैं। जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात् :---

1. मंत्री--श्रम

नियोजन एवं प्रशिक्षण

विभाग, बिहार सरकार ।

2. मंस्री.

<del>स्वास्</del>थ्य विभाग,

बिहार सरकार।

3. सिंधव,

श्रम, रोजगार एवं

प्रशिक्षण विभाग,

बिहार सरकार ।

₄. निदेशक,

चिकित्सा सेवायें,

कर्मचारी राज्य बीमा योजना,

बिहार ।

उप चिकित्सा आयुदस,
 कर्मचारी राज्य बीमा निगम,
 "पंचदीप" मवन, भुवनेश्वर (उड़ीसा)।

उपाध्यक्ष

पदेन सदस्य

---वही---

श्री एस० के०-महरोब्रा,
 (एसोसियेशन का पूर्व अध्यक्ष)
 मैंनेजिंग डाईरेक्टर,
 सुनिल पोलिप्लास्ट लि०,
 वी०-39, इण्डस्ट्रीयल एरिया,
 हाजीपुर-8 44101

 श्री विजय कोचर पार्टनर, विनी एण्ड कम्पनी, करविवेहिया, पटना-800001

श्री ए० के० गान्धी,
 सेसर्स ईस्टर्न नेफया केम० लि०
 फेस-III, प्लोट-3, वी०/पी०-3,
 वोकरो इण्डस्ट्रीयल एरिया,
 बोकारो स्टील सिटी, बोकारों

श्री चन्दु लाल भलोटिया,
 भलोटियाँ इन्जिनियरिंग वर्क सि०,
 जमशेदपुर

10. श्री पी० आर० चौहान (हिन्द मजदूर सभा) कार्यकारी अध्यक्ष, रामेख्वर जूट मिक्स, समस्तीपुर

 श्री भूदेव सहमी, अध्यक्ष, श्रमिक संघ गोगरी, पोस्ट गोगरी, अमालपुर, जिला रवगडिया

12. श्री कुमार अशोक विजय, (भारतीय मजदूर संघ) प्रदेश महा सचिव, भारतीय महा सचिव, भारतीय मजदूर संघ, पटना ।

13. श्री चन्द्र प्रकाश सिंह, संयुक्त महासचिव, आई०एन०टी०यू०सी० बिहार, ब्रान्च कांग्रेस नगर, कंदम कुआं, पटना—800003.

श्रीमती कमला सिन्हा,
 सदस्य, राज्य सभा,
 भीना बाग, नई विश्ली
 पटना का पता :--- एम०-3/32, श्री कृष्ण पुरी, पटना ।

15. क्षेत्रोय निवेशक, कर्मणारी राज्य बीमा निगम, "पंचवीप" भवन, जबाहर लास नेहरू मार्ग, पटना नियोजकों के प्रतिनिधि

नियोजकों के अतिरिक्त प्रतिनिधि

नियोजको के अतिरिक्त प्रतिनिधि

---बही---

कर्मचारियों के प्रतिनिधि

कर्मचारियों के अतिरिक्त अतिनिधि

--मही---

निगम सबस्य

सबस्य सन्बन्ध

सुरेन्द्र कुमार शर्मा महः निवेकक

#### कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

#### (मुख्यालय)

### नई दिल्ली-110066, दिनांक 6 प्रगस्त 1997

सं० सम्मेलन 5(12)/95/एच०आर०/1325—कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के पैरा 5 के साथ पठित पैरा 4 के उप-पैरा (1) के श्रनुसरण में तथा केन्द्रीय भविष्य निधि श्रायुक्त, नई दिल्ली द्वारा जारी श्रीर भारत के राजपत्र के भाग<math>-171, 3094 में दिनांक 12 सितम्बर, 1992 को प्रकाशित श्रिधसूचना संख्या सम्मेलन 5(12)/87/एच० श्रार0/2503 दिनांक 24-8-1992 का श्रीधक्रमण करते हुये श्रध्यक्ष, केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि हरियाणा राज्य के लिए क्षेत्रीय सिमिति का गठन करती है जिसमें निम्नलिखित व्यक्तियों को शामिल किया गया है :—

#### अध्यक्ष

- (1) अत्युक्त तथा मचिव, हरियाणा सरकार, श्रम तथा रोजगार विभाग, चण्डीगढ़ सरकारी सबस्य
- अध्यक्ष, केन्द्रीय बीर्ड द्वारा नियुक्त

- (2) श्रम आयुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़
- (3) संयुक्त सचिव, हरियाणा सरकार, वित्त विभाग (हरियाणा सरकार, वित्त विभाग के सचिव द्वारा नामित किया जाना है)

राज्य सरकार की सिफारिण पर अध्यक्ष, केन्द्रीय न्यांसी बोर्ड द्वारा नियुक्त दो अधिकारी।

#### नियोक्ता प्रतिनिधि :---

- (4) श्री डी० आर० अग्रवाल, टी० आई० टी० मिल्स, भिवानी
- (5) श्री के० सी० लखानी, मैं० लखानी फुटवीयर, फरीकाबाद
- (6) श्री पवन कुमार गर्ग, मै० स्वास्तिक स्पिनिंग मिल्स, पानीपत
- (7) श्री केशव फखाहा, महाप्रबन्धक में श्रत्ल ग्लास लि॰, फरीदाबाद
- (8) श्री जैनेन्द्र मेहता, मै० ओमक्म आटोज लि०, 5/13, सोहता अलबर हाइबे, गांव टीकरी, गुडगांव, हरियाणा

# कर्मचारियों के प्रतिनिधि :---

- (9) श्री के० एल० णर्मा, महामचित्र इन्टक, 254, सैक्टर-21, फरीदाबाद ।
- (10) श्री रघुवीर सिंह, महासचिव एटक, असंध रोड, पानीपत् ।
- (11) श्री जगननाथ गेरा, अध्यक्ष श्री० एम० एस०, शहीद चौक, फरीदाबाद ।
- (12) श्री रामिकशन सहगल, अध्यक्ष, एच० एम० एस०, भाटिया बिल्डिंग, रेलवे रोड, यमुना नगर ।
- (13) श्री सुरेन्द्र शर्मा, लेबर लीडर, इंटक, ब्राह्मण धर्मशाला, जगाधरी ।
- (14) क्षेत्र के प्रभारी, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त क्षेत्रीय समिति के सचिव होंगे ।

राज्य में नियोक्ता संगठनो के परामर्श से अध्यक्ष, केन्द्रीय वार्ड द्वारा नियुक्त नियोक्ताओं के 5 प्रतिनिधि ।

राज्य के कर्मचारी संगठनों के परामर्श से अध्यक्ष, केन्द्रीय बोर्ड द्वारा नियुक्त कर्मचारियों के **ड** प्रसिनिधि

> राधे श्याम कौशिक केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

#### इण्डियन रेड क्रास सोसांवटी

नई विल्ली, दिनांक 20 फरवरी, 1997

सं० 48/संस्था/97—हण्डियन रेड क्रास सोसायटी मधिनियम, 1920 का XV को धारा 8(1) से (4) तक के उपबन्धों के अनुसार इस अधिनियम की धारा 6 के खण्ड (ख) के अन्तर्गत सोसायटी में निहित सम्पत्ति की श्राय के वितरण के सम्बन्ध में, इण्डियन रेड क्रास सोसायटी के प्रवन्ध निकाय में सोसायटी के श्रिधिनियम की दूसरी अनुसुची नियमानुसार संगोधित की है।

# अधिसूचना

दूसरी प्रनुसूची (देखें घारा 8) ,

धारा 6 के खण्ड (ख) के अन्तर्गत सोसायटी में निहित सम्पत्ति की आय में राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के दावे की लगभग प्रतिशतता को दर्शाने वाला विवरण :—

राज्यों भौर संघ राज्य क्षेत्रों का नाम	लगभग प्रतिशतता
मान्ध्र प्रदेश	7.88
श्ररणाचल प्रदेश	0.10
ग्रसम	2.65
बिहार े	10.25
गोवा	0.14
गुजरात	4.89
हरियाणा	1.94
हिमाचल प्रदेश	0.61
जम्मू एवं कश्मीर	0.71
र् <del>भ</del> र्नाटक	5.32
केरल	3.44
मंठ्य प्रदेश	7.85
महाराष्ट्र	9.35
मणिपुर ,	0.22
मेषालय	0.21
मिजोरम -	0.08
नागालैंड	0.14
उड़ीसा	3.74
पंजाब (	2.40
राजस्थान	5.21
सिक्किम 🥠	0.05
समिलनाड्	6.60
ब्रिपुरा	0,32
उत्तर प्रदेश	16.47
पश्चिम बंगाल	8.07
मण्डमान श्रौर निकोबार	0.03
चंडीगड़	0.08
वादरा एवं नगर हवेली	0.02
इमन श्रौर वीव	0.01
विह्नी लक्षद्वीप	1.11 0.01
लका। प <b>याण्डि</b> चेरी	0.10
Parking 121	100.00

डा० मनोज मायूर, महासचिव

भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद्

#### नई दिल्ली, दिनांक अप्रैल 1997

सं० एम० सी० आई०-34(41)/चिकि० (एन) 97-भारतीय आयुर्जिझान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 33 के खण्ड (एक सी) वारा प्रवस्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए भारतीय आयुर्जिझान परिषद केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वोकृति से एउच्द्रारा चिकित्सा काने जों की अनुमोदित प्रवेश क्षमता से अधिक दाखिल किए गए विद्याथियों की पहणान से संबंधित निम्नलिखित जिनियम बनाती है: —

- 1. (1) संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ ये विनियम भार-तोय आंगुविज्ञान परिषद् (चिकित्सा कालेजों की प्रवेण क्षमता से अधिक दाखिल किए गए विधाधियों की पहचान के लिए कंसीटी) विनियस, 1997 कहलायेंगे।
  - (2) ये विनियम शासकीय राजपक्त में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
- 2. लाग होना :---ये विनियम स्नातकपूर्व/स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यकम संज्ञालित करने वाले सभी चिकित्सा कालेजों/संस्थानों/विण्यविद्यालयों (जिन्हें इसके पश्चात् यहां चिकित्सा कालेज कहा गया है) पर लागू होंगे।
- 3. परिभाषाएं :--इन विनियमों के अन्तर्गत सिंदर्भे से अन्यथा न होने की स्थिति में :---
  - (क) "अधिनियम" का अर्थ समय-समय पर यथा-संगोधित भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम 1956 (1956 का 102) से है।
  - (खा) ''प्रत्रेश क्षमता'' का अर्थ वही है जैसा कि अधिनियम की धारा 10क की व्यारक्ष-2 में निर्विष्ट हैं।
  - ग) "सभम प्राधिकारी" का अर्थ किसी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र में विभिन्न चिकित्सा कालेजों में प्रवेश के लिए आबंदित करने के लिए केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या चिकित्सा कालेज या केन्द्रीय सरकार या यथास्थिति राज्य सरकार द्वारा नाम निर्दिष्ट किसी अन्य प्राधिकारी से हैं। जहां यथा परिभाषित पदनामित प्राधिकारी नहीं है, स्नातक-पूर्व अथवा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भूलाने वाले चिकित्सा कालेज को उस चिकित्सा कालेज के लिए सक्षम प्राधिकारी माना जाएगा।
  - a) अस्य सभी शब्दों तथा अभिश्वकितथों का वही अर्थ होगा जो अधिनियम में परिभाषित है।

विकित्सा कालेज में स्वीकृत प्रवेश क्षमता :--परिषद
प्रत्येक वर्ष स्मातकपूर्व/स्नातकोलर शैक्षिक आयुर्विज्ञान पाठ्यक्रम
के प्रारंक्ष्म से पूर्व चिकित्सा कालेजों में स्नातकपूर्व/स्नातकोलर
पाठ्यक्रमों के लिए विद्यार्थियों के प्रवेश की स्वीकृत क्षमता
जिकित्सा कालेजों मौर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों
को सूचित करेगी।

5. चिकित्सा कालेओं द्वारा विद्यार्थियों की वर्षवार सूची प्रस्तुत किया जाना :—स्नातकपूर्व/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संजाकित करने वाली सभी जिकित्सा कालेज राणपत्र में इन विनियमों के प्रकाशन से तीन मास के अन्दर वर्ष 1992 में शुरू होने वाले एँकिणिक सन्न के दौरान प्रवेश किए गए विद्यार्थियों से लेकर इनमें विनियमों के प्रकाशन से संबंधित वर्ष तक आयुर्विक्षान तथा शस्य विक्षान स्नातक पाठ्यक्रम के लिए वाखिल किए गए विद्यार्थियों की वर्षवार सूचियां (प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग-अलग) परिषद् को प्रस्तुत करेंगे।

6. सक्षम प्राधिकारी आयुविज्ञान तथा शस्य विज्ञान स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए प्रत्येक गीलिक वर्ष के दौरान दाखिल किए गए विद्यार्थियों की सूचियां, प्रवेश की अंतिम तारीख के एक माम के अन्दर अथवा उस वर्ष की 31 अक्तूबर तक, इनले मे जो भी पहले हो, परिषद् तथा राज्य विकित्सा परिषद् और सम्बद्ध विश्व- विद्यालय को प्रस्तुत करेंगा।

7. विद्यार्थियों की सूची परिषव् को प्रस्तुत किया जामा :इन किनियमों के अन्तर्गत परिषव् को प्रस्तुत की जाने
वाली विद्यार्थियों की सूची सक्षम प्राधिकारी द्वारा ऐसी
योग्यताकम में तैयार की जाएगी जिसके आकार पर
दाखिले किए गए हैं। सूची चिकित्सा कालेज के डीन/
प्रिसिपल के शपथ-पत्र बारा यह उल्लेख करते हुए ममर्पित
होंगी कि उक्त चिकित्सा कालेज की वही स्वीकृत प्रवेश
कमता है और प्रवेश क्षमता से अधिक वाखिले नहीं किए
गए हैं। सूची में अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा/केन्द्रीय
पूल कोटा/अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के
जिए समावेशास्मक आरक्षण के माध्यम से चिकित्सा कालेज
में वाखिल किए गए विद्यार्थियों के नामों का उल्लेख किए
जाएगा।

8. अधिक प्रवेश से संबंधित मामलों का निर्णय कि हारा किया जाना :— विद्यार्थियों के अधिक प्रवेश से सभी मामलों का निर्णय सक्षम प्राधिकारी द्वारा परिकार प्रस्तुत की गई सूची तथा जिकित्सा कालेज के लिए निर्णय प्रकेश क्षमता को व्यान में रखते हुए किया जाएगा । विद्यार्थियों को प्रवेश क्षमता से अधिक दीन मिले कम से विद्यार्थियों को प्रवेश क्षमता से अधिक दीन स्विक्ष में वृद्धि किया माना जाएगा । अखिल किए सम्वेश परीक्षा/केन्द्रीय पूल कोटा/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जाति के लिए समावेशात्मक आरक्षण के माध्यम से प्राधित किए गए विद्यार्थियों को निश्चित प्रवेश क्षमता के अस्वर किया जाएगा ।

9. अधिक प्रवेश की पहचान तथा विकित्सा कार्ने की निर्माणिक की परिषद् विकित्सा कालेज में अधिक की की पता लगाएगी और किसी चिकित्सा कालेज में अभिक को अन्तर्गत शिमास्त किए गए किसी विद्यार्थी को भारती क्रियाविका परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 10)

लिए मान्यताप्राप्त चिकित्सा योग्यता प्रदान नहीं की जाएगी। इस प्रकार शितास्त किए गए विद्यार्थियों के नाम तथा अन्य विवरण परिषद् द्वारा सभी संबंधित को अधिनियम के उपान्धों के अधीन कार्रवाई करने के लिए सूचित किए जाएंगे। किसी चिकित्सा संस्थान में अधिक प्रवेश किए गए विद्यार्थियों की पहचान के मामले में सभी विवाव केन्द्रीय सरकार को निर्देशित किए जाएंगे जिसका निर्णय अंतिम होगा।

डा० (श्रीमती) एम० सच्चेता सचित्र भारतीय आयुविज्ञान परिषद्

# भारतीय यूनिट ट्रस्ट मुंबई, विनांक 24 जुलाई 1997

सं श्रृ टी/डी बी डी एम/प्राप्त-2/एस पी डी-52/97-98--भारतीय यूनिट ट्रस्ट प्रधिनियम, 1963 (1963 का 52)
की घारा 19(1) (सी सी) के प्रन्तर्गत बनाए गए यूनिट
सम्बद्ध बीमा ब्लान 1971--- जो कथित प्रधिनियम की
धारा 21 के प्रन्तर्गत बनाई गई यूनिट योजना, यूनिट योजना
1971 के सम्बन्ध में है, के प्रावधानों में किए गए संशोधन,
जिन्हें 12 जनवरी, 1996 को हुई कार्यकारिणी समिति
की बैठक में प्रबुमोदित किया गया तथा 1, प्रप्रैल, 1997
से प्रभावी किया गया, इसके नीचे प्रकाशित किए जाते हैं:

ए० जी० जोसी महाप्रबंधक व्यवसाय विकास एवं विपणन

#### भनुबन्ध

(1) यूनिट सम्बद्ध बीमा प्लान 1971 के प्रावधानों के पैराप्राफ 2 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है:

महिलाएं प्लान में सम्मिलित होने हेतु पान्न हैं, बशर्ते

- (i) उनकी स्वयं की नियमित ग्राय हो; और
- (ii) वे प्लान में प्रवेश लेते समय गर्भवती न हों।

परन्तु भागे और यह कि जिन महिलाओं की स्वयं की कियमित भाग नहीं हो, उनको भी ज्लान में सम्मिलित होने की भनुमति दी जा सकती है, बगरों जीवन बीमा सुरक्षा क्षिकतम रु० 40,000/- तक सीमित रहेगी, भने ही लक्ष्य स्विक रु० 40,000 से प्रधिक हो।

ऐसे मामलों में प्लान में शामिल हो जाने के बाद पहले को के दौरान 100% एक वर्षीय प्रहणाधिकार खण्ड का। यदि छूट के दिवसों के भीतर भीमियम की कार्यामी नहीं की जाती है, तो नवीकरण पर 100% एक काय प्रहणाधिकार खण्ड पनः लाग किव्य आएका।

- (2) यूनिट सम्बद्ध बीमा प्लान 1971 के प्राथधानी के पैराग्राफ 6 के उप-पैराग्राफ 1 में ग्रंक "ए० 60,000/- को श्रंक "ए० 7 ,000/-" द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है।
- (3) यूनिट सम्बद्ध बीमा प्लान 1971 के प्रावधानों के पैराग्राफ 6 के उप-पैराग्राफ 3 में श्रंक "६० 6,000/-" को संक "६० 2,500/-" द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है।
- (4) यूनिट सम्बद्ध बीमा प्लान 1971 के पावधानों के पैराग्राफ 6 के उप-पैराग्राफ 4 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है:

"उप-पैराग्राफ 3 में उल्लिखित रु० 7,500/- की त्यूतलम लिक्त राणि की शर्त लागू नहीं रहेगी।

- (क) यवि सदस्य ६० 67,500/- से अधिक परस्तु ६० 74,000/- से अनिधिक लक्ष्य राणि हेतू 10 वर्षीय प्लान में पहले ही शामिल हो चुका हो और श्रेष राणि प्राप्त करके ६० 75,000/- की लक्ष्य राणि तक पहुंचना चाहता हो और
- (ख) यदि सदस्य २० 67,500/- से अधिक परन्तु २० 73,500/- से अनिधक लक्ष्य राशि हेतु 15 वर्षीय प्लान में पहले ही शामिल हो चुका हो और शेष राशि प्राप्त करके ६० 75,000/- की लक्ष्य राशि तक पहुचना चाहता हो ।"

# विभांक 24 जुलाई 1997

सं थूटी/डी बी डी एम/एस पी डी-71 क्यू/ब्रार-2/96-97—भारतीय यूनिट ट्रस्ट प्रधिनियम, 1963 (1963 का 52) की घारा 19 (1) (8) (सी) के प्रन्तर्गत वर्नाए गए मासिक प्राय प्लान 1997 (III) का पेशकण वस्तावेज, जो कथित प्रधिनियम की घारा 21 के प्रन्तर्गत वनाई गई मासिक प्राय योजना 1997 (III) के संबंध में है भीर जिसे 6 मई, 1997 को हुई कार्यकारिणी समिति की बैठक में परिचलन बारा प्रनुमोदित किया गमा, इसके नीचे प्रकाशित किया जाता है।

ए० जी० जोगी महाप्रबंधक व्यवसाय विकास एवं विपणन

 मारतीय यूनिट ट्रस्ट मासिक आय प्लान 1997 (III) पेशकश (घॉफर) वस्ताबेज

पेशकश 20 जून, 1997 से 3 मगस्त, 1997 तक इली है।

मासिक आय प्लान 1997 (III) भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) की धारा 19 (1) (8) (सी) के अन्तर्गत बनाया गया है जी कथित अधिनियम की धारा 21 के अन्तर्गत यू टी आई के न्यासी मंडल द्वारा बनाई गई यूनिट योजना, मासिक आय योजना 1997 (III) के संबंध में है।

िलान के विवरण भारताय प्रतिभूति और विमिन्नय बोर्ड (स्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 के अनुमार तैयार किए गए ह और अन साधारण के अभिद्वान हेतु पेश किए गए पूर्विट तेकी होता न तो अनुमीदित अथवा अनुमीदित विकर की स्थार्यता कार्या के समाणित किया है।

#### ्रक्ता न**्या सहि**यते

यह एक आयोग्मुख प्लान हैं। प्लान का उद्देश्य या तो मासिक आधार पर नियमित आया प्रदान कर सम्बद्धा के विशेष की संवृद्धि की जपल्या करा कर निवशकी की अप्रवृद्धि की जपल्या करा कर निवशकी की अप्रवृद्धि के प्रदान करा करा कर निवशकी की अप्रवृद्धि की जपल्या करा करा करा कर निवशकी की अप्रवृद्धि की जपल्या करा करा कि ।

# विशिष्टताएं

- ⊕यह पांच वर्ष का नियत कालिक प्लान है।
- ●िमनासी धीर भ्रतिवासी व्यस्क व्यक्तियों/मानसिक क्यां से विकलांग व्यक्तियों/प्रव्यस्कों/हिन्दु श्रितिभक्त परिवासों/ न्यासों/सिनितियों/पजीकृत रहकारी सिनितियों/कपनियों एवं वैकों सहित निगमित निकायों/विवेशी निगमित निकायों (ग्रोसीबी)/सेना/नौसेना/वायुसेना/परा मिलिट्री निधियों के लिए खुना है।
- ●द्रस्ट प्लान के सभी पांच वर्षों है लिए 13% प्रभावी प्राच की दर से आध्वासित आय (13.8% प्रभावी प्रतिखाओ) देने का प्रस्ताव करता है। आध का भुगतान उत्तर दिनांकित सासिक वारटों के माध्यम से किया जाएगा। प्लाम के उपार्जन पर निर्भर करते हुए अतिरिक्त आय का भुगतान परिषक्षता पर किया जा सकता है।
- ●मासिक भाग विकल्प के भन्तर्यंत मार्च 1998 तक की महिक के लिए अग्रम वारट सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपक्ष के साथ भेजा जाएगा। तद्भुपरात आग वारट प्रत्येक अप्रैल——मार्च भविष के लिए अग्रिम रूप से भेजे जाएगे। यूनिटों पर पूरे वर्ष के लिए आग वितरण प्राप्त करने के लिए निवेशक को उन्हें पूरे वर्ष धारण करना होगा।
- ●संचर्यो विकल्प के अन्तर्गत ६० 5000/- परिपक्वता पद कम से कम ६० 9543/- हो जाएंगे। तथापि, वर्ष में ६० 10,000/- से अधिक आय पर आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार कोत पर कर काटा जाएगा।
- ●वोनों विकल्पों के अन्तर्गत पुनर्खरीव की अनुमति 1 सितम्बर, 2000 से एन ए की आधारित पुनर्खरीद मूल्य पर होगी।
- ●अभिदान के बंद होने के छः माई के भीतर योजना को एन एस ई के थोक ऋण खंड पर सूचीबद्ध कराया ुआएगा।
- ●पह गारन्टी दी जाती है कि योजना में निवेशित पूंजी परिपक्तता पर सुरक्षित रहेगी अर्थात् यूनिटें सम-मूल्य से नीचे विमोखित नहीं की जाएंगी। समयपूर्व

पुनर्खरीद के लिए ऐसी कोई गारन्टी नहीं है तथा ऐंबे मामलों में पुनर्खरीद मध्य प्रचलित शुद्ध आस्ति मृत्य के अनुसार होगी।

●निवेश का एक भाग इक्विटियों में होने से पूजी वृद्धि की संभावना है।

वाय और पुनर्व रीव/प्रतिवान प्राप्तिया एन आर आई तथा जो ती वो के लिए पूर्णतया प्रत्यावर नीय है जहां जिल्लेश विवेशों से जिल्लेप के बाध्यक से या एन आर ई खाते की नामे करके अथवा एक सी एन आर जमाओं की, राशि से चैक/ कापट कारी करके किया जाती है।

्शितरित आयु और पूर्णी वृद्धि से पूर्जीगत अभिलाभ पर् जायकर अधिनियम 1961 की धारा 80 एल एवं धारा 48 तथा 112 के अन्तर्गत कर लाम ।

आयकर अधिनियम, 1961की धारा 54ई एके अन्तर्गत पूंजीगत अभिलाभ कर से छूट, बशर्ते अवरुद्ध अविध स्वीकृति तिथि से तीम वर्ष की हो।

●निवेशकों का ध्यान आय वितरण, पुनर्खरीद और सूचीन उता की विशिष्टताओं की तरफ विशेष रूप सं आकर्षित किया जाता है जिन्हें उपर्युक्त पैराग्राफ में मोटे अकरों में दर्शाया गया है।

जोखिम के तत्व

- ●समयपूर्व पुनर्खरीद का कोई आश्वासन नहीं है तथा ऐसे मामलों में पुनर्खरीद मूल्य शुद्ध आस्ति मूल्य पर निर्भर होगा ।
- ●प्लान के यूनिटों में निवेशों पर बाजार का जोखिस होता है धौर प्लान के शुद्ध अस्ति मूख्य (एन ए वी) का ऊपर या नीचे जाना बाजार की शक्तियों का प्लान के पोर्ट फोलियों परप्रभाव के ऊपर निर्भर करना है।
- ●पूर्वयोजनाओं/प्लानों का कार्य-निष्पादन आवश्यक रूप से भावी परिणामों का द्योतक महीं है।

( मासिक आय प्लान 1997 (III) केवल प्लान का नाम है और यह किसी भी प्रकार से प्लान की गुणवत्ता का संकेत नहीं देता है। निवेशकों से आग्रह किया जाता है कि इस प्लान में निवेश करने से पहले के पेशकण की शतौं का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लें।

### प्रबंधन के विचार से जोखिम के तस्व

दूस्ट 32 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत है और इसने 5 करोड़ से अधिक निवेशकों से लगभग 56,620 करोड़ रुपये की निधियों के प्रबंधन में निपुणता हासिल की है। दूस्ट द्वारा अब तक आरम्भ किए हुए नैतीस मासिक आय प्लानों का कार्य-निष्पादन पृष्ठ संख्या 2646 से 2649 पर सी गई तालिका में दर्शाया गया है।

#### य टी आई की स्थापना

युटी आई अधिनियम. 1963 के अन्तर्गत भारतीय यूनिट दूस्ट की स्थापना की गई थी जिसका उद्देश: बजत एवं निषेश को प्रोत्साहन देने तथा प्रतिभूतियों के अर्जन, धारण, प्रबंधन और निपटान से दूस्ट को प्रोद्भूत होने वाली आय, खाभों और अभिलाभों में सहभागिता थी। इसने 1 जुलाई, 1984 से कार्य करना आरम्भ किया।

#### युटी आई का प्रबंधन

द्रस्ट के कार्यों एवं व्यवसाय का प्रबंधन न्यासी मंडल में निहित है, जिसका भारत सरकार द्वारा नियुक्त एक कार्यकालिक अध्यक्ष होता है।

गंडल के अलावा एक साविधिक कार्यकारिणी समिति होती है जिसमें अध्यक्ष, कार्यपालक न्यासी तथा भारतीय औद्योगिक विकास बैंक द्वारा नामित दो अन्य न्यासी होते हैं। यह समिति मंडल की कार्यक्षमता के अन्तर्गत आने बाले किसी भी मामले पर कार्य करने के लिए सक्षम है।

न्यामी मंडल -

		<b>→.</b>
. 1.	श्री जी० पी० गुप्ता	अध्यक्ष, भारतीय यूनिट ट्रस्ट
2.	डॉ॰ पी॰ जे॰ नायक	कार्यंपालक न्यासी, भारतीय यूनिट ट्रस्ट
3.	श्रो आर० वी० गुप्ता	उप गवर्नर, भारतीय रिजर्ब वैक
4.	धी एस० एस० खान	अध्यक्ष, भारतीय औद्योगिक विकास वैक
5.	श्री एन० एस० सेखसंरिया	प्रबन्ध निदेशक, गुजरात अंबुजा सीमेन्ट्स लि०
6	<b>डॉ</b> ० अरविन्द वीरमणि	सलाहकार, नीति आयोजना भारत सरकार आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय
7.	श्री पी० आर <b>् ख</b> न्ना	सनदी लेखाकार 🦿
8.	श्री एन० एम० गोवर्धन	अध्यक्ष, भारतीय जीवन बीमा निगम
9.	श्री पी० जी० क्राकोड़कर	*अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक
10.	श्री एन <b>े वाधुल</b>	अध्यक्ष, आई सी आई सी आई लि०
11.	श्री रशीद जिलानी	अध्यक्ष एवं प्रवन्ध निदेशक, पंजाब नेंग्रनल बैंक

<sup>\*</sup>दिनांक  $31 \approx 0.3 - 1997$  से उनकी कार्यावधि समाप्त हो गई है।

# मासिक श्राय योजना 1997 (III) का व्योरा [(एम० ग्रॉई० एस० 1997 (III)]

#### संक्षिप्त शीर्थक श्रीर योजना,का स्रारंभ ः

- (1) यह योजना मासिक म्राय योजना 1997(III) [एम० म्राई० एस० 1997 (III)] कही जाएगी।
- (2) यह योजना पांच वर्षों के लिए अर्थात 1 सितम्बर 1997 में 31 अगस्त 2002 तक के लिए होगी।
- (3) यूनिटों की बिक्री 20 जून 1997 से 3 अगस्त 1997 तक 45 दिनों के लिए होगी, जसर्ते यूनिट ट्रस्ट के न्यासी मंडल की कार्यकारिणी कमिति/ अध्यक्ष किसी भी समय युद्ध या युद्ध जैसी परिस्थि-तियां उत्पन्न होने पर, स्टाक एक्सचिन्जों में व्यवसाय न होने पर या जन्म सामाजिक-आर्थिक कारणों से अखबारों में 7 दिनों की नोटिस देन के बाद या ऐसी पद्धति से जैसा ट्रस्ट द्वारा नियच्य कियां जाए, योजना के अन्तर्गत यूनिटों की बिक्री स्थिगित कर सकते हैं।

# II. परिभाषाएं:

इस्थोजना स्त्रीर इसके अन्तर्गत बने प्लान येजब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षितृन हो —

- (क) भ्रम्बीकृति तिथि। का अर्थ दूस्ट हारा सूनिटों की बिकी या पुनर्खरीद के लिए किसी आवेदक द्वारा दूस्ट को प्रेषित आवेदन पत्न के संदर्भ में वह तिथि हैं जब दूस्ट संतुष्ट हो कर ममझता है कि आदेदन सही है और उसे स्वीकार करता है;
- (ख) "ग्रिक्षिनियम" का तात्पर्य भारतीय यूनिट हस्ट प्रधिनियम 1963 (1963 का 52) से हैं;
- (ग) "धैकल्पिक भ्रावेदक' का ग्रर्थ नावालिंग के मामले में माता-पिता के श्रलाबा उस माता-पिता से है जिन्होंने नावालिंग की श्रोर से ग्रावेदन किया हो।
- (घ) "ग्रावेदक" का अर्थ है वह व्यक्ति जो योजना भीर उसके अन्तर्गत बनाए गए प्लान में शामिल होने के लिए पाल होगा जो प्रवयस्क नहीं होगा और प्रावेदक पत्र में उल्लिखित वैकल्पिक आवेदक सहित जब मानसिक विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए यूनिटों की बिक्री की गयी हो ग्रांर प्लान के खण्ड III के ग्रन्तर्गत ग्रावेदन करता हो।
- (क) "पान्न संस्था" का प्रश्नं भारतीय यूनिट दृस्ट सामान्य विनियमावली 1964 में यथापरिभाषित कोई पान्न दृस्ट है।
- (च) "फर्म" "भागीदार" श्रीर "भागीदारी" के ग्रर्थ भारतीय भागीदारी श्रीधित्यम 1932 (1932 का 9) में दिए गए श्रर्थ हैं परन्तु ग्रिभिव्यक्त भागीदार में कोई भी ध्यक्ति सम्मिलित हो सकता है, जो नाबालिय हो भौर जिसे भागीदारी के लाभ श्रान्त करने के लिए शामिल किया गया हो।

- (छ) "सूचीबद्धता" का अर्थ एनएसई के थोक ऋण खंड पर व्यवसाय करने के प्रयोजन से यूनिटों का सूचीबद्ध किया जाना हैं।
- (ज) योजना भौर उसके भ्रन्तर्गत बने प्लान में "सदस्य', के रूप में प्रयुक्त श्रीशब्दकित का ग्रर्भ श्रीर इसमें शामिल उस श्रावेदक से है जिसे इस योजना में युनिट श्रावंटित किए गए हों।
- (स) ''मानसिक विकलांग व्यक्ति'' का अर्थ वह व्यक्ति, जो ऐसी मानसिक अक्षमता में प्रस्त हो, जो उसे जीवन के सामान्य कार्य करने से विचत रखती हो।
- (ङा) "श्रनिवासी भारतीय (एन०ग्रार०ग्राई०)" का तात्पर्य भारतीय राष्ट्रीयता/मूल के श्रनिवासियों से हैं। जैसा कि मूलतः प्रधिनियमित भारत सरकार प्रधिनियम, 1935 में परिभाषित है, किसी भी व्यक्ति को "भारतीय मूल का व्यक्ति" माना जाएगा यदि यह या उसके माता-पिता या पितामह-पितामही में से कोई भी, श्रेणी भथवा पूर्वज के रूप में कितना ही बढ़ा क्यों न हो, नाहे पितृपक्ष या मातृपक्ष से हो, भारत में जन्मा हो जनमी हो।
- (ट) "आरी समझे जाने वाले यूनिटों की संख्या" का ग्रर्थ बेचे गए ग्रीर बकाया यूनिटों की कुल संख्या है।
- (ठ) "विदेणी निगमित निकाय" (भ्रो०सी०बी०) के अन्तर्गत विदेशी कम्पनियां, भागीदारी फर्म, सिमितियां और ग्रन्थ निगमित निकाय जिनका कग से कण 60 प्रतिशत तक की सीमा का स्वामित्व प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भारत के नाहर रहने वाले भारतीय राष्ट्रीयता अथवा मूल के व्यक्तियों का हो तथा विदेशी ट्रस्ट जिनमें कम से कम 60 प्रतिशत लाभप्रद हित अप्रतिस्तरणीय रूप से ऐसे व्यक्तियों ब्रारा धारित हो, णामिल है।
- (ङ) "व्यक्ति" में ऊपर यथापरिभाषित पान संस्था शामिल है।
- (क्ष) "रजिस्ट्रार" का तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से हैं जिसकी सेवाएं ट्राट द्वारा योजना के भन्तर्गत समय-समय पर रजिस्ट्रार के रूप में कार्य करने के लिए ली जा सकें।
- (ण) "विनियमावली" का अर्थ अधिनियम की धारा 43 (1) के अन्तर्गत बनी भारतीय यूनिट द्रस्ट सामान्य विनियमावली 1964 है।
- (त) "सेबी" का अर्थ है भारतीय प्रतिभूति शीर एक्सचेंज बोर्ड अधिनियम 1992 (1992 का 15) के अन्तर्गत बनाया गया भारतीय प्रति-शृति और एष्ट्सचेंज बोर्ड ।

- (थ) "समिति" का धर्ध समिति पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अन्तर्गत स्थापित समिति या फिल हाल प्रवृत राज्य या केन्द्रीय विधि के अन्तर्गत स्थापित अन्य कोई समिति है।
- (द) "ट्रेडीन" का तात्पर्य यूनिटों के पहले आबटम के बाद राष्ट्रीय शेयर बाजार (एन०एस०६०) के धोक ऋण खंड के जरिए यूनिटों के खरीद अथवा निकी में व्यवहार से हैं।
- (ध) "यूनिट" का अर्थ यूनिट पूंजी में दस रुपये के भांकित गृत्य का एक श्रविभक्त शोयर है।
- (न) "यूनिट पूजी" का तात्पर्यं फिलहास यूनिट योजना के अन्तर्गत निर्मत और शेष यूनिटों के अंकिन मूल्य के जोग से है।
- (प) "कृष्टि ट्रम्डं' या "ट्रस्ट'' का ताल्पर्य अधिनियमः की धारा 3 के जन्तर्गत स्थापित भारतीय यूनिट ट्रस्ट से हैं।
- (फ) ६समें अपरिभाषित लेकिन अधिनियम/विनियमावली में परिभाषित अन्य सभी अभिव्यक्तियों के वहीं अर्थ होंगे, जो अधिनियम/विनियमावली में विये गये हैं।
- (ब) एक अधन बीले शब्दों में बहु वसन शामित हैं स्त्रीर राभी पुल्लिंग संध्नों में स्त्रीलिंग तथा एक में दूसरे के विषयम शामिल हैं। इस योजना के सन्य उपबंध पूष्ठ सं० 24 से पृष्ठ सं० 35 में दिए गए हैं।

मासिक आय पोकचा 1997 (III) एएए आई एस '97 (III)] के बनार्गत बनारों गये पासिक आय प्लान 1997 (III) [एए आई एस '97 (III)] के ब्यौरे यहां नीचे लिए गए ैं:

#### 1. परिभाषाएं:

भाव्य जो प्लान में परिभाषित नहीं किये गये हैं तथा योजना भीर अधिनियम/विश्विमयमों में परिभाषित किए गए हैं उनके अपने-अपने अर्थ याजना/अधिनियम/विनयमों में दिए गए अर्थ हैं।

2. प्रत्येक युनिट का अंकित मृह्य :

इस. योजना के जन्तर्गत जारी किए ग", प्रत्येक प्रूनिट का अंकित मूल्य दस ६५थे होगा।

- 3. ' यूनिटों के लिए आवेदन :
- (1) यूनिटों के लिए आवेदन निवासियों और अनिवासियों विद्यासियों किये जा अकते हैं।

#### निवासी

- (क) व्यक्ति, एकल या अन्य व्यक्ति के साथ या दो व्यक्तियों सक संयुक्त ।
- (ख) नाबालिंग निवासी की श्रोर से माता पिता, सौतेले माता पिता या अन्य विश्विक अभिभावक । शांकिंग

- श्रौर ना प्रालिय संयुक्त रूप न्ते आवेदन नहीं कर सकते हैं।
- (ग) योजना में यथापरिभाषित पात, संस्था जिसमें अप्रतिसंहर-णीय और लिखत द्वारा निर्मित निजी न्यास शामिल है ।
- (घ) मानसिक रूप से विश्वाग श्यक्ति के लाभ के लिये कोई व्यक्ति।
- (इ) योजना में यथापरिभाषित कोई समिति।
- (च) पंजीकृत सहकारी समिति।
- (ত) कंपती अधिनियम 1956 के अन्तर्गत निर्मित कंपसी सहित अन्य निर्णामित निकाय एवं बैंक ।
- (ज) हिन्दू अतिभक्त परिवार ।
- (झ). सेना/नोसेना/बायु सेना/पैरामिलिट्री निधियां ।
- (**म**) भागीवारी फर्म ।

# अनिवासी द्वारा पूर्णतया प्रत्यावर्तनीय आधार पर:

- (क) अनिवासी व्यस्क व्यक्ति यातो एकल या अन्य व्यक्ति के साथ या दो व्यक्तियों तक संयुक्त ।
- (ख) नावालिंग अनिवासी की छोर से पिता/माता/सौतेले माता पिता विश्विक अभिभावक।
- (ग) अनिकासी हिन्दू अविभवत परिवार ।
- (घ) अनिवासी कंपनो/किदेशी निगमित निकाय जिनमें अनिवासी भारतीयों का स्वल्वाधिकार कम से कम 60 प्रतिशत तक हो।
- (2) भागीदारी फर्म हारा शावेदन, फर्म के अन्धिक 4 सदस्यों द्वारा किया जाना चाहिए तथा द्रस्ट सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए अधम नामित सदस्य को ही सदस्य के रूप में मान्यता देगा।
- (3) आवेषन इस्ट के अध्यक्ष/कार्यपालक स्यासी द्वारा अनुमोदित फार्म के किए आर्येंगे।

# न्युनतम निवेश रागि :

दोनों विकल्पों—मासिक और संबंधी के अन्तर्गत आवेदन
स्यूनतम ६० 5000 के लिए किया जाना चाहिए। कोई अधिकतम
सीमा नहीं होगी। यदि निवेश ६० 10 के गुणकों में नहीं है तो
यूनिटों का आबंटन भिन्नांक में दणमलव के बाद तीन श्रंकों तक
किया जाएगा। ६० 50,000 और उसमें अधिक निवेश के मामले
में, निवेशक को सलाह दी जाती हैं कि यदि उसका आयकर
पीएएन/जी आई आरसख्या है तो वह उसे नथा संबंधित आयकर
सर्किल के पसे का उल्लेख करें।

# 5. एकल की जाने वाली न्यूनंतभ लक्ष्य राशि :

योजना के अन्तर्गत एकत की जाने वाली लक्ष्य राणि 100 करीड़ ६पये होगी। अत्यभिदान यदि कोई हो, तो उसे दूस्ट कारा रखा जाएगा। यदि 100 करोड़ रुपये की लक्ष्य राशि का अभिदान नहीं तो योजना के अन्तर्गत एक इस्ति गई संपूर्ण राशि को यूनिटों की विकी बंद होने की तिथि से छः सप्ताह के मीतर ट्रस्ट द्वारा स्वाते से देय चैक प्रत्यर्पण आदेश द्वारा धन वापस किया जाएगा।

उन्त अनुबद्ध अवधि के भीतर राशि वापस न करने की स्थिति में शिक्षी बंद होने की तिथि से छः सप्ताहों की समाप्ति पर ट्रस्ट आवेदक को 15 प्रतिशत प्रति वर्ष की दूर से ब्याज का भुगतान करने का जिम्मेदार होगा।

#### खची पर सीमा

योजना के अन्तर्गत एकत्र निधि का निर्गम पूर्व व्यय 6 प्रतिशत से अधिक महीं होगा । योजना के प्रारंभिक निर्गम खर्ची का अनुमाम निम्नानुसार है:

<u>च्यय</u>	प्रतिशत
मुद्रण भौर डाक	1.50
अ <del>चार श्रौर माकि</del> टिंग	1.75
एजेंटों को कमीणन	1.50
रजिस्ट्रारों का प्रभार	0.50
क्षेंक प्रभार	0,25
स्टास्प शुल्क भौर अभिरक्षा शुल्क	0.50
योग	6.00
	ष्यय मुद्रण और डाक अचार श्रौर माकिटिंग एजेंटों को कमीशन रजिस्ट्रारों का प्रभार खैंक प्रभार स्टास्प शुक्क श्रौर अभिरक्षा शुक्क योग

इस प्रकार किसी निवेशक द्वारा निवेश किए गए प्रत्येक इपमें में से कम से कम 94 पैसे का इसे थोजना में निवेश किया जाएगा।

आरम्भिक निर्मस व्ययों के अतिरिक्त आवर्ती आधार पर योजना का निम्नलिखित व्यय होगा । अनुमानित आवर्ती व्यय निक्नानुसार है:---

	<b>ट</b> यय		प्रतिशत
1.1	प्रणास निक व्यय		U. 90
	अभिरक्षण गुल्क		0.50
	विकास प्रारक्षित निधि		0.25
	कर्मे चारी कल्याण न्याम	_	0.10
	रजिस्ट्रारों के लिए शुल्क		0.50
<del></del>	योग '	<del></del>	2.25

उपरोक्त व्यय अनुमानित है और वास्तविक रूप से किए गए व्ययों के साथ परिवर्तित किए जाने के अधीन हैं। फिर भी, सेवी (म्पूचुअल फंड) विनियम 1996 के अनुसार कुल आरम्भिक निर्मा व्ययों के रूप में कुल व्यय एकत्र निधि की 6 प्रतिशत की सीमा के भीतर होंगे।

योजना का कुल वार्षिक आवर्ती व्यय, आरंभिक निर्गम व्ययों एवं प्रतिवान व्ययों को छोड़कर परंसु प्रशासनिक व्ययों, विकास प्रारक्षित निधि और कर्मचारी कल्याण न्यास में अंशवान को सम्बद्धित करते हुए मिन्नलिकित सीमा के अधीन होंगे :

- (i) प्रथम 100 धरीइ रुपये जी श्रीसत मासिक मुद्ध आस्तियों पर --2.25%
- (ii) अगले 300 करोड़ रुपये की ओयन मामिक
   णुद्ध आस्तियों पर
- (iii) अगले 300 कडोड़ रुपये की आंसत मासिक गुद्ध आस्तियों पर --1.75%
- (iv) आस्तियों के शेष पर ——1.50% प्रणासनिक व्यय, विकास प्रारक्षित निधि में अंशवान एवं कर्मचारी कल्याण न्यास में अंशवान, लेखा वर्ष के दौरान प्लान के मासिक औसत मुद्ध आस्ति मृह्य के 1.25 से अधिक नहीं होंगे। सेवी (म्यूचुअल फंड) अधितियम, 1996 के अनुसार, यूटीआई नियेस प्रबंधन एवं परामर्श गुल्क पर कोई प्रभार नहीं लेता है। तथापि, यूटीआई बारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि निर्गम पूर्व व्यय एवं वार्षिक आवर्ती व्यय सेवी (स्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 के विनियम 52 के अनुर्गत दर्शाए गए सीमा के भीतर ही होंगे।
  7. भगतान विधि:
- (1) (i) फिसी आवेदक बारा आवेदित यूनिटों के लिए भुगतान आवेदन पुत्र के साथ नकद, चेक या ड्राफ्ट द्वारा किया जाएगा। यदि आवेदन यूटीआई के णाखा कार्यालयों में जमा किए जाएं, तो चेक या ड्राफ्ट उसी शहर में स्थित बैंकों की गाखा पर आहरिन किए जाएं, जिस शहर में स्थित शाखा कार्यालय में आवेदन जमा किया जाता है।

लेकिन, जहां आवेदक ट्रस्ट के माखा कार्यालय/संग्रहण केन्द्र/ विशेष अधिकृत कार्यालय वाले स्थान से भिक्ष स्थान से आवेदन करना चाहे तो आवेदित मृनिटों के लिए आवेदन पत के साथ देश बैंक ड्राफ्ट के लिये देश बैंक प्रभार घटाकर भारतीय **बै**क संघ के दिशानिर्देश के अनुसार बैंक ड्राफ्ट ट्रस्ट को भेजते हुए ऐसा कर सक्षता हैं। अंग्रहण केन्द्रों विशेष बिकी कार्यालयों की, स्थानीय वैय लेक अथवा उन स्थानों में जहां तक योजना विकेन्द्री हुत है, बेश मांग पक्ष के साथ, जिसमें आयेदक, भारतीम बैंक संच के दिशानिर्दशीं के अनुसार प्रभार कम कर सकता हो, अलियत स्वीकार करते के लिए प्राक्षिकृत किया जाना है । उदाहरणार्थ, यदि आवेदन - राशि ह ० 10,000 - है तथा बैंक ब्राफ्ट प्रभार इस राशि के लिए कः 20 - है । इस तरह, ड्राफ्ट - कुः - 9,980 -- (रुः 10,000 - में से ६० 20- घटाकर) के लिए अनवामा जा सकता है। इत्राक्रक्षमीक्षर प्रभार प्लान के आरंभिक निर्गम व्ययों का एक अंश होगा।

कित्, जहां ट्रस्ट का कार्यालय/संग्रहण केंद्र/विशेष विकी कार्यालय है और आवेदन स्थानीय बैंक ड्राफ्ट के साथ मिला है नो बैंक ड्राफ्ट कमीणन निवेशक को ही यहन करना होगा ।

(ii) यदि भुगनान चेक द्वारा किया जाए तो स्वीकृति तिथि, इस्ट के णाला कार्यालय या प्राधिकृत संग्रहण केन्द्र द्वारा चेक प्राप्ति की तिथि होगी, नगर्ते चेक की वसूसी हो। यदि भुगतान क्रापट द्वारा किया जाए तो स्वीकृति तिथि, ऐसे क्रापट की निर्मम तिथि होगी, वगर्ते द्वारट की वसूली

हो। लेकिन, आवेदन ट्रस्ट के शाखा कार्यालय या प्राधिकत संग्रहण केन्द्र में ड्राफ्ट जारी होने की तिथि से 7 विनों के भीतर प्राप्त हो जाए । यदि इस प्लाम के अंतर्गत आवेदम राणि न्यूनतम निवेश से कम है, तो सम्पूर्ण राणि ट्रस्ट द्वारा यथोचित रीति से आवेदक को उसके खर्चे पर वापस लौटा दी जाएगी।

# (iji) प्रत्यावर्तन साभों के साथ निवेश की विधि:

एनआरआई/ओसीबी द्वारा किए गए निवेश पर प्रस्यावर्तन का अधिकार निवेशित पूंजी और उस पर अजित आय तथा पूंजी बृद्धि (यदि लागू हो) पर तब तक होगा जब तक निवेशक भारत के बाहर का निवासी बना रहेगा। इन स्थितियों में निवेश निम्निलिखन विधियों में से किसी एक के माध्यम से किया जा सकता है।

- (क) विदेशौ मुद्रा में ड्राफ्ट।
- (ख) विदेणी बैंकों/विनिमय गृह ढारा यूटीआई के पक्ष में रूपये में जारी किया गया ड्राफ्ट जो उनके भारतीय संपर्ककर्ता बैंकों पर आहरित हो।
- (ग) भारत स्थित बैंक में निवेशक द्वारा कायम रखें गए एनआरई खाले पर आहरित चेक द्वारा।
- (घ) एफसीएनआर जमाओं की राणि से जारी किए गए चेक/ अपट द्वारा।

इसके अलावा, नेपाल और भूटान की मृद्राओं में अवायगी स्वीकार नहीं की जाती है। यूनिटों में निवेश रुपये में किया जाता है, विदेशी मुद्रा के सभी ड्राफ्टों को उस दर पर रुपये में परिवर्तित किया जाता है जो परिवर्तन के समय प्रचलित हो। यदि कोई कमी पड़ती हो, तो उसे एनआरआई निवेशक द्वारा विशेषण क्यिंग जाएगा।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए यह सलाह थी जाती है कि एनआरआई/ओसीबी निवेशक उपर्युक्त (ख) और (ग) में उल्लिखित लिखतों के द्वारा अवायगी करें।

# (iv) प्रस्यावर्तन लाभों के बिना निवेश विधिः

जहां एनआरओ खाते में धारित निधियों का उपयोंग यूनिटों की खरीच के लिए किया जाता है तो इस प्रकार निवेश की गई निधियां और उन पर अजित आय तथा पूंजी वृद्धि (यदि लागू हो) भारत के बाहर प्रत्यावर्तन के लिए योग्य नहीं होगी।

तथापि भा०रि० बैंक के दिनांक 19 अगस्त, 1994 के परिपक्ष एउडी० (एस० ए० श्रृंखला) सं० 18 के अनुसार वित्तीय वर्ष 1996-97 के दौरान और उसके उपरांत अर्जित सम्पूर्ण आय पूर्ण प्रत्यावर्तन के योग्य होंगी।

जबिक इन मामलों में यूटीआई-एनआरओ खाते में जमा करने के लिए रुपये में अदायगी करेगा। निवेशकों को यह सूचना दी जाती है कि यदि थे मून्तटों पर झान का प्रेषण प्रान्त करना चाहती हों तो अपने वैक/कर सलाहकार से सभ्यकं करें। 2(क) अ।वेदन स्थीकृत या अस्वीकृत करने का ट्रस्ट का अधिकारः

दूस्ट को मह ग्रधिकारहोगा कि वह योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में यूनिट जारी करने के लिए आवेदन स्वीकृत और/या अस्वीकृत कर सके । दूस्ट निम्नलिखित परिस्थितियों में यूनिटें जारी करने हेतु आवेदन ग्रस्वीकृत कर सकता है :

- i. यदि आवेधन ६० 5000 की न्यूनतम निवेण राणि से कम के लिए प्राप्त हुआ हो,
- गं. यदि आवेदन पहले आवेदक द्वारा हस्ताक्षरित न हो और
- iii. यदि आवेदक, योजना में निवेश करने के लिए पास म हो । योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान में आवेदन करने के संबंध में किसी व्यक्ति की पासता या अन्यथा के बारे में ट्रस्ट का निर्णय अंतिम होगा।

# (ख) अपूर्णभावेदन भस्वीकृत किए जा सकते हैं :

भावेदन अपूर्ण पाये जाने पर अस्थीकृत कर दिया जाएगा और बिना किसी ब्याज या अन्य रांशि के चाहे जो भी हो, भावेदन रांशि ट्रस्ट द्वारा यथाशीझ वापस कर दी जायेगी।

म्रपेक्षित परिचालनगत श्रौर प्रक्रियागत श्रौपचारिकतायें पूरी होने के बाद राशि वापस की जायेगी।

(3) यूनिट जारी होने के पहले श्राधेवक को योजना श्रोर उसके श्रन्तर्गत बने प्लान से संबंधित स्रपेक्षास्रों को पूरा करना होगा:

योजना और उसके अन्तर्गत बने प्लान में यूनिटों के लिये आवेदन करने वाले व्यक्तियों को, आवेदन करने की अपनी पालता के बारे में ट्रस्ट को सन्तृष्ट करना होगा और ट्रस्ट की सभी अपेक्षायें जैसे न्यासों से प्राप्त आयेदन पत्न के मामले में ट्रस्ट विलेख, प्रबन्ध समिति का यूनिटें खरीबने संबन्धी संकल्प नाबालिंग की ओर से प्रात्त आवेदन पत्न के मामले में जन्म प्रमाण पत्न आदि जो निवेशक की अंगी पर निर्भर करेगा। एसी अपेक्षायें पूरी करने या नहीं करने के प्रति ट्रस्ट की सन्तृष्टि उसके अपने विवेक पर निर्भर होगी।

गलतं घोषणा करके यूनिट रखने वाला व्यक्ति प्रपनी सबस्यता के निण्स्तीकरण का भागी होगा और उसका नाम सबस्यों की पंजी से काट दिया जाएगा।

द्रस्ट को अधिकार होगा कि वह ऐसी स्थिति में 25 % वण्ड के तौर पर घटाने के बाद सममूल्य पर या द्रस्ट द्वारा निर्धारित मूल्य पर यूनिटों की पुनर्खरीद करे और गलती से भुगतान किये गये आय बित्रण की बसूली पुनर्खरीद अशि से करे और गेप बापस करें।

पुनर्खरीद करने भ्रौर भ्राविदक को पुनर्खरीद राशि भेजने में ट्रस्ट को जो भी समय लगेगा उसके लिये राशि पर कोई ब्यमज वेय नहीं होगा ।

# 8 यूनि टों की बिकी

पंशक्तम की अवधि के दौरान यूनिटों की विकी सममूल्य पर होगी। इस्ट द्वारा यूनिटों की विकी संविदा, स्वीकृति तिथि की-पूरी हुई समग्री जायेगी। विकी संविदा पूर्ण होने पर दृस्ट यथाशी द्रा सदस्य को उनके विकल्प के अनुसार मदस्यता सुचना/यूनिट प्रमाणपत्न (विषणन योग्य लाट में) जारी करेगा। दृस्ट बारा पान्न संस्था और निगमित निकाय को जारी सदस्यता सूचना यूनिट प्रमाण पत्न पान्न संस्था/निगमित निकाय के नाम से जारी करेगा। प्रेषित सदस्यता सूचना/ यूनिट प्रमाण पत्न के खो जाने, अति प्रस्त हो जाने, भूगलत जिल्लिकरी या जिल्लिकरी नहीं होने का कोई वायिश्व दृष्ट पर मही होगा।

दूस्ट प्लाम के अन्तर्गत यूनिटों की विकी की समाण्ति तिथि से 6 हक्षों के भीतर सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाण पत्न भेजने का प्रयास करेगा।

# 9. यूनिटों की पुनर्खरीस:

(1) प्लान के ग्रारम्भ होने के तीन वर्ष के बाद भाषति 1 जुलाई, 2000 से प्लान के बोनों विकल्पों के श्रन्तर्गत पुनर्खरीय भारम्भ होगी। योजना श्रीर उसके अन्तर्गत वनाये प्लान के प्रन्तर्गत पहले तीन वर्ष के दौरान मृत्य संबंधी वाबों के निपटान के मामने छोड़कर कोई पूनर्खरीद नही की जायेगी । पुनर्खरीद मृत्य युनिटों के एन० ए० वी० पर (पूर्व-बर्ती श्राधार पर) श्राधारित होगा श्रौर उसे प्लान के श्रारम्भ होने की तारीख से छः माह पश्चात् धर्थात् 01-03-1998 की तथा उसके बाद 31-08-2000 तक वैमासिक भाषार पर समाचार पत्न में प्रकाशन 📷 जारी किया जायेगा। 01-09-2000 से एक माह के अनधिक अन्तराल पर पुन-बौरीद मुल्य की घोषणा की जायेगी। योजना की परिपक्तता पर यह गारन्टी दी जाती है कि प्तर्खरीद मूल्य यनिटों के क्षय-मुख्य प्रथति ६० 10 से कम नहीं होंगे। तथापि भ्रमय पूर्व पुनर्खरीव के लिये ऐसी कोई नारन्टी भहीं होगी तंबा पुनर्खरीय मृत्य गुद्ध प्रास्ति मृत्य पर प्राधारित होना।

इसके मतिरिक्त निवेश का एक भाग इक्विटी में होने के कारण पूँजी वृद्धि की संभावना है।

# (2) मासिक आग विकल्पः

ट्रस्ट योजना और उसके अन्तर्गत बनामें गमें प्लान के धारम्भ होने की तारीख के तीन वर्ष के बाद से युनिटों की पूनखंरीद की पेशकश करेगा। पूनर्खरीद पूर्ववर्ती एन० ए० बी० पर बाधारित होगा और लान के प्रारम्भ होने के छ: माह के पश्चात् प्रथित् 01-03-98 को तथा उसके पश्चात 31-08-2000 तक तैमासिक ग्राधार पर समाचार पत्नों में प्रकाशनः के लिये जारी करेगा। 01-09-2000 से एक माह के प्रनिधक प्रन्तराल पर पुनर्खरीद मूल्य की घोषणा की जायेगी। पुनर्खरीक मूल्य परिकलित करते समय ट्रस्ट को प्रशासकीय ब्यय और भ्रन्य प्रभार, जो प्रति यूनिट एन० ए० वी० 5 % से अधिक प हों, की कटोती करने की स्वतन्त्रता होगी । पुनर्खरीद, सदस्यता सूचना एवं सम्दे कागज पर प्रनुरीष्ट् पन्न के साथ जो सभी सदस्यों धारा विधिवत हस्ताक्षरित हो, एवं अन्य व्यक्ति जितक। नाम, पेशा और पता विया गया हो, के साक्ष्य साहित सदस्यतम भूचना/विविध उन्मोचित युनिट प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर, प्रभावी होगी । अ*िंा इ* प्**नर्जरीद** 

'की अनुमति होगी, बशतें सबस्य द्वारा न्यूनतम शेष र० 5,000/→ (अकित सुल्य) कायम रखा जाये। पुनर्खरीय के लिमें आवेदन करते समय सबस्य को पुनर्खरीय माह सहित तथा उसके बाद के महीनों के बचे हुए। शेष अनभुनाये हुए आय वितरण वारण्ट दृश्ट को सौंपन होते।

पूर्व रूप से पुनर्खंशिव की स्थिति में ट्रस्ट भूनर्खंशिव के अबुरोध-एल सिंहत सवस्थमा सूचमा/यूनिट-प्रमाण-एल विधिवत् उत्मोखित प्राप्त होने पर भावी महीने के लिये यूनिट पर आध बितरण रूप भूगतान करने के लिये बाध्य नही होगा और नहीं पुनर्खंशिव की प्राप्तियों पर कोई ब्याज देय होगा।

प्राप्त सभी दस्नावेज और प्रदत्त आय वितरण वारन्ट यवि हों निरस्तीकरण के लिये द्रस्ट द्वारा रख लिये जायेंगे ।

आंशिक पुनर्खरीय की स्थिति में अपने पास रखे जाने वाले यूनिटों की संख्या पर निर्भर करते हुए सदस्य को नई सदस्यता सूचना/यूनिट-प्रमाण-पन्न और स्त्रीकृति मांह सहित गेषे अविधि के लियें आय बितरण वारन्टों का नया सेट जारी किया जायेगा । पुनर्खरीय राशि पर कोई ब्याज देय नहीं होगा ।

- (3) पूर्ववर्ती उप खण्डों में अन्तर्विष्ट किसी बात के बाब जूब, ट्रस्ट यूनिट की पुनर्खरीद करते समय सदस्थ धारा उस समय तक बकामा आम वितरण वारच्टों को अध्यापित नहीं करने की स्थित ट्रस्ट ऐसे आम वितरण वारच्टों की अध्यापित नहीं करने की स्थित ट्रस्ट ऐसे आम वितरण वारच्टों की भविष्य में देय राशि पुनर्खरीद मूल्य में से घट कर सदस्य की शोष राशि का भुगतान करने के लिये स्वतन्त्र होगा। ट्रस्ट को सवस्यता सूचना और पुनर्खरीत का अनुरोध पत्र-यूनिट प्रमाणपद विधिवत उनमोचित प्राप्त होने के बाद तथा पूर्ण पुनर्खरीद की स्विति में सदस्य को स्वीकृति माह के आम वितरण सहित भावी आम वितरण प्राप्त करने का अधिकार नहीं रह जायेगा और ऐसे बकामा आम वितरण की राणि का बावेवार ट्रस्ट होगा।
- (4) मासिक बाधार पर प्रवस्त पूरे बर्ष के अध्य वितरण के हकबार बनने के लिये सदस्य को यूनिट पूरे वर्ष तक रखने होंगे। वर्ष के किसी भाग के लिये यूनि एक रखने वाला सबस्य केवल धारण ध्विधि के लिये, जो हमेगा पूर्ण ध्रंग्रेजी कैलेक्टर मास की होगी आनुपातिक आय वितरण प्राप्त करने का हकदार होगा, प्रौर माह के भाग को, चाहे वह कितने भी दिन का क्यों न हो, हमेगा छोड दिया जायेगा।
- (5) सदस्य की मृत्यु हो जाने की स्थिति में विधिक प्रतिनिधि या नामिती द्वारा सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाण पन्न, पुनर्खरीद के लिये अनुरोध-पन्न और श्रकाया अदत्त श्राय वितरण वारन्ट ट्रस्ट को सौंपे जाने के बाद यह (ट्रस्ट) दावे ने की मान्यता सम्बन्धी निर्धारित आवश्यकता पूरी होने पर अपने नियमों और दिशा-निर्देशों के अनुसार इसमें ऊपर उपखंड (2) और (3) में यथावर्णित उप में यूनिट की पुनर्खरीद सरेगा और दावे की निपटान तिथि तक के बकाया श्रासिक आव पितरण का अनुपातिक भुगतान करेगा।



# -(6) संघमी विकल्पी:

े संबंधी विकल्प के अंतर्गत जारी यूजियों के भागने में दूसर और उसके अंतर्गत बनाए गए प्यान के आरम्भ होते की तारीख से तीन वर्ष अर्थात् । सितम्बर, 2000 से यूजियों के पुनर्खरीय की पेशकण करेगा। पुनर्खरीय मृत्य पूर्ववर्ती एनएकी आधार पर होगा। पुनर्खरीय मृत्य परिकलित करते समय दूसर प्रति यूनिट एनएकी के 5% तक अभागकीय अथ और अन्य प्रभार काटने के लिए स्वतंब होगा।

अर्गाशक पुनर्खरीद की अनुमति होगी, वणते सदस्य द्वारा न्यूनसम शेष ६० 5,000/- (अकित मूल्य) कायम रखा जाए।

(7) ट्रस्ट द्वारा कडौती, यदि कोई हो, करने के बाद पुन: खरीदे गए यूनिटों के लिए भुगतान, सबस्यता सूचना तथा पुनर्खरीद होतु अनुरोध-पन्न विधिवत् रूप से उन्मोचित यूनिट प्रमाण पन्न तथा लाभांग बारट, यदि कोई हो, के प्रान्त होने के 10 दिन के भीतर ऐसे केन्द्र पर किया जाएगा जहां पुनर्खरीव अनुरोध संसाधित किए जाते हैं।

आवेदक को वेयं राशि पर कसी भी कारण से कोई ब्याज देय नहीं तथा दूस्ट बारा प्रेषित चैकया ड्राफ्ट का प्रेषण (डाक वर्ष सहित) या बपूली खर्ष अधिक द्वारा बहुन, किया जाएगा।

- ं (8) अनिवासी निवेशकों के मामले में पुनर्खरीद राशियां निवेश के स्रोत पर निर्धर रहते हुए निम्तानुसार प्रेषित की जाएमी :
- (क) जब यूनिट विदेश में भेजी गई विदेशी मुद्रा/संदत्य की एकसीएनआर जमाओं की राशियों से या सदस्य के भार में रंखे अनिवसी (बाह्य) खाते में रखी निश्चियों से जारी चैक/ड्राफ्ट द्वारा खरीदे गए हों तो संबस्य की राशियां विदेशी मुद्रा में (विनियय पर में उतार—चढ़ाव का वहन सदस्य की करना होगा) प्रेषित की जा सकती है या सदस्य के भारत स्थित स्विधी की सबस्य के अनिवासी (बाह्य) खाते में जमा करने के लिए की जा सकती है बशर्त सदस्य विदेश में रह रहा हो। यदि सदस्य चाहे तो इत राशियों को उसके अनिवासी (सामान्य) खाते में जमा करने के लिए भी भेजा जा अकता है।
- ्रं (ख) जब यूनिट-सदम्ब के अनियासी (मामान्य) खाते में रखी निधियों से खरीदे गए हों तो राशिया मंदस्य के भारत स्थित संबंधी को सदस्य के अनिवासी (सामान्य) खाते में जमा करने के लिए भेजी जाएगीं।

# 🗴. यूनिटीं की पुनर्खेरी इपर प्रतिबंध :

योजना और उसके अंतर्गत बने प्लान के किसी भी उपबंध में अन्त् बिष्ट किसी बान के होने के बारगूद ट्रस्ट यूनिट की पुतर्खरीय के लिए बाध्य नहीं होगा:

- र्ा (i) ऐसे दिन, जो कार्य-दिनस नहीं हों; और
- (ii) द्रस्ट हारा यथा धिस्चित कि छो भी उद्देश्य के लिए सबस्यों की पूजी बन्द हो, ऐसी (द्रस्ट द्वारा यथा विस्चित) अविधि के दौरान।

्रिस्पष्टीकरणे इस योजनी और इसके अंतर्गत वनै प्लाने के प्रयोजनार्थ अक्टरें कार्य दिवस का अर्थ वह दिन है, जो न तो

- (i) महाराष्ट्र राज्य या ऐसे अन्य राज्यों में, अहां द्रस्ट के कार्याक्षय हों, सार्वजनिक अवकाश के रूप में परकास्य लिखत अधिनियम 1881 के अंतर्गन अधिभूषित हो और न ही
- (ii) भारत के राजपन्न में ट्रस्ट द्वारा ऐसे दिवस के रूप में अधिसूचित किया गया हो कि उस दिन ट्रस्ट का कार्यालय बन्द रहेगा ।

# XI, सूचीबद्धता :

अभिवान बन्द होने की तारीख से छः माह के भीतर इस मोजना के अंसर्गत जारी यूनिट एनए सई के थीक ऋण खंड पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। सेवी से योजना का अनुमोधन प्राप्त होने के तुरन्त बाद सेवी (म्यूचुअल फंड) अधिनियम, 1996 के बिनियम 32 के अनुसार एनएसई को सूचीबद्धता के लिए आवेदन किया जाएगा।

🗓. सदस्यता सूचना यूनिक प्रमाणपत :

द्रस्ट आवेदक की खंदस्य के विकरण पर, सदस्यता सूचना युनिट प्रमाणपत (विषणन क्षोच्य लॉट में) जारी करेगा

-यूनिट प्रमाणपम्न अंतरणीय है जबिक सदस्यता सूचना मही है हालिक, तिविधक के प्लान में शामिल होने के सबस में वोनों समान रूप से वैध साक्य हैं। निविधक, आवेदन प्रत में उपयुक्त स्थाम पर निधान लगा करके सवस्यता सूचना या प्रमाणपत्र में से काईएक प्राप्त करने का चयम कर सकते हैं। सामान्यतया, ऐसे निविधक जो योजना के सूचीबद्ध होने पर शेयर बाजारों में लेन-चेन करना जाहते हैं वे यूनिट प्रमाणपत्र हेत् अपना विकल्प वे सकते हैं। तथापि यूवि आवेदन पत्र में कोई बरीयता दी गई हो तो निवेधक को सदस्यता सूचना भेजी जाएगी।

अनिवासी भारतीय सदस्यता सूचना यूनिट प्रमाणपन्न के प्रेषण के लिए निम्निलिकित में से किसी एक तरीके का प्रयन कर सकते हैं:

(क) आवेदक के भारतीय विदेशी पते पर

या

(ख) आवेदक के भारत में स्थित रिक्ष्तेद्व।राक्षे पर्त पर XIII सदस्यता सूचना और यूनिट प्रमाणपत तैयार करने की रीति :

सदस्यता सुचना और यूनिट प्रमाणपद ट्रस्ट के कार्यपालक निवेशक द्वारा निर्णीत रूप के अनुसार होगी।

जैसा बोर्ड समय-समय पर निर्धारित करेगा, यूनिट प्रमाणपत्र उत्कीर्ण मा निथोगाफ या मुद्रित किया जाएगा और ट्रस्ट द्वारा विधिवत रूप से अधिकृत यो व्यक्तियों द्वारा. टस्ट की ओर से हस्ताथारित होगा। ऐसा प्रत्येक हस्ताक्षर, स्वह्स्ताक्षरित होगा या किसी यांक्षिक विधि से लगाया गया होगा जब तक यूनिट प्रमाणपक्ष इस रूप में हस्ताक्षरित नहीं होगा, तब तक वह वैध नहीं होगा। इस रूप में हस्ताक्षरित यूनिट प्रमाणपक्ष वैध और बाध्यकारी होगा भले ही उसके जारी होने से पहले कोई इसकित जिसका हस्ताक्षर उस पर है, ट्रस्ट की ओर से यूनिट प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने हेतु अधिकृत व्यक्ति न रहा

किन्तु यदि इस रूप में तैयार किए गए यूनिट प्रमाण पत्न में किसी प्राधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर है जो प्रमाणपत्न जारी होने के समय मृत है तो ट्रस्ट किसी सरीके से जिसे वह सर्वोत्तम समझता है, प्रमाणपत्न पर विद्यमान उक्त व्यक्ति के हस्ताक्षर को निरस्त कर सकता है और उस पर किसी अन्य प्राधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर करवा सकता है। इस रूप में जारी यूनिट प्रमाणपत्न भी वैध होंगे।

XIV. सवस्यता सूचना /यूनिट प्रमाणपन्न का विनियम और सूचना / यूनिट प्रमाणपन्न के कट फट जाने, बिरूपित हो जाने, खो जाने, आदि की स्थिति में प्रक्रिया:

### सवस्यता सूचना

योगना और इसके अन्तर्गत बने प्लान में सदस्य उक्त प्रयोजनार्थ ऐसे नियमों/दिमा निर्देशों/प्रक्रियाओं का पालन करेंगे और ऐसे दस्तावेंजों का निष्पादन करेंगे, जो समयन समय पर द्रस्ट द्वारा बनाये जायेंगे/अपेक्षित होंगे।

# यूनिट प्रमाणपत्र

(1) यदि कोई यूनिट प्रमाणपस्न कट-फट जाता है या घिसपिट या विरूपित हो जाता है तो ऐसे मामले में ट्रस्ट अपने विवेक के अनुसार स्वत्वान धिकारी व्यक्ति को एक नया यूनिट प्रमाणपस्न जारी कर सकता है जिसके यूनिटों की कुल संख्या उतनी ही होगी जितनी कि कटे-फटे, विरूपित यूनिट प्रमाणपस्न की थी। यदि कोई यूनिट प्रमाणपस्न की थी। यदि कोई यूनिट प्रमाणपस्न को जाता है, चुराया जाता है या नष्ट हो जाता है, तो ट्रस्ट अपने विवेक के अनुसार स्वत्वाधिकारी व्यक्ति को उसके बवले में नया यूनिट प्रमाणपन्न जारी करेगा।

कोई नया यूनिट प्रमाणपत्न तत्र तक जारी नहीं किया जायेगा जब तक आवेदक ——

- (i) मूल यूनिट प्रमाण पन्न के कटे-फढे होने, टूटने, विरूपित होने, खो जाने, च्रा लिये जाने या नष्ट हो जाने के सन्तोयजनक साक्ष्य ट्रस्ट को प्रस्तुत नहीं करता।
- (ii) तथ्यों की जांच के सम्बन्ध में सभी खर्चों का भुगतान नहीं करता।
- (iii) (कटे-फटे या विसे-पिटे या विरूपित

- यूनिट प्रमाणपत के गामले में), ट्रस्ट को ऐसे कटे-फटे, विसे-पिटे या विरूपित यूनिट प्रमाणपत्र प्रस्तुत और अभ्यपित नहीं करता और
- (iv) द्रस्ट को आवश्यक क्षतिपूर्ति बन्ध पत्न प्रस्तुत नहीं करता। इस खण्ड के प्रावधान के अन्तर्गत द्रस्ट सद्भावना के आधार पर रक्त प्रमाण पत्न जारी करने का उत्तरदायित्व नहीं लेगा।
- (2) इस खण्ड के प्रायधान के अन्तर्गत कोई प्रमाण-पत्न जारी करने के पहले द्रस्ट काहेगा कि आवेदक इसके द्वारा निर्गत प्रत्येक यूनिट प्रमाणपत्न पर पांच रुपये का भुगतान करे। साथ ही द्रस्ट के मतानुसार किन्हीं प्रभारों या करों के लिये पर्याप्ट धन राशि या द्वाक पंजीकरण खर्च सहित जो उक्त प्रमाण-पत्न को जारी करने और प्रेषित करने के सम्बन्ध में देय हो, उसे भी जमा करेगा।

उपरोक्त के बावजूब, योजना के अन्तर्गत सदस्य को ऐसे नियमों/दिज्ञानिवेंशों/प्रक्तियाओं का पालन करना होगा तथा ऐसे दस्तावेज निष्पादित करने होंगे जो समय-समय पर इस्ट द्वारा प्रतिन पादित/अपेक्षित होंगे।

#### XV. सदस्यों की पंजी

सवस्यों के पंजीकरण के सम्बन्ध में निम्निवित उपबन्ध लागू होंगे:

- (1) ट्रस्ट द्वारा सदस्यों की पँजी रखी जायेगी और अन्य बातों के साथ-साथ पँजी में निम्निलिखित दर्ज किये जायेंगे।
  - -(क) सदस्यों के नाम और पते;
  - (ख) सवस्थता सूचना/यूनिट गमाणपत्नों की संख्या और हरेक ऐसे व्यक्ति द्वारा धारित यूनिटों की संख्या; और
  - (ग) जिस तिथि को ऐसा व्यक्ति अपने नाम के यूनिटों का धारक हो गया।
- (2) सदस्य की ओर से उसके नाम और पते के परिवर्तन की सूचना ट्रस्ट को दी जायेगी। ट्रस्ट ऐसे परिवर्तन से सन्तृष्ट होने पर और यथापेकित औपचारिकतायें पूरी करने पर तदनुसार पंजी में परिवर्तन करेगा। किसी अन्य व्यक्ति, जो सानसिक रूप से विकलांग हो, के लाभ के लिये यूनिटों हेतु आवेदन के रूप में होने वाले परिवर्तन की प्रविष्टि पंजी में तदनुसार की जायेगी।

- (3) केबल पंजी बन्दी को छोड़कर, इसमें इसके बाद अन्तर्विष्ट उपबन्धों के अनुमार कामकाज के समय के दौरान (ट्रस्ट द्वारा यथानिर्णात समुचित प्रतिबन्धों के साथ प्रत्येक कार्य दिवस को न्यूनतम दो घण्टे के लिये पंजी के निरीक्षण की अनुमति दो जायेगी) सदस्य द्वारा उसके स्वयं के निवेश के सम्बन्ध में नि:शुरुक निरीक्षण के लिये पंजी खुली रहेगी।
- (4) ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर यथानिधारित समय और अवधि के लिये पंजी बन्द रहेगी, लेकिन एक वर्ष में 45 दिन से अधिक समय के लिये बन्द नहीं रहेगी। ट्रस्ट समाचार पत्नों में या अन्य माध्यम से विज्ञापन द्वारा ऐसी बन्दी की सुचना देगा।
- (5) किसी यूनिट से संबंधित कोई स्पष्ट निहित और रचनात्मक सूचना पंजी में दर्ज नहीं की जायेगो
- XVI. पात्र संस्थाओं; नाक्षािलगों और मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति आदि के लाभ के लिये किसी आवेदक का आवेदन और पंजीकरण:
- (1) पात्र संस्थाएं, निगमित निकाय और समितियों (सहकारी समितियों के साथ) सदस्य के रूप में पंजीकृत की जाएंगी।
- (2) कोई भी वयस्क, जो किसी माबालिंग का माता पिता हो, सौतेला माता-पिता हो या विधिक अभिभाषक हो, अधिनियम की धारा 21 की उपधारा (2ए) के अमुसार और उपबन्धित सीमा तक यूनिट रख सकता है और कय- विक्रय कर सकता है। अपेक्षानुसार ऐसा वयस्क ट्रस्ट द्वारा विनिर्विष्ट रीति से नाबालिंग की उन्न और नाबालिंग की ओर से यूनिट रखने तथा कय-विक्रय करने की क्षमता का प्रमाणपत ट्रस्ट के समक्ष पेश करेगा। आवेषन भें ऐसे वयस्क द्वारा किये गये कथन के अनुसार बिना किसी अतिरिक्त प्रमाण के ट्रस्ट को कार्य करने का अधिकार होगा।
- (3) जहां किसी अन्य स्थितित, जो भानसिक रूप से विकलांग है, के लाभ के लिए किसी स्थिति द्वारा आवेदन किया जाए वहां द्रस्ट प्रस्तुत कथन के आधार पर कार्य करेगा और ऐसा करने में यह समझा जाएगा कि द्रस्ट सद्भावपूर्वक कार्य कर रहा है। द्रस्ट को हक होगा कि वह केवल आवेदक के साथ व्यवहार करे और उसकी मृत्यू की स्थिति में सभी ध्यावहारिक प्रयोजनों के लिए बैकल्पिक आवेदक के साथ व्यवहार करे तथा उक्त आवेदक या बैकल्पिक आवेदक को द्रस्ट द्वारा युनिट के सम्बन्ध में किया गया भुगतान द्रस्ट के लिए सही उन्मोचन माना जाएगा।
- (4) पान्न संस्थाओं, निगमित निकायों या समितियों से जब कभी अपेक्षा की जाएगी, उन्हें युनिट में निवेश करने की आवेदक की क्षमता से सम्बन्धित सभी दस्तावेज, जैसे

संस्था के अंतिवयम और यहितियम उप-विधियां आदि, प्रबंध निकाय द्वारा पारित संकल्प की प्राधिकृत प्रति और अपेक्षित मुख्तारनामा की प्रति ट्रस्ट के समक्ष पेश करनी होगी।

(5) फर्म को सदस्य के रूप में पजीकृत किया जाएगा और सदस्यता सूचना/यूनिट प्रमाणपत्र फर्म के नाम से बनाया जाएगा।

XVII. ट्रस्ट के उन्मोचन करने के लिए सदस्य द्वारा रसीव:

योजना और उसके अन्तर्गत बने प्लान के यूनिटों के सम्बन्ध में सदस्य को प्रदस राशि के लिए उसकें द्वारा दी गई रसीद ट्रस्ट के प्रति अच्छा उन्मोचन होगा ।

#### XVIII. सदस्यों द्वारा नामांकन :

- (1) नामांकन सुविधा केवल अपनी ओर से आवेदन करने वाले व्यक्तियों अर्थात् एकल या संयुक्त रूप से दो तक के लिए उपलब्ध है। आवेदक एक व्यक्ति को नामित कर सकते हैं। अवयस्क तथा अनिवासी भारतीय भी नामित किए जा सकते हैं। भारतीय रिजर्ब बैंक द्वारा समय-समय पर जारी किए गये दिशा निर्देशों के अनुसार अनिवासी भारतीय नामित किए जा सकते हैं। प्लान के चालू रहने के वौरान आवेदक किसी भी समय नामांकन में परिवर्तन कर सकता है।
- (2) सदस्यों को, जो नाबालिंग की ओर से माता-पिता हों या विधिक अभिभावक हों तथा पात संस्था, समिति, निगमित निकाय और मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए यूनिट हेतु आवेदन करने वाले आवेदक को मामांकन करने का अधिकार नहीं होगा।

अन्य प्रावधान विनियमों में उपलब्ध कराई गई सीमा तक रहेंगे ।  $\mathbf{XIX}$  सदस्य की मृत्यु :

(1) यूनिट के संयुक्त सदस्यों में किसी एक की मूल्यु हो जाने पर ट्रस्ट द्वारा जीवित व्यक्ति को ही योजना और उसके अन्तर्गत बने प्लान के यूनिटों के हकदार होने या उनके हिताधिकारी होने की मान्यता दी आएगी।

लेकिन इसमें अंतर्विष्ट कोई भी बात उक्त यूनिटों के संदर्भ में ऐसे जीवित व्यक्ति के विरुद्ध किसी अन्य व्यक्ति के किसी अधिकार को प्रभावित रहीं करेगी।

- (2) किसी एकल सदस्य की मृत्यु की स्थिति में नामिती को यूनिंटों के सम्बन्ध में ट्रस्ट द्वारा देय राणि के हकदार व्यक्ति के रूप में ट्रस्ट द्वारा मोन्यता दी जाएगी।
- (3) किसी एकल सदस्य द्वारा वैध नामांकन नहीं किये जाने की स्थिति में मृत व्यक्ति का नियादक या प्रभासक या भारतीय उत्तराधिकार अक्षिनियम 1925 (1925 का 39) के भार्ग 10 के अन्तर्गत जारी उत्तराधिकार प्रमाणनव का धारक ही वह व्यक्ति होगा, जिसे जूनिटों के हक्दोर के कर में ट्रस्ट द्वारा मान्यता दी जा सकदी है।

- (4) किसी सदस्य/सदस्वों की मृत्यु के परिणामस्वरूप यूनिट के हकवार हो जानेवाले व्यक्ति को, ट्रस्ट झारा उसके हक के लिए पर्याप्त समझे गये साक्ष्य के प्रस्तुती-करण के बाद तथा दावेदार द्वारा दावा सम्बन्धी सभी औपचारिकताए पूरी करने के बाद मृत व्यक्ति के खाते में जमा सभी यूनिटों के पुनर्खरीद मूल्य का भुगतान किया जाएगा।
- (5) यदि एकमाझ नामिती विधिक उत्तराधिकारी यूनिट रखने का पान है तो उक्त नामिती/विधिक उत्तराधिकारी को उसकी इच्छा के अनुसार पूत व्यक्ति के खाते में जमा सभी यूनिटों का पुनर्खरीद मूल्य प्राप्त करने के बदले उनका सवस्य के रूप में यूनिट रखने और पंजीकृत सवस्य के रूप में बने रहने की अनुमति दी जाएगी तथा जितने यूनिट वह रखना चाहेगा न्यूनतम यूनिट रखने की शर्तों पर उतने यूनिटों का उल्लेख करते हुए उसके नाम से सदस्यता सूचना/ यूनिट प्रमाणपन्न जारी किया जाएगा ।
- (6) जिस आवेदक ने मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिए यूनिटों हेतु आवेदन किया है, उसकी मृत्यु हो जाने की स्थिति में ट्रस्ट वैकल्पिक आवेदक के साथ व्यवहार करेगा, भानो वही आवेदक हो । इसके अलावा आवेदक या वैकल्पिक आवेदक की मृत्यु की स्थिति में, जैसा भी मामला हो, मौजूदा अवेदक आने वैकल्पिक आवेदक के रूप में किसी अन्यैं व्यक्ति को नियुक्त करेगा।
- (7) अवरुद्ध अविध में एकत्र सदस्य की मृत्यु की स्थिति से ट्रस्ट आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बादे का निगटान करेगा और सम्बन्धित खण्ड में दिये गये ब्योरे के अनुसार या ट्रस्टद्वारा यथानिर्णीत अन्य रीति से कानूनी बारिस/नामिती को भुगतान करेगा।
- (8) अ-निवासी सवस्य (सवस्यों) की मृत्यु के भामले में यूनिटों की पुनर्खरीद राशि का विश्रेषण अ-निवासी नामिती अथवा विधिक वारिस/वारिसों को किया जा सकता है बशर्ते:
  - (क) यूनिटें भारत के बाहर से विप्रेषित निधि में से, भारत में अ-निवासी (ई) खाते में धारित निधि में से अथवा एफ०सी०एन०आर० जमा-राशि में से खरीवी गई हीं और
  - (क्ष) नामिती भारत के बाहर निवास कर रहा हो/ विधिक वारिस भारत के बाहर रहता हो/रहते हों।

जहां यूनिटें एन आर अो० खातों में धारित निधि से खरीदी गई हों, वहां अनिवासी नामिती, अथवा विधिक यारिस (वारिसों) के मामले में, पुनर्खरीद राणि भारत के बाहर प्रत्यावर्तन के योग्य नहीं होगी । अहां नामिती नामांकन के समय निवासी था परन्तु बाद में अनिवासी अन गया हो, ऐसे दाबों के मामले में, राणि के विजेषण की विश्वि हेतु भारतीय रिजर्व वैक की राय लेनी होगी।

# XX. आय वितरण एवं पूंजी वृद्धि:

सवस्य को मासिक आय या संवयी विकल्प में भाग लेते के विकल्प का प्रयोग करने का अधिकार होगा। यह योजना में निवेश के समय किया आएगा और एक बार दिया गया विकल्प अंतिम होगा। आवेदक द्वारा प्रयोग किए गए किसी निर्दिष्ट विकल्प के अमाव में उसे मासिक आय विकल्प समझा जाएगा।

प्लान के अंतर्गत सुनिधिकत प्रतिलाभ एवं परिपक्कता पर निवेशित गूंजी की सुरक्षा को पारंटी ट्रस्ट की विकास प्रारक्षित विधि द्वारा दी गई है।

योजना एवं उत्तके अंतर्गत बने प्लान के प्रावधान दोगों निकल्पों के लिए लागू होंगे और जहां प्रावधानों में हेरफेर है, कहां संबंधित ब्यौरे तबनुसार दिए गए हैं।

# (1) मासिक आय विकल्प

इस विकल्प के अंतर्गत, ट्रस्ट 13% प्रवास की दर से मुनिश्चित लाभाग प्लान के पांची वर्षी के लिए उताः दिनांकित मासिक वार्रटों द्वारा अदा करेगा।

निवेश उद्देश्यों और प्लान की प्रविलित नीतियों ाना लिखतों से अनुमानित लाम, जिनमें योजना की निधियों का निवेश किया जाएगा, के आधार पर योजना को प्लान के अंतर्गत : 3% प्रति वर्ष की दर से मासिक रूप से देय लाभांश अदा करा के लिए पर्याप्त आय प्राप्त हो सकेगी।

(2) प्रत्येक माह के लिए आय वितरण अगा महीने के प्रारंभ में दे। होगा और पूर्व भूगतान व्यवस्था के अंतर्गत दूस्ट द्वारा भूगतान दूस्ट द्वारा विनिर्दिष्ट बैंक की शाखाओं पर तप्रमूख्य पर देय आप वितरण वारट या किसी लिखत के मान्या से किया जाएगा।

ऐसे यूनिट जिनकी बिकी किसी महीने की. 15 तारीख को या उसके पहले ट्रस्ट द्वारा स्वीकृत आवेदन के अंतर्गत की जा चुकी है, पूरे महीने के आय बितरण के पान होंगे और जो यूनिट महीने की 15 तारीख के बाद बेचे गए हों वे उस आधे महीने के आय बितरण के पान होंगे।

# आय की हकदारी निम्न रूप से होगी :

- 20-06-1997 से 30-06-1997--आँधे महीने हा आय 01-07-1997 से 15-07-1997--पूरे महीने का आय 16-07-1997 से 31-07-1997--आधे महीने का आय 01-08-1997 से 03-08-1997--पूरे महीने को आय
- (3) निवेश की तिथि पर निर्मर करते हुए 30 नवंबर, 1997 (दिनांकित 1 अक्तूबर, 1997) तक की अवधि के लिए एक आय वितरण नारंड तथा दिसम्बर, 1997 से मार्च, 1998 की अवधि हेतू 4 उत्तर दिनांकित आय बितरण वारंड सदस्यता सूचना/ यूनिड प्रमाणपत्नों के साथ भेज दिए जाएंगे।

उसके बाद के वर्षों के लिए आय वितरण वारंट, कर-कानूनों में हुए परिवर्तनों पर निर्भर करते हुए, प्रत्येक वर्ष मार्क/अप्रैल महीने में जारी किया काएगा और उसे अग्रिम रूप से भेजा जाएगा। उसके बाद के वर्षों के लिए वारंटों का प्रेषण निम्नलिखित सारणी के अनुसार होगा:

अवधि

वारंटों का प्रेषण

01-04-19 98 से 31-03-1999 मार्च-अप्रैल 1998 तक 01-04-1999 से 31-03-2000 पार्च-अप्रैल 1999 तक 01-04-2000 से 31-03-2001 मार्च-अप्रैल 2000 तक 01-04-2001 से 31-03-2002 मार्च-अप्रैल 2001 तक 01-04-2002 से 30-08-2002 मार्च-अप्रैल 2002 तक

प्रत्येक धर्प माह मार्च के लिए आय वितरण वारंट पर तारी**ख** 31 मार्च,होगी।

(4) उप खण्ड (3) के उपबंधों के अधीन मासिक आधार पर आय वितरण के भुगतान के लिए वारन्ट सदस्य को अग्निम रूप से भेजे जाएंगे।

वारंट को इस प्रकार दिनांकित किया जाएगा कि सदस्य भुगतान के लिए परिपक्ष्य होने पर प्रत्येक वारन्ट को भुना सके। हरेक वारंट तीन महीने के लिए वैध रहेगा। वैध अवधि पूरी होने के पहले सदस्य के पास कोई वारंट नहीं पहुंचने या उनके पुराने हो जाने की स्थित में ट्रस्ट ब्याज का भुगतान करने के लिये बाध्य नहीं होगा।

- (5) पुतर्खंरीद की स्थिति में अवत्त वारंटों की अभ्यिषित महीं करने पर सबस्य अगले महीं ने देय और परिपक्षता तिथि को सबस्य की अभिरक्षा में ग्रेप वारंटों को भुनाने का हकदार होगा और ऐसे आयोबतरण वारंट की राशि पुनर्खंरीय की राशि से काट ली जाएगी।
- (६) सन्त्य की मृत्यु की स्थिति में, यदि एकमान्न नामिती/ विधिक उत्तराधिकारी यूनिट रखने का पाल है और आगे -भी यूनिट रखना चाहता है, तो ऐसा नामिती/विधिक उत्तराधिकारी आवश्यक सुधार के लिए भावी महीनीं के अनभुनाए सभी वारन्ट वापस करने के लिए बाध्य हं गा।

सथापि, आगे यूनिट रखने के इच्छुक नामिती/विधिक उत्तराधिकारी मृत सदस्य के पक्ष में पहले से जारी वारंट को सुधार करके तये प्रविष्ट सदस्य के पक्ष में करने में लगने वाले समय के लिये कोई ज्याज या मुआवजा प्राप्त करने का हकदार नहीं होगा।

(7) किसी आवेदक की मृत्यु की स्थिति में, जहां मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति के लाभ के लिये आवेदक द्वारा आवेदन किया जाए, वहां वैकल्पिक आवेदक को आवश्यक सुधार के लिये भावी महीनों के अनभुनाए सभी आय वितरण वारंट वापस करने होंगे। लेकिन, ऐसा वैकल्पिक आवेदक मृत आवेदक के पक्ष में पहले से जारी वारंट की सुधार करके नये प्रविष्ट आवेदक के

पक्ष में करने में लगने वाले समय के लिये कोई ब्याज या और मुआवजा प्राप्त करने का हकवार नहीं होगा।

#### (8) संचयी विकल्प

इस विकल्प के अन्तर्गत कोई आय वितरित नहीं की जाएगी। प्रतिलाभ 13.8% प्र०व० की वर से संचित्रत किया जाएगा ताकि इस विकल्प के अंतर्गत निवेशित ६० 5000/—, पांच वर्षों के बाद प्रतिदान के समय कम से कम ६० 9543/— हो जाएं। तथापि, निवेश की तिथि पर निर्भर करते हुए, मासिक आय विकल्प के अंतर्गत सदस्यों को लागू सीमा तक, निवेशक को 13% प्र०व० की वर से 31 अगस्त, 1997 तक मुआवजा विया जाएगा और उसे चेक के माध्यम से यूनिट प्रमाणपद्यों/सदस्यता सूचना के साथ भेजा जाएगा।

प्लान के अंतर्गत 13% प्र०व० का प्रतिलाभ उचित ठहराने के लिए उदाहरण

मान लीजिये कि यह योजना 100 करोड़ रुपये एकलित करती है। आरंभिक क्यय 3% हैं और उन्हें 3 वर्षों की अवधि के परचात् बट्टे खाते में डाला है (यह इसलिए कि 3 वर्षों के बाद पुनर्खरीव गुरु हो जाती है) पहले वर्ष में उपलब्ध निवेश योग्य निधियां 97 करोड़ रुपये होंगी।

निधि, 90% ऋण लिखतों में और 10% इक्विटी एवं मुद्रा क्षाजार लिखतों में निवेश करेगी। योजना डिबेंचरों/बाण्डों में निवेश करेगी और जोखिम तत्व न्यून से मध्यम रहेगा। इन लिखतों पर परिपक्वता पर लाभ (वाई टी एम) 15.50% से 17.75% की श्रेणी में है इसका अर्थ है कि ऋण लिजतों पर भारित औसत प्रतिलाभ 16.50% होगा।

लाभांश आय, इक्विटी निवेश में वृद्धि/हास और मुद्रा बाजार लिखतों पर लाभ लगभग 8% रहेगा।

<b>लिख</b> त	पोर्टफोलियो का %	निवेशा योग्य निधियां	वाईटीएम% (परि- पक्वता पर लाभ)
डिबेंचर/बांड इक्विटी/मृ०बा०	90	87.30	16,50
क्षायवदा/पुरुवार लिखतें पोर्टफोलियो का	10	9.70	8.00
भारित औसत	•		-
	3* 16.50+	9.70*8.0	4 M 40 0H
आतलाम च	100.0	<del></del>	<b>=15.18%</b>

बार्षिक व्यय 1% लेते हुए, बितरण के लिए उपलब्ध बाय 14.18% होगी। यह 13% प्रव्ववकी दर से मासिक आधार पर देख भाग और 13.8% बार्षिकी कृत प्रतिलाभ का भुगताम करने के लिए पर्याप्त होगी। उपरोक्त उदाहरण स्वरूप है और प्लान के आरंभ होने के समय मौजूद बाजार की स्थितियों पर आधारित है। उपर्युक्त के बाबजूद, निवेश का अनुपात बाजार की स्थितियों और निवेश के लिए उपलब्ध अवसरों पर निर्भर करते हुए निधि प्रबंधक के स्विविवेक के अनुसार उपरोक्त से भिक्त भी हो सकता है।

निवेशकों का बैंक विवरण : इलेक्ट्रानिक समाशोधन सेवा:

हाल ही में भारतीय रिजर्ब बैंक ने समाणोधन गृह के जरिए एक नई अवधारणा इलेक्ट्रानिक समाणोधन सेवा (ईसीएस) आरंभ की है जिससे कागज के लिखतों को जारी करने तथा उनको संभालने की आवश्यकता का निराकरण किया जाए और इस प्रकार ग्राहक सेवा में मुधार करके उसे सुविधाजनक बनाया जा सके । दूस्ट द्वारा यह मुख्य रूप से चार महानगरों अर्थान् कलकत्ता/चेन्नई/मुंबई/नई दिल्ली में ऐसे निवेशकों की सहायता करने हेतु आरंभ किया गया है जिनकी लाभांश से होने वाली आय एक एकल लिखत के अनुसार २०50,000/- से कम है।

इस संबंध में भारतीय रिजर्ब बैंक द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार निवेशक से अपेक्षित है कि वह ईसीएस हेनु अपना अधिदेश आवेदन पत्न में दिए गए प्रारूप के अनुसार उसमें सभी विवरण पूरा करके प्रस्तुत करें। इससे ट्रस्ट को निवेशक के संबंधित बैंक खाते में आय की राणि अतिणीघ जमा करने में सहायता मिलेगी तथा आय वारंट के मुद्रण एवं प्रेषण संबंधी कार्य नहीं रहेंगे और वह निवेशकों को बेहतर सेवा प्रदान कर सकेगा। बैंक शाखा सदस्य के खाने में केडिट करेगी तथा पासबुक/जाता विवरण में केडिट प्रविध्ट को "ईसीएम" से निर्दिण्ट करेगी। जो आवेदक यह सुविधा प्राप्त करना चाहते हैं वे आवेदन पत्न में अपने बैंक का नाम और पता, खाते का प्रकार और नंबर, 9 अंकों वाला बैंक एवं शाखा कूट संख्या इत्यादि भरें।

यद्यपि इस सुविधा का लाभ प्राप्त करना अनिवार्य नहीं है।

यदि इस सुविधा पर मिली प्रौतिकिया इसके संचालन हेतु पर्याप्त नहीं है या कोई अन्य कारण से इसका संचालन नहीं किया जा सके तो ''ईसीएस'' के अंतर्गत आय का भुगतान करने के बजाय दूंस्ट उपरोक्तानुसार आय वार्रट जारी करके आय की अक्षायगी कर सकता है।

आय क्तिरण बारंटों के खो जाने/गलत स्थान पर पहुंचने के कारण उनके संभावित कपटपूर्ण नकवीकरण के विरुद्ध साबधानी के सौर पर आवेदकों से अनुरोध किया जाता है कि वे रिकार्ड के लिए आवेदन फामं में उपयुक्त स्थान पर तथा पावती रसीद वाले भाग पर अपने बैंक खाते का पूरा विवरण (अर्थात् खाते का प्रकार एवं खाता संख्या, बैंक का नाम) वें। तब आय वितरण बारंट इस प्रकार से निर्दिष्ट किए गए उनके खाते में जमा करने के लिए बैंक के पक्ष में तैयार कर उन्हें भेजे जाएंगे। सदस्य कथित बैंक में अपने खाते में जमा (केंडिट) करने हेत् उस आय वितरण बारंट को प्रस्तुत कर सकते हैं। यदि बैंक संबंधी पूरा विवरण नहीं विया जाता है तो आय वितरण वारंट सदस्य के नाम से जारी किया जाएगा।

अनिवासी भारतीय निवेशक को आय वितरण :

े प्लान के अंतर्गत आय मुझा नियंद्यण विनियमों के अनुसार अदाकी जाएगी। आय के भृगतान की वर्तमान स्थिति इस प्रकार है:

> (i) बारंट निवेशक के नाम जारी किया जा सकता है तथा सदस्य के एनआरई/एनआरओ खाते में जमा करने के लिए उसके किसी ऐसे रिश्तेदार की भेजा जा सकता है जो भारत की निवासी हो।

> > अथवा

(ii) वारंट किसी ऐसे रिक्तेदार के नाम जारी किया जा सकता है जो भारत का निवासी हो तथा उसे भेजा जा सकता है ताकि वह अपने खाते में जमा कर सके।

मासिक आय योजना 1997 (III) [एम आई एस '97(III)] का ब्यौरा जारी

III. इस योजना में संबंधित आस्तियों का मृत्यांकन : :

- (1) अवहृद्ध अवधि के अधीन वाले लिवेगों गहित उधृत निषेशों का मूल्यांकन, मृल्यांकन की तारीख की बाजार में बंद मूल्य पर या मृल्यां कन की तारीख से साठ दिन पूर्व की अवधि में बिल्कुल हाल ही की उपलब्ध दर पर किया जाता है। यदि मृल्यांकन की तारीख से साठ दिन पूर्व की अवधि हेतु कोई भाव उपलब्ध नहीं हे तो उसे अमोधृत निवेश माना जाता है।
- (2) उध्वत क्रिवेंचरों और बाण्डों के मामले में, बाजार दर, जो ब्याज सहित हैं उसे ब्याज तत्व, यदि कोई हो, के लिए समायोजित किया जाता है।
- (3) अनोधृत/गैर-व्यापारिक इक्षिवटी शेयरों का मूल्यांकन प्राप्तियों के पूंजीकरण और बही-मूल्य (विश्लेषित मूल्य) के औसत में से 10% घटाकर अथवा वही-मूल्य पर जो भी कम हो, किया जाता है।
- (4) अनोधृत डिबेंचर, बाण्ड और अंतरणीय नोट परिपक्षता पर प्रतिफल के आधार पर जैसा कि ट्रस्ट के न्यासी मंडल द्वारा निर्धारित हो, मूल्यांकित किए जाते हैं।
- (5) अनोधृत वारंट, पड़े हुए शेयरों की बाजार वर पर, आय तत्व,यविकोई हो, के लिए बट्टा काटकर तथा देय प्रायोगिक मूल्य से कम करके, लिए जाते हैं। जिन मामलों में इस तरह लिए गए मूल्य से प्रायोगिक देय मूल्य ज्यादा हो, बहां वारंटों का मूल्य जून्य लिया जाता है।
- (6) बोनस/अधिकार पात्रता को पूर्व-बोनस/पूर्व-राइट्स तिथियों को लिया जाता है।
- (7) परिवर्तनीय डिवेंचर और वाण्ड, जहां मिश्र बाजार भाव उपलब्ध न हो, बूहां परिवर्तनीय भाग का मूल्यांकन, संबंधित इविवटी शेयरों, जिनमें आय तत्व, यदि कोई हो, के लिए बट्टा काट कर किया जाता है। ऐसे डिवेंचरों एवं बाण्डों का अपरिवर्तनीय भाग, यदि कोई हो, का मूल्यांकन, परिपक्वता पर प्रतिफल के आधार पर जैसा

कि द्रस्ट के न्यासी मंखल द्वारा निर्धारित हो, किया जाता है। जहां परिवर्तनीय भाग के लिए परिवर्तन की गर्ते विनिर्दिष्ट न हों, वहां उन्हें लागत परिलया जाता है।

- (8) मुद्रा बाजार लिखतों का मूल्यांकन एक से अधिक डीलर या दलाल मे प्राप्त भाव के आधार पर किया जा सकता है।
- (9) सरकारी प्रतिभृतियों का मूल्यांकन, प्रचलित आजार दरों पर आधारित, परिपक्ष्वता पर प्रतिफल (वाईटीएम) आधार पर किया जाएगा।
- (10) उपरोक्त पैरा (1) से (9) तक के अनुसार यथासंगणित निवेशों के सकल सूल्य की तुलना ऐसे निवेशों की कुल लागत से की जाती है और परिणामी मूल्यहास, यदि कोई हो, को राजस्व लेखें से प्रभारित किया जाता है।

# IV गुद्ध आस्ति मूल्य (एनएना) का परिकलन और प्रकटी-करण:

योजना के अंतर्गत जारी यूनिटों के गुद्ध आस्ति मूल्य का परिकलन योजना के उपचयों और उपबंधों को ध्यान में रखते हुए योजना की अस्तियों के मूल्य को निर्धारित कर और योजना की देयताओं को पटाकर किया जाएगा। प्रति यूनिट गुद्ध आस्ति मूल्य का परिकलन योजना के एनएदी में उस तिथि को जारी और बकाया यूनिटों की कुल संख्या से भाग देकर किया जाएगा। योजना का एनएबी मासिक आय विकल्प और गूजी वृद्धि विकल्प के निए अलग-अलग निर्धारित किया जाएगा। प्लान के आरंभ होने के छः माह के बाद और उसके बाद मासिक आधार पर गुद्ध आस्ति मूल्य (पूर्वचर्ती आधार पर) समाचार पत्नों में प्रकाशन हेतु जारी किया जाएगा।

# v. (क) निवेश उद्देश्य :

योजना का निवेश उद्देश्य मुख्यतः ग्राहक को नियमित मासिक ग्राय उपलब्ध कराना तथा योजना की परिपक्वता पर ग्राहक की पूँजी में वृद्धि के लिए प्रयत्न करना भी है।

योजना के प्रतर्गत संग्रहीत निधियों का सभी प्रारंभिक परि चालन पूर्व ग्रौर परिवालनगत खर्ची का प्रावधान करने के बाद सामान्यतः निम्न रूप में निवेण किया जाएगा:

- (i) निधियों का कम से कम 80% नियत आय प्रतिभूतियों एवं मुद्रा बाजार लिखतों में निवेश किया जाएगा। निवेश का जोखिय तत्व न्यून से मध्यम होगा।
- (ii) निधियों का 20% इनिवटी, इक्विटी संबंधी लिखतों में निवेण किया जाएगा। जोखिम तत्व इक्विटी निवेण में उच्च हो सकता है।
- (iii) मुद्रा बाजार लिखतों में निवेश, इस संबंध में सेबी द्वारा समय-समय पर जारी दिशानिर्देशों के श्रनुरूप होगा।

पूर्वोक्त के बावजूद बाजार की स्थितियों/निवेश के लिए उपलब्ध स्वसरों पर निर्भर करते हुए निधि अध्यक्ष के स्वविवेक के श्रनुसार निवेश का श्रनुपात तथा ज्लान के दोनों विकल्पों के असर्गत संग्रहीत बिक्री का प्लान के श्रंतर्गत कुल बिक्री से श्रमुपात घट-बढ़ सकता है।

उपर बताए गए निवेश उद्देश्यों के अनुसार योजना की निधियों के प्रतिभूतियों में विनियोजन किए जाने तक ट्रस्ट योजना की निधियों का निवेश अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के अल्पाविध जमाश्रों में कर सकता है।

# (ख) निवेश नीतियां:

- (i) सभी ऋण लिखतें जिनमें योजना द्वारा निवेश किया जाता है, उनके निवेश दर्जें का निर्धारण समय-समय पर मान्यता प्राप्त किसी केडिट रेटिंग एजेन्सी द्वारां किया जाएगा, बशर्ते यदि ऋण लिखत का निर्धारण नहीं किया गया हो, तो निवेश के लिए ट्रस्ट के न्यासी मंडल से विशिष्ट अनुमोदन लिया जाएगा।
- (ii) इस योजना द्वारा कोई सावधि ऋण नहीं विये जाएंगे।
- (iii) इस योजना से दूसरी योजना/प्लान में भंतरण किवल तभी किया जाएगा जब---
  - (क) उधृत लिखतों के लिए प्रचलित बाजार मूस्म पर ऐसे मंतरण स्पाट माधार पर किए गए हों।
  - (ख) ऐसी अतरित प्रतिभूतियां उस योजना/प्लान के निवेश उद्देश्यों के प्रनुरूप हो जिनमें ऐसे श्रंतरण किए जाते हैं।
  - (ग) प्लान की श्रमुची बद्ध या उधृत न किए गए निवेशों का ट्रस्ट की श्रन्य योजना/प्लान में अंतरण यूटी श्राई के न्यासी मंडल द्वारा निर्धारित नीतियों के श्रनुसार किया जाएगा।
- (iv) योजना द्रस्ट या किसी दूसरे म्यूच् अल फंड की किसी अन्य योजना/प्लान में कोई गुल्क प्रभारित किए बिना निवेश कर सकती है, बगर्ते द्रस्ट की सभी योजनाओं द्वारा किया गया कुल अन्तरयोजना निवेश या किसी दूसरी आस्ति प्रबंधन कंपनी द्वारा प्रबंधित योजनाओं में किया गया निवेश द्रस्ट के शुद्ध श्रास्ति मूल्य के 5% से अधिक न हो।
- (v) ट्रस्ट प्रतिमूतियों का कय-विकय सुपूर्विगयों के साधार पर करेगा और खरीद के सभी मामलों में संबंधित प्रतिभूतियों की सुपूर्विगी लेगा और विकी के सभी मामलों में प्रतिभूतियों की सुपूर्विगों करेगा और किसी भी मामलों में खुद को ऐसी स्थिति में नहीं डालेगा जिससे. इसे मंदडिया विकी करनी पड़े या सौवे का वायवां (करी फारवर्ड) करना पड़े या बदला में जिप्त होना पड़े।
- (vi) जब भी निवेश दीर्घाविध प्रकृति के होने वाले हों दूस्ट योजना की झोर से प्रतिभूतियों की खरीच या अंतरण दूस्ट के नाम से करवाएगा।

(vii) योजना यूनिटों की पुनर्खरीद अतिदान या ब्याज की श्रदायनी या सदस्यों को स्रायं अदा करने के लिए नकदी की श्रस्थाई जरूरतों को पूरा करने के लिए उधार लेने के सिया उधार नहीं लेगी। परन्तु उधार योजना की णुद्ध श्रास्ति के 20% से श्रधिक नहीं लिया जाएगा श्रीर इस तरह के उधार की श्रविध छ: माह से श्रिधिक नहीं होगी।

प्लान की प्रतिभूतियों के लेंने-देन के लिए भेयर-दलाली फर्म धीर यूटीमाई की सहायक संस्था यूटीमाई सिंदयोरिटीज एक्सचेंज लिमिटेड (यूटीमाई-एसईएल) की सेवाएं ली जा सकती हैं जो नीतियों के अनुसार हों और ट्रस्ट के न्यासी मंडल द्वारा तय की गई सीमाओं के अधीन हों। यूटीमाई-एसईएल 1994 में स्थापित की गई थी। यह निवेशकों की आवश्यकताओं के अनुरूप उचित, पारदर्शी और कुशल सेवाएं प्रदान करती है। इसका पंजीकृत कार्यालय मुंबई में हैं।

(ग) सथापि, ऊपर खण्ड II, IV प्रौर V(ख) के सबंध में किसी भी बात के होते हुए, प्रास्तियों का मूल्यांकन, शुद्ध आस्ति मूल्य का प्रभिकलन, पुतर्खरीय मूल्य प्रौर उनके प्रकटीकरण का प्रतराल सेबी द्वारा समय-समय पर जारी सेबी (एमएफ) विनियमों के प्रावधानों/विशानिर्देशों और निदेशों के अनुसरण में होगा।

### (प) प्लान में गैर-मन्तरणीय आस्तियों का मन्तरणः

बद्दती मासिक प्राय यूनिट योजना 1992 (II) जिं एम प्राई० एस 92 (II)] के निवेशकों जिनके निवेश 01-7-1997 को परिएक्स हो रहे हैं प्रपनी मोजन राशि का प्रपने विकल्प पर इस प्लान में निवेश करने की प्रनृप्ति होगी। खण्ड V(ख) एवं (ग) में किसी बात के बावजूद बोजना में ऐसी गैर-अन्तरणीय/प्रदर्जा निर्धारित/प्रसूचीयदा प्रास्तियां, जिनकी प्रसम्पत प्रवश्वता प्रवधि 3 वर्ष से कम हैं, उस सीमा तक रहेंगी जिस सीमा तक निधियां इस प्लान में स्विच-ओवर की जाती है और ऐसी प्रास्तियों की माला किसी थी तरह प्लान में स्विच-ओवर की गई निधियों से प्रविक भहीं होगी।

#### **पन्त्रेण का भाषार** : -

## कोई गैर-निष्पादी बास्ति प्लान में अन्तरित नहीं की जायगी।

गैर-मःतरणीय/मनोधृत म्नास्तियां जो उक्त योजनाओं से इस ्लाम में मन्तरित की जा सकेंगी, उन्हें स्वित्र-ओवर की गई निधियों की सीमा निर्भर रहते हुए सुनिश्चित किया जायेगा।

#### भारितंत्रों का मूल्योकन :

ष्रहरतांतरणीय प्रास्तियों का मूल्यांकन न्यासी मण्डल द्वारा निर्धारित मीति के अनुपार लागत पर किया जायगा। भ्रत्य श्रास्तियों का मूल्यांकन योजनों के खण्ड III के अनुसार होगा।

VI. योजना और उसके अन्तर्गत अने प्लान के प्रयोजनार्थ ट्रस्टों को स्वीकृति और मान्यता नहीं वियाजाना:

रातालों के प्रादेश को छोड़कर किसी विभिन्ति नोटिस या किसी त्यास के निष्पादन पर ध्यान केने के लिये बाध्य नहीं होगा।

(2) जब कोई उपित, किसी स्रत्य व्यक्ति जो मानिसक रूप से विकलांग है, के लाम के जिये आवेषन करता है और इस्ट द्वारा उसे स्थीकार किया जाता है तो यह नहीं माना जायेगा कि इस्ट ने किसी विश्वान को ध्यान में रखा है। इस्ट योजना और अमके श्रातगंत बने प्लाम के अन्तर्गत सभी प्रयोजनों के लिए आवेषक या आवेषक की मृत्यु होने पर आवेषक ना से दै हिल्पक आवेषक के रूप में उल्लिखन व्यक्ति के साम व्यवहार करेगा।

### · VII. पृतिटों का धन्तरण/गिरधी रखा जानां/समनुदेशन :

इन योजना के प्रानर्गत जारी यूनिटों निस्तिलिखित शरोी के शक्षीम क्रानरणीय/गिरवी रखे जाने योग्य/समसुदेशीय होंगी:

- (क) इन योजना के प्रावधानों के अनुसार जारी यूनिट प्रमाण-पक (सहस्य सूचना नहीं) परकाम्य है और जैकिक इस प्लान के प्रावधानों के खण्ड III में उल्लेख किया गया है इसे व्यक्तिनान, व्यक्ति या अन्य श्रीणयों की भन्तरित किया जा सकता है।
- (ख) यूनिट धारण करने की क्षमता रखर्ने वाले अ तरणकर्ता और श्रन्थिति के द्वारा और बीच शन्तरण प्रभावकारी होगा। किसी श्रन्य श्रन्तरण को मान्यता देने के लिये ट्रस्ट वा य नहीं होगा।
- (ग) संबंधित यूनिट प्रमाग-पत्नों के साथ अंतरण बस्तावेग और अंतरण माह सहित और तक प्रतमृताये गये वारंट (मासिक प्राथ विकल्प के मामले में) तथा दूस्ट द्वारा समय-समा पर निर्धारित शृंदक इसकार्य हेतु नियुक्त किये गये रिजिस्ट्रार के किसी भी कार्यालय में प्रस्तुत किये जा सकते हैं।
- (प) द्रस्टके किसी भी कार्यात्मय में प्रस्तुत या कार्यात्म द्वास स्वीकृत अंतरण संलेख नज़दीक के रजिस्ट्रार के कार्यालय में भ्रमेषित किये जामेंगे।
- (क) प्रत्येक अंतरण लिखन पर अंतरणकर्गा तथा अंतरिती के हस्ताक्षर होंगे और रिजस्ट्रार द्वारा अंतरिती का नाम धारकों के रिजस्ट्रार में दाखिल करने तक अंतरणकर्ता को ही यूनिट का घारक समझा जायेगा।
- (च) अंतरगकर्ता के स्वत्वाधिकार या उसके सूनिटों का अंतरण करने के श्रधिकार के समयंत में रिजस्ट्रार ऐसा कोई सबूत मान मकते हैं जो उन्हें आवश्यक लगे।
- (छ) यदि यूनिट प्रमाण-पत्न खो गया हो, चुरा लिया गया हो, नष्ट हो गया हो नो कृष्ठ घरेत्राओं, जिन्हें रजिस्ट्रार जरूरी समझे को (रा करने के बाब मूल यूनिट प्रमाण-पत्न की प्रस्तुति के संबंध में रजिस्ट्रार छूट वेंगे।
- (ज) यूनिटों के अंतरक का पंजीकरण होने पर अंतरण के सभी तिअन और यूनिट प्रमाण-पक्ष रिजस्ट्रार के पास रहेंगे।
- (झ) भंदरण को मत्यता देने जाने नथा पंजीकृत करने वाले रोवःदार, अन गाना एवं अनागमनों पथा वारटों को जारी करने के वंत्र मं देशभागों की प्रवायगी नथा बसूली के गंध, जल या गा मृतिट प्रभागम्य और भाग वितरण वारंट (मासिक प्राय विकल्प के भागने में) अंतरिती को जारी करेंगे।
- (ञा) यदि कोई प्रतारिती अधिकारिक क्षयता के कारण विधि के परिवानन गा गिरवी लातू होने पर अनुस्कित वैंक स्निटी का श्रारक बन जाता है तो इच्छुक अंतरिती स्निटीं के धारण के लिये अन्यसा पास होने पर रिजस्ट्रार ऐसे साक्स

जिले पर्याप्त समझें, के प्रस्कृतीकरण के भ्रष्टीन अंतरण प्रश्नाकी करेंगे।

(ट्) इसमें उत्पर जिल्लिक प्रावधानों के प्रधीन ट्रस्ट अंतरण को पंजीकृत करेगा और पूनिट प्रमाण पक्ष दाखिल करने की तिथि से 30 दिनों के भीतर अंतरिती को प्राय वार्ट यदि कोई हो, सहित यूनिट प्रपाणपक्ष अंतरण संबंधी सभी लिखतों के साथ बापम करेगा।

VIII. विकास प्रारक्षित निश्च (डी॰ धार॰ एफ॰) में अंशवान:

प्रत्येक वर्ष मासिक औसन णुढ मास्ति मूल्य का 0.25% ट्रस्ट के ढीं० श्वार० एक० में शंगदान के रूप में रखा गएगा।

क्षी० प्रार० एक० अंशवान प्रावर्ती व्यय का अंश होगा।

ट्रस्ट ने इस निधि की स्थामना एक सामान्य निधि के रूप में 1983-84 में की थी ताकि ट्रस्ट नई योजनाओं को आगु करने के संबंध में अनुसंघान एवं विकास कार्यों को करने, नई पद्धतियों और प्रक्रियाओं का अवधारणों के स्तर पर अवतेन करने तथा उत्पादन एवं विकास से संबंधित ऐसे बहुत में अन्य कार्यों जो किसी विशेष योजना से जुड़े अथवा संबंधित न हों, पर होने वाले व्ययों को पूरा कर सके। इस निधि का उपयोग आर्थिक और पंजी वाजार अनुसंघान, प्रवंधन और व्यावसायिक प्रशिक्षण, ट्रस्ट के लिये सर्वेक्षण एवं बाजार अनुसंघान, मार्केटिंग और कारपोरेट के छित निर्माण संवंधी, ऐसे प्रथानों जो किसी विशेष योजना से जुड़े हुए न हों तथा सातव गंगाइन जिलान सर्वंधी प्रधासों जिनका दीर्षकालिक प्रभाव हों और जो ट्रस्ट के स्विष्य के कार्यकलायों से संवंधित हों, तथा ट्रस्ट को किसी भी यो नाओं में लिये पर अववासित प्रतिकल की दर में कमी होने पर, उनकी पूर्ति करने के लिये की किया जा सकता है।

#### IX. कर्मचारी कल्याण द्रस्ट में अंशवान:

प्रस्पेक वर्ष मासिक औसत णुद्ध ग्रास्ति मूल्य का 0.10% कर्मचारी कल्याण रस्ट में अंग्रदान के रूप में रखा भायगा। दृस्ट ने कर्मचारी कल्याण दृस्ट की स्थापना अपने कर्मचारियों के वस्थाण के लिये की है जिसमें विपक्ति में सहायता, चिकित्या सहायता, स्वास्थ्य सहायता ग्रयमा इसी प्रकार के ग्रन्य रागोजन ग्रामिल हैं।

#### 🗶. लेखों का प्रकाशनः

दृस्ट गरंबेक वर्ष 30 जून के बाद यथाणीझ तोई वारा विनिविच्ट रीति से लैंकी की नकाणित करेगा, जिपमें उस निधि की समाप्त अविधि का योजना और उसके अन्तर्गत बने प्लान के कार्यों का विवरण होगा। दृस्ट सेवी को विधिवत क्य में परीक्षित नजरवन पहित वाचिक लेकों की प्रतियों और राजस्त नेवा, अपरीक्षित पर्ध वाधिक लेकों और एन० ए० बी० में हुए उतार-चढान का एक-निमार्ट्श पोरंफोलियों विवरण पिछली अविधि में हुए परिवर्तनों पहित भेजेगा। दृस्ट निवेणकों को वह जानकारी देगा जो उनके निवेण पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने के बारे में हों और जिनका सुचित किया जाना आवश्यक हो। दृस्ट, सदस्य से निविद्यत रूप भी अनुरोध प्राप्त होने पर, उमे पकाशिन लेकों और विवरणों की एक प्रति भेजेगा।

#### XI. योजना और उसके अन्तर्गत बने प्लान में परिवर्धन और संशोधन:

बोर्ड समय-समय पर इस योजना और इसके प्रस्तांत बने प्लान में परिवर्धन या प्रस्थया संशोधन कर सकता है और उसमें किये गये परिवर्धन/ संगोधन की प्रधिम्चना सरकारी राज्यत्र में की जायेगी । किसी संशोधन के मामले में पैबी का पूर्व अनुमोदन लिया आयेगा।

जब योजना की मृल शिषताओं या ट्रस्ट मा शुक्क या देय प्रभारों में या भ्रम्य कोई ऐसा परिवर्तन किया जाना हो जिससे योजना परिवर्तित हो जाये या सबस्यों के दिनों पर प्रभाव पड़े तो ऐसे परिवर्तन करने के लिये तीन चौथाई से प्रधिक सदस्यों की सहमति ली जाए:

ं परन्तु यह कि ता कहरेग की पित्र की न किया **आए जब तक तीन -जीभा**ई प्रश्तें के काली प्रकृति न दे की दो और जो अपनी सद्रमित व **दें इन्हें** मोजा से प्रानी प्रास्थितियें मोजिक करने की प्रमुमति **हैं**। स्पल्धीकरण : इस खण्ड के प्रयोजन के लिये "मूल विज्ञेषताओं" का प्रथ है निवेण उद्देश्य तथा योजना की गर्ते। -

XII. योजना और उसके धन्तगंत बने प्लान की समाप्ति:

- (क) प्लान 31-09-2002 को पूर्ण रूप से समाप्त किया जाएपा सदस्यों के बकाया यूनिटों की पुनर्खरीय की जाएगी और सबस्यों को उनके यूनिटों के मूल्य की अवायगी उनत प्रविध के दौरान अनितम पुनर्खरीय के लिये निर्धारित पुनर्खरीय मूल्य पर की जाएगी । निर्धारित पुनर्खरीय मूल्य की प्रार्थित के प्रतासा बाव की किसी प्रविध के लिये पुनर्खरीय मूल्य में वृद्धि या आय के रूप में. किसी प्रकार का कोई िनरिकत साम उपित नहीं होगा । फिर भी, दूसर मेबी की पूर्व अनुमित से इस योजना को 5 वर्षों से प्रार्थ बढ़ाने का अधिकार मुरक्षित रखता है । ऐसी स्थिति में सबस्यों को बिकल्प विमा जायेगा कि या तो वे यूनिटों को बापम हस्ट को मेच वें अथवा इस योजना में कि रहें। दूसर द्वारा निवेशक को मह विकल्प भी विया जा सकता है कि वह पुनर्खरीद की राशि को धारम्भ की गई प्रयंग उस समय परिचालन में रहने वाली किसी भी योजना में परिवर्तित कर सके।
- (ख) ट्रस्ट योजना और उसके अन्तर्गत बनाये गये प्तान को निम्न-लिखित परिस्थितियों में समाप्त कर सकता है:
  - (i) प्तात के पांच वर्ष पूरे होने पर प्रयत्त 31 प्रयस्त,
     2002 को प्रयत्रा 5 वर्ष के प्राने ऐसी लारीख की समाप्ति
     पर जो ट्रस्ट द्वारा यथानिर्धारित हो,
  - (ii) कोई ऐसी घटना मटित होने पर जिससे ट्रस्ट की एय में योजना और उसके अन्तर्गेत बने प्लान की समाप्ति आवश्यक हो, या
  - (iii) योजना के 75% सदस्यों द्वारा योजना को समाप्त करने का संकल्प पारित करने पर, या
  - (iv) सदस्यों के हिन में सेबी ऐसा करने के लिये निर्देश दें।
- (ग) जहां उपयुक्त उप खण्ड (ख) के अनुसरण में योजना की समाप्ति की जाती है तो ट्रस्ट योजना को समाप्त करने वाले कारणों की सूबना, समापन के कम से कम एक सप्ताह पहले सेवी को और अधिक भारतीय स्तर पर परिकासित होने वाले दो वैनिक समाचार पहों में और मुम्बई में एक स्थानीय भाषा के समाचार पन्न में देनी होगी।
- (ष) योजता की समाप्ति सम्बन्धी जिल्लामन की निथि को और उस तिथि से ट्रस्ट :--
  - (i) इस योजना से संबंधित कोई भी व्यावसायिक कियाकलाप नहीं करेगा।
  - (ii) इस मोजना के श्रदर्शत यूनिटों को उत्पक्ष और रह करना बंद करेगा।
  - (iii) इस योजना में यूनिटों को जारी करना और यूनिटों का प्रतिदान भी बन्द करेगा।
  - (इ) स्यामी मण्डल सदस्यों की एक बैठक बुलाएगा जिसमें उपस्थित सदस्यों द्वारा विचार किया जायेगा तचा नाधारण बहुमस से ग्रातण्यक संकल्प पारित किया जायेगा और मतदान द्वारा स्यासियों श्रयवा किसी भ्रय्य व्यक्ति को योजना की समाप्ति हेतु कदम उटाने के लिये प्राधिकृत किया जायेगा।

परन्तु यदि योजना परिपन्कवता अवधि के पूरा होने पर समाप्त की जाती है तो बैठक छावश्यक नहीं होगी र

- (ज) (i) भ्यासी भण्डल या योजना के उप खण्ड (क) के अन्तर्गत प्राधिकृत व्यक्ति योजना से सम्बन्धित बास्तियों को योजना के सदस्यों के सर्वोत्तम हित में निपटाएगा।
  - (ii) ऊपर विये गये खण्ड (च) (i) के भनुमार की गई विकी की राणि को पहले दृष्टान्त स योजना के घन्तगंत ऐसी दैयताओं के उन्मोनन के लिये उपयोग किया जायेगा जो उचिन रूप से त्रेय हो और ऐसी समाप्ति से संबंधित ययों को चुकाने के लिये उधित प्रावधान करने के बाद समाप्ति का निर्णय लेने वाली तिथि को योजना की प्रास्तियों भें पूनिट धारकों के हित के समानुपात में उन्हें भेष राणि का भगतान किया जायेगा।
- (छ) समाब्ति पूर्ति होने पर दूस्ट सेबी और सबस्यों को समान्ति के बारे म एक रिपोर्ट प्रेषित करेगा जिसमें ऐसी परिस्थितियों जितके कारण योजना समान्त हुई, समान्ति से पूर्व मास्तियों के निपटान के लियें उठाये गये कदम, समान्ति के लिये की गई योजना का ज्यय, सबस्यों को विश्वरण के लियें उपलब्ध गृद्ध मास्तियों के विवरण और योजना के लेखा परीक्षकों से प्राप्त एक प्रमाण पक्ष भेजेगा।
- (ष) इसमें करर दी गर्व किसी भी बात के बावजूब सेंभी (म्यूजुअल फण्ड) विनियम 1996 के प्रावधान, मर्घ पाषिक रिपोर्ट और वार्षिक रिपोर्ट के प्रकटीकरण के लिए लागू रहेंगे।
- (म) अण्ड XII (छ) में मन्दिभित रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद यदि संबी सन्तुष्ट हो जाती हैं कि योजना समाप्त करने की सारी कार्यवाही पूरी हो गई है तो योजना समाप्त हो जायेगी।
- (इस) दूस्ट द्वारा पुनर्जारीय के लिये अनुरोध पत्न के साथ सदस्यता स्वना/विधिवत हम से उन्मोधिन यूनिट प्रमाण पत्न प्राप्त होने पर और अन्य प्रक्रियाऔर परिचासन सम्बन्धी औपचारिकसायें पूरी करने पर सथाणीध्र पुनर्जारीय मूल्य का भुनतान किया जायेगा। सदस्यना सूनना/यूनिट प्रमाण पत्न पुनर्जारीय के लिये प्राप्त अनुरोध पत्न और अन्य फामें यवि कोई हों, दूस्ट द्वारा रहकरण के लिये राजालिये जायेंगे।
- (ट) प्रनिवासी निवेशकों के मामले में पुनर्खरीय/परिपक्वता राशि निवेश के स्त्रोत पर निर्भेर करते हुए निम्नानुसार विप्रेषित की आयोगी:
  - (i) जब यूनिटों की खटीद विदेश में विशेषित विदेशी मुबा से की गई हो अथवा सदस्य की एक० सी० एन० आर० जमाओं की राशि सें की गई हो अथवा सदस्य के भारत में स्थित अनिवासी (बाह्य) खाते में धारित निधियों सें की गई हो तो प्राप्तियों सवस्य को विदेशी मुझा में विशेषित की जा सकती हैं।
  - (ii) जब यूंनिटों की खरीद सबस्य के निवासी (सामान्य) खाते में धारित निधियों में की गई हो तो परिंपत्वता वैक भारत में निवेशक के रिक्तेवार को प्रेषित किया जायंगा

# XIII उपबन्धों के प्रथं निर्धारण का प्रधिकार :

योजना और उसके धन्तर्गत बने प्लाम के किसी भी उपबन्ध की ध्याख्या में कोईह सन्दे उत्पन्न होने पर केवल घड्यक्ष और यदि उस समय कोई घड्यक्ष तिमुक्त नहीं नो कार्यपालक न्यासी को योजना और उसके मन्तर्गत बने प्लान के उपबन्धों के अर्थ निर्धारण का घर्षिकार होगा। ऐसा घर्ष किसी भी रूप में प्रतिकृत प्रभाव डालने वालाया योजना और उसके मन्तर्गत बने प्लान की मूल संरवना के विपरीत नहीं होगा तथा ऐसा निर्णय निश्चायक बाद्यकारी और धन्तिम होगा। इसके मन्तर्गत बने योजना के प्रावधान और प्रान्त होगा। इसके मन्तर्गत बने योजना के प्रावधान और प्रान्त की योजना में कहा गया है एक दूसरे के साथ पढ़े जायें।

#### XIV उपबन्धों में ठील

केवल श्रष्ट्यक्ष और यदि कोई श्रष्ट्यक्ष नियुक्त न हो तो ट्रस्ट का कार्य पालक भ्यासी कठिनाईयों-को कम करने के उद्देश्य से या योजना और उसके श्रन्तगंत बने प्लान के निर्वाध और सहज संवालन के लिये योजना और उसके श्रन्तगंत बने प्लान के किसी भी उपजन्ध में गेमी को सुचित करतेष्ठुए डील देशकता है बगतें किसी सदस्य या सदस्य पर्य के निये ऐसा करना समीचीन हो।

पेशाकश वस्ताबेज में कोई परिवर्तन सेंबी के पूर्व अनुमोदन के बाद ही किया जाएगा।

XV योजना और उसके प्रत्यांत बनाप्लान सदस्यों के लिये बाध्यकारी होगा:

इस योजना और इसके अन्तर्गत अने प्लान की अती के नाथ समय-समय पर इनमें किये गये संशोधन और परिवर्तन प्रत्येक रावस्य और उसके माध्यम से बाबा करने वाले हरेक प्रत्य व्यक्ति के लिये इस प्रकार बाध्य-कारी होंगे, मानो बहु इसके लिये सहमत हो कि योजना और उसके भन्तर्गत बने प्लान के उपवन्धों में प्रन्तिबिच्ट किसी विपरीन बात के बावजूब ऐसा करने के लिये बाध्य हो।

#### XVI सवस्यों को लाभ:

योजना और उसके घन्तगैत बने प्लान की समाप्ति के समय पूंजी, प्रारक्षित निश्चि और प्रधिशेष के सम्बन्ध में योजना और उसके धन्तगैत को प्लान में उपजित सभी लाभ केवल उन्हीं सदस्यों को प्राप्त होंगे जो योजना और उसके धन्तगैत बने पान की समाप्ति तक पूरी धविधि के सिये पूनिट के धारक रहे हों।

प्लाम के सदस्यों का श्रन्मोदन निम्नलिखित परिस्थितियों में मौगा जायेगाः

- (i) सबस्यों के हिंत में जब कभी सेवी द्वारा ऐसा किया जाना प्रमेक्षित हो, या
- (ii) प्लान के नीन चौथाई सबस्यों द्वारा जत्र कभी मांग करने पर ऐसा किया जाना प्रावश्यक हो,
- (iii) जम न्यासियों ने बहुमत से समाप्त करने का निर्णय लिया हो या यूनिटों का समय पूर्व प्रतिदान किया जाये; या,
- (iv) जर कोई परिवर्तन योजना के खण्ड XJ में उध्लिखित मुलभूत विशिष्टताओं में या मुल्क और वेय व्यय में किया जाना हो या भ्रन्य कोई परिवर्तन जिससें प्लान संशोधित होता हो या सदस्यों का हित प्रभावित होता हो तो, ऐसा प्ररताबित परिवर्तन तब तक न किया जाय जब तक तीन चौथाई शबस्यों की सहमति न ले ली जाये।

#### कर मार्गवर्शक

#### कर रियायतें

प्लान के अक्तर्गत आप और पंजी वृद्धि पर करावान अवसित कर कानुनों के अधीन होंगा। वर्तमान कराधान कानुनों के अनुसार "एम आई पी०-97 (III)" सहित ट्रस्ट की सभी योजनाओं के अन्तर्गत सभी निवासियों और अनिवासियों (यदि यूनिटों की खरीद अनिवासी खाते से अदायगी के जरिये की गई हो, व्यक्तियों एवं एच० यू० एफ० की हुई आप से हो) को यूनिटों से आप्त-आप पर आयकर अधिनियम 196,1 की धारा 80 एल० के अन्तर्गत के 15,000/-- तक की कुल सीमा तक आय से कटौती उपलब्ध होगी। इस प्लान के अन्तर्गत होने वाला कोई भी वैधांवांच पूंजी अभिलाभ आयकर अधिनियम 196! की धारा 48और 112 में दिये गए निर्वेशों के अधीन होगा।

इस प्लान के प्रन्तगंत यूनिटों में किये गये निवेश का मूल्य धनकर से मुक्त है।

भारा 54 ई ए के अन्तर्भेत पुंजी गत मिललाम कर छूट

वीर्षाविद्य पूंजीगत आस्तियों के धन्तरण से प्राप्त होने वाली सम्पूर्ण या भौषिक शुद्ध राशि का एम० धाई० पी 97 (III) में किया ग्रमा निवेश श्रायकर श्रविनियस 1961 भी छारा 54 ईए के अन्तर्गत पूंजीगत भिक्ताम कर छूट के लिये पात होगा यगर्ते पुनर्खरीद /अन्तरण/गिरवीकरण मूलिटों की श्राबंटन तिथि से तीन वर्षों के बाद किया जाए/एके ाएं।

पाल ट्रस्टों के लिये

यायकर प्रधितियम 1961 की घारा 11(2)(वा) के सन्तर्गत सूनिट स्वीकृत प्रतिमृतियां हैं। भ्रतः युनिटों में निवेश कर रहे पाल दूस्ट भायकर स्थितियम, 1961 की घारा 11 और 13 के अन्तर्गत काय और निक्रि के लिये भावक्यक कर छूट के योग्य तोंगे।

#### स्लोत पर कर की कटोती

#### निवासी

वर्तमान कराधान कानूनों के अनुसार धारा 194के के मधीन ट्रस्ट हारा इस प्लान के मासिक आय विकल्प के अन्तर्गत व्यक्तिगत सदस्यों को देय माय कर 15% की दर से स्त्रोत पर आयकर की कटौती की आयेगी अगर्ते वितीय वर्ष के दौरान यह आय हु 10,000/- से मधिक हो।

क्सी प्रकार हिन्दू श्रविमनन परिवारों (एक पूर एफ ) को देय प्राय से स्क्षीत पर 15% की बर से कर की कटौनी की आएगी यवि यह क्षाय वित्तीय वर्ष के दौरान २० 10,000/--- की प्रधिक हो।

इसी न्त्रकार कम्पनियों को देय श्राय से स्त्रोत पर 20% की दर से कर की कटौसी की आयेगी यदि यह श्राय वित्तीय पर्य के दौरान कः 10,000/-- में श्रधिक हो।

#### अमिवासी

वित्त अधिनियम 1995 के अभुसार श्रायकर अधिनियम 1981 की धारा 196ए को श्रानिवासी द्वारा यु० टी० श्रार्थ की किसी भी योधना के यूनिटों के संदर्भ में श्राप्त भ्राय पर 20% की दर सें स्त्रोत पर कर की कटौती कियी जाने हेतु प्रसिस्थापित कर दिया गया है जिन्हों अनिवासी (सामन्य) खाते से श्रवायगी करके श्राजित किया हो।

भारत सरकार वित्त मंत्रालय राजस्य विभाग द्वारा आरी विनांक 24 जनवरी 1996 के परिण्य सं० 734 एफ० सं० 500/4/96-एफ टी० डी० के धनुसार यु० ए० ई० में रहने वाले प्रनिवासी सवस्थों को दोहरे कराधान से बवाब हेत् जहां निधि का स्त्रोत एन० भार० बो० जाता है, स्त्रोत पर 15% की रियायती दर से कर कटौती की जायेगी।

#### कर कटौरी नहीं

#### निवासी

सवस्य (कम्पनी या धर्म को छोड़कर) जो स्त्रोत पर कर की काटौती के बिना भाय चाहने हैं उन्हें ट्रस्ट को लिखित रूप से निर्वारित फार्म सं ।
15 एवं पर दी प्रतियों में घोषणा प्रस्तुत करनी चाहिए और उसे इस भागय की निर्वारित रीति से मत्यापित किया आमा चाहिए कि उसकी गत वर्ष की अनुपानित कुल आप पर कर 'मून्य' होगा। स्त्रोत पर कर की कटौती नहीं करने संबंधी निर्धारित फार्म आवेषन पन के साथ तथा उसरवर्ती वर्षों के लिए प्राय बित्रण बारटों के भेजे जाने के कम से कम तीन माह पूर्व प्रस्तुत किये आने चाहिए ऐसा न करने पर प्रचित करावान कानुमों के समुसार कर कटौती की आयेगी।

भ्रायकर श्रिधिनियम 1961 की आरा 11 अथवा 12 अथवा 10 (22) श्रथवा 10(22 ए) प्रथवा 10(23) श्रथवा 10(23एए) भाषना 10(23 सी) के भन्तगंत माने वाल पात ट्रस्टों द्वारा भावेदनपक्ष में उपलब्ध कराए गये प्रारूप में घोषणा किए जाने के भाधार पर उन पर कर की कटौती नहीं की जायेगी।

#### अनिवासी

अनिवासियों के मामले में यदि यूनिटों की खारीद सीधे विदेशी सूजा के विशेषण के जरिये अथवा भारत में रखें गये अनिवासी (बाह्य) खाते के अरिये प्रथवा एफ सी एन आर जमाओं की राशि से की गर्द है तो ऐसे यूनिटों से प्रार्था पूर्णतया श्रायकर से मुक्त है।

उपरोक्त मामले में यू० टी० माई स्त्रोत पर कर शी कटौसी नहीं करेगा, मने ही भाग की राणि कितनी भी हो।

आक्रकरं प्रधान कर, उपहार कर/पूर्णागत अभिजाभ कर, अनिवासी भारतीयों/ बोसीवी/एफआईआई द्वारा भिए गए निवेशों के संबंधित प्रकटीकरण प्रचलित आयकर अधिनियम, फेरा और एअवं बेंक, के निवेशों और अनुमित्रों के अमुख्य हैं।

#### सवस्थी के श्रविकार

- प्लान के प्रश्नीन सदस्यों को प्यान की आस्तियों के लामकरी स्वानिस्थ तथा प्लान द्वारा घोषित आय में समानुपातिक प्रिष्ठिकार है।
- 2. धरस्यों को न्यासियों से ऐसी कोई भी जानकारी प्राप्त करने का प्रक्रिकार है जो उनके निषेशों पर प्रतिकृत प्रधाय रखती हो तथा सबस्यों को ऐसी जानकारी देने के लिए न्यासी बाध्य होंगे।
- 3. सदस्यों को "निरीक्षण के लिये उपलब्ध दस्तावेज" शोर्षक के अन्तर्गत सूचीबद्ध किये गये सभी दस्तावजों का निरीक्षण करने का प्रशिक्तर है।

#### **प्रक्रि**रक्षक

भारतीय स्टाक धारिना निगम के साथ 17 जनवरी 1994 को हुए करार के अनुसार हमारी सभी योजनाधी और प्लानों का अभिरक्षक भारतीय स्टाक धारिना निगम है जिसका कार्यालय गित्तल कोर्ट बीं विंग नरीमन . प्लाइंट मुम्बई-400021 में स्थित है।

प्रभिरहाकों से यह प्रपेक्षा है कि वे ट्रस्ट की योजनानों क्रांची की सभी प्रतिभृतियों की सुपुरंगी कें और उन्हें अपनी अधिरक्षा में रखें। प्रभिरक्षक प्रतिभतियों की सुपुरंगी केवल ट्रस्ट के अनुतेशों के अनुसार और प्रतिभ्व प्राप्त करने पर ही करेंगे। जब तक ट्रस्ट द्वारा अन्यवा निर्वेश न विया गया हो अभिरक्षक एजेंट के रूप में उसके द्वारा आरित प्रतिभृतियों अन्य सोस्तियों की विकी बारीय अन्तरण एवं अन्य लेन-देल से संबंधित अभिरक्षा सम्यन्धी सामान्य कार्यों का पालन करने के लिए सभी गैर विवेकाधीन एवं प्रक्रियारमक स्पीरों के लिए सभा म्यत्या प्राधिकृत होगा।

सभिरक्षक सभी सूजनाएं रिपोर्ट श्रथना ईस्ट की योजनाओं / फक्बों/ प्लानों से संबंधित प्रतिभृतियों के वास्तविक रूप से सत्यापन एवं मिलाक और लेखा परीक्षा के प्रयोजन होतु दुस्ट अथवा द्रस्ट के रोगा परीक्षकों द्वारा प्रोक्ष गया कोई श्री स्पष्टीकरण उपलब्ध करयों ।

#### लेका परीक्षक

मैससं एस के व कपूर एण्ड कं व 16/98, एल व प्रार्थिव सी विल्डिंग, बी व माल, कानपुर-208001 और मैससं चतुर्वेश एण्ड कम्पनी, सनदी लेखाकार, 60 बेंटिक स्ट्रीट जलकला-700069। थोजना के लेखा परीक्षकों की नियुनित सार्थिव ही व बीव प्रार्थिव होरा की जाती है और वे प्रत्येक वर्ष वससे काने के भ्राधीन हैं।

# निवेशकों दी शिकायतें -

ा अप्रैल, 1996 से 31 मार्च, 1997 तक की अवधि के लिए प्राप्त शिकायतों की संख्या, जिनका निवारण किया गया कौर जो निवारणाधीन हैं, उन्हें नीचे दिया गया है:

योजना का	ि	शिकाय <b>टों की संख्या</b>				
नाम	प्राप्त शिकायते	जिनका निवारण किया गक्षा	निवारणाधीन	निवारणाधीन -णिकायतें		
1	2	3	4	5		
सी॰सी॰एफ॰	2044	2009	35	1.71%		
सी०जी०जी०ए५०	14936	14661	275	1.84%		
सी॰जी॰एस॰-83	9577	9516	61	0.64%		
सी०जी०यू०एस०-91	4722	4585	137	2.90%		
<b>सी</b> •आर•टी•एस•	244	202	42	17.21%		
<b>डी०आई०</b> यू ०पी०-93	375	366	9	2.40%		
डी ॰ आई ॰ यू ॰ पी ॰ - 95	1154	1111	.43	3. <b>73</b> %		
डी व्याई व्यू व्एस व- 90	1441	1432	- 9	0.62%		
बी ॰ आई ॰ यू ॰ एस० - 91	4277	4206	71	1.66%		
<b>डी॰आई॰यू॰एस</b> ०-92	1895	1881	. 14	0.74%		
है बो ०एफ ०	930	922	8	0.86%		
<b>जी०सी०जी०जाई</b> ०	17108	15823	1285	7.51%		
जी ०एम ० आई ०एस ० - 91	16363	14680	683	4.45%		
जीव्यम्व्याईव्यस्व-92	5960	5461	499	8.37%		
जी ०एम ० वाई ०एस ० 92(II)	400	397 ·		0.75%		
जी०एम०आई०एस०-बी- 92	239	235	4	1.67%		
जीव्यमव्याईव्यसव-बी-92(II)	1563	1499	64	4.09%		
ग्रेंडमास्टर-93	930	924	6	0.65%		
गृहस्रक्षमी यूनिट प्लान	1944	1859	85	4,37%		
भाषास मृतिट योजना	267	237	30	11.24%		
आई ० बाई ० एस ० एफ ० यू ० एस ०	3	3	0	0.00%		
मास्टरगेन-92	31710	30029	1681	5.30%		
मास्टरग्रोथ-93	2172	2120	52	2.39%		
मास्टरप्लस-91	4335	4267	68	1.58%		
मास्टरशेयर-86	11003	10194	809	7.35%		
एम०ई०पी०-91	4106	3912	194	4.72%		
<b>एम०ई</b> ०पी०-92	37889	35211	2678	7.07%		
एम०ई०पी०-93	36686	36189	497	1.35%		
ण्म ० ई ० पी ० - 9 4	5315	5219	. 96	1.81%		
एम०ई०पी०-95	8261	8147	114	1.38%		
एम०ई०पी०न96	3629	3612	17	0.47%		
एम०आई०पी०-93	2326	2286	40	1.72%		
एम०आई०पी०-94(I)	2509	2455	54	2.15%		
एम०आई०पी०-94(П)	2625	2549	76	2.90%		
एम०आई०पी०-94(ПІ)	5923	5755	168	2.84%		
इस०आई०पी०∻95	4241	3918	323	7.62%		

1	·2	3	4	5
्रम०आई०पो०-95(II)	5557.	5287	270	4.86%
एम०आई०पी०-95(III)	4371	4287	, 84	1.92%
एम०आई०पी०-96	3713	3638	75	2.02%
एम०आई०पी०-96(H)	3460	3423	37	1.07%
एम०आई०पी०-96(III)	4335	<b>397</b> 6	359	8.28%
एम०आई०पी०-96(IV)	1739	1427	312	17.94%
एम०आई०ए स०-बी- 93	3401	3353	48	1.41%
एम०आई०एस०जी०-90 $(\mathrm{I})$	190 -	156	34	17.89%
एम०आई०ए स०ज़ी०-90(II)	1527	1498	29	1.90°
एम०आई०एस०जी०-91	1874	1844	30	1.60%
भोमनी:-प्लान	54	4,3	. 11	20.37%
प्राइमरी इक्विटी फंड	291	241	50	17.18%
राजलक्ष्मी यूनिट प्लान- ′	5246	5103	-143	2.73%
सेवानिवृत्ति लाभ प्लाम	2039	1765	274	13.44%
व्यरिष्द न <b>ग</b> रिक यूनिट प्लान	763	720	43	5.64%
रू वजी॰एस॰-2000-	5954	5719	235	3.95%
ू ०जी ०एस०- 5000-	5310	5074	236	4.44
पूर्लिप - ·	11535	10428	1107	9.60%
गू ०एस०~ ६4	156311	147258	9053	5.79%
(०एस०- 92	4397	4343	14	0.32%
<b>₽</b> ₩	470169	′ - <b>447</b> 495	22675	4.82%

लंबित शिकायतों के आंकड़े, मार्च 1997 के अंत में 4 आंचलिक कार्यालयों द्वारा प्रत्येक योजना हेत् बताए गए हैं और प्राप्त धिकायतों के आंकड़े, रिपोर्ट के अन्तर्गत अवधि हेतु संचयी आंकड़ों को वर्शांते हैं।

्पश्चिमी अंचल के रजिस्ट्रार द्वारा प्रबंधित यो**जनाओं के अन्तर्गत 1 अप्रैल, 1**996 से 30 सितम्बर, 1996 **अवधि हेत्** , डाटा, पश्चिमी आंचलिक कार्यालय द्वारा जुलाई, 1995 से सितम्बर, 1996 के डाटा का 6 महीनों का औसन देने के बाद प्राप्त हुआ है।

िमांस्टर गेन 1992, मास्टर प्लस 1991 और मॉस्टर शेयर 1986 की शिकायतें, आई० आर० सी० की किकायतों की अधिकता की कम करने के पश्चात ही प्राप्त हुई हैं।

#### शिकायतें संबित रहने के कारण :

- (1) संग्रहण कर्ता बैकों से प्राबेदन पत्न/निधियों का प्राप्त न हीना ।
- (2) मानेदन पत्न में निनेशक के पते, नाम और हस्तामर सिंहत सपूर्ण
- (3) निवेशक के पते में हुए परिर्वतन को सूचित नहीं किया जागा/मधातन नहीं किया जाना।
- (4) मार्गमें ही खो जाना ।
- (5) डाक सेवामें विलंबा
- (6) अंतरण/मृत्यु दायों/पुनर्षारीय के मामलों मे अपेक्षित दस्तावेजों का उपलब्ध नहीं कराया जाना
- (7) शिकायते भेजते समय अपूर्ण स्वीरा ।
- ( 8) कमीशन प्राप्त न होना/विलंग्ब से प्राप्त होना ।
- ( ध ) पत्नों /दस्ता वेजों को गलत कार्यालयं /रजिस्ट्रार को भेजा जोगा ।

सभी नित्रेशक अपनी शिकायतें निवेश संबंधी पूर्ण विवरण देते हुए सम्बन्धित निवेशक सम्पर्ककका निम्नलिखित पते पर भेजः सकते € 1---

#### परिचमी अंचल :

भारतीय यूनिट ट्रस्ट निवेशक संपर्क कक्ष कामर्स सेंटर 1, 28वीं मंजिल विश्व व्यापार केन्द्र जी बी सोमानी मार्ग कफ परेड, मुंबई--400005 I टेली : 218 0172/218 160**9** 

पृथी अंचल : भारतीय यूनिट दूस्ट निवेशक संपर्के कक्ष 2 फेंगरली प्लैस 2री मंखिल,

कनकरा-700001 I

देली । 2434581

विधाणी अधिकाः भारतीय यूनिट इस्ट निवेशक संपर्कक्ष

बूटीआई हाऊस, 29, राजाजी साली,

पोन्नशं-600001 ।

- **टेलीं,: \$17**101 विस्तारित : 360/3**€**4,

उत्तरी अंबल : भारतीय यूनिट ट्रब्ट निवेशक संपर्क कक्ष, हेरील्ड हाऊस, 2री मंजिल, 5ए, बहाबुरशाह जफर मार्ग, नई विस्ली-110002 । टेली : 332 9800

#### रक्षिस्दार

यूटी प्रार्क इन्वेस्टर्स सर्विसेख शिमिटेड का पश्चिमी अजल और बिक्रणी अजल और मेसर्स एम० एन० वस्तूर एक के लिए की उत्तरी और पूर्वी अजल के लिए रिजिस्ट्रार के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

 यह सुनिश्चित कर लिया गया है कि रिजिस्ट्रार के पास आवेदन पत्नी, अंतरण फार्मी एवं पुनर्खरीय आग्रहों की प्रोसेसिंग करने, सदस्यता सूचनाओं/ यूनिट प्रमाणपत्नी एवं बाय वारटों की निर्धारित समय के घीतर प्रेषित करने और निवेशक की जिकायतों को दूर करने जैसी जिस्मेदारियों का निर्वहन करने की पर्याप्त अमता है।

बाबेदन पत्नों की प्रोसेसिंग और विकी के पश्चात सेवाएं रिजस्ट्राट की निम्नेजिबत शाबाओं द्वारा प्रवान की जाएंगी।

#### युटीआई निवेशक रोवा सिमिटेड

पश्चिम अंबाल : प्लाट नंव 369, मरील मरोगी रीक, मरोल मरोगी याप रधानक के लामेल, विजय नगर, अंबेरी (पूर्व), मुंबई-400059।

क्षिणी अंनतः जस्तिम बशीर महमव सम्यव विश्विग, 45 दूसरी लाइम बीच, चेन्नर्-600001।

मेससं एम० एन० दस्तर एण्ड फाँ० लिमिटेड

उसरी अंचल : प्लैट नं ० ए-301-311, सोम्**यस चैम्मर्स-1, 5,** भिकाओ कामा प्लेस, आर**ं** के**ं पुरम, पर्व विल्ली--110006**।

टैलिकोन : 6166838/6186252

पूर्वी अचल : कंप्यूटर सेंटर, 52, चौरंगी रींब (4थी मंजिल), कसकमा-70007। टेलिफोन: 2425142/2428701।

#### निरोक्षण के लिए उपलब्ध वस्तावेज

निम्नालि[खद वरताविज निरीक्षण के लिए केन्द्रीय निषंशक संपर्ण कक्ष, भारतीय यूनिट ट्रस्ट, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, वेसर्नेट क्षार गं । भर दिटङ्कदास ठाकरमी मार्ग, मूंबई-400020 में **उपलब्ध** रहेंगे:

- \* मुटीयार्थ भाषिनियम
- \* सामान्य विनियम
- \* अभिरक्षक, रिज़रदार और संग्रहणकर्ती वैको के साथ किए गए कराए
- \* वेबालण बस्ताकेल एमलाईपी 97 (III) की प्रति

# यूटीआई के फिछने पांच मालिक आय प्यानी का विवरण

			•		0
प्लान	एमग्राईपी '96 (II)	एमग्राईपी '96 (III)	एमम्राईर्वा - (96(IV)	्रमग्राईपी. '97	एमधाईपी '97 (II)
आ रंभ होने की तिर्धि	01-07-1996	01-10-1996	01-01-1997	01-05-1997	01-07-1997
समाप्ति की तिथि पासिक प्राय	30-06-2001 पहले वर्ष के लिए	30 <b>-0</b> 9-2001 पहले वर्ष के लिए	31 <b>-12-</b> 2001 पहुने वर्ष के विए	30~04 <b>~2</b> 00 <b>ं2</b> सभी पांची वर्षी के लिए	30-06-2002 सभी पीजों वर्षों के लिए
	15% স্ত্ৰত	15% স০স০	15% স৹ৰ৹	1 4% प्र०व ०	14% प्रवर
र्सचयी विकल्प	``	· —	<del></del>	रु० 2 000/- कम से कम	रु० 2,000/- कम से कम
-				रु० 4,012/- बनते हैं।	रु० 4,012/• बनते हैं।
संग्रह की गई राशि	<b>र∘</b> 371.27 करोड़	रु० 376.08 करोड़	 क 827.38 करोड़	रु० 1142.30 करोड़	* <b>स०</b> 989.30 करोड़
म्रावेदन पक्षे की संख्याः	1,50,967	1,37,819	3,26,839	3,25,649	*2,33,464

<sup>\*</sup> विनोक 13-06-1997 तक

समाप्ति पर बोबित

2646	भार	ल का राजपण, अगस्ट 23,	1997 (माइप <b>र 1, 1919)</b>	<del></del>	fate Tr
		सारणी			- w
क्राo प्लान संo	,	व्याषिक लाभा <b>ग</b> प्रदत्त/देय मासिक	परिपक्वता <b>परपूंजी वृद्धि</b>	(%)	बोनस (%) प्रवत्त/देग
ى ئىد سىدىپىيە ئاپ قاتار ئىنى اختىنىيىسىد قاتىلىك ئىس			माश्याखित	वास्तविक	
1 2		3	. 4	5	6
परिपम्ब योजनाएं					,
1. एमग्राईएस-1		12%স০ৰ০	-	8	بنند
2. एमश्राईएस-2		12% प्र०्य०		7	_
3. एमभाईएस-3		-12%স০ব০	de es	8	
4. एमबाईएस-4	1	12%্সত্বত	. v.	8	****
5. एमधाईएस-5		12%प्र०व०	-	10	
6. एमघाईएस-6		$12\%$ সত্ব $\circ$	$_2$	8.6	1.1
7. एमग्राईएस-7		12% সত্ৰত	2	6	1.0
8. एमग्राईएस-६		1 2 % স ০ ব ০	2	7	1.
9. एमचाईएस-9		12%प्र०४०	2	,9	[1.7
10. एमधाईएस-10		12%प्र०म•	2	•	2.00
11. एमगाईएस-11		12%স৹ড়●	2	11	2.25
12. एमपाईएष-12		12%ंप्र•व•	-32	28	2.20
13. एमबाईएस-13	<del>-</del> ,	13 %সত্ত্বত	2	40	8.0
14. जीप्मभाईएस-9	<b>2</b>	पहले 3 वर्षों े लिए 14.5% प्रव्यवस्रीर श्रंतिम 2 वर्षों के लिए 15% प्रव्यव	मासिक ग्राय विकल्प के मामले में म्यूबतम 2% परिपक्वता पर संबयी विकल्प	7.0 5.6	
15. एमपाईएसजी 9	0 _	· 12% স০ব০ ·		8	1% प्रत्येक वर्ष की समाप्ति परवेग
प्रचलित ग्रोजनाएं	,		·		
16. ध्ममाईएसजी '	92 (II)	पश्चले 3 वर्षों के लिए 14.5% प्रव्यव श्रीर श्रोतम 2 वर्षों के लिए 15% प्रव्यव	मासिक आय विकल्प के मामसे में स्यूनतम 2% परिपन्त्रता पर	5	, =
17. एमभाईएसजी '६	(II)	13% স্বতৰত	eners	*****	2% 3 रेवर्ण की समाप्ति पर जोवित भीर भतिरिक्त 2% बोवस 5 में वर्ष की

1 2	3 ·	4		5	6
18. एमधाईएसनी '91	13 प्रवर				3 प्र०मा० 3रे <b>वर्षं</b> की समाण्ति प <b>र भो</b> षित
	<b>,</b>			1	प्रौर प्रतिरिक्त अप्र <b>क</b>
•					बोनस लाभाग ठवें
		,			वर्षे की समाप्ति पर देय
19. थीएमआईएस'91	15 মৃত্যুত সূত্ৰত			٠	T both
(एमझाईपी 96(IV) में	पहुले वर्षे के लिए भीर				
	1-1-1998 से				
31-12-2001 प्रच	31-3-1998* की				
रोल झोनर)	भव्छि के लिए 15प्र० भाव		k.		
20. खीएममाईएसबी'92	<del>-</del> -	क भ्राय विकल्प के		័5, ម	2 प्रवस्य ० बोनस
	<b>पहले 3 वर्धी के</b> लिए <b>भी</b> र माम	**			लाभांश घोषित <b>भी र</b>
•	-	शा०परिपक्षता पर			परिपन्तसा पर वेय
	मंतिम 2 वर्षों के लिए संचय	ी विकल्प			. ,
31122001 तक रोज ब्रोचर	•				•
21. जीएमभाईएसबी '92 (II)	14 प्रवस्तव्यव्य पहले 2	–व <b>ही</b>			2 प्रव्याव अरे वर्ष की
	वर्षों के लिए भीर 14.5				समाप्ति पर बोवित
	प्रमञ्ज्ञ ० च ० च तिम ३				भौर परिपक्षकता पर
-	<b>वर्षों</b> के लिए				देय
22. एमग्राईएसबी'93	14 प्रवर्गाव प्रवर्गव	वही <b></b> -			उरेवर्षं की समादि
				1	पर गून्य बोनस घोषित
		-		•	किया गया।
23. एममार्पेपी '93	13.5 সংগণ সংগ্ৰ	-वही-	1.		2रे वर्ष की समाप्ति
					पर शून्य कोनस
					कोषित किया गया
•			-	-	अर्थे वर्षकी समाप्ति। परबोनस घोषित किया
		1			ग सकता है झौर <b>व</b> ह
		•			रिपक्वता पर वेय होगा
24. एवधारी 94	पहले 2 वर्षी के लिए		•	<b>-</b>	_
• •	<mark>बर्चात् फरवरी',</mark> 98 तेण				,
	13 স০ম০ স০ব০ দীং				
	मासिक बाग विकल्प के				
	प्रतगैत 13.5 प्रव्याव प्रव्यव				
	की दर से भौर संचयी				
Maria.	विकल्प के चंतर्गंत 1-3-				
	96 से 28-2-98 की				
Time to	संबंधि के लिए 14 म०श० प्रव	[•			
-	<b>की दर</b> से।				

1 2	3	. 4	. 5	6
25. एमग्राईपी '94(11)	13 प्राम् प्रव्यव पहले 2		<u>-</u>	<del></del>
	वर्षी के लिए मासिक			
•	म्राधारपरदेय 14 प्र० श०प्र०व०			
	भगले दो वर्षी के लिए			
	मासिक चाधार पर देय।			
t6. एम <b>माई</b> पी'94 (III)	12 प्र०ग० प्र०व० 1 ले वर्ष के	<del></del> .		<b></b>
. ,	लिए प्रोर 13 प०भ० <b>,प्र०५०</b>	•		
	2रे धर्प के लिए देय।			
	1-1-1997 स 31-3-			
	1997 तुक की भ्रवधि			
	के लिए 13 प्र०म० प्र०व०			
	1-4-1997 से 31-3-	•		
	1998* तक के लिए 13 प्र०म०			
	সুত্রত			
	•			
<b>१७. एमधाई</b> पी'95	् 13 प्र० श्०प्र०व० 1ले वर्ष		<b></b> -	·
-	के लिए और 14प्र <b>ंग</b> ा <b>गव</b>			•
•	दूसरे वर्ष के लिए			
	·1-7-1997 से			
т -	. 31-3-1998 <b>*</b> तक के ं			
	लिए 14 प्र०म० <b>प्र०व०</b>			
8. एम <b>प्रा</b> ईपी 95 (II)	13. 50 प्र०म <b>० प्र०व० पह</b> ले	<u> </u>		
D. GAMISAI 20 (IT)	वर्ष के लिए 14 प्र०१० प्र०		,- ,	
	व० दूसरे वर्ष के लिए			
	46 पूर्वा प्रमाणित् 1∸4−1997 से 31−3			
	1998* तक के तिएं			
	14 স্০স্০স্ত্রত			
	14404 <b>0 4040</b>			
9. एमग्राईपी०'95( <sup>III</sup> )	14 प्र० ग०प्र०व० 1ते वर्ष			
- , , , ,	के लिए 1-1-1997 से	-	•	
	3 1 3 1 9 9 7 तक की			
	श्रवधिके लिए 14 प्र०५०			
	1-4-1997 से 31-3-			
	1998* तक के लिए 14-प्र०श०			
<ol> <li>एमग्राईपी/96</li> </ol>	14.5 प्र० म०प्र०व० 1 ले वर्ष			
Or Admit was	के लिए 1~5-1997 से			
	31-3-1998* तक के			
	लिए 14.5 प्र०स०	4		
/TT\	15 प्रच्याव प्रव्यव 1ले वर्ष			
$_{1.}$ एमग्राईपी $/\!\!/96$ $( ext{II})$	15 प्रवंश ० प्रवंश विषय के लिए 1-7-1997 से	<b></b>		
	क :लए 1-7-1997 स 31-3-1998* तक के		•	
,			•	
	লিए 15 স৹গত	•		

1 2	3	, 4	5	6
32. <b>एमधार्ग</b> ि'96(III)	15 % प्र <b>०४० 1ले वर्ष</b> के लिए, 1~10—1997 से 31—3—1998* तक फे लिए 15%	· <u></u>	<del></del>	• englan
33. एममाईपी'98 (IV)	15% प्र०४० 1ले वर्षे के लिए 1-1-1998 से 31-3-1998* सक के लिए 15%	<del></del> .		
34. एमझाईपी'97	14% प्र <b>०व० सभी 5 वर्षों</b> के लिए	<del></del>	·····	<del></del>
35. एमघाईपी 97 (11)	14% प्रव्यवसभी 5 वर्षों के लिए	<del>-</del>		<b></b>

पूर्ववर्ती	वांकडे
×	4 5 4 7

		<u> </u>		1993-94	<del></del>			
	पू <b>र्वेव</b> र्सी आंकडे	ए <b>मआई</b> एस पूल	एमआईएसजी 90 पूल	जीएमआई एस पूल	जीएमआई एसबी 92 पूल	एमआईएस े बी 93 पूल	एमभाईपी 94	एमआईपी 94(11)
(事)	शुद्ध आस्ति मृल्य, प्रति यूनिट	14.86	11.36	13.00	11.71	10.96	10.06	10.10
(理)	सकल आय प्रति यूनिट में विश	भयत:				-		
(i)						•		
` '	के अतिरिक्त आय, प्रति यूनि	ट 1,99	1.44	1.53	1.03	0.90	0.55	0.05
(ii)	निवेश के अन्तर योजमा				,			-
	विकय्/अंतरण पर लाम से			•				
	आय, प्रति यूनिट	3.26	0.00	0.35 .	0.00	0.10	0.00	0.00
(ìii)	तृतीय पक्ष को निवेशों के बि						- 1	
, . <b>.</b>	पर लाभ से आय, प्रति सूनिट	0:17	0.02	0.04	0.07	0.05	0.00	0.00
(iv)	पिछले वर्ष के आरक्षित से	, 1						
	राजस्य लेखे में अंतरण, प्रति यूनिट							
(ग)		2						
(")	कोधन एवं प्रभार, प्रति युनित		0.03	0.05	0.05	0.07	0.06	0.04
· (官)	शुक्क आय, प्रति यूनिट	5,33	1.44	1.88	1.64	0.97	0.40	0. 0.2
(む)	निवेशों के मू <i>ल्य</i> में अप्राप्त मू			-,,,				
( <del>•</del> • )	वृद्धि/मूल्यह्नास, प्रति यूनिट	-0.12	0.80	1.71	1,00	0.86	0.04	0.09
(ঘ)		,	, , , , ,	<b>,</b>	-, -,-		-, 3-	
( ')	उच्चतम							
	न्यूनतम							
	पुनर्खरीय मूल्य							
	उच्चतम							
	न्यूनतग <del>किस्</del> री सम्बद्ध							
	बिक्री मूल्य उच्चतम							
	न्यूनतम							
	लाभ उपाजंन अनुपात							
(छ)	औसत गुद्ध आस्तियों पर							
	प्रति यूनिट व्यय का अनुपात	₹		i				-
`	प्रतिशत में	0.65	0.23	0.36	0.45	0.65	0.57	0.35
(স)	औसत शुद्ध आस्तियों पर	•						
	प्रति यूनिट सकल आय क	T						
	अनुपात प्रतिशत में (गत वर्ष के आरक्षित से राजस्व	-						
	लेखे में अंतरण को छोड़ क							
	परन्तु अप्रश्ति निवेशों में							
	बढ़ोत्तरी को सम्मिलित							
	करते हुए)	36.49	19,95	28.01	23.03	17.41	<b>5.45</b> .	1.42
(भा)	प्रति यूनिट श्दा आस्ति	•		•			-	
	मूल्य	14.86	11.36	13.00	11.71	10.96	10.06	10.10

मासिक ह	ाय योष	नगएं
---------	--------	------

	-	_ 1	1994-95			٠. •	•
एमआईएसंजी 90 🚜	जी एमआईएस पूल	जीएमआईएसबी 92 पूल	एमबाईएस की 93 पूल	एमआ <b>ईपी</b> 94	एमआईपी 94 (II)	एमआईपी 94 (III)	एमआईपी 95
10.91	13.03	11.49	10.78	9.87	9,58	9,47	10.05
1.40	1.72	1.64	1.34	0.96	0.67	0.17	<b>0.0</b> 6
-	0.03	0.17	0.08		`- <u></u> ,	0.03	
0.04	0.05	, <del></del> -		0.01	0Q1	-0.03	
0.05	0.06	0.07	0.06	0.07	0.07	0.07	0.01
1.40	1.74	1.74	1.36	0.90	0,60,	0.10	0.05
0.28	1.00	0.05	0.27	-0.42	-0.40	-0.44	0.03

0.46	0.49	0.50	0.55	0.66	0.76	0.69	. 0.14
------	------	------	------	------	------	------	--------

15.49	21.51	16.06	15.47	9.73	2.84	-2.87	0.42
•	-		-	- ,		-	-
10.91	13.03	11.49	- 10.78	9.87	9.58	9.47	10.05

पूर्ववर्ती आंकड़ें~

	4 4 5 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6				ويهيها والمرافق والمجاهلة بالأموالية	<del></del>
	पूर्ववर्ती आंकड़े	एमआईएसजी 90 पूल	जीएमआईएस पूल	जीएमआईएसबी 92 पूल	ंएमआईएसबी 93 पूल	एमआईपी 94
(ক)	शुद्ध आस्ति मूल्य, प्रति यूनिट	10.89	13,95	12.57	11,44	10.44
(ख)	सकल आय प्रति यूनिट में विभक्त :			•		
(i)	निवेशों के बिकी पर लोभ के अतिरिक्त आय, प्रति यूनिट	1.40	1.74	1,65	1.45	1.6
(ii)	निवेश के अन्तर योजना विकय/अंतरण पर लाभ से आय, प्रति यनिट	-	0.05	0.10	0.02	0.1:
iji)	तृतीय पक्ष को निवेशों की बिकी पर लाभ से आय, प्रति यूनिट	0.06	0.51	0.12	0.03	0.0
lv)	पिछले वर्ष के आरक्षित से राजस्व लेखें में अंतरण प्रति यूनिट		Printers.	0.04		-0.0
(ग)	समग्र व्यय, अपलिखित, परिशोधन -					
-	एवं प्रभार, प्रति यूनिट	0,04	0.07	0.07	0.07	. 0.0
(শ)	शुद्ध आय, प्रति यूनिट	1.43	2.22	1.84	1, 43	. 1.7
(▼)	निवेश के मूल्य में अप्राप्त मूल्य वृद्धि/ मूल्यहास, प्रति यूनिट	0.26	0.72	0.41	0.40	<b>~0.</b> 3
(♥)	बाजार मूल्य ज् <b>न्यत</b> म स्यूनतम्					
	पुनर्श्वरीय मूल्य उच्चतम					
	स्यूनसम् विजी मूल्य उ <b>ण्य</b> तस					
	म्यूनतम लाभ उपार्जम अनुपात					
(ছ)	भौसत मुद्ध आस्तियों पर प्रति यूनिट व्यय का अनुपात प्रतिशत में	0.34	0, 54	. 0,80	0.00	0,(
(জ)	औसत गुद्ध आस्तियों पर प्रति यूनिट सकल आय का अनुपात प्रतिशत में (गत वर्ष के आरक्षित से राजस्य लेखें में अंतरण को छोड़कर परंतु अप्राप्त निवेशों में बढ़ोत्तरी को सम्मिलित करते			•		
	(7 <b>3</b>	15.82	22.39	19.30	17.69	17.6
(म)	प्रति यूनिट गुढ आस्ति मूल्य	10.89	13.95	12.57	11.44	10.4

96				-	_	
रमआईपी 94 (II)	एमआईपी 9 4 ( III )	् एमआईपी 95	एमआईपी 95 (11)	एमआईपी 95 (III)	एमआईपी 96	एमबाईपी 96 (II)
9.76	9.61	10.35	10.89	10.98	10.29	9, 96
1, 15	1.20	- 1.38 -	1,19	0.83	0.27	ò. o:
0.01	0.02			0.01	0.01	· · ·
0.06	0.03	0.02	0.11	0.02	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
<del></del> -	-	, 		- - -		_
0.07	0.07	0.07	0.09	0.06	<b>p</b> . 04	0,0
1,15	1.17	1.33	1.22	0.79	0.24	0, 03
-0,42	-0.49	0,06	0.55	0.82	0.43	0.0

0.73	0.75	0.71	0.81	0.58	0.44	0.28

12.61	13.06	14.33	16.97	15.21	6.89	1.16
9.76	9.61	10.35	10.89	10.98	10.29	9.00

		·		<u>-</u>	<u></u>	वंवर्ती आंकड़े
	1.				01-0	7-1996 से
	पूर्ववर्ती आकड़े	एमआईएस जी 90 पूल	जीएमआई एस पूल	जीएमआई एसबी 92 पूल	एमआईएस बी 93 पूल	एमआ <b>ईपी</b> 94
	1	2	3	_ 4	5	6
( <b>क</b> ) ( <b>ख</b> )	शुद्ध आस्ति मूरुय, प्रति यूनिट सकल आय प्रति यूनिट में विभक्तः	10.59	13.35	12.51	11.18	10.34
	(i) निवेशों की बिकी पर लाभ के अतिरिक्त आय, प्रतियुनिट	0.69	1.67	0.84	0.62	0.47
,	<ul> <li>(ii) निवेश के अंतर योजना विकय/अंतरण पर लाभ से व प्रतियूमिट</li> <li>(iii) तृतीय पक्ष को निवेशों की बिकी पर लाभ से आय,</li> </ul>	भाय <i>;</i> ——	0.30	0.01		
	प्रति यूनिट (iv) पिछले वर्ष के आरक्षित से राजस्व लेखे में अंतरण,	0.01	0,34		0.01	0. •2
	प्रति यूनिट	0.04		0.05		0.10
(ग)	समग्र व्यय, अपलिखित, परिगोधन एवं प्रभार, प्रति यूनिट	0.02	0,07	0.08	0.03	0.04
(ঘ)	शुद्ध आय, प्रति यू निट	0.71	2.24	0.86	0.59	0.55
( <b>इ</b> .) (च)	निवेश के मू <i>रूप में</i> अप्राप्त मूरुयषृ <b>धि</b> /मूरुयह्नास, प्रति यूनिट बाजार मूरुय उच्चतम	-0.01	0.09	0 <b>02</b>	-0.05	-0.58
	न्यूनतम पुनखंरीद <b>भू</b> ल्य उ <b>ण्य</b> तम					
	न्युनतम बिकी मूल्य उक्ततम न्युनतम लाभ उपार्जन अनुपास					
( <b>a</b> '.)	औसत गुद्ध आस्तियों पर प्रक्ति यूनिट ग्रंथ का अनुपात प्रतिशत में	0.21	0.54.	0.29	0.30	0.35
(জ)	औसत जुड़ आस्तियों पर प्रति यूमिट सक्त आय का अनुपात प्रतिशत में (गत वर्ष के आरक्षित से राजस्व तेखें में अंतरण को छोड़कर परंतु अप्राप्त निवेशों में					<b>0.33</b>
, .	बढ़ोत्तरी को सम्मिलत करते हुए)	6.78	18.24	7.63	5.69	5.84
(स)	प्रति यूगिट शुद्धः आस्ति मूल्य	10.59	. 13.35	12.51	11.18	10.34

. 75	
فالتقامات	
A SHIPLE OF	•

# (MAN - STATE ) - MAN 287 1997 (MAN 13 1979)

265.

मासिक आय यो	जनाए	,		-	;;			
31+12-1996	तक	,						
एम्बर्गाणी 94 (H)	एमआईपी 94 (ÎII)	एमआईपी 95	एमआईपी • 95 (11)	एमआईपी १5 ( गि)	एमभाईपी 96	ए.मझाईपी 96 (II)	एम्आईपी 96 (∏ा)	एमआईवी 96 (IV)
7	8	9	10	11	12	13	14	15
9.58	9.47	10.46	11.01	10.84	10.37	10.26	9.99	10.09
0.41	0.41	0.72	0.74	0.72	0.66	0.51	0.31	0,10
		_	,	0.02	0.02			
0.03	0.0	3 -0.02	0, 03	0.04	-C.02	-0.02	· ·	-
0.17	0.13							
0.03	0.03	0.03	~ 0.05	0.05	0.05	0.05	0.04	0.01
0.58	0.54	0.67	0.72	0.73	0.61	0.44	,	_
-0.70	-0.74	<del></del>	0,44	0.50	0,43	0.44	0.27	

0.35	0.34	0.29	0.44	0.45	0.51	0.50	0.37	0,15
6.39	6.04	6.81	1118	10.56	9.54	. 8.70	11 59	2 06
						10.26		



## भारतीय गुनिट दूस्ट

### कार्पेरिट कार्पालय

े 13, सर विट्ठलवास ठाकरसी भाग (भ्यू मरीन लाइन्स्), सुंबह-400 020, बूरध्वींग : 2068468 ।

### आंचीलक कार्यालय

पिश्यमी अंचल : ह.ज.-1, 28 वी मंजिल, विश्व व्यापार केन्द्र, कफ परंड, कोलाता, मंबई-400005, ब्रूरध्विन : 2181600/2181254, पूर्वी वंचल : 2 फीयरली प्लंस, कूसरी मंजिल, कलकत्ता-700 001 द्रूरध्विन : 2209391/2205322, दक्षिणी अंचल : यूटीआई हाऊस, 29, राजाजी साल, चेन्नई-600 001, ब्रूरध्विन : 517101, उत्तरी अंचल : जीवन भारती, 13 वी मंजिल, टावर 2, कनाट सर्कस, नई विल्ली-110 001, ब्रूरध्विन : 3329860/3329858।

परिचम अंचल के अंतर्गत आनेवाले शाखा कार्यालय

# मृषद् मुख्य शासा कार्यालय

कामर्स संटर-1,29 वी मंजिल, विश्व व्यापार केन्द्र, कप परेड, कोलाबा, मृंबर्ष-40005, दूरश्वींन : 2181600/ 2180057 ।

# नाचाएं जहां आवेदनपत्र जमा किए जा सकते ह<sup>4</sup>

अहमदाबाद १ वी जे हाउत्स, दूसरी, तीसरी और जीथी मंजिल, आश्रम रांड, अहमदाबाद-380 009, दूरध्यनि 🛭 , 642,3043 बड्डिया: भैक्षधनुष, चौथी और पांचवी मंजिल, ट्रान्स्पेक सर्काल, रोस कार्स रोड, बड़ौवा-390015, द्रारध्यनि : 332481, भोपाल : पहली मंजिल, गंगाजभूना कर्मांशयल काम्प्लीक्स, प्लाट र्न. 202, महाराणाः प्रताप नगर, जीवल 1, स्कीम 13, हबीव गंज, भौपाल-462001, ब्राय्यानि । 558308, इन्दौर : गिटी सॅंटर, बूसरी मीजल, एम जी रोड, इन्दौर-452001, दूरध्यान : 22796 मम्बर्ध-(1) यूनिट सं. 2, ब्लाक 'डी' गुलमहिर कास रोड नं. 9, अंधेरी (परिचम) , मुंबई-400049 , बूरध्यनि : 6201995 सुंबई : (2) पर्सेपोलिस बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, आंध्र बँक के उत्पर, सेक्टर 17, बाली, सबी मुम्बई-400703, व्हरध्वीन 🕾 7672607, (3) लॉटस इंटि बिल्डिंग, जमशेंदजी टाटा रोड, बैकले रिकलें भेगन, मुम्बह -400020, दूरध्वनि : 2850821/822, (4) श्रद्धाः शापिंगः आकर्षेषः, एसवी यंड, बेरिवली (पश्चिम), पहली मंजिल, 400002, दूरध्वनि : 8020521 (5) सागर श्रीनांजा, पहली मंजिल, खोत लेन, घाटकोपर (पश्चिम), मुम्बई-400086, बरध्यनि : 5162256, कोल्हापुर : अयोध्या सी एस नं. **51**1, कोएच-1/2, 'इं' वार्ड, वाद्योलकर कार्गर, स्टोशन रीक, कोल्हापुर-416001, दूरध्यनि 🕸 657315, नागपुर : श्री मोहिनी काम्पलेक्स, हीसरी मंजिल, 345, सरवार बल्लभभाष पटेल रोड, (किन्स्बे), 440001, दूरध्वीन : 536893 नासिक : सारवा संकृत, दूसरी मंजिल, एम.जो. रोड, नासिक-422001, दूरध्वीन : 72166, पणजी : इ. डी. सी. हाउन्स, भूतल, डा. ए डी मार्ग, पणजी, गोवा-403001, व रध्यनि : 222472 पुणे : सवाशिव विलास, तीसरी मंजिल, 1183 फर्ग्युसन कालेज रोड, षित्राजी नगर, पूर्ण-411005, दूरध्यिन : 325954 राजकीट : लल्ल्भाई सेन्टर, चौथी मंजिल, खखाजी राज रांड, राजकोट-360001, दूरध्यनि : 35112, सूरत : सफी बिल्डिंग, डच रोड, ननपुरा, सुरत-395001, बुरध्यनि : 434550, ठाणे : यूटीआई हाउन्स, स्टोशन रांड, ठाण् 400601, दूरध्विन : 5400905 ।

उत्तरी अंचल के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले शाला कार्यांखय

भागरा : भूतल, जीवन प्रकाश, संजय प्लेस, महात्मा गांधी रोड, आगरा-282002, बारध्विन : 54408, इलाहाबाद-यूनाइटोड टावर्स, तीसरी मीजल, 53, लीडर रोड, इलाहाबाद-211003, दूरध्यनि : 50521, अमृतसर : श्री द्वारकाा-धीश काम्पलेक्स; दूसरी मंजिल विश्वन्स रोड, अमृतसर-143001, दूरध्वति : 210367, चंडीगढ़ : जीवन प्रकाश, एसआईसी बिल्डिंग, सेक्टर 17-बी, चंडीगढ़-160017, बूर-ध्यति : 543683, कहरादन क्षारी मंजिल 59/3, राजप्र रोड, बहराबून-248001, ब्राध्यान : 26/20, फरीवाबाव : बी-614-617, न्हेंस्क् ग्राउंड एनआइटी, फरीवा-बाद-121001, दूरध्वनि : 210010, गाजियाबाद : 41, नवयम माक ट, सिंघानी गेट के पास . गाजियाबाद-201001, दारध्वनि 🕆 752040 . ज्यपुर : आनंद भवन , तीसरी मंजिल , संसार बन्द्र रोड, जयपुर-302001, बरध्यनि : 365212, कानपर: 16/79इ, सिविल लाईन्स. कानपर-208001, द्राध्वनि : 317278, लखनक : रिअन्सी प्लाजा बिल्डिंग, 5 पार्क गंड, लबनक-226001, करध्यनि : 232501, लिश्याना : संहिन पैलेस, 455, दि साल, लिश्याना-141001. द्रध्यनि ' 400373, नद्र' विल्ली : गलाब भवन, दूसरी मंजिल '6, बहाद रशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरध्वनि : 3318638, शिमला : 3 रीत, पहली मंजिल, 9 जानकीदास एण्ड को. डिपार्ट मेन्ट स्टोर के उत्पर, शिमला-171002, दूरध्वनि : 4203, बाराणसी: पहली मंजिल, की-58/2ए-1, भवानी मार्केंट रथयात्रा. वाराणसी-221001, व्रास्वित : 54306 ।

दक्षिणी अंचल के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आनेवाले काखा कार्यालय ।

मंगलीर : विश्व व्यापार केन्द्र, चेंबर आफ कामर्स, केम्पेगीवशा रोड, बंगलोर-560009, दूरध्यनि : 2263739, क्रोबीन : जीवन प्रकाश, पांचवीं मीजिल, एम. जी. रोड, पुनकित्लम, कोचीन-682011, दूरध्यान : 362354, कायम्ब्यूर : चरन टावर्स, सीसरी मंजिल, 6/25, आर्ट्स कालेज रोड, क्यंग्म्बत्र-641018, दूरध्वनि : 214973, हुबसी : कालबर्गी भेंदान, 4थी मंजिल, लेमिंगका रोड, हाजली-580020, दारध्वनि : 363963, हैंदराबाद: पहुली मंजिल, सूरीभ अक्षेंड, 5-1-664, 665, 669, भीक स्ट्रीट हैयराबाद-500001, दूर-थ्वनि : 511095 जेन्नहें यू टी ब्राई हाउन्स, 29, राजाजी सलाई चेन्नई-600001 दूरध्वनि : 517101 सर्वीद्य संघ विरिष्टंग, **मब**ुराई : तमिलना**ड**ु तिरक्ष्यरन**क**ुत्प्रम रोंब, संबुराई-625001, बूरध्विन : 38186, मंगलीर : सिद्धार्थ किल्डिंग, पहली मंध्रित, बाल-मत्ता रोड, मंगलीर-575001, दूरध्यनि : 426258, सिरज्ञनंत-पूरमः रवास्तिक सेन्टर, क्षीसरी मंजिल, एम. बार. योष, तिरु-अनंसपुरम-695001 दूरध्वनि : 331415 त्रिची : 104, सलाई रोड, केरोबूर,, तिरुचिरापल्ली-620003. दूरध्वनि : 27060 . त्रिचूर : 28/876/77 , देस्ट पुल्सिथामाम बिस्खिंग ,-करुणाकरण नेवियार रोड, राजांड नार्थ, त्रिचूर-680020 दूरध्वति : 331259, विजयवादा : 27-37-156, बन्दर ्रोड, मनोरमा होटल के आगे, विजयवाड़ा 520002, बुरम्बनि : 74434 विशासापट्टनम् : रत्ना आकृष्टि, तीसर् मंजिल, 47/15/6, स्टोशन रोड, युवारका नगर, विणासापट्टनम 530016, दूरध्यनि : 548121 -

# पूर्वी अंचल के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने बाल बाला कर्ह्मालय

भुवनदेवर: असिएचयी जिल्छिंग, 1 सी एवं 2री मंजिल 24, जनपथ, सारवंशा नगर, राम मंदिर के समीप, भूवनदेवर-751001, दूरध्विन: 410995 कलकता: 2 और 4, फंयरली प्लेस, कलकला 700001, दूरध्विन: 2209391 दुर्गापुर: तीसरी एडिमिनस्ट्रिश बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, आसनसील, दुर्गापुर विकास प्राधिकरण, सिटी सेन्टर, दुर्गापुर-713216, दूरध्विन: 4831 गुवाहाटी: जीवन दीप, एम एन नेहरू रोड, पानवाजार, गुवाहाटी 781001, दूरध्विन: 543131 जमरोद्युर: 1-ए, राम मंदिर परिसर, भूतल और दूसरी मंजिल, बिस्तुपर, अमर्शवपर 831001, दूरध्विन: विस्तुपर, अमर्शवपर 831001, दूरध्विन:

8-209 G1797

425508 पटना : ज्विन दीप विलिद्धांग, भूतल और पांचवीं मंजिल, एक्जिबिशन रहा, पटना 800001, बूरध्विन : 235001 सिलीगुड़ी : जीवन दीप, भूतल, गूक नानक सारनी, सिलीगुड़ी-734401, दुरध्विन : 24671

### भारतीय यूनिट दूस्ट

मुंबई, विनांक 31 जुलाई 1997

सै० यू० टी०/बी० बी० बी० एम०/आएं०- 3/एस० पी० बी०- 51/97-98--कारतीय यूनिट ट्रस्ट प्रक्षितियम 1963 (1963 का 52) की घारा 21
के अंतर्गत बनाई गई यूनिट बोधना 1964 और कियत प्रक्षितियम की
आरा 19 (1) (नी०सी०) के अंतर्गत बनाए गए पुनर्निषेश प्लाम 1966
के प्रावधानों में किए गए संशोधन दिनांक 9 जुलाई 1997 को हुई कार्यकारिणी समिति की बैठक में घनुमीदित किए गए, इसके नीचे प्रकाशित
किए जाते हैं:

ए० जो० जोक्षी सहाप्रबंधक स्थवसाय विकास एवं विषणन

#### धनुबंध

(1) खंड 4 "यूनिटां के लिए मावेदन" के उपखंड (5) के पैराम्नाफ (ग) को निम्नानुसार संसोधित किया काता है:---

यदि स्पेक्षित हो तो यूनिट प्रमाणपत्त भेजा जाएगा । यूनिट प्रमाणपत्त मौद भेजा गया तो रिजस्टर्ड क्राक द्वारा पामती के साथ भेषभा पानदी रिह्त भावेदक द्वारा दिए गए पते पर भेज दिया जाएगा; तथा इस तरह केने गए यूनिट प्रमाणपत्र के खो जाने, स्तिप्रस्त हो जाने, गलत बीजिनरी या बीखिनरी न होने के लिए दुस्ट जिम्मेवार नहीं होगा।

(2) खंड 6 "यूनिटों की बिकी" के तीसरे वाक्य को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:—

उसके बाद जिसनी जल्दी संभव हो, याँव अपेक्षित हो, सो ट्रस्ट, जावे-वक को यूनिट प्रमाणपंत्र जारी करेगा जो उसके ब्राप्ट यूनिटों के जिए किए गए ग्रावेदन पर निर्मर करते हुए उसे निका की गई यूनिटों को वर्णाएगा।

(3) खंड 7 "यूनिटों की पुनर्खरीव" के उपखंड (1) में मद (iv) के क्य में निम्नलिखित को शामिल किया जाता है:

निक्षेपागार रीति में यूनिटों का धारक, यदि यूनिटों की पुनर्खरीय किये जाने का इञ्चुक हो तो उसे समय-समय पर बनाए गए नियमों/विक्षानिर्देशों/ प्रक्रियाओं का प्रमुसरण करना होगा। (4) खंड 8 "स्वीकृति तिथि को यूमिटों की विजी या पुनर्खरीड" के उपस्तव (1) में "विश्वमान यूनिटबारक" संबंधी पैराधाफ को निस्नानुसार संगोधित किया जाता है:

"विद्यमान यूनिटघारक" से तात्पर्य उस व्यक्ति से है तजा इसमें बह व्यक्ति सामिल है जो पेसकस से पूर्ववर्ती वर्ष हेतु यूनिटघारकों की पंजी बंद होने की स्वीकृति तिथि को युनिटघारक के रूप में पंजीकृत है और उसमें विध्यपागर रीति में यूनिट घारण करने वाला व्यक्ति भी सामिल है।

(5) खंड 8 क "यूनिटों का कारीबार" के उप खंड (व) के बूसरे पैराग्राफ में निम्नालिखित को शामिल किया जाता है:

परन्तु निक्षेपागार रीति से यूनिटों को घारण करने वाले व्यक्ति द्वारा दूसरे व्यक्ति को या विलोभतः, यूनिटों के अंतरण के मामले में, अंतरण ऐसे नियमों/विनियमों के अनुसार प्रभावी होगा जो निजेपागार रीति में प्रतिमृतियों के अंतरण को नियांज्ञत करने हेतु सागू हों।

- (6) खंड 14 "यूनिट प्रमाण पक्षों के संबंध में ट्रस्ट को मान्यसा महीं विया जाना "की पूसरी पंकित में" जो ध्यिन्स यूनिटधारक के रूप में पंजीकृत हैं और जिसके नाम से यूनिट प्रमाणपत्न जारी किया गया है" शास्त्रों के बाव "जिसमें वह ध्यक्ति जो निक्षेपागार में यूनिटों का धारक है, शामिल है" जोड़ा जाना अपेक्षित है ताकि उसे "जो न्यक्ति प्रमाधक के रूप में पंजीकृत है और जिसके नाम से यूनिट प्रमाणपत्न जारी किया गया है जिसमें वह ध्यक्ति जो निक्षेपागार रीति में यूनिटों का धारक है, शामिल है" पद्री जा सके।
- (7) खंड 16 'मूर्निटधारकों की 'गंजी' की प्रथम दो पंक्तियों को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

यूनिटबारकों के प्रमाणपक्ष के संबंध में जब कभी अपेक्षित हो, निस्न-लिखित प्रावधान प्रमावी होगा:

(8) खंड 20 'यूनिटों का अंतरण' के उप खंड (1) के अंत में निम्मलिखित परंतुन ओड़ा माता है : परम्तु निक्षेपायार रीति से यूनिटों को घारण करने वाले व्यक्ति श्वारा दूसरे व्यक्ति को या विलोमतः, यूनिटों के अंतरण के मानले में, अंतरण ऐसे नियमों/विनियमों के अनुसार प्रमानी होगा जो निक्षंपायार रीति में प्रतिभूतियों के अंतरण को नियंत्रित करने हेतु आगू हों।

(9) खंड 29 'भावधानों का शिथिलीकरण/परियतँन/भाशोधन' में निक्निसिक्षत स्पष्टीकरण जोड़ा जाता है:

स्पष्टीकरण:्

योजना के प्रावधानों को ज़िषिल, परिवर्तित या आशोक्षित करने के सिक्कार का प्रयोग इस प्रयोजन हुनु किया जा सकता है ताकि यूनिटधारक निजेपागर रीति से यूनिटों को आरण कर सके और उनका कारोबार कर सके।

पुनर्निनेश प्यान 1960 के जिस्किति संशोधन प्रस्तावित किए आते. हैं :

(1) पुनिनवेश प्साम 1966 के प्रावधानों के खंड 2 को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:

ऐसे यूनिटों हेतु प्लान लागू होगा, जिनके लिए यूनिट प्रमाणपद्ध आरी किए गए हैं तया निक्षेपागार रीति में यूनिटों के झारकों के लिए भी लागू होगा।

परंतु यह कि निक्षेपा ार रीनि में यृतिटों का आरक ऐसे नियमों। विशानिरेंगों।प्रक्रियाओं का प्रमुसरण करेगा जो समय-समय पर इस प्रयोजन हेसु बनाए आएंगे ।

(2) लंड 3 को निम्नान्सार संगोधित किया जाता है:

निक्षेपागार में भूनिटों के धारकों सहित सभी यूनिटधारक, नावाधिनों की ओर से यूनिट धारण करने वाले माता-पिता और ग्रामिश्रावक, उनके द्वारा एकल श्रमना समग्र रूप से धारित यूनिटों के संदर्भ में, प्लान में जामिश्र द्वोंने के पाल होंगे।

#### RESERVE BANK OF INDIA

#### CENTRAL OFFICE

# DEPARTMENT OF GOVERNMENT AND BANK ACCOUNTS, MUMBAI

In pursuance of Rule 18 of the Rule made by the Government of India under Section 28 of the Public Debt Act, 1944 and published in the Gazette of the 20th April, 1946 (as amended under the Notification No. (F. 8)/70-B/52 dated 29th April, 1954 and the Notification in extraordinary Gazette No. 67 dated 21st February 1990) the following list for the month ended June 1997 is hereby advertised of securities lost etc. In respect of which prima facie ground exists for believing that the securities have been lost and that the claim of applicants just. All persons other than the respective claimants named below who have any claimupon these securities should communicate immediately with the Chief General Manager, Reserve Bank of India, Central Office, Department of Government and Bank Accounts, Central Debt Division, Mumbai.

The list has been divided into two parts; List "A" being securities now advertised for the first—time and list 'B' the list of securities previously advertised.

#### LIST 'A'

No. of Security	Value in Rs./Grams.	In whose name issued	From what date bearing interest	Name(s) of the claimant(s) for issue of duplicate and/or payment of dis- charge value	No. and date of order isguad.
1	2	3	4	5	6
		AHMED	ABAD CIRCLE		
		9 % Relie	f Bonds, 1987		
AD-001106	Rs. 5,00,730	Shri E. M. Dalai & Smt. M.E. Dalai	16-8-1990	Shri E.M. Dalai & Smt. M.E. Dalai	Lost Case No. LN/327 Chief Gen. Manager's Order dated 2-5-97 and Central Office Diary No. 212 dated 2-5-1997,
		. CALCUT	TA CIRCLE		
		4.75 % Lo			
CA-000327	Rs. 10,000	Reserve Bank of India	Interest has been paid upto 6th half year ended 14-7-75	Trustees, Automobile Association of Bastern India Employees Pro- vident Fund Trust Board	File No. 1-2524 General Manager's Order dated 28-6-97 vide L.C.O. 1/97-98 dated 1-7-97.
			LIST 'B'	*	
No. of Security	Value '	In whose name issued	From what date bearing interest	Name(s) of the claimant(s) for issue of duplicate and/or payment of discharge value	No. & Date of orders issued
1	2 .	3	4	5	6
		New	DBLHI CIRCLE		
		National Deve	olopmont Gold Bor	d 1980 'A' Series	
DH-008856	5 gms gold	Jago Ram Sharma	27-10-67	Jage Ram Sharma	LN-58/89 dated 23-5-97
		· <b>K</b> A	ANPUR CIRCLE		·
	4		1/2 % Loan 1990		
KN-000074	1400/-	M/s, B, N, Kakkar	1-1-1982	M/s. B.N. Kakkar	IR-1581/63 dated 13-5-1997
		CA.	LCUTTA CIRCLE		· ·
<u>-</u>			C Bond 1996 2nd		
CA-000464	1 <b>,0</b> 0,000	Trs. The Provident Fund of Bangur Brothers Ltd.	Interest for 27th Half-year ending (3-6-95) paid	Trs. The Provident Fund of Bangur Brothers Ltd.	File No. 1-2520, General Manager's O. ler Jated 25-4. 97 vide Dy. No. LCO. 210/96-97 dated 25-4-97

1	· 2	3	· 4	5	6
		3 % Con	version Loan 194	16	
CA-322359	10,000	Allahabad Bank	Interest upto 52nd Half-year paid	M/s United Engineers Prop. Animesh Chaudhury	File No. 1-2483, Gener Manager's Order date 29-4-97 vide Dy No. LCO 214/96-97 dated 29-4-97
CA-301645	Rs. 1,000	Menaka Ram Rakshi	it <b>D</b> o.	Do.	Do.
CA-248483	Rs. 1,000	Tapendra Ch. Ghose	Do,	Do.	Do,
CA-269836 to 839	R <sub>3</sub> . 1,000 each	Ashok Construction & Co.	Do.	Do,	Do.
CA-275929 to 930	Rs. 1,000 each	Bimalapati Mukherjee	Interest upto 50th Half-year paid	De.	Þo.
CA 296371	Rs. 1,000	United Industrial	Interest upto 43rd Half year paid	Do.	Do,
CA 298187	Rs. 1,000	Do.	Do.	Do.	Do,

Smt. N.A. Ahaley P. ChiefGeneral Manager 21-7-1997

#### BANK OF INDIA HEAD OFFICE

Mumbai-400 021, the 21st July 1997

No. P.ID.SAH/0518.—In exercise of the powers conferred by Section 19 read with sub-section (2) of Section 12 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act. 1970 (5 of 1970) the Board of Directors of Bank of India in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following Regulations, namely:—

- 1. SHORT TITLE AND COMMENCEMENT:
  - (1) These regulations may be called Bank of India (Officers) Service (Amendment) Regulations, 1996.
  - (2) Save as otherwise expressely provided in these Regulations, these regulations shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Bank of India (Officers') Service Regulations, 1979 (hereinafter referred to as principal Regulations), for Regulation 4 the following may be substituted, namely:
- 4 (1) On and from 1-11-1987, the scales of pay specified against each grade shall be as under to
  - (a) Top Executive Grade:
    Scale VII Rs. 6400-150-7000/-.
    Scale VI Rs. 5950-150-6550/-.
  - (b) Senior Management Grade:
     Scale V Rs. 5350-150-5950/-.
     Scale IV Rs. 4520-130-4910-140-5050-150-5350/-.
  - (c) Middle Management Grade:
    Scale III Rs. 4020-120-4260-130-4910/Scale II Rs. 3060-120-4260-130-4390/-.
  - (d) Junior Management Grade; Scale I Rs. 2100-120-4020/-.
- 4 (2) On and from 1-7-1993, the scales of pay specified against each grade shall be revised as under:
  - (a) Top Executive Grade:

    Scale VII Rs. 12650-300-13250-350-13600-400-14000/-.

    Scale VI Ps. 11450-300-12650/-
  - (b) Senior Management Grade: Scale V Rs. 10450-250-11430/-. Scale JV Rs. 8970-230-9200-250-10450/-.

- (c) Middle Management Grade:
  Scale III Rs. 8050-230-9200-250-9700/-.
  Scale II Rs. 6210-230-8740/-.
- (d) Junior Management Grade: Scale 1 Rs. 4250-230-4940-350-5290-230-8050/-.
- 4 (3) Nothing in sub-regulations (1) and (2) shall be construed as requiring the Bank to have at all time, Officers serving in all these grades.
- 3. In prinicipal Regulations, for Regulation 5, the following may be substituted, namely:

  5 (1) Subject to the movie of the providers.
- 5 (1) Subject to the provisions of Regulation 4(2), on and from 1-11-1992, the increments shall be granted subject to the following sub-clauses:—
  - (a) The increments specified in the scales of pay set out in Regulation 4 shall, subject to the sanction of the Competent Authority, accrue on an annual basis and shall be granted on the first day of the month in which these fall due.
  - (b) Officers in Scale I and Scale II, one year after reaching the maximum in their respective scales, shall be granted further increments including stagnation increment(s) in the next higher scale only as specified in (c) below subject to their crossing the efficiency bar as per the guidelines of the Government.
  - (c) Officers including those referred to in (b) above who reach the maximum of the Middle Management Grade Scales IF and III shall draw stagnation increment(s) for every three completed years of service after reaching the last stage of the Scale II or Scale III as the case may be subject to a maximum of two such increments of Rs. 230/each for Officers in the last stage of Scale II and one such increment of Rs. 250/- for Officers in the last stage of Scale III.

Provided that on and from 1-11-1994, Officers in substantive Scale III i.e. those who are recruited in or promoted to Scale III shall be eligible for second stagnation increment three years after having received the first stagnation increment.

Note:

Grant of such increments in the next higher scale shall not amount to promotion. Officers even after receipt of such increments shall continue to get provileges, permuisites, duties, respectsibilities or posts of their substantive Scale I or Scale II, as the case may be.

5(2) An additional increment shall be granted in the scale of pay for passing each part of Certified Associate of Indian Institute of Bunkers Examination on or after the appointed date.

#### Explanation I:

In the case of an Officer who has passed Part I or Part II of Certified Associate of Indian Institute of Bankers Exemination as an Officer before the appointed date, the additional increment, or increments as the case may shall be given effect to from the appointed date provided

Those who have passed only Part I of CANB:

Those who have passed both Parts of CAIIB .

that he has not received any increment or reclived unly one increment, for passing both parts of the said Examina-

#### Explanation II:

- (a) On and from 1-11-1987, Officers who reach or have reached the maximum in the pay scale and are unable to move further except by way promotion shall subject to Government guidelines, if any, be granted Professional Qualification Allowance in lieu of additional increments in consideration of passing CAIIB Examination as vader :--
  - (i) Rs. 100/- p.m. after one year of which Rs. 75/- shall rank for superannuation benefits.
  - (i) Rs. 100/-p.m. after one year, of which Rs. 75/- shall rank for superannuation benefits.
  - (ii) Rs. 250/- p.m. after two years, of which Rs. 200/- shall rank for superannuation benefits.
- (b) On and from 1-11-1994, other things being equal, the quantum of Professional Qualification Allowance shall stand revised as under:-

Those who have passed only Part I of CAIIB:

Those who have passed both parts of CAIIB :

Provided that Officers who are eligible to draw Fixed Personal Allowance in terms of Regulation 5(3)(b) shall draw Professional Qualification Allowance on year/two years after receipt of such Fixed Personal Allowance respectively for Port I and II, as the case may be.

#### Note:

- (i) If an Officer who is in receipt of Professional Qualification Allowance is promoted to next higher scale, he shall be granted, on fitment into such higher scale, additional increment(s) for passing CAIIB to the extent increments are available in the scale and if no increments are available in the scale or only one increment is available in the scale, the Officer shall be eligible for Professional Qualification Allowance in lieu of incresional Qualification Allowance in lieu of ment(s)
- On and from 1-11-1994, revised Professional Qualification Allowance shall rank for Dearness Allowance, House Rent Allowance and Superannuation Benefits. (ii) On and from 1-11-1994,
- 5(3) (a) All Officers who are in the Bank's permanent service as on 1st November, 1993, will get one advance increment in the scale of pay. Officers who are on probation on 1st November, 1993, will get one advance increment one year after confirmation.

#### Note :

There shall be no change in the date of annual increment because of advance increment.

(b) An Officer who is at the maximum of the scale or who is in receipt of stagnation increment(s) as on 1st November, 1993, will draw a Fixed Personal Allowance from 1st November, 1993, which shall be equivalent to an amount of last increment drawn plus Dearness Allowance payable thereon as on 1st November, 1993, plus House Rent Allowance, at such rates as

- (i) Rs. 120/- p.m. after one year on reaching of the scale,
- (i) Rs. 120/- p.m. after one year on reaching top of the scale.
- (ii) Rs. 300/- p.m. after two years on reaching top of the scale.

applicable in terms of Regulation 22. The Fix-Personal Allowance given bereunder together with House Rent Allowance, if any, shall remain frozen for the entire period of service :

Increment	DA as on	Total F.P.A. pay-
Component	1-11-93	able where Bank's accommodation is provided
(A) R <sub>8</sub> .	(B) Rs.	(C)Rs.
230	5.79	236
250	6.30	257
300	7.56	308
400	10.08	411

#### Note:

- (i) F.P.A. as indicated in (C) above shall be payable to those Officer employees who are provided with Bank's accommodation. .
- (ii) F.P.A. for Officers eligible for House Rent Allowance shall be (A) + (B) - House Rent Allowance drawn by the concerned Officer em-ployees when the last increment of the relevant scale of pay as specified in sub-regulation (2) of Regulation 4 is earned.
- (iii) Professional Qualification Allowance, if any, payable in the year of receipt of F.P.A. shall stand shifted to next year.
- (iv) The increment component of Fixed Personal Allowance shall rank for superannuation benefits.
- (c) An Officer who has earned this advance increment shall draw the quantum of Fixed Personal Allow-ance as mentioned in (b) above, one year after reaching the maximum of the scale.

- 4. In principal Regulations, for Regulation 21, the following may be substituted, namely :--
- 21 (1) On and from 1-11-1987, Dearness Allowance Scheme shall be as under:-
  - (i) Dearness Allovance shall be payable for every rise or fall of 4 points over 600 points in the quarterly average of the All India Average Working Class Consumbr Price Index (General) Base 1960 ≈ 100.
  - (ii) Dearness Allowance shall be payable as per the following rates:--
    - (i) 0.67% of 'pay' upto Rs. 2500/- plus,
    - (ii) 0.55% of 'pay' above Rs. 2500/- to Rs. 4000/plus.
    - (ili) 0.33% of 'pay' above Rs. 4000/- to Rs. 4260/plus,
    - (iv) 0.17% of 'pay' above Rs. 4260/-.
- 21(2) On and from 1-7-1993, Dearness Allowance Schemo shall be as under:-
  - . (i) Dearness Allowance shall be payable for every rise or fall of 4 points over 1148 points in the quarterly average of the All India Average Working Class Consumer Price Index (General) Base 1960= 100.
  - (ii) Dearness Allowance shall be payable as per the following rates:--
    - (a) 0.35% of 'pay' upto Rs. 4800/- plus,
    - (b) 0.29% of 'pay' above Rs. 4800/- to Rs. 7700/plus.
    - (c) 0.17% of 'pay' above Rs. 7700/- to Rs. 8200/plus,
    - (d) 0.09% of 'pay' above Rs. 8200/-.

#### Note:

- (i) 'pay' for the purpose of Dearness Allowance shall, mean basic pay including Stagnation increments.
- (ii) Professional Qualificatioon Allowance shall rank for dearness allowance with effect from 1-1,1,1994.
- 5. In principal Regulations, for sub-regulation (1) and (2) of Regulation 32, the following may be substituted, namely :--
  - 22(1) Where an officer is provided with residential accommodation by the bank, on and from 1-11-1994, a sum equal to 4% of the basic pay in the first stage of the scale of pay in which he is placed or the standard rent for the accommodation, whichever is less, will be recovered from him.
- 22(2) Where an officer is not provided any residential accommodation by the bank, he shall be eligible on and from 1-11-1992 for House Rent Allowance at the following rates :---

#### Column I Column II

#### Where the place of work is in

HRA payable shall

- (i) Major 'A' Class cities specified as such from time to time in accordance with the guidelines of the Government & Project Area Centres in Group 'A'.
- 13% of the pay p.m.
- (ii) Other places in Area I 12% of the pay p.m. and Project Area Centres in Group 'B'.
- (iii) Area II and State Capi- 10½% of the pay p.m. tals and Capitals of Union Territories not covered by (i) and (ii) above.
- (iv) Area III

 $9\frac{1}{2}$  % of p.m.

Provided that if an Officer produces a rent receipt, the House Rent Allowance payable to him shall be the actual rent paid by him for his residential accommodation in excess over 4% of the pay in the first stage of the scale of pay in which he is placed or 150% of the House Rent Allowance payable as per Column II above whichever, is

#### Note:

- (i) Pay for the purpose of House Rent Allowance shall mean basic pay including stagnation increments in terms of revised pay scales as on 1-7-1993.
- (ii) Professional Qualification Allowance shall rank for House Rent Allowance w.e.f. 1-11-1994.
- 6. In principal Regulations, for sub-regulation (i) of Regulation 23, the following may be substituted, namely:
  - 23(i) On and from 1-11-1993, if he is serving in a place mentioned in column 1 of the table below, a City Compensatory Allowance at the rate mentioned in column 2 thereof against that place shall be pay-

#### Rates

- (a) Places in Area I and in the state of Goa.
- 4 1/2% of basic pay subject to a maximum of Rs. 335/- p.m.
- (b) Places with population of 5 lakhs and over and subject to a maximum State Capitals and Chandigarh, Pondicherry and Port Blair notcovered by (a) above.
- 3-1/2% of basic pay , of Rs. 230/- p.m.

7. In principal Regulations, for Regulation 24, the following may be substituted, namely :-

- 24(1) An Officer shall be eligible for reimbursement of medical expenses actually incurred by him in respect of himself and his family on the following basis, namely :-
  - (a) Medical Expenses

On and from 1-11-1994 reimbursement of medical On and from 1-11-1994 reimbursement of medical expenses to an officer in the grade specified in column 1 of the Table below and his family may be made on the strength of the officer's own certificate of having incurred such expenditure supported by a statement of accounts for the amounts claimed subject to the limit specified in column 2 thereof :-

#### Table

Grade	Reimbursement Limit P.A.
1	- 2
Junior Management and Middle Management Grade.	Rs. 1500/-
Senior Management and Top Executive Grade.	Rs. 2000/-

- Note: (i) An officer may be allowed to accumulate unavailed medical aid so as not to exceed at any time three times the maximum smount provided above.
  - (ii) For the year 1994 the reimbursement of medical expenses under the medical aid scheme shall be enhanced proportionately for two months, i.e. November and December, 1994.

#### Explanation:

Family' of an officer for the purpose of this regulation shall consist of spouse, wholly dependent children and wholly dependent parents only.

- (b) Hospitalisation expenses:
  - (i) On and from 1-11-1994, hospitalisation charges will be reimbursed to the extent of 100% in the case of an officer and 75% in the case of his family members in respect of all cases which require hospitalisation. Reimbursement on the basis of bills, vouchers, etc., of expenses incurred shall be subject to ceilings determined from time to time in accordance with the guidelines of the Government.
  - (ii) The officers or members of the families (as case may be) are expected to secure admission in a Government or Municipal hospital or any private hospital, i.e. hospitals under the management of a Trust, Charitable Institution or a religious mission. But in unavoidable circumstances, the officers or the family members or both may avail themselves of the services of one of the approved private nursing homes or private hospitals approved by the Bank. Reimbursement in such cases should, however, be restricted to the amount which would have been reimbursible in case the patient was admitted to one of the hospitals mentioned above.
  - (iii) On and from 1-11-1994, medical expenses incurred in respect of the following diseases which need domiciliary treatment as may be certified by recognised hospital authorities and Bank's Medical Officer shall be deemed as hospitalisation expenses and reimbursed to the extent of 100% in case of an officer and 75% in case of his family members :-

Cancer, Leukaemia, Thalsamea, Tuberculosis, Paralysis, Cardiac Ailments, Leprosy, Kidney Ailment, Epilepsy, Parkinson's Disease, Psychiatric Disorder and Diabetes.

Note: The cost of medicines etc. in respect domiciliary treatment shall be reimbursed for the period stated in the Specialist's prescription. If no period is stated, the prescription for the purpose of reimbursement shall be valid for a period not exceeding 90 days.

24(2) Notwithstanding the medical benefits (including hospitalisation etc.), listed in sub-regulation (1) above and in complete substitution of the same, the Board may decide to retain in an unaltered form medical benefits (including hospitalisation etc.) as available in the Bank on the appointed date and if the Board so decides, all officers shall be eligible for reimbursement of medical expenses only as per the terms and conditions obtaining in the Bank on the appointed date for grant of medical benefits (including hospitalisation etc.)

AS PER REGULATION 24(2), THE BOARD HAS DECIDED THAT THE MEDICAL AID RULES IN FORCE AS ON 30-6-79, IN AN UNALTERED FORM, SHALL CONTINUE TO BE IN FORCE AS RULES UNDER THE NEW REGULATIONS. (BOARD MEMORANDUM DATED - 28-4-1980).

- 24(3) Medical Aid and Hospitalisation facilities shall also be admissible to the officers who are placed under suspension.
- 8. In principal Regulations, for Regulations 25, the following may be substituted, namely :-
  - 25. No officer shall be entitled as of right to be provided with residential accommodation by the Bank. It shall, however, be open to the Bank to provide residential accommodation on payment by the officer on and from 1-11-1994 a sum equal to 4% of the Basic Pay in the first stage of the scale of pay in which he is placed or the standard rent for the accommodation whichever is less.

Provided that a further sum equal to 1% of basic pay in the first stage of the scale of pay will be recovered by the Bank from an officer if furniture is provided at such residence.

Provided further that, where such residential accommodation is provided by the Bank, the charges for electricity, water, gas and conservancy shall be borne by the officer.

- 9. In principal Regulations, for sub-regulation (4) of Regulation 41, the following may be substituted, namely:—
  - 41(4) On and from 1-6-1995, and officer in the Grades Scales set out in column 1 of the Table below shall be entitled to Halting Allowance at the corresponding rates set out in column 2 thereof:

Grades/Scales of Officers	Daily Allowance (Rup				
	Major 'A' Class Cities	- Area I	Other places		
Officers in Scale IV and above	250.00	200.00	175 -00		
Officers in Scale I/I			150.00		

#### Provided that -

- (a) Where the total period of absence is less than 8 hours but more than 4 hours, Halting Allowance at half the above rates shall be payable.
- (b) Officers in various Grades/Scales may be reimbursed the actual hotel expenses, restricting to single

room accommodation charges in ITDC hotels, subject to the limits as given below :--

Boarding Charges (Rupees)							
Grades/Scales of Officers	Eligibility to stay	Major 'A' Class Cities	Area I	Other Places			
1	2	3	. 4	5			
Scale VI & VII	4*Hotel	250 .00	200.00	175.00			
Scale IV & V	3*Hotel	250.00	200.00	175.00			
Scale [1 & I] [	2*Hotel (Non-AC)	200.00	1 75 .00	150,00			
Scale I	l*Hotel (Non-AC)	200.00	175 .00	150.00			

- (c) The Board may prescribe reimbursement of additional limit in excess of the limits prescribed in proviso (b) above in accordance with the guidelines of the Government.
- (b) Where lodging is provided at Bank's cost/arranged through the Bank free of cost, 3/4th of the Halting Allowance will be admissible,
- (e) Where Boarding is provided at Bank's cost arranged through the Bank free of cost, 1/2 of the Halting Allowance will be admissible.
- (f) Where lodging and Boarding are provided at Bank's cost/arranged through the bank free of cost, 1/4th of the Haiting Allowance will be admissible. Where, however, an officer claims boarding expenses on a declaration basis without production of bills for actual expenses incurred, then he shall not be eligible for 1/4th of the Halting Allowance.
- (g) A supplementary diem allowance of Rs. 10/- per day of halt outside headquarters on inspection duty may be paid to all inspecting officers.

#### Explanation:

For the purpose of computing halting Allowance 'per diem' shall mean each period of 24 hours or any subsequent part thereof, reckoned from the reporting time for departure in the case of an travel and the scheduled time of departure in other cases, to the actual time of arrival. Where the total period of absence, is less than 24 hours, 'per diem' shall mean a period of not less than 8 hours.

10. In principal Regulations, for sub-regulation 2(i) of Regulation 42, the following may be substituted, namely:—

42(2) (i) On and from 1-7-1993 an officer on transfer will be reimbursed his expenses for transporting his baggage by goods train upto the following limits:—

Pay Range	Where he has	Where he has
	family	no family
Rs. 4250/- p.m. to Rs. 6210/- p.m.	3000 kgs.	1000 kgs.
Rs. 6211/- p.m. and above	Full wagon	2000 kgs.

- In principal Regulations, for regulation 45, the following may be substituted, namely:—-
- 45. Provident Fund and Pension
  - (1) Every Officer shall become a member of the Provident Fund constituted by the Bank, unless he is

already a member of that Fund and shall agree to be bound by the rules governing such fund.

- (2) The Provident Fund rules framed shall provide that on and from 1-11-1993 :—
  - (a) in case of an officer governed by the Pension Scheme, contribution to the Provident Fund shall be made only by the officer at the rate of 10% of pay without any matching contribution on the part of the Bank.

Provided that no adjustment on account of provident fund contributions already made for the period 1-7-1993 to 31-10-1993 shall be made.

(b) in case of an officer not governed by the Pension Scheme, contribution to Provident Fund by the officer and a matching contribution by the bank shall be made at rate of 10% of pay.

Provided that no adjustment on account of provident fund contributions already made for the period 1-7-1993 to 31-10-1993 shall be made.

(3) Officers joining the bank's service on or after 29-9-1993 shall be governed by the Pension Scheme.

Provided that the following categories of officers shall not be covered by the Pension Scheme:

- (a) an officer who was in service of the bank prior to 19.9-1995, unless he has specifically exercised an option to become member of the Pension Scheme in response to bank's notice to that effect.
- (b) an officer who is recruited on or after 29-9-1995 at the age of 35 years and above, and who has elected to forego his right to Pension in terms of the Pension Scheme.

#### Note:

'Pay' for the purpose of Provident l-und shall mean basic pay including Stagnation Increments, Officiating Allowance, Professional Qualification Allowance and increment component of Fixed Personal Allowance.

- 12. In principal Regulations for Regulation 46, the following may be substituted, namely—
  - 46. Gratuity:
  - (1) Every officer, shall be eligible for gratuity on :-
    - (a) retirement
    - (b) death
    - (c) disablement rendering him unfit for further service as certified by a medical officer approved by the Bank.
    - (d) resignation after completing ten years of continuous service; or

- (e) termination of service in any other way except by way of punishment after completion of 10 years of service.
- (2) The amount of gratuity payable to an officer shall be one month's pay for every completed year of service subject to a maximum of 15 months' pay.

Provided that where an officer has completed more than 30 years of service, he shall be eligible by way of gratuity for an additional amount at the rate of one half of a month's pay for each completed year of service beyond 30 years.

Provided further that pay for the purpose of Grautity for an officer who ceased to be in service during the period 1-7-1993 to 31-10-1994 shall be with regard to scale of pay as specified in sub-regulation (1) of regulation 3.

Note: If the fraction of service beyond completed years of service is 6 months or more, gratuity will be paid pro-rate for the period.

Foot Note: The amendments carried out earlier in the above Regulations were gazetted and ender-

Regulation No.	Notification No.	dared
4	GSR No. P/IR/VNK/1945	22-02-1990
5	Do.	$\mathbf{D_{0}}$ .
21	No. P: IR: VNK : 1473	08-03-1991
22(1)	GSR No. P/1R/VNK/1945	22-02-1990
22(2)	No. P: IR: VNK: 1473	08-03-1291
23(1)	GSR No. P/IR/VNK/1945	22-02-1990
25	Do.	Ďο.
41(4)	No. P: IR: VNK:37	0-9-04-1992
42(2)(i)	GSR No. P/IR/VNK/1945	22-02-1990
45	Do.	Do.
46	$\mathbf{D}_{0}$	Do.

(Regulation 24 remains unaltered).

# J. CHAKRABORTY, Dy. Genl. Manager (Personnel)

# CORPORATION BANK (WHOLLY OWNED BY GOVT OF INDIA)

HEAD OFFICE

Mangalore, the 21st July 1997

No. PAD:IR:COBOE(DA)R:615:97.—In exercise of the powers conferred by Section 19 read with sub-section (2) of Section 12 of the Bunking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980) the Board of Directors of Corporation Bank in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Courtal Government hereby makes the following Regulations to amend further the Corporation Bank Officer Employees' (Discipline and Appeal) Regulations, 1982 namely:—

#### 1. SHORT TITLE AND COMMENCEMENT:

- (1) These Regulations may be called Corporation Bank Officer Employees' (Discipline and Appeal) (Amendment) Regulations, 1996.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. in Regulation 4 of the Corporation Bank Officer Employees' (Dracipline and Appeal) Regulations, 1982 (hereinafter called Principal Regulations) under the heading "Minor Penalties" after clause (d), the following clause shall be inserted, namely:—
  - (a) "(e) reduction to a lower stage in the time-scale of pay for a period not exceeding 3 years, without cumulative effect and not adversely affecting the Officer's pension".
  - (b) Under the heading "Major Penalties" the clause (e),
     (f), (g) and (h) shall be re-numbered as clause (g),
     (h),
     (i) and
     (j);
  - (c) Before the re-numbered clause (g) the following shall be inserted namely:—

"(f) Save as provided for in (e) above reduction to a lower stage in the time-scale of pay for a specified period, with further directions as to whether or not the officer will earn incre-

ments of pay during the period of such reduction and whether on the expiry of such period the reduction will or will not have the effect of postponing the future increments of this pay".

- (d) For the re-numbered clause (g) the following may be substituted namely:—
  - "(g) reduction to a lower grade or post".
- 3. In sub-regulation (1) of Regulation 6 of the Principal Regulations for he words, brackets and figures "Clauses (c), (f), (g) and (h) of Regulation 4 the words, brackets and figures "Clauses (f), (g), (h), (i) and (j) of Regulation 4" may be substituted.
- 4. In Sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Principal Regulations for the words, blackets and figures "clauses (a) to (d) of Regulation 4", the words, brackets and figures "clauses (a) to (e) of Regulation 4" may be substituted.
- 5. In the first provise to sub-regulation (ii) of Regulation 17 of Principal Regulations, for the words, brackets and figures "clauses (c), (f), (g) and (h) of Regulation 4" may be substituted.
- 6. In the first provise to Regulation 18 of Principal regulations for the words, brackets, and figures "clauses (e), (f), (g) or (h) of Regulation 4" the words, brackets, and figures "clauses (f), (g), (h), (i) or (j) or Regulation 4" may be relatituted.

NOTE: Earlier amendments to Corporation Bank Officers' Employees' (Discipline and Append) ingulations were published in Part III Section 4 of the Gazeite of India as per details given below:

St. No. Noiffication No. & Date

46 HRD: G/SR-37/005/88--17-10 1988.

M. P. KUNJU
Assti. General Manager
Personnel Administration Division
(Industrial Relations)

#### THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110 002, the 24th July, 1997

(CHARTERED ACCOUNTANT)

No. 3NCA(4)/5/96-97—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by clause (C) of Sub-Section (I) of section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of non-payment of the prescribed fees, the names of the following members with effect from 01-10-96.

S. No.	MRN	Member Name & Address
1.	82283	Mr. Anil Aggarwal, A-75/II, DDA Residential Area, Naraina Vihar, New Delhi-110 028.
2.	. 84001	Mr. Lakhanpal Manoj, J-192, Sarita Vihar, Mathura Road, New Delhi-110 044.

ASHOK HALDIA, Secy.

### EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION New Delhi, the 14th July 1997

No. U-16/53/96 Med.II(W.B.).—In pursuance of the resolution passed by E.S.I. Corporation, at its meeting held on 25th April 1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the E.S.I. (General) Regulation 1950, I hereby extend the services of Dr. A. K. Sengupta, P.T.M.R., Shyamnagar Medical Referee's office, West Bengal to function as medical authority w.e.f. 15-8-97 to 14-8-98 for one year or till a full time Medical Referee joins whichever is earlier, for Shyamnagar centre at a monthly remoneration as per existing norms, on the basis of number of insured persons and the areas to be allocate.' by the Dy. Medical Commissioner (East Zone) Calcutta for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificaes is in doubt.

S. K. SHARMA Director General

#### The 17th July 1997

No. U-16/53/1/90-Med.H(Mah.).—In pursuance of the resolution passed by E.S.I. Corporation, at its meeting held on 25th April 1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the E.S.I. (General) Regulations 1950, I hereby authorise Dn. (Mrs.)

R. P. Rege to function at medical authority w.e.f. 1-10-97 to 30-9-98 or till a full-time Medical Referee joins, whichever is earlier, for Nasik Centre at a monthly remuneration as per existing norms, on the basis of number of insured persons and the area to be allocated by the Dy. Medical Commissioner (West Zone) for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt

S. K. SHARMA
Director Geneeral.

No. U-16/53/1/90-Med.H(Mah.) Col.HI.—In pursuance of the resolution passed by ESI Corpn. at its meeting held on 25th April 1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the E.S.I. (General) Regulation 1950, I hereby extend the services of Dr. S. R. Kurnalkar, to function as Medical Authority for further one year w.e.f. 1-10-97 to 30-9-98 or till a full time Medical Referee joins, whichever is earlier, for Chalisgaon centre and the areas to be allocated by he Regional Dy. Medical Commissioner (West Zone), at a monthly remuneration in accordance with existing norms for the purpose of medical examination of Insured Persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

S. K. SHARMA Director General

New Delhi, the 1st August 1997

No. A-12(11)-1/94-DM(HQ):—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of section 97 read with Clause (XXI) of sub-section 2 and Sub-Section (2A) of that section and Sub-Section (2) of Section 17 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948 as a mended), the Employees' State Insurance Corporation hereby makes the following regulations )urther to amend the Employees' State Insurance Corporation Group 'C and 'D (para-medical) posts Recruitment Regulations, 1977, namely:—

#### 1. Short title and commencement:

- (i) These Regulations may be called the Employees' State Insurance Corporation Group 'C' and 'D' (Para-medical) posts Recruitment (Amendment) Regulations, 1997.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Schedule annexed to the Employees' State Insurance Corporation Group 'C' and 'D' (paramedical) posts Recruitment Regulations, 1977.—
- (i) After serial Number 64 and the entries relating thereto, the following serial numbers (S. No. 65 to 71) and entries shall be inserted, namely:—

S. No. of Posts	Name of post	No. of post	Cla <sub>ss</sub> ification	Scale of pay	Whether selection post of non- selection posts	Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of the CCS (pension) Rules, 1972	Age limit ' for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	~ 4	. 5	· 6	7	8	9
65	Sr. Technical Assistant (Radiology)	(Subject to vari- ation)	ESI group 'C' non- gazetted non- ministerial	Rs. 1640-60-2600- EB-75-2900.	Selection	No .	categories as per rules.	<ol> <li>Matriculation or its, equivalent qualification from a recognised Board.</li> <li>Degree/Diploma (2 years) from a recognised Institute.</li> <li>8 years experience in the profession.</li> </ol>

Whether age & educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation if any	Method of rectt, whether by direct rectt, by promotion/deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/ transfer grades from which promotion/deputation to be made.	If a DPC exists what is its composition	Circumstance in which UPSC is to be consulted in making recruitment.	
10	· 11	12	13	14	15	
Age No. educational Qualification YES.	2 years	100% by promotion failing which by direct recruitment.	Promotion from Sr. Radiographers with  3 yrs. regular service in the grade & having Diploma/ Degree (2 years) in Radio- logy from a recognised Institute.	Group 'C' Chairman: Medical Supdate Member: Dy. Medical Supdate Member: an outside norm from Central Go Hospital/Delhi Hospital. Member: Specialist from Radlology Depa Member: An Officer of Al Status from Ad to SC/ST Mino	odtt.  inee ovt.  Admn.  rtment opropriate	

S. No. of post	Name of post	No. of Post	Classification	Scale of pay	Whether selection post of non- selection posts	Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of the CCS (pousion) Rules, 1972	Age limit for direct recruits.	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
66 .	Sr. Technical Assistant (Laboratories)	3 (Subject to vari- ation)	ESI group 'C' non- gazetted Non- ministerial	Rs. 1640-60-260x EB-75-2900.	)- Selection (non)	No,	Not exceeding 35 years. Relaxable for employees of ESI and special categories as per rules.	1. B Sc. with Physics Chemistry & Biolog OR B Sc. with Human Biolog from a recognised University. 2. Diploma in Medica Laboratory Technolog. 3. 3 years experience in the
	-	1			,			
rescribed for	& qualifications . direct recruits will ase of promotees.	Pe	riod of probation	if any	promotion/deputat	thether by direct recit. I ion/transfer and percen be filled by various	by In c <sup>a</sup> se of rec stage transfer grad deput <sup>a</sup> tion to	ctt. by promotion/deputation les from which promotion to be made.
10	,		11		- 12		13	
Age—No. 2 years. Education Qualification—YES			100% by promotion failing which by direct recruitment.		with 5 years	Promotion from Sr. Laboratory Technician with 5 years regular service in the grade with diploma in Medical Laboratory Technology.		
		-						
a DPC exist	s what is its composit	tion			ircumstances in which UP making recruitment.			,
- <u> </u>	14				15	<del>,                                     </del>		<del></del>
lember : D C lember : A be	oPC edical Superintendent by. Medical Superintent fentral Govt./Delhi A in officer of appropria clonging to SC/ST/Mi pecialist in pathology	odent (an outs dmn. Hospita ite status from inority Commi	l). a Administration unity.		N.A			

				`	SCHEDULE		,	
S, No, of Post	Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post of non- selection posts	Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972)	Age limit for direct recruits.	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
67	Sr. Technical Assistant (E C.G.)		ESI Group 'C' non/ gazetted non- ministerial.	Rs. 1640-60-2600- EB-75-2900.	Selection Post	NO	Not exceeding 30 years (relaxable for employees of ESI and special categories as per rules).	<ol> <li>3 yrs, diploma course in Electronics/Electricals communication Engineering or equivalent from a recognised jinstitution.</li> <li>10 yrs, experience in a responsible capacity in handling of Sophisticated electronic/computerised. Cardiac gadegets as used in CARDIAC laboratory.</li> </ol>
		,			A STATE OF THE STA			
qualification	and educational s prescribed for direct apply in the case of	P	eriod of probation	if any.	Method of recruitm direct rectt, by prom transfer and percent to be filled by various	otion/deputation age of the vacancies		by promotion/deputation om which promotion/ made.
10			11		12		13	
Age—No Educational YES	Qualification	2	ye <sup>a</sup> rs .		100% by promotion direct recruitment.	failing which by		Sr. ECG Tech, with 10 years rade and possessing requisite leation.
If a DPC ex	kists what is its compa	osition	Circumstau	ces in which UPSC	is to be consulted in n	naking recruitment		
GROUP 'C	C DPC		<del></del>				N. A.	
Chairman -	- Medical Superinte	ndent						
Member -	Dy. Mediçal Supri (an outs de nomine Delhi Admn. Hosp	e from Centi	ai/					
Member —	Specialist in cardio ESI Hospital	logy from						
Member —	An officer of approstatus from Admini belonging to SC/ST Community.	stration						

2670

S. No. of the post	Name of Posts	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non-selection posts.	Whether benefit of added years of service admissible under Rule, 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifica- tion required for direct recruits.
1	-2	3	4	5	6	7	8	9
68	Technical Supervisor (Opthalmology)	1	Group 'B' Non- Ministrial	Rs. 2000—60—230 —EB—75—3200	6 Selection	N. A.	N. A.	N. A.

Whether age and educational qualifications prescribed for circuits will apply in the case of promotees.	Period of probation if any,	Method of rectt. whether by direct rectt. by promotion/deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of rectt. by promo- tion/ceputation transfer grades from which promotion/ deputation to be made	If a D. P. C. exists what is its composition.	Circumstances in which U. P. S. C. is to be consulted in making recruitment.
10	11	12	13	14	15
Not applicable	2 yours	100% by promotion	Promotion from Sr. Eptome- trist with 5 years regular service in the grade and possessing degree/diploma in efraction and Eptomatry from a recognised Institute.	Group 'B' DPC  Chairman Medical Superintendent, ESI Hospital member Bye-Specialists Member Dy. Medical Superintendent (Outside nominee from a Central Govt./Delhi Admn. Hospital).	_

S. No.	Name of post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non- selection posts.	Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of the CCS (Pension)	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits.		
1	2	3	4	5	6	Raics, 1972.	8	. 9		
69	Laundry Manager	i	Group 'C' Non-Ministerial	Rs. 2000—60—2300 EB—75—3200		Not applicable	years (Relaxable for Govt. servants) (i	i) Matriculation from a recognised Board. i) Certificate in Electrical from a recognised Institute. ) At least 5 years experience in working in a laundry.		
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in case of prometees.				Period of probation if an	у,	Method of rectt.  wether by direct rectt, by promotion deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.				
10				11			12			
Not appli	cable			2 years		190	% by promotion faili recruitment.	ng which by direct		
In case of rectt. by promotion/deputation transfer grades from which promotion/deputation to be made.			des If a I	If a D.P.C. exists what is its composition.			Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making, recruitment.			
	1'3	•		14		15				
	Promotion from Laundry Supervisor, having 3 years in the grade after regular appointment thereto.		2.	Medical Supdt, ESI Hospi Member Dy, M≥dical Supdt, (outsi						
				Hospital/Delhi Admn.						
			3. 4	A,O. (M) M/Dy. CAO (M	) Adma, Officer (Hqu	s).				
				In officer of appropriate s Minority Community.	tatus belonging to So	CISTI				

# SCHROLLE

	SCHROULE										
S. No. of the post	Name of post	No, of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non- selection posts,	Whether benefit of added years of service admissible under Rule, 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972.	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits			
1	2	3	4,	5	6	7	8	.9			
70	Head Laundary Operator	3	Ground 'C' Non-Ministerial	Rs. 950-20-1150- EB-25-1400	Non-Selection	'N,A.	Between 20 to 25 years	Matriculation from a recognised Board with 5 years experience in the Laundary Deptt. of large Hospital			
	nd educational q			· Period of probatic	on if any		promotion/deputati	whether by direct rectt. by ion/transfer and percentage of be filed by various in sthouts.			
9				10			the vacaucies to	D3 4(31 34 V1:13 2; m \$ti 345.			
age No. Educa	ational Qualificat	ion Yes.		2 years				tion failing which by direct rough Employment Exchange,			
	•					•					
In case of rectt, by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation to be made.				If a DPC exists wh	at is its composition,	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.					
12				13			14 .				
Fromotion from Laundry Operator with 8 years experience.					cal Supdt., BSI Hospital.	.NA					
				2. 1	Dy. Administrative Officer Dy. Medical Superintend (outside nomines from d (outside),	e <del>□</del> t	-				
					_						

## RECRUITMENT RULES FOR THE POST OF M.R.O. IN THE CORPORATION

S'. No. of I net	Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale' of pay	Whether Selection post of non- selection posts.	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the CCS (Pension) rules, 1972.	Age limit for direct recruitment	Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of rectt. whether by direct rectt, by promotion/ deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filed by various methods
1	2 Medical Record Officel	3 4 5 6 7. 8 9  1 Group C Rs. 1640-60- Selection Not applicable Not ex- Non- 2600-EB-75- Ministerial 2900  30 years University (Relaxable or equivalupto 35 Yrs. 2. One yet in the training case of course in Govt. Medical Servants and Employees of recognises.	Degree from recognised University or equivalent,     One year training course in		11 2 Years	12  100% by prometion failing which by direct recruit mate.					
								3. Desirable Experience in Hosp. Room keeping Statistics.			

In case of rectt, by promotion/deputation transfer grades from which promotion/deputation to be made.

If a DPC Exists what is its composition.

Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.

13

Medical Record Technicians (Senior) with 10 Years experience in the grade.

14

Medical Superintendent ESI Hospital, Basaidarapur, Ring Road, New Delhi-Chairman.

#### MEMBER"

- (i) Addl. Medical Enpdt.
- (ii) Dy. Medical Sundt, (Out side members from Central Govt./Delbi Administration Hospital).
- (iii) Officer of Auministration representing the SC/ST/ Minority Community.

NA

Note:—The principal regulations were published vide Notification No. 1(1)-3/72-Estt.1(Col 11) dated 15-6-1977 in Part-III Section-IV of the Gazette of In tia No. 27, dated 2-7-1977 and previously amended vide notifications:—

- 1. No. A-12 (11)-3/76-Estt. I dated 29-7-78 published in Part-III Section 4 of Gazette of India dated 19-8-1978.
- 2. No. A-12 (11)/6/82-Estt. I(A) dated 11-3-1987, published in part-III Section 4 of the Gazette of India dated 4-4-1987.
- 3. No. 1(1)-3/72-Estt. I(A) Col. VI dated 17-7-1987 published in part III Section 4 of the Gazette No. 33 dated 15-8-87.
- 4. No. A-12/11/3/78-Estt. I Col. II dated 22-8-1988 published in Part-III Section 4 of Gazette of India dated 10-9-1988.
- 5. No. A-12/11/3/78-Estt. 1. Col. II dated 3-6-1991 published in part-III Section 4 of Gazette of India dated 22-5-1991.
- 6. No. A-12/11/3/92 DM (H) dated 26-3-93 published in Part-III Section 4 of Gazette of India dated 22-5-1993.
- 7. No. A-12(11)/1/91-DM (HQ) published in part-III Section 4 of Gazette of India dated 10-7-1993.
- 8. No. A-12(11)/1/91-DM(HQ) dated 20-6-1995 published in Part-III Section 4 of Gazette of India dated 22-7-1995.

S.K. SHARMA, Director General

No. V-33(13)3/94-Estt. IV—In pursuance of Section 25 of the Employees' State Insurance Act 1948 (34 of 1948) read with Regulation 10 of the Employees, State Insurance (General) Regulations, 1950 and in supersession of Corporations Notification No. V-33(13)3/91-Estt. IV dated 6-2-1991 the Chairman ESI Corporation hereby reconstitutes the Regional Board Bihar Region which shall consist of the following Members, namely:—

1. Minister Chairman

Department of Labour Employment & Training Government of Bihar.

2. Minister Vice-Chairman

Health Department, Government of Bihar.

3. Secretary to the Government of Bihar Member Department of Labour Employment & Training

4. The Director Member

Medical Services ESI Scheme, Bihar.

Hazipur-844101.

Patna-800 001,

Bihar.

5. Dy. Medical Commissioner Member ESI Corporation Panchdeep Bhavan

Bhubaneshwar (Orissa).

6. Shri S.K. Mehrotra Employers' representative.

(Ex-president of Association) Managing Director,
Sunil Polyplast Ltd. V-39, Industrial Area,

7. Shri Vijay Kochar, Partner Employers' Addl representative. Winnie & Co. Karavigehia

Shri A.K. Gandhi Employers' Addl. representative. M/s Eastern Nephtbachem Ltd. Phase-III, Plot-3, V/P-3 Bokaro Industrial Area Bokaro Steel City Bokaro. 9. Shri Chandu Lal Bhaletia Do. Bhalotia Engineering Works Ltd. Jamshedour. 10. Shri P.R. Chauban Employees' representative. (Hind Mazdoor Sabha) Acting President, Rameshwar Jute Mill, Samastipur (Bihar). 11. Shri Bhudev Sahni Employees, Addl. representative. President, Shramik Sangh, Gogari, Jamalpur, District Rawgaria. 12. Shri Kumar Ashok Vijay Do. (Bharatiya Mazdoor Saugh), State General Secretary, Bharatiya Mazdoor, Sangh, Patna. 13. Shri Chandra Prakash Singh Do. Jt. Secretary, I.N.T.U.C. Bihar, Branch Congress Nagar, Kadam Kuan, Patna-800003. 14. Smt. Kamla Sinha Member, ESI Corporation. Member, Rajya Sabha, 21, Meena Bugh NEW DELHI. Patna Address M-3/32, Shri Krishna Puri, Patna. Member Secretary. 15. The Regional Director ESI Corporation, Panchdeep Bhavan,

S. K. SHARMA, Director General

# EMPLOYEES PROVIDENT FUND ORGANISATION (HEAD OFFICE)

New Delhi-110066, the 6th August. 1997

No. Cont. 5 (12)/95/HR/1325—In pursuance of sub-Paragraph (1) of Paragraph 4 read with Paragraph 5 of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952, and in supersession of the Notification No. Conf. 5(12)/87/HR/2503, dated 24-8-1992 issued by the Central Provident Fund Commissioner published in the Gazette of India, Part-III, Section 4 dated 12th September, 1992, the Chairman, Central Board of Trustees, Employees' Provident Fund sets up a Regional Committee for the State of Haryana consisting of the following persons namely:—

#### CHAIRMAN

 Commissioner & Secretary to the Govt. of Haryana, Labour & Employment Department, Chandigarh. Appointed by the Chairman of the Central Board.

## OFFICIAL MEMBERS

2. Labour Commissioner, Haryana Chandigarh

Jawahar Lal Nehru Marg,

Patna.

3. Joint Secretary to the Govt. of Haryana, Finance Dpartment (to be nominated by the Secretary to the Govt. of Haryana Pinance Department)

Two Officials appointed by the Chairman of the Central Board on the recommendations of the State Govt.

## EMPLOYERS' REPRESENTATIVES

- 4. Shri D. R. Aggarwal T.l.T. Mills, Bhiwani.
- Shri K. C. Lakhani,
   M/s. Lakhani Footwear,
   Faridabad.
- Shri Pawan Kumar Garg, M/s. Swastik Spinning Mills, Panipat.
- Shri Keshav Farwaha, General Manager, M/s. Atul Glass Ltd., Faridabad.
- Shri Jatender Mehta, M/s. Omex Autos Ltd., 5/13. Sohna Alwar Highway, Village Tikri. Gurgaon, Haryana.

EMPLOYEES' REPRESENTATIVES

- Shri K. L. Sharma General Secretary, INTUC, 254, Sector-21, Faridabad
- Shri Raghubir Singh, General Secretary, A. I. T. U. C., Asandh Road, Panipat.
- Shri Jagan Nath Gera, President, B. M. S., Shaheed Chowk, Faridabad.

- 12. Shri Ram Kishan Sehgal, President, H. M. S. Bhatia Building, Railway Road, Yamuna Nagar.
- 13. Shri Surender Sharma, Labour Leader, I. N. T. U. C., Brahman Dharamshala, Jagadhari
- 14. Regional Provident Fund Commissioner-in-Charge of the Region shall be the Secretary of the Regional Committee.

Five representatives of Employers appointed by Chairman of the Central Board in consultation with the Organisation of Employers in the State.

Five representatives of Employees appointed by Chairman of the Central Board in consultation with the Organisation of Employees in the State.

R. S. KAUSHIK, Central Provident Fund Commissioner

# INDIAN RED CROSS SOCIETY

New Delhi, the 20th February 1997

No. 48/Org/97.—In accordance with the provision of Section 8(1) to (4) of the Indian Red Cross Society Act XV of 1920 in respect of distribution of the Income of the property-vested in the Society under clause (b) of Section 6 of the Act. The Managing Body of the Indian Red Cross Society has revised the Second Schedule of the Society's Act as given below.

#### THE SECOND SCHEDULE

(See Section 8)

Statement showing the approximate percentage of the claim of the States and Union Territories to the income of the property vested in the Society under Clause (b) of Section 6.

Name of States and	Approximate
Union Territories	percentago
Andhra Prindesh	7.88
Arunachal Pradesh	0.10
Assam	2.65
Bihar	10.25
Goa	0.14
Gujarat	4.89
<b>Herya</b> na	1.94
Himachal Pracesh	0.61
Jammu & Kashmir	0.71
Karnetaka	5.3 <b>2</b>
Kerala	3.44
Madhya Pradesh	7.85
Maharashtra	9.35
Manipur	0.22
Moghalaya	0.21
Minorem	0.08

Name of States and	Approximate
Union Territories	percentage :
omon retinores	percentage
Nagaland	0.14
Origsa	3.74
Punjab	2,40
Rajasthan	5.21
Sikkim	0.05
Tamij Nadu	6.60
Тпрша	0.32
Uttar Pradesh	16.47
West Bengal	<b>8.0</b> 7
Andaman & Nicobar	0.03
Chandigarh	0.08
Dadra & Nagar Haveli	0.02
Dangan & Diu	0.01
Delhi	1.11
Lakshadcep	0.01
Pondicherry	0.10
	100.00

DR. MANOJ MATHUR. Secretary General

#### MEDICAL COUNCIL OF INDIA

College of a color of processing an above programme programme of the color of the c

New Delhi, the 3rd July 1997

No. FCI-34(41)/97-Med.(N).—In exercise of the powers conferred by clause (fc) of section 33 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Medical Council of India, with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations relating to indentification of students admitted in excess of the approved admission capacity of medical colleges, namely:—

- 1. (1) Short title and commencement:—These regulations may be called the Medical Council of India (Criteria for identification of students admitted in excess of admission capacity of medical colleges) Regulations, 1997.
- (2) These regulations shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application:—These regulations shall apply to all medical colleges/institutions/universities conducting undergraduate/post-graduate medical courses (hereinafter referred to as the medical college).
- 3. Definitions:—Under these regulations unless the context otherwise requires:—
  - (a) "Act" means the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) as amended from time to time;
  - (b) "Admission capacity" has the same meaning as referred to in Explanation 2 of Section 10A of the Act;
  - (c) "Competent Authority" means the Central Government or State Government or medical college or any other authority as may be designated by the Central Government or the State Government, as the case may be, to allot students for admission to various medical colleges in a State or Union Territory. Where there is no designated authority as

- defined, the Medical College conducting undergraduate or post-graduate medical course shall be deemed to be the Competent Authority for that medical college.
- (d) All other words and expressions shall have the same meaning as defined in the Act.
- 4. Sanctioned intake capacity in medical college:—The Council shall every year, prior to the start of undergraduate/post-graduate academic medical course, intimate the medical colleges and State/Union Territory Governments, the sanctioned intake capacity of students for undergraduate/Post-graduate courses in medical colleges.
- 5. Medical colleges to furnish year-wise list of students:—A'! medical colleges conducting undergraduate/post-graduate course shall, within three months of publication of these regulations in the official Gazette, furnish year-wise lists of students admitted during the academic sessions commencing in the year 1992 till the year in which these regulations are published for Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery and post-graduate course (for each course separately) to the Council
- 6. The Competent Authority shall furnish lists of students admitted during each academic year for Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery and post-graduate courses, to the Council and State Medical Council and the affiliating university, within one month of the closure of admission or 31st October of that year, whichever is earlier.
- 7. List of students to be furnished to the Council:—A list of students to be furnished under these regulations to the Council shall be prepared by a Competent Authority in order of merit on the basis of which admission have been made. The list shall be supported by affidavit of the Dean./ Principal of a medical college ctating the sanctioned admission capacity of that medical college and that no admission has been made in excess of the admission capacity. The names of students admitted in a medical college through all India Entrance Examination/Central Pool quota/mandatory reservation for Scheduled Cristes/Scheduled Tribes, shall find mention in the list.
- 8. Matters tolating to excess admission to be decided by the Council:—All matters relating to excess admission of students shall be decided by the Council taking into account the list furnished to the Council by a Competent Authority and the admission capacity fixed for the medical college. After it is found by the Council that excess admissions have been made, the students lower down in the list shall be treated to be admitted against the increase in admission capacity to the extent of excess admissions. The students admitted through All India Entipode Examination/Central Pool Quota/mandatory reservation for Scheduled Cast/Scheduled Tribes etc. shall be included within the fixed admission capacity.
- 9. Identification of excess admission and non-recognition of medical qualifications:—The Council shall find out the excess admissions in a medical college and no medical qualification granted to any identified student of the medical college which comes under the excess admission shall be recognised medical qualification for the purpose of Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956). The names and other particulars of students so indentified shall be intimated by the Council to all concerned for taking action under the provisions of the Act.

Any dispute in the matter of identification of excess admission of student(s) in a medical institution shall be referred to the Central Government whose decision shall be final.

DR. (MRS.) M. SACHDEVA Secretary Medical Council of India

## **ERRATA**

Gazatto of India, Part-III, Section 4, Graduate Medical Education Regulations 1997 published on 17th May 1997

Page	Line in First Column	. ;
1703	26	For figures "3.2,3" substitute "(C)"
Page	Line in socond column	
1715	, 24	Under the heading 'Forensic Medicine' against the entry
		"Theory—one paper" insert "40 marks".
	39	Under the heading "Ophthalmology" against the entry "Theory one paper" insert "40 Marks".
	45	Under the same heading against the entry "(Theory-10, pre- ctical-10)" the figure and word "20 marks" may be deleted.
	48	Under the heading "Oto-Rhino-Laryngology" against the entry "Theory-one paper", insert "40 marks".
Page	Line in First Column-	
1716	55—56	
		Under the heading "Obstetrics & Gynaecology" for the words
		and figures "internal assessment ————————————————————————————————————
F		(Theory 20, practical 20) ———————————————————————————————————
		"Internal assessment————————————————————————————————————
		(Theory 30, practical 30)
	58 .	Under the heading "Paediatrics" insert the following, namely, "Theory-one paper——————————————————40 marks"
Page 1716	Line in Second Column	
1710	l	Against the entry "(Theory10; practical10)", the figure and word "20 marks" may be deleted.

Dr. (MRS.) M. SACHDEVA. Secy., Medical Council of India.

## UNIT TRUST OF INDIA The 24th July 1997

No. UT/DBIDM/SPD-710/R-2/96-97.—The Offer Document of the Monthly Income Plan 1997(III) formulated under section 19(1) (8) (c) of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) in relation to the unit scheme, the Monthly Income Scheme 1997. (III) made under section 31 of the said Act approved by circulation on 6th May, 1997 is published herebelow.

A. G. JOSHI General Manager Business Development and Marketing

# MONTHLY INCOME PLAN 1997 (III) OFFER DOCUMENT

Offer open from June 20, 1997 to August 3, 1997

The Monthly Income Plan 1997 (III) has been formulated under section 19 (1) (8) (c) of the Unit Trust of India Act 1963 (52 of 1963), in relation to the unit scheme, the Monthly Income Scheme 1997 (III) made under Section 21 of the said Act by the Board of Trustees of UTI.

The plan particulars have been prepared in accordance with Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1998, and the units

offered for public subscription have not been approved or disapproved by the SEBI, nor has the SEBI certified on the accuracy or adequacy of the Offer Document.

#### Plan Objective

This is an income oriented Plan. The Plan aims at meeting the needs of investors by providing either regular income on a monthly basis or growth of investment over a period of 5 years.

#### HIGHLIGHTS

A five years close ended plan.

Open to Resident and Non-Resident adult individuals/mentally handicapped person/minors/HUFs/Trusts/Societies/Regd. Co-operative Societies/Bottles Corporate including Companies and Banks/Overseas Corporate Bodies (OCBs)/Army/Navy/Air Force/Paramilitary Funds/Partnership Firms

The Trust proposes to pay an assured income @ 13% p.a. payable monthly (effective return 13.8%) for all the five years of the plan. The income will be paid through post-dated monthly warrants. Depending on the earnings of the plan additional income could be paid on maturity.

Under the Monthly Income option, income warrants for the period up to March 1998 will be sent along with the Membership Advice/Unit Certificate. Thereafter income warrants will be sent in advance.

- for every April-March period. For receiving full year's income distribution—the investor should hold the units for a full year.
- Under the Cumulative option Rs. 5000/- will atleast become Rs. 9543/- on maturity. However, for income above Rs. 10.000/- in a year, tax is deductible at source as per Income Tax Act, 1961.
- Repurchase allowed from 1st September 2000 at NAV based repurchase price under both the options.
- Scheme shall be listed on the wholesale debt segment of the NSE within six months from the closure of subscription.
- It is guaranteed that the capital invested in the scheme will be protected on maturity i.e. units will not be redeemed below par. There is no such-guarantee for premature repurchases and the repure hase price in such cases will be as per pre-valling NAV.
- There is scope for capital appreciation as a part of investment will be in equities.
- Incomes and Repurchase/Redemption proceeds for NRIs is and OCBs are fully repatriable, where the investment is made by remittances from abroad or by debit to the NRE account or by cheque/draft issued from proceeds of FCNR deposits.
- Tax benefits U/S 8OL and U/S 48 & 112 of Income Tax Act, 1961 on income distributed and capital gains from capital appreciation.
- Capital gains tax exemption U/S 54EA of the Income Tax Act, 1961 subject to the lock-in for three years from the date of acceptance.

Special attention of investors is invited to the highlights on income distribution, repurchase and listing indicated in the above paragraph in bold fonts.

#### RISK FACTORS

- There is no guarantee of protection of capital for premature repurchases and the repurchase price in such cases will depend on the NAV.
- Investments in units of the Plan are subject to market risks and the NAV of the Plan may go up or down depending on the influence of market forces on the plan's portfolio.
- Performance of the previous schemes/plans is not necessarily an indication of future results.
- Monthly Income Plan 1997 (III) is only the name of the Plan and does not in any manner indicate the quality of the Plan. Investors are urged to study the terms of the offer carefully before they invest in the Plan.

#### Management's perception of Risk Factors

The Trust has been in operation for over 32 years and has built up expertise in managing funds of around Rs. 56;620 crores from over 50 million investors Table indicating performance of thirty five Monthly Income Plans of the Trust launched till date is given on page number 18.

### Constitution of UTI

Unit Trust of India was set up as a statutory body under UTI Act, 1963, with a view to encouraging saving and investment and participation in the income, profits and gains accruing to the Trust from the acquisition, holding, management and disposal of securities. It started functioning with affect from the 1964. ing with effect from 1st July, 1964.

#### Management of UTI

The Management of the affairs and business of the Trust are vested in the Board of Trustees with a full time Chairman appointed by the Government of India.

Besides the Board, there is a statutory Executive Committee comprising the Chairman, the Executive Trustee and two other Trustees nominated by the Industrial Develop-ment Bank of India. This Committee is competent to deal with any matter within the competence of the Board.

#### BOARD OF TRUSTEES

- J. Shri G. P. Gupta-Chairman, Unit Trust of India. 2. Dr. P. J Nayak-Executive Trustee, Unit Trust of
- 3. Shri R. V. Gupta-Deputy Governor, Reserve Bank of India.
- 4. Shri S. H. Khan-Chairman, Industrial Development Bank of India.
- 5. Shri N. S. Sekhsaria-Managing Director, Gujarat Ambuja Cements Ltd.
- 6. Dr. Arvind Virmani-Advisor, Policy Planning Govt. of India, Dept. of Economic Affairs, Ministry of Finance.
- 7. Shri P. R. Khanna—Chartered Accountant.
- 8. Shri N. M. Goverdhar.—Chairman, Life Insurance Corporation of India.
- 9. Shri P. G. Kakodkar-\*Chairman, S.B.I.
- 10. Shri N. Vaghul-Chairman, ICICI Ltd.
- 11. Shri Rashid Jilani-Chairman & Managing Director Punjab National Bank.

\*His term has expired with effect from 31-03-97.

# DETAILS OF THE MONTHLY INCOME SCHEME 1997 (III) [MIS '97 (LII)]

#### 1. Short Title and Commencement

- (1) This Scheme shall be called the Monthly Interne Scheme 1997 (III) [MIS '97 (III)].
- (2) The Scheme shall be for a period of five years i.e., from 1st September 1997 to 31st August 2002.
- (3) Units will be on sale from 20th June, 1997 to 3rd August, 1997 for 45 days. Provided, however, the Executive Committee of the Board of Trustees of the Unit Trust/Chairman may suspend the sale of units under the Scheme at any time in circumstances like war, disruption of trading in Stock Exchanges and other socio-economic factors after giving 7 days notice in newspapers or in such other manner as may be decided by the Unit Trust.

#### II. Definitions:

In this scheme and plan made thereunder unless the context otherwise requires :

- (a) "Acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale or repurchase of units by the Trust means the day on which the Trust, after being satisfied that such application is in order, accepts the same:
- (b) The "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963; (52 of 1963).
- (c) "Alternate applicant" in case of minor means the parent other than the parent who has made the application on behalf of minor.
- (d) "Applicant" mean a person who is eligible to participate in the scheme and plan made thereunder who is not a minor and shall include the alternate applican! mentioned in the application form when units are sold for the benefit of a men-tally handicapped person and makes an application under Clause III of the Plan,

- (e) "Bligible institution" means on eligible trust as defined in the Unit Trust of India General Regulations 1964.
- (f) "firm", "partner" and "partnership" have the meanings assigned to them in the Indian Partnership Act, 1932 (9 of 1932), but the expression partner shall also include any person who being a minor, has been admitted to the benefits of the partnership.
- (g) "Listed" me as the listing of units for the purpose of trading on the wholesale debt segment of the NSE.
- (h) "Member" used as an expression under the Scheme and Plan made thereunder shall mean and include the applicant who has been allotted units under the Scheme.
- (i) "Mentally handicapped person" means any individual who suffers from mental disability of such a nature which prevents him from carrying out normal activities of life.
- (j) "Non-Resident Indian (NRI)" means Non-Residents of Indian nationality/origin. A person shall be deemed to be "person of Indian origin" if he/she or either of his parents or any of the grand parents, howsoever high in degree or ascent, whether of paternal side or maternal side, was born in India, as defined in the Government of India Act, 1935, as originally enacted.
- (k) "Number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and remaining outstanding.
- (1) "Overseas Corporate Bodies (OCBs)" include overseas companies, partnership firms, societies and other corporate bodies which are owned directly or indirectly, to the extent of atleast 60% by individuals of Indian nationality or origin Resident outside India as also overseas trust in which atleast 60% of the beneficial interest is arrevocably held by such persons.
- (m) "Person" shall include an eligible institution as defined above.
- (n) "Registrars" means a person whose services may be retained by the Trust to act as the Registrars under the Scheme from time to time.
- (o) "Regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43(1) of the Act
- (p) "SBBI" means the Securities and Exchange Board of India set up under the Securities and Exchange Board of India, Act. 1992 (15 of 1992)
- (q) "Society" means a society established under the Societies Registration Act of 1860 or any other society established under any State or Central law for the time being in force.
- (r) "Trading" means the dealing in by buying or selling units through the wholesale debt segment of the National Stock Exchange [NSE] after the first allotment of units.
- (s) "Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital.
- (t) "Unit Capital" means the aggregate of the face value of units sold under the scheme and outstanding for the time being.
- (u) "Unit Trust" or "Frust" means the Unit Trust of India established under Section 3 of the Act.
- (v) All other expressions a not defined herein but defined in the Act/Regulations shall have the respective meanings assigned to them by the Act/Regulations.

(w) Words importing singular shall include the plural and all reference to masculine gender shall include the feminine and vice versa. The other provisions of the scheme are avuilable free page No. 11 to page No. 16.

DETAILS OF THE MONTHLY INCOME PLAN 1997 (III) [MIP'97 (III)] FORMULAYED UNDER THE MONTHLY INCOME SCHEME 1997 (III) [MIS'97 (III)] ARE GIVEN HEREAFTER

#### 1. Definitions :

The words not defined in the Plan and defined in the Scheme' and the Act/Regulations shall have the respective meanings assigned to them in the Scheme/Act/Regulations.

#### II. Face value of each unit :

The face value of each unit issued under the schemé shall be ten rupees.

#### III. Application for units:

(1) Application for units may be made by Residents and also Non-Residents.

#### Residents

- (a) individuals either singly or jointly with another or upto two other individuals.
- (b) a parent, step-parent or other lawful guardian on behalf of a Resident minor. An application can not be made by an adult and minor jointly.
- (c) an eligible institution as defined under the scheme including Private Trust being irrevocable trust and created by an instrument in writing.
- (d) an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person.
- (e) a society as defined under the scheme.
- (f) a registered co-operative society.
- (g) other bodies corporate including companies formed under the Companies Act. 1956 and Banks.
- (h) Hindu Undivided Family.
- (i) Army/Navy/Air Force/Paramilitary Funds.
- (j) a partnership firm.

## Non-Residents On fully repatriable basis by

- (a) Non-Resident adult individuals either singly or jointly with another or upto two other individuals.
- (b) Father/Mother/Step-parent/Lawful Guardian on behalf of Non-Resident minor
- (c) Non-Resident HUF.
- (d) Non-Resident Company/Overseas Corporate Bodies owned by NRIs to the extent of atleast 60%.
- (2) An application by a partnership firm shall be made by not more than four members of the firm and the first named person shall be recognised by the Trust for all practical purposes as the member.
- (3) Application shall be made in such form as may be approved by the Chairman/Executive Trustee of the Trust.

#### IV. Minimum amount of investment

Application shall be made for a minimum of Rs. 5000/under both the options-Monthly & Cumulative. There will be no maximum limit. For investments not in multiple of Rs. 10/-, units will be allotted in fractions upto three places after the decimal. In case of investment of Rs. 50,000/- and above, the investor is advised to furnish Income Tax P.A.N./G.I.R. number and I T Circle address if he/she is having so.

## V. Minimum target amount to be raised :

Amount of Rs. 100 crores is targeted to be raised under the scheme. Oversubscription, if any, will be retained by the Trust in full.

The Trust shall be A/C payce cheque/refund order refund not later than six weeks from the thite of closure of the sale of units under the scheme the entire amount collected under the scheme, if the said targeted amount of Rs. 100 crores is not subscribed.

In the event of failure to refund the amounts within the period stipulated above, the Trust shall be liable to pay interest to the applicants @ 15% per annum on the expiry of six weeks from the date of closure of the sale of units.

#### VI. Limitation on expenses:

Initial issue expenses shall not exceed 6% of the funds raised under the Scheme. Initial issue expenses of the Scheme is estimated to be as under:

Expenses	%
Printing & Postage	1.50
Commission of Agents Publicity & Marketing	1.50. 1.75
Registrars Charges	0.50
Bank Charges	0.25
Stamp fees & Custodial Fees	0.50
Total	6.00

Thus for every Rupee invested by an investor not less than 94 paise will be invested in the Scheme.

In addition to the initial issue expenses, the following expenses will be charged to the scheme on a recurring basis. Estimated recurring expenses are as under:

Expenses	 %
Administrative Expenses	0.90
Custodial Fees	0.50
Development Reserve Fund	0.25
Staff Welfare Trust	0.10
Régistrars Fees	0.50
Total	2.25

The above expenses are estimates and are subject to change inter se as per actual expenses incurred. However the total expenses would be within the limit of 6% of the funds collected for initial issue expenses, in accordance with SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996.

The total annual recurring expenses of the scheme excluding initial Issue expenses and redemption expenses but including administrative expenses, contribution to Development Reserve Fund and Staff Welfare Trust shall be subject to the following limits:

- (i) On the first Rs. 100 crores of the average monthly net assets—2.25%
- (ii) On the next Rs. 300 crores of the average monthly net assets—2.00%
- (iii) On the next Rs. 300 crores of the average monthly net assets—1.75%
- (iv) On the balance of the assets-1.50%

Administrative expenses, contribution to Development Reserve Fund and contribution to Staff Welf re Trust will not exceed 1.25% of the monthly average NAV of the plan during the accounting year. Unit does not charge any 12—209 GI/97

investment management and advisory fees as provided in the SEBI (Manual Funds) Regulations, 1996. However, UTI will ensure that the initial issue expenses and the annual recurring expenses shall remain within the limits specified under regulation 52 of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996.

#### VII. Mede of Payment

(1) (1) The payment for units by an applicant shall be made by him alongwith the application in cash, cheque or draft. Where applications are submitted at UII branch offices, cheques or drafts should be drawn on branches of banks within the city where the UII branch office at which the application is tendered is situated.

Provided, however, that the applicant who wishes to apply from a place other than where the Trust has its branch office/collection centre/franchise office may do so by sending the application to the branch office of the Trust along with the bank draft after deducting therefrom charges payable for bank draft as per guidelines of Indian Banks Association. The collection centres/franchise offices are authorised to accept applications alongwith cheque payable locally or demand draft payable at places upto which the scheme is decentralised in which case the applicant may deduct charges as per the guidelines of Irdian Banks Association, e.g. if the application amount is Rs. 10,000/- the benk draft charges for this amount is Rs. 20/-. Thus the draft can be prepared for Rs. 9,980/-(i.e. Rs. 10,000/- less Rs. 20/-). The draft commission charges will form a part of the initial issue expenses of the Plan.

However, in case of applications received along with local bank draft where the Trust has its branch office/collection centre/franchise office bank draft commission will have to be borne by the investor.

(ii) If the payment is made by cheque, the acceptance date will, subject to such cheque being realised, be the date on which the application is received by the branch office of the Trust or authorised collection centre.

If payment is made by draft, the acceptance date will, subject to such draft being realised, be the date of issue of such draft, provided, the application is received by the branch office of the Trust of authorised collection centre within 7 days from the date of issue of draft. If the application amount is less than the minimum investment under the plan, the entire amount shall be refunded to the applicant at his cost in such manner as the Trust may deem fit.

(iii) Mode of Investment with repatriation benefits:-

The investments by NRIs/OCBs shall carry the right of repatriation of capital invested and income earned thereon and capital appreciation (if applicable), as long as the investor continues to be resident outside India. Investment in these carrs can be made through one of the following modes:

- (a) Draft in foreign currency.
  - (b) Draft in rupces issued in favour of UTI by foreign banks/Exchange House drawn on their Indian correspondent banks.
  - (c) By cheque drawn on investor's NRE account main ained with a Bank of India.
  - (d) By cheque/draft issued from the proceeds of FCNR deposits.

Further, payment in Nepalese and Bhutanese, currencies are not accepted. Investment in units is made in rupees, all foreign currency drafts are converted into Indian rupees at the tate of exchange ruling at the time of such conversion. Shortfall, if any, will have to be remitted by NRI investors.

In view of the above it is advisable that NRI/OCB investors make payment by instruments mentioned at (b) & (c) above.

(iv) Mode of investment without repatriation benefits:

Where funds held in NRO accounts are utilised for purchase of units, the funds so invested and capital appreciation (if applicable), will not qualify for repatriation out of India.

However, as per RBI circular A.D. (M.A. Series) No. 18 dated August 19, 1994 the entire income carned thereon during the financial year 1996-97 and onwards will qualify for full repatriation.

While in such cases UTI will make payment in Rupees for credit to NRO A/C, investors are advised to contact their banks/Tax consultants if they desire remittance of income on units.

(2)(a) Right of the Trust to accept or reject application:

The Trust shall have the right to accept and/or reject application for issue of units under the Scheme and the Plan made thereunder. The Trust shall reject an application for issue of units in the following circumstances:

- (i) the application is received with less than the minimum investment of Rs. 5000/-,
- (ii) the application has not been signed by the first applicant and
- (iii) the applicant is not eligible to invest in the scheme. Any decision of the Trust about the eligibility or otherwise of a person to make an application under the Scheme and the Plan made thereunder shall be final.

## (b) Incomplete Application Liable For rejection:

In case the application is found to be incomplete, the same will be liable for rejection and refund, of such application money will be made by the Trust as soon as possible without incurring any liability whatsoever for interest or other sum. Refund will be made after compliance of requisite operational and procedural formalities.

(3) Applicant to comply with requirements under the Scheme and the Plan made thereunder before being issued units:

Petsons applying for units under the Scheme and the Plan made thereunder shall satisfy the Trust about their eligibility to make an application and comply with all requirements of the Trust such as Trust deed, Resolution by the Managing Body to buy units in case of application from Trusts, Birth Certificate in case of application on behalf of minor, certified copy of partnership deed in case of application on behalf of partnership firms etc. depending on the category of the investors. The compliance or otherwise to the satisfaction of the Trust of such requirements shall be at the sole discretion of the Trust,

Person who holds units under a false declaration shall be liable to have the membership cancelled and the name deleted from the register of members.

The Trust shall have the right in such an event to repurchase the units at par after deduction of 25% as penalty or at such price as may be decided by the Trust, and recover the Income Distribution wrongly paid from out of the repurchase proceeds and return the balance.

The amount shall not carry and interest irrespective of the period it takes the Trust to effect the repurchase and to remit the repurchase proceeds to the applicant.

#### VIII. Sale of Units:

The sale price of units during the period of offer shall be at par. The contract for sale of units by the Trust shall be deemed to have been concluded on the acceptance date. On such conclusion of the contract for sale, the Trust shall as soon thereafter as possible, issue to the applicant Membership Advice/Unit Certificate at his option. A Membership Advice/Unit Certificate issued by the Trust to the eligible institution, firm or body corporate shall be made out in the name of the eligible institution/firm/body corporate. The Trust shall not incur any liability for loss, damage, misdelivery or non-delivery of the Membership Advice/Unit Certificate as possible.

The Trust shall send the Membership Advice/Unit Certificate not later than 6 weeks from the date of closure of sale of units under the Plan.

### JX. Repurchase of units:

(1) Repurchases under the plan will commence after three years from the date of commencement of the plan i.e. from 1st September, 2000 under both the options. There shall be no repurchase during the first three years of the Scheme and Plan made thereunder except for settlement of death claim cases. The repurchase price will be based on the NAV of units (on historic basis) and shall be issued to the press for publication six months from the date of commencement of the plan i.e. on 01-03-1998 and on a quarterly basis price will 31-8-2000. From 01-09-2000 the repurchase price will be announced at intervals of not more than one month. On maturity of the scheme, it is guaranteed that the repurchase price will not be less that the par value of units i.e. Rs. 10/-. However, there is no such guarantee for premature repurchases and the repurchase price will depend on NAV.

Further, as a portion of the investments will be made in equities, there is scope for capital appreciation.

#### (2) Monthly Income option:

The Trust will offer to repurchase the units after three years from the date of commencement of the Scheme and the Plan made thereunder. Repurchase price will be based on historic NAV and shall be issued to the press for publication after six months from the date of commencement of the plan i.e. on 01-03-98 and on a quarterly basis thereafter till 31-08-2000. From 01-09-2000 the repurchase price will be announced at intervals of not more than one month. While calculating the repurchase price the Trust shall be at liberty to deduct administrative cost and other charges not exceeding 5% of the NAV per unit. Repurchase will be effected on receipt of the Membership Advice alongwith a request letter on plain paper duly signed by all the holders and duly witnessed by another person giving his name, occupation and address/Unit Certificate duly discharged. Partial repurchase shall be permitted subject to the member maintaining a minimum balance of Rs. 5000/- (face value). The member while making an application for repurchase shall be bound to surrender all the unencashed Income Distribution Warrants remaining outstanding subsequent to and inclusive of the month of repurchase to the Irust.

In the event of repurchase in full the Trust shall not on accepting the Membership Advice along with the request letter for repurchase/Unit Certificate duly discharged be bound to pay any Income Distribution on the units for the month of acceptance or future months nor shall any interest be payable on the repurchase proceeds.

All the documents and the unencashed Income Distribution Warrants, if any, received shall be retained by the Trust for cancellation.

In the event of partial repurchase, depending on the number of units retained by him, the member shall be issued a fresh Membership Advice/Unit Certificate and a fresh set of Income Distribution Warrants for the remaining period including the month of acceptance. No interest shall be payable on the repurchase proceeds.

- (3) Notwithstanding anything contained in the foregoing sub-clauses, the Trust shall be at likerty while repurchasing the units, in the event of failure of the member to surrender the Income Distribution Warrants which are then outstanding to deduct from the repurchase proceeds such amount representing the amount of the Income Distribution Warrant payable in future as have not been surrendered and pay the balance to the member. On acceptance of the Membership Advice and the request letter for repurchase/Unit Certificate duly discharged by the Trust, and in the event of full repurchase, the members' right to receive future Income Distribution including the Income Distribution for the month of acceptance will cease and the Trust shall have a claim on the amount represented by such outstanding Income Distribution.
- (4) A member to be entitled to a full year's Income Distribution paid out on a monthly basis should have held the units for a full year. A member who holds units for a part of the year shall be entitled to receive proportionate income Distribution for the period of holding which shall always be full English Calendar months of holding, part of a month of whatever length being always ignored.

(5) In the event of the death of the member/s and on surrender to the Trust by the legal representative or nominee of the Membership Advice/Unit Certificate, the request refter for repurchase and the unencashed Income Distribution warrants outstanding to the decoased member, the Trust shall on compliance with the requirements laid down in connection with the recognition of claim, repurchase the units in the manner prescribed in sub-clause (2) and (3) heremabove in accordance with such rules and guidelines as may be formulated by the Trust and pay the outstanding proportionate monthly income distribution upto the date of settlement of the claim.

#### (6) Cumulative option

The Trust shall in case of units issued under Cumulative Option offer to repurchase the units after three years from the date of commencement of the scheme and the plan made thereunder i.e. from 1st September 2000. Repurchase price will be based on historic NAV. While calculating the repurchase price the Trust shall be at liberty to deduct administrative cost and other charges not exceeding 5% of the NAV per unit.

Partial repurchase will be permitted subject to the member maintaining a minimum balance of Rs. 5000/- (face value).

(7) Payment for units repurchased by the Trust after the deductions, if any, shall be made within 10 working days (provided the application is in order) from the date of receipt of the Membership Advice and request letter for repurchase/Umit Certificate duly discharged and divident warrants if any at the centre where the repurchase requests are processed.

No interest shall, on any account, be payable on the amount due to the applicant and the cost of remittance (including postage) or of realisation of cheque or draft sent by the Trust shall be borne by the applicant.

- (8) In case of Non-Resident investors, repurchase proceeds will be remitted depending upon the source of investment as follows:
  - (a) When units have been purchased from remittance in toreign exchange trom abroad/by cheque/draft issued from proceeds of member's FCNR deposit or from funds held in member's Non-Resident (External) Account kept in India the proceeds can be remitted to the member in foreign currency (any exchange rate fluctuation will be borne by the member) or can be sent to the member's relauve in India for crediting the mamber's Non-Resident (External) Account provided he continues to be resident abroad. It can also be sent for crediting to his Non-Resident (Ordinary) Account if desired by the member.
  - (b) When units have been purchased from funds held in member's Non-Resident (Ordinary) Account, the proceeds will be sent to the member's relative in India for crediting to the member's Non-Resident (Ordinary) Account.

## X. Restrictions on repurchase of units.

Notwithstanding anything contained in any provision of the Scheme and the Plan made thereunder, the Trust shall not be under any obligation to repurchase units

- (i) on such days as are not working days; and.
- (ii) during the period (as notified by the Trust) when the register of members is closed for any purpose as notified by the Trust.

Explanation: For the purpose of this Scheme and the Plan made thereunder the term "working day" shall mean a day which has not been either.

- (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra or such other States where the Trust has its offices; or
- (ii) hotified by the Trust in the Gazette of India as a day on which the office of the Trust will be closed.

#### XI. Listing;

The units issued under the scheme shall be listed on the wholesale debt segment of NSE within six months from the date of closure of subscription. An application for listing shall be made to NSE immediately on receipt of the approval of the scheme from SEBI as per Regulation 32 of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996.

#### XII. Membership Advice/Unit Certificate

The Trust shall issue Membership Advice/Unit Certificate at the option of the member. A Unit Certificate is transferable while a Membership Advice is not. Both are however-equally valid evidence of admission of the investor into the pian. Investors may choose to receive either a Membership Advice or a Unit Certificate by ticking at the appropriate place in the application form. Generally investors who may wish to transact in the stock exchange on listing the scheme may opt Unit Certificate. However, if no preference is indicated in the application form the investor will be sent a Membership Advice.

The Non-Resident Indian may choose any one of the following modes of despatch of Membership Advice/Unit Certificate:

- (a) At the applicant's Indian/Foreign address OR
- (b) At the applicant's relative's address in India.

XIII. Manner of preparation of Membership Advice and Unit Certificate;

The Membership Advice and Unit Certificate shall be in such form as may be decided by the Executive Director of the Trust.

The Unit Certificate may be engraved or lithographed or printed as the Board may from time to time, determine and shall be signed on behalf of the Trust by two persons duly authorised by the Unit Trust. Every such signature may either be autographic or may be effected by a mechanical method. No Unit Certificate shall be valid unless and until it is so signed. Unit certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon may have ceased to be a person authorised to sign Unit Certificates on behalf of the Unit Trust.

Provided that should the Unit Certificate so prepared contain the signature of an authorised person who however is dead at the time of issue of the Certificate, the Unit Trust may by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the Certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The Unit Certificate so issued shall also be valid.

XIV. Exchange of Membership Advice/Unit Certificate and procedure when Membership Advice/Unit Certificate is mutilated, defaced, lost etc.

## Membership Advice

For the purpose aforesaid the member under the Scheme and the Plan made thereunder shall follow such rules/guidelines/procedures and execute such documents as would be formulated/required by the Trust from time to time.

#### Unit Certificate

(1) In case any Unit Certificate shall be mutilated or worn out or defaced, the Unit Trust as its discretion, may issue to the person entitled a new Unit Certificate representing the same aggregate number of units as the mutilated or defaced Unit Certificate. In case any Unit Certificate should be lost, stolen or destroyed, the Unit Trust may, at its discretion, issue to the person entitled a new Unit Certificate in lieu thereof.

No such new Unit Certificate shall be issued unless the applicant shall previously have:

 furnished to the Unit Trust evidence satisfactory to it of the mutilation, wearing out, defacement, loss, theft or destruction of the original Unit Certificate.

- (ii) paid all expenses in connection with the investigation of the facts;
- (iii) (In case of mutilation or wearing out or defacement) produced and surrendered to the Unit Trust the mutilated or worn out or defaced Unit Certificate: and
- (iv) furnished to the Unit Trust such indepenity as it may require.

The Trust shall not incur any liability for issuing such Certificate in good faith under the provisions of this clause.

(2) Before issuing any Unit Certificate under the provisions of this clause, the Unit Trust may require the applicant for the Unit Certificate to pay a fee or kupees. Five per Unit Certificate issued by it together with a sum sofficient in the opinion of the Trust to cover stating duty, if any, or other charges that may be payable in connection with the issue and despatch of such certificate.

Notwithstanding the above, the member under the scheme shall follow such rules/gaidelines/procedures and execute such documents as would be formulated/required by the Trust from time to time.

#### XV. Register of members

The following provisions shall have effect with regard to the registration of members ---

- (1) A register of the member shall be kept by the Trust and there shall be entered in the register inter alia:
  - (a) the names and addresses of the members;
  - (b) the number of the Membership Advice/Unit Certificate/and the number of units held by every such person; and
  - (c) the date on which such person became the holder of the urbs standing in his name.
- (2) Any change of name or address on the part of any member shall be notified to the Trust, which, on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as it may require, shall after the register accordingly. Any change pursuant to the death of an applicant who had applied for units for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person shall be entered in the register accordingly.
- (3) Except when the registers are closed in accordance with the provisions in that behalf hereinatter contained, the register shall diving business hours (subject to such reasonable restrictions as the Trust may impose but so that not less than two hours on each business day shall be allowed for inspection) be open to inspection by any member without charge and in connection with his own investment.
- (4) The register will be closed at such times and for such periods as the Trust may from time to time determine provided that it shall not be closed for more than 45 days in any one year. The Trust shall give notice of such closure by advertisement in newspapers or other media.
- (5) No notice of any trust express, implied or constructive shall be entered on the register in respect of any unit.
- XVI. Application by and registration of eligible institutions, minors, an applicant for the benefit of a mentally handicapped person etc.:
- (1) Eligible institutions, body corporate, and societies (including co-operative societies) may be registered as members.
- (2) An adult, being a parent, step-parent or other lawful guardian of a minor may hold un'ts and deal with them in accordance with and to the extent provided, in sub-section (2/2) of Section 21 of the Act. Such adult if so required chall furnish to the Trust, in such manner as may be speci-

- fied, proof of the age of the minor and the capacity to hold and deal with units on behalf of the minor. The Trust shall be entitled to act on the statements made by such adult in the application form without any further proof.
- (3) Where an application is made by an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person, the Trust shall act on the statements furnished and in doing so the Trust shall be deemed to be acting in good faith. The Trust shall be entitled to deal only with the applicant and in the event of his death, the alternate applicant for all practical purposes and any payment in respect of the units by the Trust to the said applicant or the alternate applicant shall be a good discharge to the Trust.
- (4) Eligible institutions, bodies corporate or societies shall whenever required submit to the Trust all the relevant documents showing the applicants' competence to invest in units, such as Memorandum and articles of association, Bye-laws etc., an authorised copy of the resolution by the managing body etc., authorising investment in units and a copy of the requisite Power of Attorney.
- (5) A firm shall be registered as a member and the Membership Advice/Unit Certificates shall be made in the name of the firm.

XVII. Receipt by member to discharge Trust

The receipt of the member for any moneys paid to him in respect of the units represented by the Scheme and the Plan made thereunder shall be a good discharge to the Trust.

#### XVIII. Nomination by members ::

- (1) Nomination facility is available only for individuals applying on their own behalf i.e. singly or jointly upto two. Applicants can nominate one person. Minors and Nou-Resident Indians can also be nominated. Non-Resident Indians can be nominated as per the guidelines issued by the RBI from time to time. Applicant can change the nomination at any time during the currency of the plan.
- (2) Members being either parent or lawful guardian on behalf of a minor and an eligible institution, societies, bodies corporate, HUF, partnership firms and an applicant who has applied for units for the benefit of a mentally handicapped person shall have no right to make any nomination.

Other provisions will be to the extent provided in the regulations.

#### XIX: Death of a member:

(1) In case of death of either of the joint members of units, the survivor(s) shall be the only person recognised by the Trust as having title to or interest in the units represented by the scheme and the plan made thereunder.

Provided that nothing herein contained thall affect any right which any other may have as against such survivor in respect of the said units.

- (2) In the event of death of a single member, the nominee shall be the person recognised by the Trust as the person entitled to the amount payable by the Trust in respect of units.
- (3) In the absence of a valid nomination by a single member, the executor or administrators of the deceased member or a holder of succession certificate issued under part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the units.
- (4) Any person becoming entitled to the units consequent upon the death of a member(s) may, upon producing such evidence as to his title as the Trust shall consider

sufficient, be paid the repurchase value of the units to the credit of the deceased after all the formalities in connection with the claim have been complied with by the claimant

- (5) In the event of nominee/legal heir is a person eligible to hold units then at the desire of the said nominee/legal heir, the nominee/legal heir may instead of receiving the repurchase value of all units to the credit of the deceased shall be permitted to hold the units as a member and continue to remain registered as a member and shall be issued a Membership Advice/Unit Certificate in his name indicating units so desired to be held subject to the conditions regarding minimum holdings.
- (6) In the event of the death of the applicant who has applied for units for the benefit of a mentally handicapped person, the Trust shall deal with the alternate applicant as if he were the applicant. Further, in the event of the death of the applicant or the alternate applicant, as the case may be, the existing applicant shall appoint another individual as his alternate applicant.
- (7) In the event of death of a single member during the lock-in-period the Trust shall settle the claim after compliance with necessary formalities and pay the legal h nominee the repurchase value as detailed in the relevant clause(s) or arrived at by any other method as may be decided by the Trust.
- (8) In case of death, of Non-Resident member(s) the reput hase proceeds of the unus can be remuted to the Non-Resident nomince or legal heir(s) provided:—
  - (a) units were bought out of funds remitted from outside India, from tunds held in Non-Resident (E) account in India or from proceeds of FCNR deposits and
  - (b) the nominee continues to be residing outside India/the legal heir(9)6 reside outside India.

Where units have been purchased from funds held in NRO accounts the repurchase proceeds in case of Non-Resident nominee or legal heir(s) will not qualify for repatriation out of India. Cases of claims where nominee was resident at the time of nomination bu. subsequently became Non-Resident have to be referred to RBI for mode of remittance of the proceeds.

## XX. Income Distribution and capital appreciation:

The member shall have the right to exercise an option to participate in the Monthly Income Option or the Cumulative Option. This shall be done at the time of investment in the scheme and the option once exercised will be final. In the absence of any specific option being exercised by the applicant it shall be treated as Monthly Income Option.

The return assured under the plan and the protection of capital invested on maturity are guaranteed by the Development Reserve Fund of the Trust.

The provisions of the scheme and the plan made thereunder will be applied to both the options and where the provisions vary the relative details are given accordingly.

## (1) Monthly Income Option

Under this option, the Trust shall pay assured income @ 13% p.a. for the five years of the plan by means of post-dated monthly warrants.

Based on the investment objectives and policies of the Plan as also prevailing and likely yields from the instruments in which funds of the scheme will be invested, the scheme would be able to generate sufficient returns to pay income @ 13% p.a. payable monthly under the plan.

(2) The income distribution for each month shall be made payable at the beginning of the following month and will be paid by the Trust under such prepayment arrangements by means of Income Distribution Warrants or any instrument encashable at par at the branches of such bank as the Trust may specify.

Such of those units which have been sold under an application accepted by the Trust on or before the 15th day of a month shall be eligible for income distribution for the whole month and the units sold after the 15th day of the month shall be eligible for income distribution for that half month.

The entitlement of income will be as follows:

20-06-1997 to 30-6-1997 Half month's income 01-07-1997 to 15-07-1997 Full month's income 16-07-1997 to 31-07-1997 Half month's income 01-08-1997 to 63-08-1997 Full month's income.

(3) Depending upon the date of investment one Income Distribution Warrant for the period upto 30th November, 1997 (dated 1st October '97) and 4 post-dated Income Distribution Warrants for the period December '97 to March '98 will be sent alongwith the Membership Advice/Unit Certificate.

The Income Distribution Warrants for the subsequent years will be issued in the month of March/April every year depending upon changes in tax laws and sent in advance. The despatch of warrants for the subsequent years will be as per the following schedule:

#### Period

#### Despatch of warrants by

01-04-1998 to 31-03-1999 March-April 1998 01-04-1999 to 31-03-2000 March-April 1999 01-04-2000 to 31-03-2001 March-April 2000 01-04-2001 to 31-03-2002 March-April 2001 01-04-2002 to 30-08-2002 March-April 2002.

The Income Distribution Warrant for the month of March will be dated 31st March every year.

(4) Subject to the provisions of sub-clause (3), the warrants for payment of income distribution on a monthly bacis will be sent to the member in advence.

The warrants will be so dated that the member shall enclass each one of the warrants on becoming mature for payment. Every warrant shall have validity for three months. Inc. Thust shall not be bound to pay incress in the event of any of the warrants not reaching the members before the expiry of the validity period or in the event of their becoming stale.

- (5) In the event of a repurchase, the member upon nonsurrender or unencasted warrants small be entitled to encash these warrants which are due for the subsequent months and remaining in the custody of the members on the dates of maturity of warrants and the amount represented by such income Distribution Warrants shall be deducted from the repurchase proceeds.
- (6) In the event of the death of the member if the nominee/legal heir is eligible to hold units and desires to commue to hold the units, then the nominee/legal heir shall be bound to return all the unencashed warrants for the future months for necessary rectineation.

However, such a nominee/legal heir desiring to continue to hold the units shall not be entitled to any interest or any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased member to those in favour of the newly admitted member.

(7) In the event of death of an applicant where the application is made by an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person, the alternate applicant shall be bound to return all the unencashed Income Distribution Warrants for future months for necessary rectification. However, such alternate applicant shall not be entitled to any interest or any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased applicant to those in favour of the newly admitted applicant.

#### (8) Cumulativo Option

No income will be distributed under this option. Income will be cumulated at the rate of 13.8% p.a. such that Rs. 5000/- invested under the option will become atleast Rs. 9543/- at the time of redemption after five years. However, depending upon the date of investment, the investor

will be compensated @ 13% p.a. upto 31st August, 1997 to the extent applicable to members under the Monthly Income option by means of cheque which will be sent alongwith the Unit Certificate/Membership Advice.

An illustration to justify the return of 13% p.a. under the relan.

Assume the scheme collects Rs. 100 crores. The initial expenses are 3% and are written off over a period of 3 years (this is because repurchase starts after 3 years). The investible funds available in the first year would be Rs. 97 crores.

The Fund will invest 90% in debt instruments and 10% in Equity and Money Market Instruments. The scheme will invest in debentures/bonds with risk profile low to medium. The YTM on these instruments are in the range of 15.50% to 17.75%. This means the weighted average yield on debt instruments would be 16.50%.

The dividend yield, appreciation/depreciation on equity investment and yield on money market instruments will be around 8%.

Instrument	%.of portfolio	Investible funds	YTM
Debentures/Bonds	90	87.30	16.50
Equity/MMI	10	9.70	8.00

She weighted average

yield of the portfolio = 87.3\*16.50+9.70\*8.0=15.18%

100.00

Taking annual expenses as 1%, the income available for distribution would be 14.18%. This would be sufficient to pay income @ 13% p.a. payable monthly, annualised yield of 13.8%.

The above is illustrative and based on market conditions at the time of launch of the plan. Notwithstanding the aforesaid, the proportion of investment could be varied at the discretion of the fund manager depending on the market conditions/investment avenues available.

Bank particulars of investors:

Electronic Clearing Service:

Recently Reserve Bank of India has introduced a new concept of Electronic Clearing Services (ECS) through the clearing house to obviate the need for issuing and handling paper instruments and thereby facilitate in proved customer service. This is being introduced by the Trust mainly to help the small investors of the four Metros i.e. Calcutta/Chennai/Mumbai/New Delhi, whose income is less than Rs. 50,000/- vide on single instrument.

As per guidelines issued by RBI in this regard, the investor is required to give his mandate for ECS as per the format given in the application form with all the details completed therein. This will help the Trust to credit the income amount to investor's account with the concerned bank at the earliest and eliminate the work of printing and despatch of income warrants and serve him better. The bank branch will credit the member's account and indicate the credit entry with 'ECS' in the passbook/statement of account. The applicant who desires to avail of this facility may fill up the particulars of name and address of his bank, nature and number of account, 9 digit Bank and branch code no, etc. in the application form.

It is however not compulsory to avail of this facility.

In case the response to this facility is not sufficient enough to handle or for any other reasons, instead of paying income under "BCS", the Trust may pay in income by issue of income warrant as mentioned above.

As a matter of precaution against possible fradulent encashment of Income Distribution Warrants due to loss/misplacement, applicants are requested to give the full particulars of their bank account (i.e. nature of account and account number, name of bank) at the appropriate space in the application form as well as on the acknowledgement receipt portion for record. Income Distribution Warrants will then be made out in favour of the bank for crediting their account so specified and sent to them. Members may deposit the Income Distribution Warrants in the said bank for credit of their account. In case the complete bank particulars are not given, Income Distribution Warrants will be issued in the name of the member.

Income Distribution to Non-Resident Indian investor

Income under the Plan shall be paid as per the Exchange Control Regulations. The present position regarding payment of income is as follows:

(i) The warrant can be issued in the name of the member and sent to a relative who is resident in India for crediting the NRE/NRO account of the member.

OR

(ii) The warrant can be issued in the name of a relative who is resident in India and sent to him for crediting his account.

DETAILS OF THE MONTHLY INCOME SCHEME 1997 (III) [MIS'97 (III)] CONTINUED

III. Valuation of assets pertaining to this Scheme:

- (1) Quoted investments including those under lockin-period are valued at the closing market rates of valuation or the latest available quote within a period of sixty days prior to the valuation date. If no quotes are available for a period of sixty days prior to the valuation date, the same is treated as unquoted investment.
- (2) In case of quoted debentures and bonds, the market rate, being cum-interest the same is adjusted for the interest element, if any.
- (3) Unquoted/non-traded equity shares are value at the average of capitalisation of earning and the book-value (break-up value) minus 10% or the book-value, whichever is lower.
- (4) Unquoted debentures, bonds and transferable notes are valued at yield to maturity, based on the rating of the instrument as determined by the Board of Trustees of the Trust.
- (5) Unquoted warrants are valued at the market rate of the underlying shares discounted for income element, if any, and reduced by the exercise price payable. In cases where the exercise price payable is heigher than the value so derived, the value of warrants is taken as nil.
- (6) Bonus/right entitlements are recognised on ex-benus/ ex-rights dates.
- (7) Convertible debentures and bonds where composite market quotations are not available, the covertible portion is valued at the market rate relevant to equity shares, discounted for income element, if any. The non-convertible portion if any, of such debentures and bonds are valued at yield to maturity, as determined by the Board of Trustees of the Trust. Where terms of conversion are not specified in respect of the convertible portion, the same is valued at cost.
- (8) Money Market instruments may be valued on the basis of quotations obtained from more than one dealer of broker.

- (9) Government Securities are valued at yield to maturity (YTM) based on the prevailing market rates.
- (10) The aggregate value of investments as computed in accordance with (1) to (9) above is compared to the aggregate cost of such investments and the resultant depreciation, if any, is charged to revenue account.

### IV. Computation and disclosure of Net Asset Value (NAV).

The Net Asset Value of the units issued under the scheme shall be calculated by determining the value of the scheme's assets and subtracting the liabilities of the scheme taking into consideration the accruals and provisions. The Net Asset Value per unit shall be calculated by dividing the NAV of the scheme by the total number of units issued and outstanding on that date. The NAV of the Scheme shall be determined separately for the Monthly Income Option and for the Cumulative Option. The NAVs (on historic basis) shall be issued to the press for publication within six months from the closure of subscription and on a monthly basis thereafter.

#### V. (a) Investment Objective:

Investment objective of the Scheme is to primarily provide regular monthly income to the subscriber and also to endeavour providing capital appreciation to the subscriber on maturity of the Scheme.

Funds collected under the scheme shall after providing for all initial preoperative and operational expenses generally be invested as follows:—

- At least 80% of the funds will be invested in fixed income securities and money market instruments. The risk profile of investment will be low to medium.
- (ii) Upto 20% of the funds will be invested in equities and equity related instruments. The risk profile of equity investments could be high.
- (iii) Investments in money market instruments will be consistent with the guidelines issued by SEBI, if any, in this regard from time to time.

Notwithstanding the aforesaid, the proportion of investment could be varied at the discretion of the fund manager depending on the market conditions and the investment avenues available.

Pending deployment of funds of the scheme in securities in terms of the investment objective stated above the Trust may invest the funds of the scheme in short term deposits of scheduled commercial banks.

#### (b) Investment Policies :

- (i) All debt instruments in which investments are made by the scheme should have been rated as investment grade by a credit rating agency which may be recognised from time to time. Provided that if the debt instrument is not rated, the specific approval of the Board of Trustees of the Trust shall be taken for investment.
  - (ii) No term loans will be advanced by this scheme.
- (iii) Transfer of investments from this scheme to another Scheme/Plan of the Trust shall be done only if :--
  - (a) such transfers are done at the prevailing market price for quoted instruments on spot basis.
  - (b) the securities so transferred shall be in conformity with the investment objective of the Scheme/Plan to which such transfer has been made.
  - (c) Transfer of unlisted or unquoted investments from the plan to another Scheme/Plan of the Trust shall be done as per the policies laid down by the Board of Trustees of the Trust.
- (iv) The scheme may invest in another Scheme/Plan of the Trust or any other mutual fund without charging any fees, provided that aggregate inter-scheme investment made

by all schemes of the Trust or in schemes under the management of any other asset management complany shall not exceed 5% of the net asset value of the Trust.

- (v) The Trust shall buy and sell securities on the basis of deliveries and shall in all cases of purchases, take delivery of relative securities and in all cases of sale, deliver the securities and shall in no case put itself in a position whereby it has to make short sale or carry forward transaction or engage in badla finance.
- (vi) The Trust shall, get the securities purchased or transferred in the name of the Trust on account of the scheme, wherever investments are intended to be of long term nature.
- (vii) The scheme shall not borrow except to meet temporary liquidity needs of the scheme for the purpose of repurchase, redemption of units or payment of interest or income to the members. Provided that the scheme shall not borrow more than 20% of the net asset of the scheme and the duration of such a borrowing shall not exceed a period of six months.

The services of UTI Securities Exchange Limited (UTI SEL) a stock-broking firm and subsidiary of UTI may be utilised for securities transactions of the plan as per the policies and subject to the limits laid down by the Board of Trustees of the Trust. UTI SEL was set up in 1994. It is high technology company offering fair transparent and efficient services to suit investors requirements. Its registered office is at Mumbai.

- (c) However, notwithstanding anything contained in respect of clauses III, IV and V(b) above, the valuation of assets, computation of NAV, repurchase price and their frequency of disclosure would be in accordance with the provisions of SEBI (MF) Regulations/Guidelines/Directives is sued by SEBI from time to time.
- (d) Transfer of non-transferable assets to the plan:

Unitholders of the Growing Monthly Income Unit Scheme 1992 (II) [GIMS 92(II)] which is maturing on 01-07-97 shall be allowed at their option to invest their redemption proceeds in this plan. Notwithstanding anything contained in clause V (b) & (c), the scheme will hold non transferable/unrated/unlisted assets whose unexpired life is shorter than the lock-in-period of 3 years to the extent funds are switched over to this plan and the quantum of such assets will in any case not exceed the funds that have been switched over into the plan.

#### Basis of transfer:

No non performing assets will be transferred to the plan,

Non-transferable/unquoted assets that may be transferred from the said scheme to this plan will be ascertained depending on the extent to which funds are switched over.

#### Valuation of assets:

Non-transferable assets will be valued at cost as per the policy laid down by the Board of Trustees. The valuation of other assets will be as per clause III of the scheme.

- VI. Trusts not to be admitted and recognised for the purpose of the Scheme and the Plan made thereunder:
  - (1) The person who is registered as the member and in whose name a Membership Advice has been issued shall be the only person to be recognised by the Trust as the member and as having any right, title or interest in or to such units; and the Trust may recognise such member as absolute owner thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take any notice of the execution of any Trust save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction ordered, to recognised any Trust or equity or other interest affecting the title to any units represented in the scheme.

(2) When an application is made by an individual for the benefit of another individual who is mentally handr-capped and accepted by the Trust, the Trust shall not be deemed to be taking notice of any trust. The Trust shall deal, for all purposes, under the Scheme and the Plan made thereunder with the applicant or the person mentioned as alternate applicant in the application form in the event of the applicant's death.

#### VII. Transfer/Pledge/Assignmentof Units

Units issued under the Scheme are Transferable/Pledgeable/Assignable subject to the following terms:

- (a) The Unit Certificate (and not Membership Advice) issued in accordance with the provisions of the scheme is negotiable and can be transferred to the individuals, expressed and such other categories as are mentioned in Clause III of the provisions of the plan.
- (b) Transfers may be effected only by and between transferors and transferees who are capable of holding units. The Trust shall not be bound to recognise any other transfer.
- (c) Transfer instruments with the relative Unit Certificates and unencashed warrants subsequent to and inclusive of the month of transfer (in case of Monthly Income option) and accompanied by such fee as may be prescribed from time to time by the Trust shall be lodged with any of the offices of the Registrars appointed for the purpose.
- (d) Any transfer deed lodged with or accepted by any of the offices of the Trust shall be forwarded to the nearest office of the Registrars.
- (e) Every instrument of transfer shall be signed by the transferor and the transferee and the transferor shall be deemed to hold units until the name of the transferee is entered in the register of members by the Registrars.
- (f) The Registrars may require such evidence as they may consider necessary in support of the title of the transferor or his right to transfer units.
- (g) The Registrars may subject to compliance with such requirements as they deem necessary dispense with the production of the original Unit Certificate, should it be lost, stolen or destroyed.
- (h) Upon registration of a transfer of units all instruments of transfer and the Unit Certificate may be retained by the Registrars.
- (i) The Registrars recognising and registering a transfer may issue the original or fresh Unit Certificate and Income Distribution Warrants (in case of Monthly Income option) to the transferee upon payment and realisation of such charges as are payable in connection with the transfer and issue a ce. ifficate and warrants.
- (j) If a transferee becomes a holder of units in an official capacity, by operation of law or a scheduled bank upon enforcement of a pledge then the Registrars shall subject to the production of such evidence which in their opinion is sufficient, proceed to effect the transfer, if the intended transferce is otherwise eligible to hold units.
- (k) Subject to the provisions contained hereinabove the Trust shall register the transfer and return the Unit Certificate alongwith income warrants, if any, to the transferee within 30 days from the date of lodgement of Unit Certificate together with the relevant instrument of transfer.

## VIII. Development Reserve Fund (DRF) contribution

0.25% of the monthly average Net Asset Value shall be set aside as contribution towards the DRF of the Trust every year,

DRF contribution will be part of recurring expenses.

The Trust instituted this fund in the year 1983-84 as a common fund to enable the Trust to meet the expenditure in respect of research & development work in connection with the infroduction of new Schemes, innovation of new systems and procedures at the conceptual stage and elso various other productional & developmental work not related to or linked with any particular Scheme itself. Fund is also utilised for Economic and Capital Market Research, Management & Professional Training, Surveys and Market Research for the Trust, Marketing and Corporate image building efforts that are not connected to any specific Scheme, Human Resource Development efforts with long term effects and which may relate to the Trust's future activities and for meeting the shortfall, if any, in the assured rate of return of any of the schemes of the Trust.

#### IX. Staff Welfare Trust Contribution

0.10% of monthy average Net Asset value shall be set aside every year as contribution to the Staff Welfare Trust. The Trust has instituted the Staff Welfare Trust for the welfare of its employees which shall include relief in distress, medical relief, health relief or for similar other purposes.

#### X. Publication of Accounts

The Trust shall as soon as may be after the 30th June of each year cause to be published in such manner as the Board may decide, accounts in the manner specified by the Board showing the working of the Scheme and the Plan made thereunder during the period ending as of that date. The Trust shall furnish to SEBI copies of duly audited annual accounts including the balance sheet and Revenue accounts as also unaudited balf yearly accounts and the quarterly statement of movements in NAV and a quarterly portfolio statement including changes from the previous periods. The Trust shall make such disclosures to the investors as are essential to keep them informed about any information which may have an adverse bearing on their investments. The Trust chall, on request in writing received from a member, furnish him a copy of the accounts and statements so published.

XI. Additions and Amendments to the Scheme and the Plan made thereunder.

The Board may from time to time add to or otherwise amend this Scheme and the Plan made thereunder and any amendment/addition thereof will be notified in the Official Gazette. In case of any amendments prior approval of SEBI shall be obtained.

When any change in the fundamental attributes of the scheme or the trust or fees and expenses payable or any other change which would modify the scheme or affect the interest of the members is proposed to be carried out the consent of not less than three-fourths of the members shall be obtained;

Provided that no such change shall be carried out unless three-fourths of the members have given their consent and who do not give their consent are allowed to redeem their holdings in the scheme.

Explanation: For the purpose of this clause "fundamental attributes" means the investment objective and terms of the

# XII. Termination of the Scheme and Plan made thereunder:

(a) The scheme shall stand finally terminated on 31.08.2002, the outstanding units of the members shall be paid the value of their units at the repurchase price fixed for the final repurchase during the above perod. Besides receiving the repurchase price determined, no further benefit of any kind either by way of increase in the repurchase value or by way of income for any subsequent period shall accrue. However, the Trust reserve with the prior approval of SEBI the right to extend the scheme beyond 5 years. In such an event the member shall be given an option to either sell back the

units to the Trust or to continue in the scheme. The Trust could also give the investor the option to convert the repurchase proceeds into any other scheme launched or in operation at that time.

- (b) The Trust may wind up the Scheme and the Plan made thereunder under the following circumstances:
  - on the expiry of five years of the scheme i.e. on 31st August, 2002 or on the expiry of such date beyond five years as may be decided by the Trust.
  - (ii) on the happening of any event which in the opinion of the Trust requires the Scheme and the Plan made thereunder to be wound up, or
  - (iii) if 75% of the Members pass a resolution that the scheme be wound up; or
  - (iv) if the SEBI so directs in the interest of the Members.
- (c) Where the Scheme is wound up in pursuance of sub clause (b) above, the Trust shall give notice of the circumstances leading to the winding up of the Scheme to SEBI and in two daily newspapers having circulation all over India and also in a vernacular newspaper circulating in Mumbai at least before a week the termination is effected.
- (d) On and from the date of advertisement of the termination, the Trust shall—
  - (i) cease to carry on any business activities in respect of the Scheme.
  - (ii) cease to create and cancel units in the Scheme.
  - (iii) cease to issue and redeem units in the Scheme.
- (e) The Board of Trustees shall call a meeting of the members to consider and pass necessary resolution by simple majority of the members present and voting at the meeting for authorising the Trustees or any other person to take steps for winding up of the Scheme;

Provided that a meeting shall not be necessary if the scheme is wound up at the end of the maturity period of the scheme.

- (f) (i) The Board of Trustees or the person authorised under sub clause (e) shall dispose of the assets of the scheme in the best interest of the members of the Scheme.
  - (ii) The proceeds of sale made in pursuance of sub clause (f) (i) above, shall, in the first instance be utilised towards discharge of such liabilities as are properly due under the Scheme and after making appropriate provision for meeting the expenses contacted with such winding up, the balance shall be paid to the members in proportion to their respective interest in the assets of the Scheme as on the date when the decision for winding up was taken.
- (g) On completion of the winding up, the Trust shall forward to the SEBI and the members a report on the winding up containing particulars such as circumstances leading to the winding up, the steps taken for disposal of assets of the scheme before winding up, expenses of the scheme for winding up, net assets available for distribution to the members and a certificate from the auditors of the scheme.
- -(h) Notwithstanding anything contained hereinabove, the application of the provisions of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996 in respect of disclosures of half yearly reports and annual report shall continue.
  - (i) After the receipt of the report referred to in clause XII (g) of the scheme, if the SEBI is satisfied that all measures for winding up of the scheme have been completed, the scheme shall cease to exist.

- (j) The Trust shall pay the repurchase value as early as possible after the Membership Advice along with the request letter for repurchase/Unit Certificate duly discharged has been received by it and other procedural and operational formalities are complied with. The Membership advice/Unit Certificate, the request letter for repurchase and other forms, if any, shall be retained by the Trust for concellation.
- (k) In case of Non-Resident investors, repurchase/ maturity proceeds will be remitted depending upon the source of investment as given below:
  - (i) When units have been purchased from remittance in foreign exchange from abroad or from the proceeds of the member's FCNR deposits or from funds held in member's Non-Resident (External) Account kept in India, the proceeds can be remitted to the member in foreign currency.
  - (ii) When units have been purchased from funds held in member's Non-Resident (Ordinary) Account, the maturity cheque will be despatched to the relative of the investor in India.

#### XIII. Power to construe provisions:

If any doubt arises as to the interpretation of any of the provisions of the Scheme and the Plan made thereunder, only Chairman, and if no one is appointed as Chairman then, the Executive Trustee shall have powers to construct the provisions of the Scheme and the Plan made thereunder, in so far such construction is not in any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the Scheme and the Plan made thereunder and such decision shall be conclusive, binding and final. The provisions of the scheme formulated hereunder and the provisions of the plan as stated in the scheme shall be read in conjunction to each other.

#### XIV. Relaxation of provisions:

Only Chairman, and if no one is appointed as Chairman then, the Executive Trustee of the Trust may in order to mitigate hardship or for smooth and easy operation of the Scheme and the Plan made thereunder, relax any of the provisions of the Scheme and the Plan made hereunder in case of any member or class of members upon such terms as may be deemed expedient under intimation to SEBI.

Any changes in the offer document shall be with prior approval of SEBI.

XV. Scheme and Plan made thereunder to be binding on members:

The terms of the Scheme and the Plan made thereunder including any amendments, changes thereto from time to time shall be binding on each member and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding notwithstanding anything contrary contained in the provisions of the Scheme and the Plan made thereunder.

## XVI. Benefits to the members:

All benefits accruing under the Scheme and the Plan made thereunder in respect of capital, reserves and surpluses, if any, at the time of the closure of the Scheme and the Flan made thereunder shall be available only to the members who hold the units for the full term of the Scheme and the Plan made thereunder till its closure.

Approval of members of the plan shall be sought in the following circumstances:

- (i) whenever required to do so by SEBI in the interest of the members; or
- (ii) whenever required to do so on the requisition made by three-fourths of the members of the plan;
- (iii) when the majority of the trustees decide to wind up or prematurely redeem the units; or
- (iv) when any change in the fundamental attributes detailed in clause XI of the scheme or fees and expenses payable or any other change which would

modify the plan or affect the interest of the members is proposed to be carried out unless the consent of not less than three-fourths of the members is obtained.

## TAX GUILE

## Tax Concessions:

Taxation of income and capital appreciation under the plan will be subject to prevalent tax laws. As per the present taxation laws income from units to all Residents and Non-Residents (if units are bought through payment from Non-Resident ordinary account, income of individuals and HUF) by vay of income under all schemes of the Trust including "MIP '97(III)" will enjoy deduction from income upto an overall limit of Rs. 15.000/- under section 80(L) of Income Tax Act, 1961. Any long term capital gains arising out of the plan will be subject to treatment indicated under section 48 and 112 of the Income Tax Act, 1961.

Value of investment in units under the plan is exempted from wealth tax.

Capital Gains Tax Exemption under Section 54EA:

Investment of entire or part of net consideration arising out of transfer of long term capital assets in MIP-97 (III) will be cirible for capital gains tax exemption under Section 54EA of the Income Tax Act, 1961 subject to availability of repurchase/transfer/pledge only after three years from the date of acceptance of the application.

#### For Eligible Trusts:

Units are approved securities under section 11(2) (b) of the Income Tax Act 1961, Eligible Trusts investing in units will, therefore, qualify for tax exemption in respect of income and corpus under section 11 and 13 of the Income Tax Act, 1961.

Deduction of Tax at source:

#### Residents:

As per the present taxation laws the Trust under both the options is required under section 194K to deduct income tax at source @ 15% from the income payable to individual members under the plan if such income exceeds Rs. 10,000/during the financial year.

Similarly tax will be deducted at source @ 15% from the income payable to HUFs if such income exceeds Rs. 19,000/- during the financial year.

Similarly tax will be deducted at source @ 20% from income pavable to companies if such income exceeds Rs. 10,000/- during the financial year.

#### Non-Residents:

As per Finance Act, 1995, Section 196A of the Income Tax Act, 1961 has been substituted to provide for deduction of tax at source at the rate of 20% on income received by NR is in respect of units of any Schemes of UTI acquired by them through payment from Non-Resident (Ordinary) Account,

As per circular No. 734 F No. 500/4/96-FTD, dated 24th January, 1996 issued by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue in order to avoid double taxation for Non-Resident members residing in UAE the tax will be deducted at source at a concessional rate of 15% where source of funds is NRO account.

## No deduction of tax:

#### Residents:

Member (not being a company or a firm), desiring receipt of income without deduction of tax at source should furnish to the Trust a declaration in writing, in duplicate, in the prescribed form No. 15H and verified in the prescribed manner to the effect that the tax on his/its estimated total

income for the relevant year will be nil, in accordance with the income tax rules. The prescribed form No. 15H for non deduction of tax at source should be submitted alongwith the application and for subsequent years atleast three months before the despatch of Income Distribution Warrants, failing which tax will be deducted at source as per the prevalent tax laws.

No deduction of tax will be made for Trusts which are covered under Sections 11 or 12 or 10 (22) or 13 (22A) or 10 (23) or 10 (23AA) or 10 (23C) of the Income Tax Act, 1961 on the basis of a declaration in the format provided in the application form.

#### Non-Residents:

In case of Non-Residents if units are bought directly through remittance in foreign exchange or through payment from Non-Resident (External) account kept in India or from proceeds of FCNR deposits, income from such units is totally exempt from Income tax.

In the above case UTI shall not deduct income tax at source irrespective of the amount of income.

Disclosures regarding income tax/wealth tax/gift tax/capital gains tax, investments by NRIs/OCBs/FIIs are in conformity with the prevalent Income Tax Act, FERA and RBI's directions and permissions.

#### Rights of Members:

- 1. Members under the Plan have a proportionate right in the beneficial ownership of the assets of and to the income declared by the Plan.
- 2. The Members have a right to ask the Trustees about any information which may have an adverse bearing on their investments and the Trustees shall be bound to disclose such information to the Members.
- The Members have the right to inspect all documents listed under the heading "Documents available for inspection".

## Custodians:

Stock Holding Corporation of India situated at Mittal Court, B-Wing, Nariman Point, Mumbai-400 021, have been functioning as custodian for all our Schemes and Plans as per the agreement entered into with them on January 17, 1994.

The custodians are required to take delivery of all securifies belonging to Schemes/Funds/Plans of the Trust and hold them in custody. The custodians will deliver the securities only as per instructions from the Trust and receipt of the consideration. The custodian shall be generally authorised to attend to all non discretionary and procedural details for discharge of normal custodial functions in connection with the sale, purchase, transfer and other dealings with the securities, other assets held by them as an agent except as may otherwise be directed by the Trust.

Custodians shall provide all information, reports or any explanation sought by the Trust or the auditors of the Trust for the purpose of audit and for physical verification and reconciliation of Securities belonging to the Schemes/Funds/Plans of the Trust.

#### Auditore:

M/s. S. K. Kapoor & Co., 16/98 LIC Bldg., The Mall, Kanpur-208 001 and M/s. Chaturvedi & Company, Chartered Accountants, 60, Bentik Street, Calcutta-700 069. The auditors of the Scheme are appointed by the IDBI and they are subject to change from year to year.

## Investor Complaints:

Complaints received, redressed and pending for the period 01-04-96 to 31-03-97 are given below:

## ANNEXURE I

Scheme Name	No. of Complaints				
Name S	Received	Redressed	Pending	to Total Recd.	
1	2	3	.1	5	
CCCF	2044	2009	35	1.71%	
CGGF	14936	14661	275	1.84%	
CGS-83	9577	9516	61	0.64%	
CGUS-91	4722	4585	137	2.90%	
CRTS	244	202	42	17 .21 %	
DIUP-93	375.	366	9	2.40%	
DIUP-95	1154	1111	43	3.73%	
DIUS -90	1441	1432	. 9	0 .62 %	
DIUS-91	4277	4206	71	1 .66%	
DIUS-92	1895	1881	14	0.74%	
EOF	930	922	8	0.86%	
GCGI	17108	15823	1285	7 .51 %	
GMIS-91	15363	14680	683	4.45%	
GMIS-92	<b>596</b> 0	<b>5</b> 461	499	8.37%	
GMIS-72(II)	400	397	3	0.75%	
GMIS B-92	239	235	4	1 .67%	
GMIS-B-92(II)	1563	1499	64	4.09%	
GRANDMASTER-93	930	924	6	0.65%	
GRIHALAKSHMI UNIT PLAN	1944	18 <b>5</b> 9	85	4.37%	
HOUSING UNIT SCHEME	267	237	30	11 .24%	
IESFUS	3	3	. 0	0.00%	
MASTERGAIN-92	31710	30029	1681	5.30%	
MASTERGROWTH-93	2172	2120	52	2.39%	
MASTERPLUS-91	4335	4267	68	1.58%	
MASTERSHARE-86	11003	10194	809	7 .35 %	
MEP-91	4106	3912	194	4.72%	
MEP-92	37889	35211	2678	7.07%	
MEP-93	36686	36189	497	1,35%	
MEP-94	5315	5219	96	1 .81%	
MEP-95	8261	8147	114	1.38%	
MEP-96	3629	3612	17	0.47%	
MIP-93	2326	2286	40	1.72%	
MTP-94(1)	2509	2455	54	2.15%	
MIP(ii)	2625	2549	76	2-90%	
MIP-94 (iii)	5923	5755	168	2.84%	
MIP-95	4241	3918	323	7.62%	
MIP-95 (ii)	5557	5287	270	4,86%	
MIP-95 (iii)	4371	4287	84	1.92%	
MTP-96	3713	3638	75	2.02%	
MTP-96 (ii)	<b>346</b> 0	3423	37	1.07%	
MIP-96 (iii)	4335	3976	359	8.28%	

1	2	3	. 4	5
MIP-96 ('V)	1739	1427	312	17.94%
MIS-B-93	3401	3353	48	1.41%
MISG-90 (i)	190	<b>∸</b> 15 <b>6</b>	34	1.7.89 %
MISG-90 (ii)	1527	1498	29	1.90%
MISG-91	1874	1844	30	1 .60 %
OMNI PLAN	54	43	11	20.37%
PRIMARY EQUITY FUND	291	241	50	17.18%
RAJLAKSHMI U. P.	5246	5103	143	2.73%
RETIREMENT BENEFIT PLAN	2039	1765	274	13 .44%
SENIOR CITIZEN U.P.	763	720	43	5.64%
UGS-2000	5954	5719	235	3.95%
UGS-5000	5310	5074	236	4.44%
UĹIP	11535	10428	1107	9.60%
US-64	156311	147258	€053	5.79%
US-92	. 4397	4383	14	0.32%
Total	470169	447495	22675	4.82%

The pending figures are pending reported for each scheme by the 4 zonal offices at the end of March 1997 and the receipt indicate the cumulative figures for the period under report.

The data for the period 01.04-96 to 30-09-96 under the Western-zone-registrar managed scheme has been arrived by WZO after taking 6 months average of data for July '95 to September '96.

Complaints of Master Gain 1992, Master Plus 1991 and Master Share 1986 have been arrived after reducing the multiplicity of complaints only for IRC complaints.

#### Reasons for pending complaints are:

- (1) Non-receipt of application funds from the collecting banks.
- (2) Incomplete details of the investor in the application including address, name and signature of the investor.
- (3) Change of address of investor not informed/not updated.
- (4) Lors in transit.
- (5) Postal delay.
- (6) Non compliance of required documents in case of transfer/death claims/Repurchase.
- (7) Incomplete details while forwarding the complaints.
- (8) Non-receipt/Delayed receipt of commission.
- (9) Letters/Documents sent to the wrong office/Registrars.

All investors could refer their grievances giving full particulars of investment to concerned Investors' Relation Cell at the following addresses:

WESTERN ZONE:

Unit Trust of India

Investors' Relation Cell

Commerce Centre 1, 28th Floor,

World Trade Centre, G D Somani Marg,

Cuffe Parade, Mumbai-400 005.

Tel: 2180172/2181600.

EASTFRN ZONE:

Unit Trust of India

Investors' Relation Cell

2, Fairlie Place, 2nd Floor,

Calcutta-700 001 Tel: 2434581

SOUTHERN ZONE:

Unit Trust of India

Investors' Relation Cell

UTI-House, 29, Rajaji Salai, Chennai 600 001

Tel: 517101 Ext. 360/364.

NORTHERN ZONE:

Unit Trust of India

Investors' Relation Cell

Herald House, 2nd floor,

5A. Bahadurshah Zafar Marg,

New Delhi-110 002.

Tel: 3329860

#### Registrars

UTI Investors' Services Ltd. have been appointed to work as Registrars for the Western and Southern zones and M/s. M. N. Dastur and Co. Ltd. for the Northern and Eastern zones:

It has been ascertained that the Registrars have adequate capacity to discharge their responsibilities with regard to processing of applications, transfer forms and repurchase requests, despatch of Membership Advice/Unit Certificate and income warrants, within the prescribed time frame and also handle investor complaints.

Processing of applications and after sales services will be handled from the following branches of the Registrars:

UTI Investors' Services 'Limited

Western Zone: Plot No. 369, Marol Maroshi Road, Near Marol-Maroshi Bus Depot, Vijay Nagar, Andheri (E) Mumbai-400 059.

Southern Zone: Justice Basheer Ahmed Syed Building. 45, Second Line Beach, Chennai-600 001.

M/s, M. N. Dastur and Co. Ltd.

Northern Zone: Flat Nos. A-301-311, Somdut! Chambers-1, 5, Bhikaji Cama Place, R.K. Puram, New Delhi-110 006, Tel: 6166838/6186252.

Eastern Zone: Computer Centre, 52, Chowringhee Road (4th Floor), Calcutta-700 071. Tel: 2425142/2428701

Documents available for inspection

The following documents will be available for inspection at the Central Investors Relations Cell, Unit Trust of India,

SNDT Women's University Basement, Door No. 1, Sir Vithaldas Thackersey Marg, Mumbai-400 020.

• The UTI Act

• The General Regulations

The agreements with the custodians, registrars and collecting banks.

• Copy of Offer Document MIP97(III).

## Details of Five Previous Monthly income Plans of UTI

Plan	MIP '96(II)	MIP '96(III)	MIP '96 (IV)	MIP '97	MIP '97(II)
Date of Commencement	01-07-19 <b>96</b>	01-10-1996	01-01-1997	01-05-1997	01-07-1997
Date of Tormination	30-06-2001	30-09-2001	31-12-2001	30-04-2002	30-06-2002
Monthly Income	15% p.a. for the first year	15%p.a. for the first year	15% p. a. for the first year	14% p.a. for all the five years	14% p.a. for all the five years
Cumulative Option	. <b></b>	<b>-</b> ,	-	Rs. 2,000/- becomes atleast Rs. 4,012/-	Rs. 2,000/- becomes atleast Rs. 4,012/-
Amount Collected	Rs. 371 ,27 Cr.	Rs. 376.08Cr	Rs. 827 .38Cr.	Rs.1142.30Cr.	*Rs. 989.30
No. of Applicants	1,50,967	1,37,819	3,26,839	3,25,649	*2,33,464

<sup>\*</sup>As on 13-06-1997.

Table -

Sl. No.	Plans	Annual Income Paid/Payable Monthly	Capital Appreciation(%) on maturity Assured	Actual	Bonus(%) paid/ Payable
1	.2	3	4	5	6
Scho	emes Matured				
1.	MIS-1	12% p.a.	***	6	<u>-</u>
2.	MIS-2	12% p.a.	_	7	<u>-</u>
3.	MIS-3	12% p.a.	_	8	_
4.	MIS-4	12% p.a.		8	_
5	MIS-5	12% p.a.		10	<u></u>
6.	MIS-6	12% p.a.	2	5.5	1.5
7.	MIS-7	12% p.a.	2	6	1.5.
8.	MIS-8	12% p.a.	2	7	1.5
9.	MIS-9	12% p.a.	2	<b>9</b> ``	<del>-1</del> .75
10.	MIS-10	12% p.a.	2	9	2.00
11.	MIS-11	12% p.a.	2	11	2.25
12.	MIS-12	12% p.a.	2	28	2.25
13,	MIS-13	12% p.a.	. 2	.40	3.00

1	2	3	4	5	6
14.	GMIS/92	14.5% p.a. for the first 3 years and 15% p.a. for the last 2 years	Minimum 2% on maturity in case of monthly income option	7.6	
			cumulative option	5.6	<del></del>
15.	MI5G'90	12% p.a.	-	8	1% payable at the end of each year.
Sche	emes in Operation			•	
16.	MISG'92(II)	14.5% p.a. for the first 3 years and 15% p.a. for the last 2 years	Minimum 2% on maturity in case of monthly income option	5	-
17.	MISG'90(II)	13% p.a.	_	_	2% declared at the end of 3rd year and addl. 2% bonus declared at the end of 5th year.
18.	MISG'91	13% p.a.			3% declared at the end of 3rd year Addl. bonus dividend of 3% will be paid after 5th year
19.	GMIS/91 (Rolled over as MIP 96(IV) upto 31-12-2001)	15% p. a. for the first year 15% for the period 1-1-1998 to 31-3-1998*	<b>-</b> .	-	<del>- ye</del>
20.	GMISB'92	14.5% p.a. for the first 3 years & 15% p.a. for the last 2 years	Minimum 2% on maturity in case of monthly income option	-	2% bonus dividend declared & is payable on maturity
		the fact 2 years	Cumulative option.	5.6	maturity
Rolle	ed over upto 31-1	2-2001.			
21.	GMISB'92(II)	14% p.a. for the first 2 years & 14.5% p.a. for the last 3 years	Do.		2% declared at the end of 3rd year and will be paid on maturity
22.	MI73'93	14% p.a,	Do.		Nil bonus declared at the end of 3rd year
23.	MIP'93	13.5%	Do.	,	Nil Bonus declared at the end of 2nd year. Bonus may be declared at the end on 4th year and shall be payable on maturity

1	2	3	4	. 5	6
24.	MIP'94	13% p.a. for the first 2 years i.e. upto Feb. 96 &@ 3.5 p.a. under the monthly income option & 14% p.a. under cumulative option for the period 1-3-96 to 28-2-98*	_		_
25.	MIP'94(II)	13% p.a. payable monthly for first 2 years 14% p.a. payable monthly for next 2 years*		<b>→</b>	·
<b>1</b> 6.	MIP'94(III)	12% p.a. for the first year & 13% p.a. payable for the second year 13% p.a. for the period 1-1-1997 to 31-3-1997 13% p.a. for 1-4-1997 to 31-3-98*	~~		_
27.	MIP'95	13% p.a. for the first year & 14% p.a. for the 2nd year 14% p.a. for 1-7-97 to 31-3-1998*	-		
28.	MIP'95(II)	13.5% p.a. for the first year & $14\%$ p.a. for the second year $14\%$ p.a. for $1-4-1997$ to $31-3-98*$		_	<del></del>
28.	MLP: 95(III)	14% p.a. for the first year 14% p.a. for the period 1-1-1997 to 31-3-97 14% p.a. for 1-4-97 to 31-3-1998*			-
30.	MIP'96	14.5% p.a. for the first year 14.5% p.a. for 1-5-1997 to 31-3-1998*			-
31.	MIP'96(II)	15% p.a. for the first year 15% p.a. for 1-7-1997 to 31-3-1998*	_	· <u> </u>	
32.	MIP'96(III)	15% p.a. for the first year 15% p.a. for 1-10-1997 to 31-3-1998	-		-
33.	MIP'96(IV)	15% p.a. for the first year 15%p.a. for the period 1-1-98 to 31-3-1998*	_	_	
34,	MIP'97	14% p.a. for all the five years	<del>-</del> .	-	
35.	MIP'97(II)	14% p.a. for all the five years	<del></del> ,	<del></del>	<b></b> .

<sup>\*</sup>Income rate for the subsequent years will be announced at/before the end of preceding year.

[PART III-Sec. 4

## HISTORICAL DATA-MONTHLY INCOME SCHEMES

MIS POOL 2 14.86	MISG POOL 3 11.36	GMIS POOL 4 13.00	GMIS B 98 POOL 5	MIS B 93 POOL 6.	MIP 94	MIP 94 (ii) 8	MISG 90 POOL 9	GMIS POOL	GMIS B 92 POOL	MIS B 93 POOL	MIP 94	<b>MIP</b> 94(iî)	MIP 94(iii)	МІР 95
					, 7	8	9	10	41		_			
14.86	11.36	13.00	11.71	10.06				~~	11	12	13	14	15	16
14.86	11.36	13.00	11.71	10.06			-							
				10.50	10.06	10.10	10.91	13.03	11.49	19.78	9.87	9.58	9.47	10.05
1.99	1.44	1.53	1.63	0.90	0.55	0.05	1.40 ′	1.72	1.64	1.34	0.96	0.67	0.17	0.06
3.26	9.00	0.35	0.00	0.10	0.00	o. <b>o</b> o	·	0.03	0.17	0.08		_	0.03	
0.17	0.02	0.04	0.07	0.05	0.00	0.00	0.04	0.05		· _	0.01	10.0	0.03	
<b>1</b>				•										
0.10	0-03	0.05	0.05	0.07	0.06	0.04	0.05	0.06	0.07	0.06	0.07	0.07	0.07	0.01
. 5.33	1.44	1.88	1.64	0.97	0.49	0.02	1 -40	1 - 74	1.74	1.36	0.90	0.60	9.10	0.05
0.12	0.00	1 7.	1.00	0.07	0.04	0.00			0.25					
	0.17 0.10 5.33	3.26 9.00 0.17 0.02 0.10 0.03 5.33 1.44	3.26 0.00 0.35 0.17 0.02 0.04 0.10 0.03 0.05 5.33 1.44 1.88	3.26	3.26 9.00 0.35 0.00 0.10  0.17 0.02 0.04 0.07 0.05  0.10 0.03 0.05 0.05 0.07  5.33 1.44 1.88 1.64 0.97	3.26     9.00     0.35     0.00     0.10     0.00       0.17     0.02     0.04     0.07     0.05     0.00       0.10     0.03     0.05     0.05     0.07     0.06       5.33     1.44     1.88     1.64     0.97     0.49	3.26     0.00     0.35     0.00     0.19     0.00     0.00       0.17     0.02     0.04     0.07     0.05     0.00     0.00       0.10     0.03     0.05     0.05     0.07     0.06     0.04       5.33     1.44     1.88     1.64     0.97     0.49     0.02	3.26       0.00       0.35       0.00       0.10       0.00       0.00       -         0.17       0.02       0.04       0.07       0.05       0.00       0.00       0.04         0.10       0.03       0.05       0.05       0.07       0.06       0.04       0.05         5.33       1.44       1.88       1.64       0.97       0.49       0.02       1.40	3.26     0.00     0.35     0.00     0.10     0.00     0.00     —     0.93       0.17     0.02     0.04     0.07     0.05     0.00     0.00     0.04     0.05       0.10     0.03     0.05     0.05     0.07     0.06     0.04     0.05     0.06       5.33     1.44     1.88     1.64     0.97     0.49     0.02     1.40     1.74	3.26     0.00     0.35     0.00     0.10     0.00     0.00     —     0.83     0.17       0.17     0.02     0.04     0.07     0.05     0.00     0.00     0.04     0.05     —       0.10     0.03     0.05     0.05     0.07     0.06     0.04     0.05     0.06     0.07       5.33     1.44     1.88     1.64     0.97     0.49     0.02     1.40     1.74     1.74	3.26     0.00     0.35     0.00     0.10     0.00     0.00     0.03     0.17     0.08       0.17     0.02     0.04     0.07     0.05     0.00     0.00     0.04     0.05     0.05     0.06       0.10     0.03     0.05     0.05     0.07     0.06     0.04     0.05     0.06     0.07     0.06       5.33     1.44     1.88     1.64     0.97     0.49     0.02     1.40     1.74     1.74     1.36	3.26       0.00       0.35       0.00       0.10       0.00       0.00        0.93       0.17       0.08          0.17       0.02       0.04       0.07       0.05       0.00       0.00       0.04       0.05         0.01         0.10       0.03       0.05       0.05       0.07       0.06       0.04       0.05       0.06       0.07       0.06       0.07         5.33       1.44       1.88       1.64       0.97       0.49       0.02       1.40       1.74       1.74       1.36       0.90	3.26       0.00       0.35       0.00       0.10       0.00       0.00        0.93       0.17       0.08           0.47       0.02       0.04       0.07       0.05       0.00       0.00       0.04       0.05         0.01       0.01         0.10       0.03       0.05       0.05       0.07       0.06       0.04       0.05       0.06       0.07       0.06       0.07       0.06         5.33       1.44       1.88       1.64       0.97       0.49       0.02       1.40       1.74       1.74       1.36       0.90       0.60	3.26 0.00 0.35 0.00 0.10 0.00 0.00 — 0.03 0.17 0.08 — — 0.03 0.17 0.02 0.04 0.07 0.05 0.00 0.00 0.04 0.05 — — 0.01 0.01 —0.03 0.10 0.03 0.05 0.05 0.07 0.06 0.04 0.05 0.06 0.07 0.06 0.07 0.07 0.07 5.33 1.44 1.88 1.64 0.97 0.49 0.02 1.40 1.74 1.74 1.36 0.90 0.60 0.10

13-20 <b>Q</b> 1/97	Market price  Righest  Lowest  Repurchase price  Highest  Lowest  Sale price  Highest  Lowest  På Ratio															
,	Per unit ratio of capenaes to average net assets by percentage.  Per unit ratio of sross income to average net assest by percentage (excluding transfer to revenue account from past year's reserve but including	0.65	0.23	0.36	0.45	0.68	0.57	0.35	0.46	<b>0.49</b>	0.56	0.55	0.66	0.76	0.69	0.14
. <b>e</b>	unr alised appreciation on investments) Per unit NAV	36.49 14.86	19. <b>9</b> 5 11.36	28.91 13.00	23.03 11.71	17.41 10.96	5.45 10.06	1 -42 10 -10	15.49 10.91	· 21.51	. 16.06 11.49	15.47 10.78	9.73 9.87	2.84 . 9.58	2.87 9.47	0.42 10.05

## HISTRORICAL DATA-MONTHLY INCOME SCHEMES

						199	5-96	•_				•	
	TORICAL ATISTICS	MISG 90 POOL	GMIS POOL	GMISB 92 POOL	MISB 93 POOL	MIP 94	MIP 94(ii)	MIP 94(iii)	M1P 95	MIP 95(ii)	MIP 95(迎)	Mir 90	MIP 96(ii)
	1	2	3	4	5	6	. 7	8	9	10	1,1	12	13
(A)	Net Assets Value, per unit	10.89	13.95	12.57	11.44	10.44	9.76	9.6 <u>1</u>	10.35	10.89	10.98	10.29	9.96
<b>(19</b> :	Gross income per unit	l											
(i)	Income other than profit on sale of investment, per unit	1.40	1.74	1.65	1.45	1.60	1.15	1,20	1.38	1.19	0.83	0.27	0.05
(ii)	on inter scheme sales/transfer of												
(iii)	investment, per unit Income from profit on sale of investment to third party,	<del>-</del>	G. <b>45</b>	0.10	0.02	0.11	0.61	0.02	upan		0.01	0.01	
	per unit	0.06	0.51	0.12	0.03	0.03	0.06	0.03	0.02	0.11	0.62	_	
(i <del>v</del> )	Transfer to revenue account from past ye	e <b>ar'</b> s											
	reserve per unit	-	P	0.04		-0.01		~~					
(C)	Aggregate of expenses write off, amortisation and charges,	•											
•	per unit	9.04	0.07	0.07	0.07	0.06	0.07	0.07	0.07	0.09	0.06	0.04	0.03
(D)	Net income, per unit	1 .43	2.22	1.84	1.43	1.70	1.15	1.17	1 .33	1.22	0.79	9.24	0.02
(E)	Unrealised appreciation depreciation in value of investment, per unit		6.72	<b>0.41</b>	0.40	0.39	<b>0.4</b> 2	-0.49	0.06	0.55	0.82	0 43	0,07
_					1 <del></del>	<b></b>	V- 14	5.13		0,00			-, -,

(F) Market price Righest

Lowest

Repurchase Price Highest Lowest

Sal price Highest Lettest Ph Ratio

(6)	expenses to average net assets by per- c ntage:	0 34	0.54	0.69	0.60	0.80	0.73	0.75	0.71	0.81	0.58	., 0.44	0.28
(H)	Per unit, ratio of gro- income to average ne assets by percentage (excluding transfer to revenue account from year's reserve but inci- unrealised appreciation	t n past luding											
	investments)	15 82	22.39	19.30	17.09	17 55	12 61	13 06	14.33	16.97	15.21	6 89	1.16
(i)		10 89	13.95	12.57	11 44	10 44	9.76	9.61	10 35	10 89	10.98	10.29	9.96

2700

## HISTORICAL DATA—MONTHLY INCOME SCHEMES

					V 07 0	· IFO 8					<del></del>			
HISTORICAL				•	)1-U/- <b>y</b> (	103	1-12-19	90						
STATISTICS	7		ಧ	چ		-								
	8	or or	8	8		<u>~</u>	Ē		Ċ	台		А	<b>a</b>	S
	88	22	83 29	.83	** .	7. E)	E) X	ጽ	35 (13	) S (I	*	D 96	D 96	D 96
	MISG 90 POOL	GMIS POOL	GMISB 92 POOL	MISB 93 POOL	MIP 94	MTP 94 (II)	MOTP Sta (TILL)	MIP 95	MIP 95 (II)	жте 95 (СП)	MIP	MIP 96 (II)	MIP 96 (III)	MATP 96 (TV)
			•	<b>F</b>		<b>~</b>	~	~	<b>*</b>	<b>,=</b> 0	, AC.	~	~	<b>A</b>
(A) Net Asset Value, per unit	10 .59	13 .35	12.51	11 ,18	10.34	9.58	9 ,47	10.46	11 .01	10.84	10 .37	10.26	9 .99	10 .09
(B) Gro s in ome per unit broken up into;														
(i) Income other than profit on sale of investment, per unit	<b>0</b> , 0	1 .67	0 , <b>84</b>	0 .62	0.47	0 .41	0 ,41	0 .72	♦ .74	0 .72	0.66	0.51	0 .31	<b>0</b> .10
(ii) Income from prelit on inter- sch me sales/transfer of in- vestment per unit	_	0 .30	10, 0		_	_	_	=,-		0.02	0 .02	<u>.</u>	_	
(iii) Income from profit on sale of investment to third party, por unit	0 .01	0 .34	-	10. 0	0 .02	0 ,03	0 .03	0 .02	0 .03	04	-0 .02 -	-0,02		
(iv) Transfer to revenue account from past year's reserve per unit	0 .04		0 .05		0.10	0.17	0.13							
(C) Aggregate f expenses, write off, amortisation and charges, per unit	0 .02	0.07	0 ,03	0 .03	0,94	0 ,03	0 .03	0 .03	0 .05	0 .05	0.05	0 .05	0 ,04	0 .01
(D) Not income, per unit	0.71	2.24	0 ,86	0 .59	0.55	0 ,58	0 .54	0.67	0 .72	0 .73	0 .61	0.44	0 .27	0.04
(E) Unrealised a prociation/deprecia- tion in value of investments, per unit	· 0 .05	0.0)	0 .02	0.05 -	-0. <sup>-</sup> 8 -	<b>-0</b> .70 -	-0 .74		0.44	0 ,50	0 .43	0.44	0 .27	
(F) Market price : Highest Lowest						•								
Repurchase price ;				,										
Highest														
Lowest														
Sale Price														
Highest														
Loyost														
PE Ratio														
(G) Per unit, ratio of expenses to average rat assets by percenting.	0.21	0 .54	0 .29	0.30	0.35	0 .35	0 .34	0.29	0 .44	0 .45	0 .51	0 ,50	0 .37	0 15
(H) Per unit ratio of gross income to average net a sets by percent-go (excluding transfer to revenue account from past year's reserve but including unrealised appreciation on investments)	6,78	18 24	7 .63	5.69	5 .84	6.39	6.04	6 .81	11 .18	10 .36	9 .54	8 .70 1	.1 .52	<b>2</b> ,05
(I) Per unit NAV	10.59	13.35	12.51	11.18	10.34	9 .58	9.47	10 .46	11.01	.0.84	.0.37	10.26	9.99 1	10.09

## UNIT TRUST OF INDIA CORPORATE OFFICE

13, Sir Vithaldas Thackersey Marg (New Marine Lines), Mumbai-400020, Tel. 206 8468

#### ZONAL OFFICES

Western Zone: Commerce Centre-1, 28th Floor, World Trade Centre, Custe Parade, Colaba, Mumbai-400 605. Tel. 218 1600/218 1254 Eastern Zone: 2, Fairlie Place, 2nd Floor, Calcutta-700 001. Tel.: 220 9391/220 5322. Southern Zone: UTI House, 29, Rajaji Salai. Madras-600 001. Tel. 517 101. Northern Zone: Jeevan Bharati, 13th Floor, Tower II, Connaught Circus, New Delhi-110 001, Tel: 332 9860/332 9858.

# BRANCH OFFICES UNDER WESTERN ZONE MUMBAI MAIN BRANCH OFFICE

Commerce Centre-1, 29th Fioor, Cuffe Parade, Colaba, Mumbai-400 005. Tel. 218 1600/218 0057

#### BRANCH WHERE APPLICATIONS CAN BE TENDERED

Ahmedabad: B. J. House, 2nd, 3rd & 4th Floor, Ashram Marg, Ahmedabad-380 009. Tel.: 6423043. Baroda: 'Meghdhanush', 4th '& 5th Floor, Transpek Circle, Race Course Marg; Baroda-390 015. Tel.: 332 481. Bhopal: 1st Floor, Ganga Jamuna Commercial Complex, Plot No. 202, Maharana Pratap Nagar. Zone-1, Scheme-13, Habeeb Ganj, Bhopal-462 001. Tel.: 558 303. Indora: City Centre, 2nd Floor, 570, M.G. Marg. Indore-452 001. Tel.: 22796. Mumbai: (1) Unit No. 2 Block 'B', Gulmohar Cross Marg No. 9, Andheri (W.), Mumbai-400 049. Tel.: 620 1995. (2) Persepolis Bldg., 3rd Floor, Above Andhra Bank, Scctor-17, Vashi, Navi Mumbai-400 703. Tel.: 767 2607. (3) Lotus Court Bldg., 196, Jamashedji Tata Marg, Backbay Reclamation, Mumbai-400 020, Tel. : 285 0821. (4) Shraddha Shopping Arcade, 1st Floor, S.V. Marg, Borivilli (W), Mumbai-400 092. Tel: 802 0521. (5) Sagar Bonanza, 1st Floor Khot Lane, Ghatkopar (W), Mumbai-400 086. Tel.: 516 2256, Kolhapur, Ayodhya Towers, C.S. No. 511, KH-1/2, 'E' Werd, Dabholkar Corner, Station Marg, Kolhapur-416 001. Tel: 657 315. Nagpur: Shree Mohini Complex, 3rd Floor, 345, Sardar Vallabhbhai Patel Marg. Nagpur-440 001. Tel. : 536 893. Nasik : Sarda Sankul, 2nd Floor, M.G. Marg, Nasik-422 001, Tel.: 72166. Panaji: E.D.C. House, Ground Floor, Dr. A. B. Marg, Panaji, Goa-403 001. Tel.: 222 472. Pune: Sadashiv Vilas, 3rd Floor, 1183, Fergusson College Marg, Shivaji Nagar, Pune-411 005. Tel.: 325 954. Rajkot: Lallubhai Centre, 4th Floor, Lakhaji Raj Marg, Rajkot-360 001. Tel. : 35112. Surat : Saifce Bldg., Dutch Marg, Nanpura, Surat-395 001. Tel.: 434 550. Thane: UTI House, Station Marg, Thane (W)-400 601. Tel.: 540 0905.

## BRANCH OFFICES UNDER NORTHERN ZONE JURIS-DICTION

Agra: Ground Floor, Jeevan Prakash, Sanjay Place, Mahatma Gandhi Marg, Agra-282 002. Tel. 54408. Allahabad: United Towers, 3rd Floor, 53, Leader Marg, Allahabad-211 003. Tel.: 50521. Amritsar: Shri Dwarkudhish Complex, 2nd Floor, Queen's Marg, Amritsar-143 001. Tel.: 210367. Chandigarh: Jeevan Prakash, LIC, Bldg., Sector 17-B, Chandigarh-160 017. Tel.: 543 683. Dehradun: 2nd Floor, 59/3, Rajpur Marg, Dehradun-248 001. Tel.:

26720. Faridabad: B-614-617, Nehru Ground, NIT, Faridabad-121 001, Tel: 210010, Ghaziabad: 41, Navyug Market, Near Singheni Gate, Ghaziabad-201 001. Tel.: 752040. Jaipur: Anand Bhavan, 3rd Floor, Sansar Chandra Marg, Jaipur-302 001. Tel.: 365 212. Kanpur: 16/79-E. Civil Lines, Kanpur-208 001. Tel.: 317 278. Lucknow: Regency Plaza Building, 6, Park Marg, Lucknow-226 001. Tel.: 232 501. Ludhana: Soban Palace, 455, The Mall Ludhlana-141 001. Tel.: 400 373, New Delhi: Gulat Bhavan, 2nd Floor, 6, Bahadurshah Jafar Marg, New Delhi-110 002, Tel: 331 8638. Shīmla: 3, Mall Marg, 1st Floor, Above Jankidas & Co. Dept. Store, Shimla-171 002. Tel.: 4203. Varanasi: 1st Floor, D-58/2A-1, Bhawani Market Rathyatra. Varanasi-221 001. Tel.: 54306.

#### BRANCH OFFICE UNDER SOUTHERN ZONE JURIS-DICTION

Bangalore: Raheja Towers, 26-27, 12th Floor, West Wing, M.G. Road, Bangalore-560 001. Tel: 5095 150. Cochin: Jeevan Prakash, 5th Floor, M.G. Marg, Ernakulam-682 011. Tel: 362 354. Colimbatore: Cheran Towers, 3rd Floor, 6/25 Arts College Marg. Coimbatore-641 1001. Tel: 214973. Hubli: Kalburgi Mansion, 4th Floor. Laming on Marg, Hubli-580 020. Tel: 363 963. Hyderabad: 1st Floor, Surabhi Arcade, 5-1-664, 665. 669, Bank Street, Hyderabad-500 001, Tel: 511 095. Madras: UTI House, 29, Rajah Salai. Madras-600 001, Tel: 517 101! Madural: Tamil Nadu Sarvodaya Sangh Bldg., 108, Thirupparakundram Marg, Madurai-625 001. Tel: 38186. Mangalore: Siddhartha Bldg., 1st Floor, Bal Mata Marg, Mangalore: Siddhartha Bldg., 1st Floor, Bal Mata Marg, Mangalore: 3rd Floor, M.G. Marg. Thiruvananthapuram: Swastik Centre, 3rd Floor, M.G. Marg. Thiruvananthapuram: 28/25 001. Tel: 331 415. Trichy: 104. Salai Marg, Woraiyur, Tiruchirapalli-620 003. Tel: 27060. Trichur: 28/26/77 West Pallihaman Bldg., Karunakaran Nantbiar Marg, Round North Trichur-680 020. Tel: 331 259. Vijavwada: 27-37-156. Bunder Marg, Next to Hotel Manorama, Vijayawada-520 002. Tel: 74434. Visakhapatnam: Ratna Arcade, 3rd Floor, 4711516, Station Marg, Dwarkanager, Vishakhapatnam-530 016. Tel: 548 121.

## BRANCH OFFICES UNDER EASTERN ZONE JURIS-DICTION

Bhubaneshwar: OCHC Bldg., 1st & 2nd Floor. 24, Janpath, Kharvela Nagar, Near Ram Mandir, Bhubaneshwar-751 001. Tel.: 410 995. Calcutta: 2 & 4, Fairlie Place, Calcutta-700 001. Tel.: 220 9391. Durgapur: 3rd Administrative Bldg., 2nd Floor, Asansol Durgapur Development Authority, City Centre, Durgapur-713 216. Tel.: 4831. Guwahati: Jeevan Deep, M.L. Nehru Marg, Panbazar, Guwahati-781 001. Tel.: 543 131. Jamshedpur: 1-A. Ram Mandir Area, Ground & 2nd Floor, Bistupur, Jamshedpur-831 001. Tel.: 425 508. Patna: Jeevan Deep Bldg., Ground & 5th Floor, Exhibition Marg, Patna-300 001. Tel.: 235 001. Sillguri: Jeevan Deep, Ground Floor, Gurunanak Sarani, Siliguri-734 401. Tel.: 24671.

## UNIT TRUST OF INDIA MUMBAI

Mumbai, the 24th July 1997

UT DBDM/R-2/SPD 52/97-98.—The amendments to the provisions of the Unit Linked Insurance Plan 1971 made under section 19(1) (CC) of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) in relation to the unit scheme, the Unit Scheme 1971 made under section 21 of the said Act approved by the Executive Committee in the meeting held on 12th January 1996, to come into effect from 1st April 1997, is published herebelow.

A. G. JOSHI,
General Manager
Business Development & Marketing

\_\_\_\_

## ANNEXURE

(1) Paragraph 2 of the provisions of the Unit Linked Insurance Plan 1971 is substituted by the following:

Women are eligible for participation provided they have

- (i) regular income of their own; and
- (ii) they are not pregnant at the time of admission to the plan.

Privided further that women having no regular income of their own may be allowed to participate in the plan, s bject to the life insurance cover being restricted to a maximum of Rs. 40,000/- even if the target amount is above Rs. 40,000/-.

In such cases there will be a one year 100% lien clause during the first year after introduction. In case premium is not paid within the days of grace, one year lien clause of 100% will again be applicable on renewal.

- (2) In sub paragraph 1 of paragraph 6 of the provisions of the Unit Linked Insurance Plan 1971 the figure "Rs. 60 000/-" is substituted by the figure "Rs. 75,000/-."
- (3) In sub paragraph 3 of paragraph 6 of the provisions of the Unit Linked Insurance Plan 1971 the figure "Rs. 6,000/-" is substituted by the figure "Rs. 7,500/-.
- (4) Sub paragraph 4 of paragraph 6 of the provisions of the Unit Linked Iusuance Plan 1971 is substituted by the following:

"The condition of minimum target amount of Rs. 7,500/- as mentioned in sub paragraph 3 shall not be applicable.

- (a) In case a member is already participating in the 10 year plan for a target amount exceeding Rs. 67.500% but not exceeding Rs. 73,500% to reach the target amount of Rs. 75,000% by availing of the balance."
- (b) In case a member is already participating in 15 year plan for a target amount exceeding Rs. 67,500/- but not exceeding Rs. 73,500/- to reach the target amount of Rs. 75,000/- by evailing of the balance."

## UNIT TRUST OF INDIA Mumbai, the 31st July 1997

No. UT/DBDM/R-3/SPD-51/97-98.—The amendments to the provisions of the Unit Scheme 1964 made under section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) and the Reinvestment Plan 1966 formulated under section 19(1) (CC) of the said Act approved by the Executive Committee in the meeting held on 9th July, 1997 is published herebelow.

A. G. JOSHI, General Manager Business Development & Marketing

#### ANNEXURE

(1) Paragraph (c) of sub-clause (5) of clause 4 pertaining to "Application for units" is amended as follows:

A unit certificate will be sent if required. The cartificate if sent will be by remarked post, with or without acknowledgment due to the address given by the applicant, and control will not incur any liability for loss, damage, misdelivery or non-delivery of the unit certificate, so sent,

(2) The third sentence of Clause 6 on 'Sale of units' is amended as:

As soon as possible thereafter, the Trust shall issue to the applicant if required unit certificate's representing the units sold to him respectively depending upon the applications submitted by him.

- (3) The following shall be inserted as item (iv) of subclause (1) of clause 7 on 'Repurchase of units':
- A holder of units in the depository mode desiring to have units repurchased shall follow such rules/guidelines/procedures as may be formulated from time to time.
- (4) In clause 8 on "Sale or repurchase to be as on the acceptance date", the paragraph pertaining to "Existing unitholder" in sub-clause (1) is amended as:

"Existing unitholder" shall mean and include a person who is registered as unitholder as on the acceptance date of closure of the register of unitholders for the year preceding the offer including the person holding units in the depository mode.

(5) The following is inscribed as a second paragraph in subclause (d) of clause 8A on 'Trading of Units':

Provided in case of transfer of units by a holder of units in depository mode to another person or vice-versa, the transfer will be effected in accordance with such rules/regulations as may be in force governing transfer of securities in a depository mode.

- (6) In clause 14 pertaining to "I bust not to be recognised regarding unit certificates" the words 'including person who is the holder of units in depositories' are required to be added after the words the person who is registered as the holder and in whose name the unit certificate is issued in the 2nd line so as to read as "the person who is registered as the holder and in whose name the unit certificate is issued including person who is the holder of units in depository mode."
- (7) In clause 16 pertaining to 'Register of unit holders' the first two lines are amended as:

The following provisions shall have effect with ragard to the registration of unitholders wherever required:---

(8) In clause 20 on Transfer of units' the following proviso is added at the end of sub-clause (1):

Provided further that in case of transfer of units by a holder of units in depository mode to another person or vice-versa, the transfer will be effected in accordance with such rules/regulations as may be in force governing transfer of securities in a depository mode.

(9) In clause 29 on 'Relaxation/Variation/Modification of provisions, the following Explanation is added:

#### Explanation:

The power to relax, vary or modify the scheme provisions may also be exercised for the purpose of enabling the unitholder to hold and trade the units in depository mode.

The following amendments are proposed in the Reinvestment Plan 1966:-

(1) Clause 2 of the provisions of Reinvestment Plan 1966 is ammended as:

The Plan shall be applicable to units for which units certificates have been issued as also to the holders of units in depositories mode.

Provided that the holder of units in the depository mode shall follow such rules/guidelines/procedures as may be formulated for the purpose from time to time.

(2) Clause 3 is amended as:

All unitholders including holders of units in a descriptive parents and generalizes holding units on behalf of minors shall, in respect of units solely or wholly held by them, be eligible to participate in the Plan.

प्रशासक, भारत सरकार भन्गालय, जरीतकाद नवारा स्वीतत एवं प्रकाशन स्थितक, दिल्ली त्वारा प्रकाशित, 1097

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, PARIDABAD, AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS. DELHI, 199"